खण्ड–525, अंक–03
सोमवार, 16 माघ, शक संवत् 1945
(दिनांक 05 फरवरी, 2024 ई0)

उत्तर प्रदेश विधान सभा

की

कार्यवाही

–: 0 :–

(अधिकृत विवरण)

(अट्ठारहवीं विधान सभा, प्रथम सत्र, 2024)

(खण्ड 525 में 08 अंक हैं)
उत्तर प्रदेश विधान सभा सचिवालय (कार्यवाही अनुभाग) द्वारा प्रकाशित

मुद्रक :
निदेशक, मुद्रण एवं लेखन सामग्री, उत्तर प्रदेश, लखनऊ (भारत)
2024

मूल्य : बिना महसूल 16.75 रुपये, महसूल सहित 21.00 रुपये।
वार्षिक चन्दा : बिना महसूल 586.25 रुपये, महसूल सहित 724.25 रुपये।

विषय-सूची

विषय			पृष्ठ संख्या
उपस्थित सदस्य	...	...	1-6
वित्तीय वर्ष 2024-2025 के आय-व्ययक का प्रस्तुतीकरण (ई0 विधान द्वारा)...			7-41
वित्तीय वर्ष 2024-2025 के आय-व्ययक साहित्य मा0 सदस्यों के डिवाइस पर अपलोड किये जाने की सूचना	...	...	41
मा0 सदस्यों के लिये आज कैफेटेरिया में लंच की सूचना		...	41-42
नियम-301 के अन्तर्गत सूचनाएं	...	...	42-44
जनपद बिजनौर के विधान सभा क्षेत्र बिजनौर के ब्लॉक नूरपुर के अन्तर्गत खींची गयी 11 हजार वोल्टेज लाइन की जगह 440 वोल्टेज कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना		...	44
जनपद शामली के विधान सभा क्षेत्र थानाभवन के कस्बा जलालाबाद में एक कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय खोले जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	...	...	44-45
जनपद शामली में स्टेडियम बनाए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	...	...	45
जनपद फतेहपुर में श्रीमती रामा अग्रहरि के नाम से जनहित में अशोक नगर बस स्टाप के पास स्मृति द्वार बनाए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	...	...	45-46
जनपद बुलन्दशहर के ग्राम अगौता रजवाहे से निमचाना सम्पर्क मार्ग बनाए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना		...	46
जनपद बरेली के विधान सभा क्षेत्र फरीदपुर के विकास खण्ड-भुता के अन्तर्गत ग्राम बेवल से बसन्तपुर से खटेली तक सम्पर्क मार्ग बनाए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना		...	46
जनपद फतेहपुर के विधान सभा क्षेत्र जहानाबाद के अन्तर्गत पांडु नदी पर पुल के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना		...	46-47
जनपद रायबरेली के विधान सभा क्षेत्र सलोन में उदयपुर से नहर तक मेंहदीगंज से मजरे बिरनावा तक पक्की सड़क निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	...	...	47

विषय	पृष्ठ संख्या
जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र जफराबाद में कतिपय मार्गों के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	47
जनपद सिद्धार्थनगर के विधान सभा क्षेत्र डुमरियागंज के अन्तर्गत कुआनो नदी पर बने पुल का कार्य पूर्ण कराए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	48
जनपद श्रावस्ती के विधान सभा क्षेत्र भिनगा के अन्तर्गत ग्राम गलकटवा में नदी पर पुल बनाए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना...	48
जनपद कानपुर के विधान सभा क्षेत्र गोविन्द नगर में जामयुक्त क्षेत्र हेतु एक नए मार्ग का निर्माण कराए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	48-50
जनपद अमरोहा के विधान सभा क्षेत्र धनौरा में राजकीय महाविद्यालय बनाए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	50
जनपद उन्नाव के विभिन्न नगर पंचायतों में होम्योपैथिक अस्पताल के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	50
जनपद जौनपुर के बदलापुर विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत कतिपय पुलों के वित्तीय स्वीकृति तथा निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	51
जनपद आजमगढ़ के विधान सभा क्षेत्र मुबारकपुर के अन्तर्गत हरिनारायण के घर से राजेन्द्र कनौजिया के घर तक सी0सी0 रोड का निर्माण कराए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	51
प्रदेश में संचालित 580 प्रशिक्षण संस्थानों के मानक सुनिश्चित कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	52
जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र बैरिया के अन्तर्गत लोकनायक जय प्रकाश नारायण के पैतृक गाँव तक जाने वाले मार्ग का निर्माण कराए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	52-53
जनपद अम्बेडकरनगर के विधान सभा क्षेत्र आलापुर के अन्तर्गत सँकरी पुलिया के चौड़ीकरण कराए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	53
जनपद गाजीपुर के जखनियाँ में कतिपय मार्गों के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	53-54

विषय	पृष्ठ संख्या
जनपद शाहजहांपुर के विधान सभा क्षेत्र कटरा के विकास खण्ड खुदागंज में कतिपय मार्ग का डामरीकरण कराए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	55
शासन के कार्मिक विभाग में कतिपय लोकहित कार्यों को पूर्ण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	55-56
चक्रवर्ती सम्राट अशोक के नाम से राष्ट्रीय अवकाश घोषित किये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	56-57
औचित्य के प्रश्न की सूचनाएं	57
विधान सभा के वर्तमान एवं पूर्व सदस्यों के डीजल, कूपन व अन्य भत्तों में वर्तमान महंगाई दर के सापेक्ष वृद्धि के सम्बन्ध में औचित्य का प्रश्न...	57-60
वर्तमान विधान सभा के सदस्यों को उनके जन्मदिन के अवसर पर सदन की ओर से बधाई	60-62
कार्य-स्थगन प्रस्ताव की सूचनाएं	62-71
अयोध्या धाम में भगवान श्रीराम जन्म भूमि पर लगभग 500 वर्षों के अन्तराल के बाद भगवान श्रीराम लला की प्रतिमा की स्थापना पर मा0 प्रधानमंत्री व मा0 मुख्य मंत्री को बधाई प्रस्ताव (विपक्ष के 14 सदस्यों को छोड़कर प्रस्ताव सर्वसम्मति से स्वीकृत)	71-72
श्री राज्यपाल के अभिभाषण पर प्रस्तुत धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा (जारी)...	72-181
याचिकाओं का उपस्थापन	181
श्री मनोज कुमार पाण्डेय, सदस्य, विधान सभा की जनपद रायबरेली से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुई मानी गई)	181
श्री शलभ मणि त्रिपाठी, सदस्य, विधान सभा की जनपद देवरिया से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)	182
श्री ब्रजभूषण राजपूत, सदस्य, विधान सभा की जनपद महोबा से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)	182
श्री सुरेश कुमार, सदस्य, विधान सभा की जनपद अमेठी से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)	182
श्री सचिन यादव, सदस्य, विधान सभा की जनपद फिरोजाबाद से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुई मानी गई)... ...	182

विषय			पृष्ठ संख्या
श्री मौहम्मद फहीम इरफान, सदस्य, विधान सभा की जनपद मुरादाबाद से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुई मानी गई)	...	...	182
श्रीमती अनुपमा जायसवाल, सदस्य, विधान सभा जनपद बहराइच से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)	...	...	183
श्री सीताराम वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद सुल्तानपुर से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुई मानी गई)	...	...	183
श्री प्रदीप कुमार चौधरी, सदस्य, विधान सभा की जनपद बुलन्दशहर से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)	...	...	183
श्री बम्बा लाल, सदस्य, विधान सभा की जनपद उन्नाव से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)	...	...	183
श्रीमती गीता शास्त्री (पासी), सदस्य, विधान सभा की जनपद प्रयागराज से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)	...	...	183
श्री अभय सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद लखनऊ से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)	...	...	184
श्री विकास गुप्ता, सदस्य, विधान सभा की जनपद फतेहपुर से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)	...	...	184
डॉ0 वीरेन्द्र यादव, सदस्य, विधान सभा की जनपद गाजीपुर से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)	...	...	184
श्रीमती पूजा, सदस्य, विधान सभा की जनपद आजमगढ़ से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)	...	...	184
श्री रमेश चन्द्र मिश्र, सदस्य, विधान सभा की जनपद जौनपुर से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुई मानी गई)	...	...	184
मेजर सुनील दत्त द्विवेदी, सदस्य, विधान सभा की जनपद फर्रुखाबाद से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)	...	...	184
श्री रविदास मेहरोत्रा, सदस्य, विधान सभा की जनपद लखनऊ से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)	...	...	185
श्री पूरन प्रकाश, सदस्य, विधान सभा की जनपद मथुरा से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)	...	...	185

विषय			पृष्ठ संख्या
श्री बाबूलाल, सदस्य, विधान सभा की जनपद आगरा से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)	...	...	185
श्री अतुल प्रधान, सदस्य, विधान सभा की जनपद मेरठ से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुई मानी गई)	...	...	185
श्री अनिल सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद लखनऊ से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)	...	...	185
श्री जय प्रकाश अंचल, सदस्य, विधान सभा की जनपद बलिया से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुई मानी गई)...		...	185
श्री लोकेन्द्र प्रताप सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद खीरी से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)	...	...	186
श्री जै किशन साहू, सदस्य, विधान सभा की जनपद गाजीपुर से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)	...	...	186
श्री मूल चन्द्र सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद जालौन से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)	...	...	186
श्री राजेन्द्र कुमार मौर्य, सदस्य, विधान सभा की जनपद प्रतापगढ़ से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुई मानी गई) ...		...	186
श्री लक्ष्मी राज सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद बुलन्दशहर से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुई मानी गई) ...		...	186
श्री जवाहर लाल राजपूत, सदस्य, विधान सभा की जनपद झांसी से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुई मानी गई)...		...	186
श्री राजपाल सिंह बालियान, सदस्य, विधान सभा की जनपद मुजफ्फरनगर से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुई मानी गई) ...		...	187
डॉ0 मुकेश चन्द्र वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद फिरोजाबाद से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)	...	...	187
श्री सुरेन्द्र मैथानी, सदस्य, विधान सभा की जनपद कानपुर से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)	...	...	187
डॉ0 पल्लवी पटेल, सदस्य, विधान सभा की जनपद कौशाम्बी से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)	...	...	187

विषय			पृष्ठ संख्या
श्री राजेन्द्र सिंह पटेल, सदस्य, विधान सभा की जनपद फतेहपुर से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुई मानी गई)...	...		187
श्री प्रदीप कुमार सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद हाथरस से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुई मानी गई)...	...		188
श्री अनिल कुमार, सदस्य, विधान सभा की जनपद मुजफ्फरनगर से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुई मानी गई) ...	...		188
श्री चन्दन चौहान, सदस्य, विधान सभा की जनपद मुजफ्फरनगर से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुई मानी गई) ...	...		188
श्री गौरी शंकर वर्मा (कोरी), सदस्य, विधान सभा की जनपद जालौन से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुई मानी गई) ...	...		188
श्री प्रसन्न कुमार, सदस्य, विधान सभा की जनपद शामली से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुई मानी गई)...	...		188
श्री अजय सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद गोण्डा से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुई मानी गई)	...	...	189
श्री राम रतन कुशवाहा, सदस्य, विधान सभा की जनपद ललितपुर से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुई मानी गई) ...	...		189
श्रीमती मीनाक्षी सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद बुलन्दशहर से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)	...	...	189
श्री त्रिभुवन दत्त, सदस्य, विधान सभा की जनपद अम्बेडकरनगर से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुई मानी गई)	...		189
श्री शफीक अहमद अंसारी, सदस्य, विधान सभा की जनपद रामपुर से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)	...	...	189
श्री जीत लाल पटेल, सदस्य, विधान सभा की जनपद प्रतापगढ़ से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)	...	...	190
श्री गौरव कुमार, सदस्य, विधान सभा की जनपद बाराबंकी से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)	...	...	190
श्री अनिल प्रधान, सदस्य, विधान सभा की जनपद चित्रकूट से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)	...	...	190

विषय			पृष्ठ संख्या
श्री स्वामी ओउ्मवेश, सदस्य, विधान सभा की जनपद बिजनौर से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)	...	...	190
श्रीमती नीलिमा कटियार, सदस्य, विधान सभा की जनपद कानपुर से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुई मानी गई)	...	...	190
श्री अशरफ अली खान, सदस्य, विधान सभा की जनपद शामली से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुई मानी गई)...		...	190
श्री पंकज कुमार मलिक, सदस्य, विधान सभा की जनपद नोएडा से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुई मानी गई)...		...	191
श्री विनोद चतुर्वेदी, सदस्य, विधान सभा की जनपद जालौन से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)	...	...	191
श्री राम अचल राजभर, सदस्य, विधान सभा की जनपद अम्बेडकरनगर से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुई मानी गई)	...	...	191
श्री राम अवतार सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद बिजनौर से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)	...	...	191
श्री मनोज कुमार पारस, सदस्य, विधान सभा की जनपद बिजनौर से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुई मानी गई)	...	...	191
डॉ0 एम0 पी0 आर्य, सदस्य, विधान सभा की जनपद बरेली से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुई मानी गई)...		...	192
श्री राम चन्द्र यादव, सदस्य, विधान सभा की जनपद लखनऊ से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)	...	...	192
श्री उमर अली खान, सदस्य, विधान सभा की जनपद सहारनपुर से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुई मानी गई)	...	...	192
श्री आशीष कुमार सिंह 'आशू', सदस्य, विधान सभा की जनपद हरदोई से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)	...	...	192
श्री राम निवास वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद बहराइच से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)	...	...	192
श्रीमती सलोना कुशवाहा, सदस्य, विधान सभा की जनपद शाहजहाँपुर से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)	...	...	193

विषय			पृष्ठ संख्या
श्रीमती सरिता भदौरिया, सदस्य, विधान सभा की जनपद इटावा से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)	...	...	193
श्री कमलाकान्त राजभर उर्फ पप्पू, सदस्य, विधान सभा की जनपद आजमगढ़ से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुई मानी गई)	...	...	193
नियम-51 के अन्तर्गत सूचनाएं	...	...	193-195

उत्तर प्रदेश विधान सभा

अट्ठारहवीं विधान सभा

सोमवार, दिनांक 05 फरवरी, 2024 ई0

(विधान सभा की बैठक सभा मण्डप, लखनऊ में दिन के 11:00 बजे अध्यक्ष श्री सतीश महाना की अध्यक्षता में आरम्भ हुई।)

उपस्थित सदस्य-355

1.	अंकित भारती, श्री	गाजीपुर	
2.	अंकुर तिवारी, श्री	सन्तकबीरनगर	
3.	अखिलेश, श्री	आजमगढ़	
4.	अजय, श्री	गोण्डा	
5.	अजय सिंह, श्री	बस्ती	
6.	अजीत पाल त्यागी, श्री	गाजियाबाद	
7.	अजीत सिंह पाल, श्री	कानपुर देहात	
8.	अताउर रहमान, श्री	बरेली	
9.	अतुल गर्ग, श्री	गाजियाबाद	
10.	अतुल प्रधान, श्री	मेरठ	
11.	अदिति सिंह, श्रीमती	रायबरेली	
12.	अनिल कुमार, श्री	मुजफ्फरनगर	
13.	अनिल प्रधान, श्री	चित्रकूट	
14.	अनिल कुमार त्रिपाठी, श्री	सन्तकबीरनगर	
15.	अनिल कुमार मौर्य, डॉ0	सोनभद्र	
16.	अनिल कुमार वर्मा, श्री	सीतापुर	
17.	अनिल कुमार सिंह, श्री	उन्नाव	
18.	अनिल पाराशर, श्री	अलीगढ़	
19.	अनिल राजभर, श्री	वाराणसी	
20.	अनुराग सिंह, श्री	मिर्जापुर	
21.	अनूप सिंह उर्फ अनूप प्रधान वाल्मीकि, श्री	अलीगढ़	
22.	अन्जुला सिंह माहौर, श्रीमती	हाथरस	
23.	अभय सिंह, श्री	अयोध्या	
24.	अभिजीत सिंह 'साँगा', श्री	कानपुर नगर	
25.	अमन गिरि, श्री	लखीमपुर खीरी	
26.	अमरेश कुमार, श्री	लखनऊ	
27.	अमित अग्रवाल, श्री	मेरठ	
28.	अमित सिंह चौहान, डा0	अयोध्या	
29.	अमिताभ बाजपेई, श्री	कानपुर नगर	
30.	अरमान खान, श्री	लखनऊ	
31.	अरुण कुमार, डॉ0	बरेली	
32.	अर्चना पाण्डेय, श्रीमती	कन्नौज	
33.	अलका सिंह, श्रीमती	हरदोई	
34.	अवधेश सिंह, डॉ0	वाराणसी	
35.	अविनाश चन्द्र द्विवेदी, श्री	चित्रकूट	
36.	अशरफ अली खान, श्री	शामली	
37.	अशोक कुमार, श्री	रायबरेली	
38.	अशोक कुमार राणा, श्री	बिजनौर	
39.	असीम अरुण, श्री	कन्नौज	
40.	आकाश सक्सैना (हनी), श्री	रामपुर	
41.	आदित्यनाथ योगी, श्री	गोरखपुर	
42.	आर0 के0 पटेल, डॉ0	जौनपुर	
43.	आर0 के0 वर्मा, डॉ0	प्रतापगढ़	
44.	आराधना मिश्रा 'मोना', श्रीमती	प्रतापगढ़	
45.	आशा मौर्य, श्रीमती	सीतापुर	
46.	आशीष कुमार सिंह 'आशू', श्री	हरदोई	
47.	आशुतोष शुक्ल, श्री	उन्नाव	
48.	आशु मलिक, श्री	सहारनपुर	
49.	इकबाल महमूद, श्री	सम्भल	

50. इन्द्रजीत सरोज, श्री कौशाम्बी
51. इन्द्राणी देवी, श्रीमती श्रावस्ती
52. उमर अली खान, श्री सहारनपुर
53. उमाशंकर सिंह, श्री बलिया
54. ऊषा मौर्या, श्रीमती फतेहपुर
55. ऋषि त्रिपाठी, श्री महराजगंज
56. एम0 पी0 आर्य, डॉ0 बरेली
57. ओमकुमार, श्री बिजनौर
58. ओम प्रकाश राजभर, श्री गाजीपुर
59. ओममणी वर्मा, श्रीमती बांदा
60. कपिल देव अग्रवाल, श्री मुजफ्फरनगर
61. कमलाकान्त राजभर उर्फ पप्पू, श्री आजमगढ़
62. कमाल अख्तर, श्री मुरादाबाद
63. कविन्द्र चौधरी, श्री बस्ती
64. कृष्णपाल मलिक, श्री बागपत
65. कृष्णा पासवान, श्रीमती फतेहपुर
66. केतकी सिंह, श्रीमती बलिया
67. कैलाश, श्री चंदौली
68. कैलाश नाथ, श्री बलरामपुर
69. कैलाश राजपूत, श्री कन्नौज
70. गणेश चन्द्र, श्री सन्तकबीरनगर
71. गिरीश चन्द्र यादव, श्री जौनपुर
72. गीता शास्त्री (पासी), श्रीमती प्रयागराज
73. गुरु प्रसाद मौर्य, श्री प्रयागराज
74. गुलाब देवी, श्रीमती सम्भल
75. गुलाम मौहम्मद, श्री मेरठ
76. गौरव कुमार, श्री बाराबंकी
77. गौरी शंकर वर्मा (कोरी), श्री जालौन
78. चन्दन चौहान, श्री मुजफ्फरनगर
79. चन्द्रपाल सिंह, श्री बुलन्दशहर
80. चन्द्र प्रकाश लोधी (एडवोकेट), श्री फतेहपुर
81. चेतराम, श्री शाहजहांपुर
82. छोटे लाल वर्मा, श्री आगरा
83. जगदीश नारायण, श्री जौनपुर
84. जय कुमार सिंह जैकी, श्री फतेहपुर
85. जय देवी, श्रीमती लखनऊ
86. जयद्रथ उर्फ प्रवक्तानन्द, श्री पीलीभीत
87. जय प्रकाश अंचल, श्री बलिया
88. जयप्रकाश निषाद, श्री देवरिया
89. जय प्रताप सिंह, श्री सिद्धार्थनगर
90. जयमंगल, श्री महराजगंज
91. जयवीर सिंह, ठाकुर अलीगढ़
92. जवाहर लाल राजपूत, श्री झांसी
93. जाहीद, श्री भदोही
94. जियाउद्दीन रिजवी, श्री बलिया
95. जीत लाल पटेल, श्री प्रतापगढ़
96. जै किशन साहू, श्री गाजीपुर
97. ज्ञान तिवारी, श्री सीतापुर
98. ज्ञानेन्द्र सिंह, श्री महराजगंज
99. डी0 सी0 वर्मा, डॉ0 बरेली
100. तसलीम अहमद, श्री बिजनौर
101. तुफानी सरोज, श्री जौनपुर
102. तेजपाल सिंह नागर, श्री गौतमबुद्धनगर
103. त्रिभुवन दत्त, श्री अम्बेडकरनगर
104. दयाशंकर सिंह, श्री बलिया
105. दिनेश रावत, श्री बाराबंकी
106. दीपक कुमार मिश्र ''शाका'', श्री देवरिया
107. दुधराम, श्री बस्ती
108. दुर्गा प्रसाद यादव, श्री आजमगढ़
109. देवेन्द्र कुमार निम, श्री सहारनपुर
110. देवेन्द्र प्रताप सिंह, श्री रायबरेली
111. देवेन्द्र सिंह, श्री कासगंज
112. देवेन्द्र सिंह लोधी, श्री बुलन्दशहर
113. धर्मपाल सिंह, श्री बरेली

114. धर्मपाल सिंह, डॉ0 आगरा
115. धर्मराज सिंह यादव, श्री बाराबंकी
116. धीरेन्द्र सिंह, श्री गौतमबुद्धनगर
117. नन्दकिशोर, श्री गाजियाबाद
118. नफीस अहमद, श्री आजमगढ़
119. नसीर अहमद खां, श्री रामपुर
120. नागेन्द्र सिंह राठौर, श्री फर्रुखाबाद
121. नादिरा सुल्तान उर्फ बिटिया, श्रीमती कासगंज
122. नासिर कुरैशी, हाजी मुरादाबाद
123. नितिन अग्रवाल, श्री हरदोई
124. निर्मल वर्मा, श्री सीतापुर
125. नीरज बोरा, डॉ0 लखनऊ
126. नीलकण्ठ तिवारी, डॉ0 वाराणसी
127. नीलिमा कटियार, श्रीमती कानपुर नगर
128. पंकज पटेल, श्री जौनपुर
129. पंकज कुमार मलिक, श्री मुजफ्फरनगर
130. पंकज गुप्ता, श्री उन्नाव
131. पंकज सिंह, श्री गौतमबुद्धनगर
132. पंचानन्द पाठक (पी0एन0 पाठक), श्री कुशीनगर
133. पल्टूराम, श्री बलरामपुर
134. पल्लवी पटेल, डॉ0 कौशाम्बी
135. पिंकी सिंह, श्रीमती सम्भल
136. पीयूष रंजन निषाद, श्री प्रयागराज
137. पूनम संखवार, श्रीमती कानपुर देहात
138. पूरन प्रकाश, श्री मथुरा
139. प्रकाश द्विवेदी, श्री बांदा
140. प्रतिभा शुक्ला, श्रीमती कानपुर देहात
141. प्रदीप कुमार चौधरी, श्री बुलन्दशहर
142. प्रदीप कुमार यादव, श्री औरैया
143. प्रदीप कुमार सिंह, श्री हाथरस
144. प्रदीप शुक्ला, श्री गोरखपुर
145. प्रभात कुमार वर्मा, श्री गोण्डा
146. प्रभाष कुमार, श्री हरदोई
147. प्रभु नारायण सिंह यादव, श्री चन्दौली
148. प्रवीण पटेल, श्री प्रयागराज
149. प्रसन्न कुमार, श्री शामली
150. प्रेम नरायन पाण्डेय, श्री गोण्डा
151. प्रेम पाल सिंह धनगर, श्री फिरोजाबाद
152. प्रेमसागर पटेल, श्री महराजगंज
153. फतेह बहादुर, श्री गोरखपुर
154. फरीद महफूज किदवई, श्री बाराबंकी
155. बम्बा लाल, श्री उन्नाव
156. बल्देव सिंह औलख, श्री रामपुर
157. बाबूराम, श्री पीलीभीत
158. बावन सिंह, श्री गोण्डा
159. बिजयलक्ष्मी गौतम, श्रीमती देवरिया
160. बीरेन्द्र सिंह राणा, श्री हाथरस
161. बृजेश कठेरिया, इंजी0 मैनपुरी
162. बृजेश कुमार, श्री उन्नाव
163. बेचई सरोज, श्री आजमगढ़
164. बेदी, श्री गाजीपुर
165. बेबीरानी मौर्य, श्रीमती आगरा
166. ब्रजभूषण राजपूत, श्री महोबा
167. ब्रजेश पाठक, श्री लखनऊ
168. ब्रजेश यादव, श्री बदायूं
169. ब्रिजेश, श्री सहारनपुर
170. भगवान सिंह कुशवाहा, श्री आगरा
171. भूपेश चौबे, श्री सोनभद्र
172. मदन भैया, श्री मुजफ्फरनगर
173. मंजू त्यागी, श्रीमती खीरी
174. मनीष असीजा, श्री फिरोजाबाद
175. मनीष कुमार उर्फ मन्टू, श्री कुशीनगर

176. मनीष रावत, श्री सीतापुर
177. मनीषा, श्रीमती हमीरपुर
178. मनोज कुमार पाण्डेय, श्री रायबरेली
179. मनोज कुमार पारस, श्री बिजनौर
180. मनोहर लाल, श्री ललितपुर
181. मन्जू शिवाच, डॉ0 गाजियाबाद
182. महबूब अली, श्री अमरोहा
183. महाराजी प्रजापति, श्रीमती अमेठी
184. महेन्द्र सिंह खड़गवंशी, श्री अमरोहा
185. महेन्द्र नाथ यादव, श्री बस्ती
186. महेन्द्र पाल सिंह, श्री गोरखपुर
187. महेश चन्द्र गुप्ता, श्री बदायूं
188. महेश त्रिवेदी, श्री कानपुर नगर
189. माता प्रसाद पाण्डेय, श्री सिद्धार्थनगर
190. माधवेन्द्र प्रताप सिंह, श्री हरदोई
191. मुकेश चौधरी, श्री सहारनपुर
192. मुकेश चन्द्र वर्मा, डा0 फिरोजाबाद
193. मुक्ता संजीव राजा, श्रीमती अलीगढ़
194. मूल चन्द्र सिंह, श्री जालौन
195. मेघश्याम, श्री मथुरा
196. मो0 ताहिर खान, श्री सुल्तानपुर
197. मोहन वर्मा, श्री कुशीनगर
198. मोहम्मद हसन 'रूमी', श्री कानपुर नगर
199. मोहित सोनकर ''राहुल बच्चा'', श्री कानपुर नगर
200. मौहम्मद फहीम इरफान, श्री मुरादाबाद
201. योगेन्द्र उपाध्याय, श्री आगरा
202. योगेश धामा, श्री बागपत
203. योगेश वर्मा, श्री खीरी
204. योगेश शुक्ला, श्री लखनऊ
205. रघुराज प्रताप सिंह, श्री प्रतापगढ़
206. रजनी तिवारी, श्रीमती हरदोई
207. रत्नाकर मिश्रा, श्री मिर्जापुर
208. रफीक अंसारी, श्री मेरठ
209. रमापति शास्त्री, श्री गोण्डा
210. रमा शंकर सिंह, श्री मिर्जापुर
211. रमेश सिंह, श्री जौनपुर
212. रमेश चन्द्र मिश्र, श्री जौनपुर
213. रमेश जायसवाल, श्री चन्दौली
214. रविदास मेहरोत्रा, श्री लखनऊ
215. रवि शर्मा, श्री झाँसी
216. रवेन्द्र पाल सिंह, श्री अलीगढ़
217. रश्मि आर्य, डॉ0 झांसी
218. राकेश कुमार गोस्वामी, श्री महोबा
219. राकेश प्रताप सिंह, श्री अमेठी
220. राकेश पाण्डेय, श्री अम्बेडकरनगर
221. राकेश राठौर, श्री सीतापुर
222. राकेश सचान, श्री कानपुर देहात
223. रागिनी, डॉ0 जौनपुर
224. राघवेन्द्र शर्मा, डॉ0 बरेली
225. राघवेन्द्र कुमार सिंह, श्री इटावा
226. राजकुमार सहयोगी, श्री अलीगढ़
227. राजपाल सिंह बालियान, श्री मुजफ्फरनगर
228. राज प्रसाद उपाध्याय, श्री सुल्तानपुर
229. राजबाला सिंह, श्रीमती रामपुर
230. राजमणि, श्री प्रयागराज
231. राजीव तरारा, श्री अमरोहा
232. राजीव गुम्बर, श्री सहारनपुर
233. राजीव सिंह उर्फ बब्बू भईया, श्री बदायूं
234. राजीव सिंह ''पारीक्षा'', श्री झाँसी
235. राजेन्द्र कुमार, श्री प्रतापगढ़
236. राजेन्द्र कुमार, श्री मऊ
237. राजेन्द्र प्रसाद चौधरी, श्री बस्ती
238. राजेन्द्र सिंह पटेल, श्री फतेहपुर

239. राजेश कुमार गौतम, श्री सुल्तानपुर
240. राजेश चौधरी, श्री मथुरा
241. राजेश त्रिपाठी, श्री गोरखपुर
242. राजेश्वर सिंह, श्री लखनऊ
243. रानी पक्षालिका सिंह, श्रीमती आगरा
244. राम अचल राजभर, श्री अम्बेडकरनगर
245. राम अवतार सिंह, श्री बिजनौर
246. रामकृष्ण भार्गव, श्री सीतापुर
247. रामकेश निषाद, श्री बांदा
248. रामखिलाड़ी सिंह, श्री सम्भल
249. राम चन्द्र यादव, श्री अयोध्या
250. रामनरेश अग्निहोत्री, श्री मैनपुरी
251. राम निवास वर्मा, श्री बहराइच
252. रामपाल वर्मा, श्री हरदोई
253. राम प्रताप वर्मा उर्फ शशिकान्त वर्मा, श्री बलरामपुर
254. राम फेरन पाण्डेय, श्री श्रावस्ती
255. राम बिलाश चौहान, श्री मऊ
256. राम मूर्ति वर्मा, श्री अम्बेडकरनगर
257. रामरतन कुशवाहा, श्री ललितपुर
258. राम सिंह पटेल, श्री प्रतापगढ़
259. राहुल राजपूत उर्फ राहुल लोधी, श्री रायबरेली
260. रिंकी कोल, श्रीमती मिर्जापुर
261. रितेश कुमार गुप्ता, श्री मुरादाबाद
262. रेखा वर्मा, श्रीमती औरैया
263. लकी यादव, श्री जौनपुर
264. लक्ष्मी नारायण, श्री मथुरा
265. लक्ष्मी राज सिंह, श्री बुलन्दशहर
266. लालजी वर्मा, श्री अम्बेडकरनगर
267. लोकेन्द्र प्रताप सिंह, श्री खीरी
268. वाचस्पति, श्री प्रयागराज
269. विकास गुप्ता, श्री फतेहपुर
270. विजमा यादव, श्रीमती प्रयागराज
271. विजयपाल (आढ़ती), श्री हापुड़
272. विनय कुमार द्विवेदी, श्री गोण्डा
273. विनय प्रकाश गोंड, श्री कुशीनगर
274. विनय वर्मा, श्री सिद्धार्थनगर
275. विनोद सरोज, श्री प्रतापगढ़
276. विनोद कुमार बिन्द, डॉ0 मिर्जापुर
277. विनोद चतुर्वेदी, श्री जालौन
278. विनोद शंकर अवस्थी, श्री खीरी
279. विपिन कुमार डेविड, श्री एटा
280. विपिन सिंह, श्री गोरखपुर
281. विपुल दुबे, श्री भदोही
282. विमलेश पासवान, डॉ0 गोरखपुर
283. विवेक कुमार वर्मा, श्री पीलीभीत
284. विवेकानन्द पाण्डेय, श्री कुशीनगर
285. विशम्भर सिंह यादव, श्री बांदा
286. वीर विक्रम सिंह, श्री शाहजहांपुर
287. वीरेन्द्र चौधरी, श्री महराजगंज
288. वीरेन्द्र यादव, डॉ0 गाजीपुर
289. वीरेन्द्र सिंह लोधी, श्री एटा
290. वेद प्रकाश गुप्ता, श्री अयोध्या
291. शफीक अहमद अंसारी, श्री रामपुर
292. शलभ मणि त्रिपाठी, श्री देवरिया
293. शशांक त्रिवेदी, श्री सीतापुर
294. शशांक वर्मा, श्री खीरी
295. शहजिल इस्लाम अंसारी, श्री बरेली
296. शिवपाल सिंह यादव, श्री इटावा
297. श्याम बिहारी लाल, प्रो0 बरेली
298. श्यामधनी राही, श्री सिद्धार्थनगर
299. श्याम सुन्दर, श्री रायबरेली
300. श्रीकान्त कटियार, श्री उन्नाव

301.	श्रीकान्त शर्मा, श्री	मथुरा	
302.	श्रीराम चौहान, श्री	गोरखपुर	
303.	संग्राम यादव, डॉ0	आजमगढ़	
304.	संग्राम सिंह, श्री	बलिया	
305.	संजय कुमार शर्मा, श्री	बुलन्दशहर	
306.	संजय सिंह गंगवार, श्री	पीलीभीत	
307.	संजीव अग्रवाल, श्री	बरेली	
308.	संजीव कुमार गोंड, श्री	सोनभद्र	
309.	संजीव कुमार दिवाकर, श्री	एटा	
310.	संदीप कुमार सिंह, श्री	अलीगढ़	
311.	संदीप सिंह, श्री	प्रयागराज	
312.	सचिन यादव, श्री	फिरोजाबाद	
313.	सतीश चन्द्र शर्मा, श्री	बाराबंकी	
314.	सतीश महाना, श्री	कानपुर नगर	
315.	सत्यपाल सिंह राठौर, श्री	कासगंज	
316.	सभाकुंवर, श्री	देवरिया	
317.	सरवन कुमार निषाद, इंजी0	गोरखपुर	
318.	सरिता भदौरिया, श्रीमती	इटावा	
319.	सरोज कुरील, श्रीमती	कानपुर नगर	
320.	सरोज सोनकर, श्रीमती	बहराइच	
321.	सर्वेश सिंह, श्री	फिरोजाबाद	
322.	सलोना कुशवाहा, श्रीमती	शाहजहांपुर	
323.	साकेन्द्र प्रताप वर्मा, श्री	बाराबंकी	
324.	सिद्धार्थ नाथ सिंह, श्री	प्रयागराज	
325.	सीताराम वर्मा, श्री	सुल्तानपुर	
326.	सुधाकर सिंह, श्री	मऊ	
327.	सुनील कुमार शर्मा, श्री	गाजियाबाद	
328.	सुनील दत्त द्विवेदी, मेजर	फर्रुखाबाद	
329.	सुनील पटेल, डॉ0	वाराणसी	
330.	सुभाष त्रिपाठी, श्री	बहराइच	
331.	सुरभी, डॉ0	फर्रुखाबाद	
332.	सुरेन्द्र कुमार कुशवाहा, श्री	कुशीनगर	
333.	सुरेन्द्र चौरसिया, श्री	देवरिया	
334.	सुरेन्द्र मैथानी, श्री	कानपुर नगर	
335.	सुरेश कुमार, श्री	अमेठी	
336.	सुरेश कुमार खन्ना, श्री	शाहजहांपुर	
337.	सुरेश राही, श्री	सीतापुर	
338.	सुरेश्वर सिंह, श्री	बहराइच	
339.	सुशान्त सिंह, कुँवर	बिजनौर	
340.	सुशील कुमार शाक्य, श्री	फर्रुखाबाद	
341.	सुहेब उर्फ मन्नु अन्सारी, श्री	गाजीपुर	
342.	सैय्यदा खातून, श्रीमती	सिद्धार्थनगर	
343.	सोमेन्द्र सिंह तोमर, डॉ0	मेरठ	
344.	सौरभ सिंह सोनू, श्री	खीरी	
345.	स्वामी ओउ्मवेश, श्री	बिजनौर	
346.	हंसु राम, श्री	बलिया	
347.	हरविन्दर कुमार साहनी उर्फ रोमी साहनी, श्री	खीरी	
348.	हरिओम, श्री	कासगंज	
349.	हरिप्रकाश वर्मा, श्री	शाहजहांपुर	
350.	हरीश चन्द्र, श्री	बदायूं	
351.	हरेन्द्र सिंह, श्री	हापुड़	
352.	हर्षवर्धन बाजपेयी, श्री	प्रयागराज	
353.	हाकिम लाल बिन्द, श्री	प्रयागराज	
354.	हिमान्शु यादव, श्री	बदायूं	
355.	हृदय नारायण सिंह पटेल, श्री	आजमगढ़	

नोट :-नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री (श्री अरविन्द कुमार शर्मा), प्राविधिक शिक्षा मंत्री (श्री आशीष पटेल), मत्स्य मंत्री (श्री संजय निषाद), सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री जयेन्द्र प्रताप सिंह), कारागार एवं होमगार्ड्स राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री धर्मवीर प्रजापति), पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री नरेन्द्र कश्यप) तथा अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री (श्री दानिश आजाद अंसारी) भी सदन में उपस्थित थे।

[11:00] वित्तीय वर्ष 2024-2025 के आय-व्ययक का प्रस्तुतीकरण (ई0 विधान द्वारा)

श्री अध्यक्ष-

माननीय वित्त मंत्री जी।

वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

धन्यवाद, अध्यक्ष जी। मान्यवर, आज 2024-25 का बजट प्रस्तुत करने से पहले हम राम चरित मानस की दो लाइनें आपकी अनुमति से प्रस्तुत करना चाहते हैं। आज पूरा वातावरण राम मय है और हमारी संस्कृति का पुनर्जागरण हुआ मगर बाल काण्ड में गुरू वशिष्ठ जी ने विशेष रूप से यह बात कही है कि धर्मशील लोगों के पास सुख, सम्पदा, वैभव, ऐश्वर्य अपने आप जाता है। धर्मशील व्यक्ति हमारे पास बैठे हैं। उसमें कहा गया है दोहा 293-94 के बीच की चौपाई है कि-

''जिमि सरिता सागर महुं जाहीं, यद्यपि ताहि कामना नाहीं।

तिमि सुख सम्पति बिनहिं बोलाए, धरमशील पहिं जाहिं सुभाएं।।''

मान्यवर, इसका भावार्थ यह है कि यद्यपि समुद्र कामना नहीं करता फिर भी नदियां बिना बुलाये उसी की तरफ जाती हैं। इसी तरह से जो धर्मशील व्यक्ति होते हैं, धर्मात्मा लोग होते हैं उनके पास सुख, सम्पदा, वैभव, ऐश्वर्य अपने आप जाता है।

इसके साथ ही मैं आपकी अनुमति से वर्ष 2024-25 का बजट प्रस्तुत करता हूं।

श्री अध्यक्ष-

प्रतियां वितरित कर दी जायें। सभी लोगों के टैब में बजट अपलोड हो गया है, आप लोग चेक कर लें।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

मान्यवर, यदि हम किसी समाज, संस्कृति में उच्चतम् आदर्शों की कल्पना करें तो राम राज की संकल्पना के बाहर नहीं जाया जा सकता। समाज में परस्पर सहयोग एवं विश्वास, न्याय आधारित सुशासन, अपराध शून्यता तथा वर्ग भेद का पूर्ण अभाव, धर्मानुकूल आचरण को इस राम राज की प्रमुख विशेषताओं के रूप में निरूपित किया जा सकता है।

[मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का जीवन हजारों वर्षों से भारत और विश्व को महत्तर जीवन आदर्शों की ओर अग्रसर होने को प्रेरित करता रहा है। पिता के वचन का मान रखने के लिये समस्त राजसी वैभव को निःसंकोच त्याग कर वनवास के लिये प्रस्थान करना और दुष्टों

नोट :-[ ]यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

और अधर्मियों का दृढ़तापूर्वक दलन करना ऐसे राजधर्म का अनुपम उदाहरण कहीं और नहीं मिलता। यदि यह कहा जाये कि आज हमारे प्रदेश का शासन कहीं न कहीं रामराज्य की अवधारणा से अनुप्रेरित है और सामाजिक-सांस्कृतिक, आर्थिक एवं आध्यात्मिक उन्नति की ओर अग्रसर है, तो यह अतिशयोक्ति नहीं होगी।

मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम जी के भव्य मन्दिर का अयोध्या में निर्माण होने से हमारे सामाजिक और सांस्कृतिक क्षेत्र को बहुत प्रोत्साहन मिला है। अयोध्या विश्व का बहुत बड़ा पर्यटन केन्द्र बन गया है, यहां पर भारत और विदेश से आने वाले पर्यटकों की संख्या में बहुत बड़ा इजाफा हुआ है, जिससे हमारी आर्थिक स्थिति को बढ़ावा मिलेगा।]

मान्यवर, हमने माननीय प्रधानमंत्री जी के 'सबका साथ-सबका विकास' नारे को चरितार्थ किया है। साथ ही हमारी नीतियां विशेष रूप से युवा, महिला, किसान व गरीबों के उत्थान को समर्पित हैं।

यह तथ्य सभी को ज्ञात है कि हमारे तेजस्वी मुख्य मंत्री मा0 योगी आदित्यनाथ जी के कुशल नेतृत्व में प्रदेश में कानून व्यवस्था में अभूतपूर्व सुधार हुआ है। इसके साथ ही अवस्थापना और कनेक्टिविटी में उल्लेखनीय सुधार एवं विस्तार के फलस्वरूप वर्ष 2023 में सम्पन्न ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के माध्यम से 40 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए जिनसे 1.10 करोड़ लोगों को रोजगार मिलेगा।

प्रदेश में संगठित अपराध का सफाया हो चुका है और औद्योगिक क्षेत्र तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। प्रदेश में एम0एस0एम0ई0 की 96 लाख इकाइयाँ हैं। आज प्रदेश के उद्यमियों द्वारा लगभग 2 लाख करोड़ रुपये का निर्यात किया जा रहा है। 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' की रैंकिंग में प्रदेश जो पहले 14वें स्थान पर हुआ करता था आज देश में दूसरे स्थान पर है। आज उत्तर प्रदेश भारत का अग्रणी विकासशील प्रदेश बन चुका है।

हमारी सरकार अब तक लगभग 6 करोड़ व्यक्तियों को गरीबी से बाहर निकालने में सफल रही है। आज प्रदेश में बेरोजगारी की दर केवल 2.4 प्रतिशत रह गई है।

प्रदेश सरकार द्वारा सेमी कन्डक्टर नीति को मंजूरी दी गई है। यह नीति प्रदेश में सेमी कन्डक्टर इकाइयों की स्थापना एवं विकास का मार्ग प्रशस्त करेगी जिससे देश और विदेश से प्रदेश में बड़े पैमाने पर निवेश प्राप्त होगा। ऐसी नीति लाने वाला उत्तर प्रदेश देश का चौथा राज्य बन गया है।

लखनऊ में दिल्ली की तर्ज पर एयरो सिटी विकसित किये जाने की योजना है, जो लगभग 1500 एकड़ में विकसित की जायेगी। इसमें 7 सितारा होटल, पार्क, विश्व स्तरीय कन्वेंशन सेन्टर जैसी सुविधायें उपलब्ध होंगी।

प्रदेश सरकार द्वारा हीरो फ्यूचर एनर्जीज के साथ 4 हजार करोड़ रुपये के निवेश का एम0ओ0यू0 हस्ताक्षरित किया गया है, जिसके अन्तर्गत संस्था द्वारा प्रदेश में नवीकरणीय ऊर्जा एवं क्लीन टेक्नोलॉजी परियोजना में निवेश किया जायेगा।

प्रदेश सरकार द्वारा हैदराबाद में फार्मा कॉन्क्लेव का सफल आयोजन किया गया, जिसके परिणामस्वरूप बड़ी फार्मा कम्पनियों द्वारा उत्तर प्रदेश में निवेश करने में रुचि दिखाई जा रही है।

हैदराबाद में आयोजित विंग्स इण्डिया एवार्ड-2024 में उत्तर प्रदेश को स्टेट चैम्पियन इन एवियेशन पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

मान्यवर, उत्तर प्रदेश आर्थिक-सामाजिक विकास के हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर रहा है। हमने इस नैरेटिव को सिरे से खारिज कर दिया कि उत्तर प्रदेश एक बीमारू प्रदेश है। हमने प्रदेश की जनता में, प्रदेश की मेधा में अपार सम्भावनाओं को देखा और बड़े आत्मविश्वास के साथ माननीय मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में विकासगाथा की रचना की है-

हौसले दिल में जब मचलते हैं,

आँधियों में चिराग जलते हैं।

मान्यवर, जैसा मैंने प्रारम्भ में कहा है, हमारी नीतियां विशेष रूप से युवा, महिला, किसान व गरीबों के उत्थान को समर्पित हैं। मैं इस क्रम में संक्षिप्त ब्यौरा प्रस्तुत करना चाहूँगा।

किसान

- डार्क जोन में नये निजी नलकूप कनेक्शन देने पर लगे प्रतिबन्ध को हटा लिया गया है, जिससे लगभग एक लाख किसानों को सीधा फायदा हुआ।
- बुन्देलखण्ड क्षेत्र में एकल रबी फसल की सिंचाई हेतु सीजनल टैरिफ का लाभ एवं अस्थाई विद्युत संयोजन की सुविधा प्रदान की गयी।
- वर्ष 2023-2024 में माह अक्टूबर, 2023 तक लगभग 37 लाख किसान क्रेडिट कार्ड का वितरण कराया गया।
- प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अन्तर्गत 2022-2023 के लगभग 10 लाख बीमित कृषकों को माह अक्टूबर, 2023 तक 831 करोड़ रुपये की क्षतिपूर्ति का भुगतान किया गया।
- प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अन्तर्गत दिसम्बर, 2023 तक लगभग 63,000 करोड़ रुपये की धनराशि डी0बी0टी0 के माध्यम से 2 करोड़ 62 लाख कृषकों के खातों में हस्तान्तरित की गयी।

- प्रधानमंत्री किसान मान-धन योजना के अन्तर्गत प्रदेश के लघु एवं सीमान्त कृषकों को 60 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर पुरुष एवं महिला दोनों के लिए 3000 रुपये की सुनिश्चित मासिक पेंशन प्रदान की जा रही है।
- वर्तमान सरकार द्वारा वर्ष 2017 से 29 जनवरी, 2024 तक लगभग 46 लाख गन्ना किसानों को 2 लाख 33 हजार 793 करोड़ रुपये से अधिक का रिकार्ड गन्ना मूल्य भुगतान कराया गया। यह गन्ना मूल्य भुगतान इसके पूर्व के 22 वर्षों के सम्मिलित गन्ना मूल्य भुगतान 2 लाख 1 हजार 519 करोड़ रुपये से भी 20,274 करोड़ रुपये अधिक है।
- पेराई सत्र, 2023-2024 के लिये गन्ने की अगेती प्रजाति का मूल्य 350 रुपये से बढ़ाकर 370 रुपये, सामान्य प्रजाति का 340 रुपये से बढ़ाकर 360 रुपये तथा अनुपयुक्त प्रजाति का मूल्य 335 रुपये से बढ़ाकर 355 रुपये प्रति कुन्तल हो गया है।

महिला एवं बाल विकास

- निराश्रित महिला पेंशन योजनान्तर्गत पात्र लाभार्थियों को देय पेंशन की धनराशि 500 रुपये प्रतिमाह से बढ़ाकर 1000 रुपये प्रतिमाह कर दी गयी है। योजना में 2023-2024 में तृतीय तिमाही तक 31 लाख 28 हजार निराश्रित महिलाओं को लाभान्वित किया गया।
- मुख्य मंत्री कन्या सुमंगला योजना के अन्तर्गत पात्र बालिकाओं को 6 विभिन्न श्रेणियों में कुल 15000 रुपये की सहायता प्रदान की जा रही है। वित्तीय वर्ष 2019-2020 से 2023-2024 तक 17.82 लाख लाभार्थियों को इस योजना से लाभान्वित किया जा चुका है।
- महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024-2025 में 200 उत्पादक समूहों का गठन करके तकनीकी सहयोग प्रदान किया जाना लक्षित है।
- उत्तर प्रदेश रानी लक्ष्मीबाई महिला एवं बाल सम्मान कोष के अन्तर्गत जघन्य अपराधों से पीड़ित महिलाओं एवं बालिकाओं को कोष के अन्तर्गत 1 लाख रुपये से 10 लाख रुपये की आर्थिक क्षतिपूर्ति प्रदान किये जाने की व्यवस्था है।

युवा

- प्रदेश के 117 विकास खण्डों में 124 ग्रामीण स्टेडियम/मल्टीपरपज हॉल का निर्माण किया गया है।

- प्रदेश की ग्राम पंचायतों में 53,800 युवक मंगल दल एवं 51,300 महिला मंगल दलों का गठन किया जा चुका है। इन दलों के माध्यम से युवाओं की सहभागिता राष्ट्रीय एवं सामाजिक महत्व के कार्यों में सुनिश्चित कराई गई है।
- कर्नाटक में 12 से 16 जनवरी, 2023 तक आयोजित 26वें राष्ट्रीय युवा उत्सव में उत्तर प्रदेश के लोकगीत की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक अर्जित किया।

रोजगार

- एम0एस0एम0ई0 सेक्टर में मुख्य मंत्री युवा स्वरोजगार योजना के अन्तर्गत अब तक 22 लाख 389 लाभार्थियों को लाभान्वित करते हुये 1,79,112 रोजगार सृजित किये गये।
- एक जनपद एक उत्पाद वित्त पोषण योजना के अन्तर्गत 13,597 लाभार्थियों के माध्यम से 1,92,193 रोजगार सृजित हुये।
- विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना तथा एक जनपद एक उत्पाद कौशल उन्नयन एवं टूलकिट योजना के अन्तर्गत लगभग 4.08 लाख रोजगार सृजित हुये।
- ए0के0टी0यू0 सम्बद्ध लगभग 700 से अधिक संस्थानों के छात्रों के लिये लगभग 25 हजार रोजगार के अवसर पिछले शैक्षिक सत्र में उपलब्ध कराये गये।
- उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के अन्तर्गत 12.15 लाख युवाओं को प्रशिक्षित किया गया, जिनमें से 4.13 लाख युवाओं को विभिन्न प्रतिष्ठित कम्पनियों में सेवायोजित कराया गया।
- महात्मा गाँधी नरेगा योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2023-2024 में 28 करोड़ 68 लाख मानव दिवस सृजित कराते हुये 75 लाख 24 हजार श्रमिकों को रोजगार प्रदान किया गया तथा वित्तीय वर्ष 2024-2025 में 33 करोड़ मानव दिवस का सृजन किये जाने का लक्ष्य है।
- मुख्य मंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजनान्तर्गत वर्ष 2023-2024 में माह अक्टूबर, 2023 तक 408 लाभार्थियों को 1854.88 लाख पूँजीगत निवेश ऋण के साथ 7418 लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया गया।

सामाजिक सुरक्षा

- प्रदेश के लगभग 55 लाख वरिष्ठ नागरिकों को वृद्धावस्था पेंशन 1000 रुपये प्रतिमाह की दर से प्रदान की जा रही है।

- सभी वर्गों की पुत्रियों की शादी हेतु मुख्य मंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत एक जोड़े के विवाह पर 51,000 रुपये अनुदान की व्यवस्था है। वित्तीय वर्ष 2022-2023 में 1,00,874 जोड़ों का विवाह सम्पन्न कराते हुये 510 करोड़ रुपये का व्यय किया गया।

श्रमिक कल्याण

- भारत सरकार द्वारा निर्मित ''ई-श्रम'' पोर्टल पर उत्तर प्रदेश के लगभग 8.32 करोड़ कामगारों का पंजीकरण हुआ है, जो देश में सर्वाधिक है।

- दिनांक 26 अगस्त, 2021 से 31 अक्टूबर, 2021 तक ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकृत 80.11 लाख श्रमिकों को भरण-पोषण भत्ता के अन्तर्गत 2 हजार रुपये की दर से लगभग 1600 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया।

- निर्माण कामगार मृत्यु, विकलांगता सहायता एवं अक्षमता पेंशन योजना तथा निर्माण कामगार अन्त्येष्टि सहायता योजना को एकीकृत करते हुये नयी योजना 'निर्माण कामगार मृत्यु व दिव्यांगता सहायता योजना' कर दिया गया है। समस्त योजनाओं में माह नवम्बर, 2023 तक 40,183 कामगारों को लाभान्वित किया गया तथा 433 करोड़ रुपये की धनराशि व्यय की गई।

- निर्माण कामगार गम्भीर बीमारी सहायता योजना के अन्तर्गत गम्भीर बीमारियों का इलाज सरकारी अस्पतालों में कराने पर इलाज के व्यय की शत-प्रतिशत प्रतिपूर्ति करायी जा रही है।

वित्तीय समावेशन

- प्रदेश की जनता को वर्तमान में बैंकों की 19,705 शाखाओं, 2,28,544 बैंक मित्र एवं बी0सी0 सखी तथा 17,852 ए0टी0एम0 के माध्यम से बैकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

- प्रधानमंत्री जन-धन योजना के अन्तर्गत प्रदेश में 9 करोड़ खातों के साथ उत्तर प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है।

- प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजनान्तर्गत अब तक प्रदेश में 5 करोड़ 54 लाख नामांकन के साथ उत्तर प्रदेश प्रथम स्थान पर है।

- प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजनान्तर्गत अब तक प्रदेश में 1.90 करोड़ के नामांकन के साथ उत्तर प्रदेश द्वितीय स्थान पर है।

- अटल पेंशन योजनान्तर्गत अब तक प्रदेश में 1 करोड़ 18 लाख नामांकन का उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा है।

औद्योगिक विकास

- विश्व स्तरीय इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित करने में उत्तर प्रदेश ने उल्लेखनीय प्रगति की है। राज्य में विकसित हो रही वायु, जल सड़क एवं रेल नेटवर्क की कनेक्टिविटी से राज्य के उद्योगों में मैन्युफैक्चरिंग इकाइयों को अपने माल के परिवहन में सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे प्रदेश से निर्यात बढ़ेगा।
- महर्षि वाल्मीकि अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के लोकार्पण से प्रदेश में चार अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे संचालित हैं तथा शीघ्र ही नोएडा के जेवर में दक्षिण एशिया का सबसे बड़ा अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा प्रारम्भ होने वाला है। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश पाँच अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों वाला भारत का एकमात्र राज्य बन जाएगा।
- ईज ऑफ डूइंग बिजनेस रैंकिंग एवं विभिन्न राज्यों में लॉजिस्टिक्स की सुलभता (लीड्स-2023) रैंकिंग में उत्तर प्रदेश ने 'अचीवर्स' की श्रेणी प्राप्त की है।

चिकित्सा क्षेत्र

- राज्य सरकार के प्रयासों से मातृ मुत्यु दर वर्ष 2014 में 285 प्रति लाख से कम होकर वर्ष 2022 में 167 प्रति लाख तथा शिशु मृत्यु दर वर्ष 2014 में 48 प्रति हजार से कम होकर वर्ष, 2020 में 38 प्रति हजार हो गयी है।
- वर्ष 2017 की तुलना में वर्ष 2023 में ए0ई0एस0 (एक्यूट इन्सेफेलाइटिस सिन्ड्रोम) रोगियों की संख्या में 76 प्रतिशत तथा मृत्यु दर में 98 प्रतिशत की कमी एवं जे0ई0 (जापानी इन्सेफेलाइटिस) के रोगियों की संख्या में 85 प्रतिशत तथा मृत्यु में 96 प्रतिशत की कमी दर्ज की गयी है।
- प्रदेश के सभी 75 जनपदों में निःशुल्क डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।
- सरकारी क्षेत्र के चिकित्सा संस्थानों में एम0बी0बी0एस0 की सीटों की संख्या 1840 से बढ़ कर 3828 हो गयी है तथा निजी क्षेत्र के संस्थानों में सीटों की संख्या 2550 से बढ़ कर 5250 हो गयी है। इस प्रकार कुल 9078 सीटें उपलब्ध हो गयी हैं।
- सरकारी क्षेत्र के चिकित्सा संस्थानों में पी0जी0 सीटों की संख्या 741 से बढ़ कर 1543 तथा निजी क्षेत्र के संस्थानों में सीटों की संख्या 480 से बढ़ कर 1775 हो गयी है। इस प्रकार पी0जी0 की कुल 3318 सीटें उपलब्ध हो गयी हैं।

- आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अन्तर्गत 4 करोड़ 86 लाख से अधिक आयुष्मान कार्ड वितरित किये गये हैं। लाभार्थी परिवारों को प्रति वर्ष 5 लाख रुपये तक की निःशुल्क चिकित्सा सुविधा सूचीबद्ध राजकीय एवं निजी चिकित्सालयों के माध्यम से प्रदान की जा रही है।

मान्यवर, वर्ष 2007 से 2017 तक की 10 वर्ष की अवधि में मुख्य मंत्री विवेकाधीन कोष से 60,970 व्यक्तियों को चिकित्सा सहायता के रूप में 638 करोड़ 26 लाख की धनराशि स्वीकृत की गई। माननीय मुख्य मंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के अब तक के कार्यकाल में वर्ष 2017 से अद्यावधिक अर्थात् 07 वर्ष से भी कम अवधि में 1,61,962 व्यक्तियों को चिकित्सा सहायता हेतु 2,765 करोड़ रुपये स्वीकृत किये जा चुके हैं, जो अपने आप में एक कीर्तिमान है।

माननीय मुख्य मंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में जिस प्रकार प्रदेश में चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार हुआ है और बड़ी संख्या में आयुष्मान कार्डों का वितरण किया गया है, वह अन्य राज्यों के लिये अनुकरणीय मिसाल के रूप में हमारे समक्ष है। मैं कहना चाहूँगा कि-

मुक्त हूँ कर्तव्य की चिन्ताओं से,
दर्द से दुःख से मुझे आराम है।
हर किसी के वास्ते हर वस्तु है,
यह हमारे ऐश्वर्य का पैगाम है।।

कानून व्यवस्था

सरकार प्रदेशवासियों को अपराध एवं भयमुक्त वातावरण देकर रामराज्य की संकल्पना को साकार करने में पूरी तरह सफल रही है। विविध त्यौहारों एवं यू0पी0 ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023, आजादी का अमृत महोत्सव, जी-20 सम्मेलन, क्रिकेट विश्व कप-2023 जैसे वृहद् आयोजनों को शान्तिपूर्ण एवं सुरक्षित ढंग से सम्पन्न कराया गया। अयोध्या में भगवान श्रीरामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में किये गये प्रबन्धों की सराहना देश-दुनिया से आये अतिथियों ने की।

- वर्ष 2016 के मुकाबले वर्ष 2023 में डकैती के मामलों में 87 प्रतिशत, लूट में 76 प्रतिशत, हत्या में 43 प्रतिशत, बलवा में 65 प्रतिशत, फिरौती हेतु अपहरण में 73 प्रतिशत की कमी हुई है।
- ऑपरेशन त्रिनेत्र के अन्तर्गत 8,54,634 सी0सी0टी0वी0 कैमरों का अधिष्ठापन किया जा चुका है।

- अप्रैल, 2017 से जनवरी, 2024 तक पुलिस विभाग में विभिन्न पदों पर 1,55,830 भर्तियाँ तथा 1,41,866 पदोन्नतियां की गयी हैं।

- महिलाओं तथा वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा हेतु सेफ सिटी परियोजना में महत्वपूर्ण स्थलों पर सी0सी0टी0वी0 कैमरों की स्थापना, इण्टीग्रेशन, डार्क स्पॉट्स का चिन्हीकरण एवं लाइट्स लगाना, हॉट प्वाइण्ट्स को चिन्हित करने, पिंक बूथों की स्थापना तथा बस/टैक्सियों में पैनिक बटन की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है।

- 03 महिला पी0ए0सी0 बटालियन जनपद लखनऊ, गोरखपुर एवं बदायूँ में स्थापित हैं। जनपद बलरामपुर, जालौन, मिर्जापुर, शामली तथा बिजनौर में 05 अन्य पी0ए0सी0 बटालियन स्थापित किये जाने की कार्यवाही की जा रही है।

- उत्तर प्रदेश स्पेशल सेक्योरिटी फोर्स की 06 वाहिनियाँ गठित की गयी हैं।

- महिलाओं की सुरक्षा एवं उनके सशक्तीकरण हेतु 1,699 एण्टी रोमियों स्क्वॉयड का गठन कर अनवरत् अभियान चलाया जा रहा है।

- समस्त थानों में साइबर क्राइम सेल गठित किया गया है। वर्तमान में सभी 75 जनपदों में साइबर क्राइम थाना संचालित हैं।

- होमगार्ड स्वयंसेवकों की मृत्यु की दशा में उनके आश्रितों को 05 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाती है। दुर्घटना बीमा योजनान्तर्गत, होमगार्ड्स को 30 लाख रुपये की बीमा सुविधा प्रदान की गयी है।

मान्यवर, अब मैं इस सम्मानित सदन के समक्ष प्रमुख विभागों की मुख्य-मुख्य योजनाओं का ब्योरा प्रस्तुत करना चाहूँगा।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य

- राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत विभिन्न कार्यक्रमों के संचालन हेतु वित्तीय वर्ष 2024-2025 में 7350 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

- प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर मिशन योजना के अन्तर्गत प्रदेश में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में हेल्थ वेलनेस सेन्टर केयर यूनिट, इन्टीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैब की स्थापना आदि कार्यों हेतु 952 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

- आयुष्मान भारत मुख्य मंत्री जन आरोग्य अभियान हेतु वित्तीय वर्ष 2024-2025 में 300 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

- प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना हेतु वित्तीय वर्ष 2024-2025 में 322 करोड़ रुपए की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।
- पं0 दीनदयाल उपाध्याय राज्य कर्मचारी कैशलेस चिकित्सा योजना के अन्तर्गत आबद्ध निजी चिकित्सालयों में कैशलेस उपचार की व्यवस्था की गयी है जिस पर कुल 150 करोड़ रुपये का व्यय भार अनुमानित है, जिसका पूर्ण वहन राज्य सरकार द्वारा किया जा रहा है।

चिकित्सा शिक्षा

- प्रदेश में 65 मेडिकल कालेज हैं, जिनमें 35 राज्य सरकार एवं 30 निजी क्षेत्र द्वारा संचालित है।
- वर्तमान में 45 जनपद मेडिकल कॉलेजों से आच्छादित किये जा चुके हैं व 14 जनपदों में केन्द्र सरकार द्वारा वित्त पोषित मेडिकल कॉलेज निर्माणाधीन हैं। 16 असेवित जनपदों में निजी निवेश के माध्यम से मेडिकल कॉलेज स्थापित किया जाना प्रस्तावित है।
- राजकीय क्षेत्र में बी0एस0सी0 नर्सिंग कॉलेजों की संख्या 06 से बढ़ाकर 23 की गयी।
- जनपद वाराणसी में मेडिकल कॉलेज की स्थापना कराये जाने का निर्णय लिया गया है, इसके लिये 400 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- असाध्य रोगों की मुफ्त चिकित्सा सुविधा हेतु 125 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- राजकीय मेडिकल कॉलेजों में ट्रामा सेन्टर लेवल-द्वितीय को ट्रामा सेन्टर लेवल-एक (100 बेडेड)/एपेक्स ट्रामा सेन्टर (200 बेडेड) में उच्चीकृत किये जाने हेतु 300 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

आयुष

- आयुष्मान भारत कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रदेश में 1600 हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर स्थापित किया जाना लक्षित है तथा 1035 राजकीय आयुर्वेदिक होम्योपैथी एवं यूनानी चिकित्सालयों को हेल्थ वेलनेस सेन्टर्स में परिवर्तित किया जा रहा है।
- प्रदेश के विभिन्न जनपदों में वर्तमान में 2110 आयुर्वेदिक, 254 यूनानी एवं 1585 होम्योपैथी चिकित्सालयों के साथ ही 08 आयुर्वेदिक, 02 यूनानी तथा 09 होम्योपैथी कालेज एवं उनसे सम्बद्ध चिकित्सालय क्रियाशील हैं।

- वित्तीय वर्ष 2024-2025 में आयुष विभाग के अन्तर्गत प्रमुख रूप से महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय, गोरखपुर का निर्माण कार्य पूर्ण किये जाने, जनपद अयोध्या में राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय एवं जनपद वाराणसी में राजकीय होम्योपैथिक मेडिकल कालेज की स्थापना किये जाने का लक्ष्य है।
- राजकीय आयुष महाविद्यालयों एवं चिकित्सालयों में औषधियों की समुचित व्यवस्था तथा 50 बेडेड एकीकृत आयुष चिकित्सालय 11 जनपदों में स्थापित हैं तथा 6 जनपदों में भवन निर्माण पूर्ण हो चुका है।

अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास

- बुन्देलखण्ड क्षेत्र में एक नये औद्योगिक विकास प्राधिकरण (बीडा) का गठन किया जा रहा है, जिसके अन्तर्गत नोएडा और ग्रेटर नोएडा के अनुरूप बुन्देलखण्ड क्षेत्र में औद्योगिक, वाणिज्यिक और आवासीय टाउनशिप विकसित करने की योजना है।
- सेमी कंडक्टर, डाटा सेन्टर, स्टार्टअप एवं आईटी सेक्टर्स से सम्बन्धित विशेष योजना के साथ ही वर्ष 2022 में इलेक्ट्रानिक्स मैन्युफैक्चरिंग को प्रोत्साहित करने के लिये नीति भी लागू की गई है।
- प्रदेश में डिफेंस कॉरीडोर में बड़े पैमाने पर तेजी से कार्य किया जा रहा है। डिफेंस कॉरीडोर के 6 नोड्स में से 3 नोड्स का आवंटन पूर्ण हो चुका है।
- उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रदेश में एफडीआई, फॉर्च्यून ग्लोबल 500 और फॉर्च्यून इंडिया 500 कम्पनियों के निवेश को आकर्षित करने के लिये फॉरेन डाइरेक्ट इन्वेस्टमेन्ट एवं फॉर्च्यून 500 कम्पनियों के निवेश हेतु प्रोत्साहन नीति-2023 घोषित की है। किसी भी राज्य द्वारा बड़े पैमाने पर वैश्विक निवेश को आकर्षित करने का यह अपनी तरह का पहला प्रयास है। नीति के क्रियान्वयन हेतु 250 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तिकरण योजना के अन्तर्गत टैबलेट/स्मार्ट फोन वितरण हेतु 4000 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है। वर्तमान वर्ष में 25 लाख से अधिक टैबलेट/स्मार्टफोन बाँटे गये हैं यह प्रक्रिया गतिमान है।
- गंगा एक्सप्रेस-वे परियोजना हेतु 2057 करोड़ 76 लाख रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है, जो वर्तमान वर्ष की तुलना में दो गुने से अधिक है।
- आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे और पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे को जोड़ने हेतु नये लिंक एक्सप्रेस-वे निर्माण हेतु 500 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

- अटल इण्डस्ट्रियल इन्फ्रास्ट्रक्चर मिशन हेतु 400 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है, जो वर्तमान वर्ष के सापेक्ष 33 प्रतिशत अधिक है।

मान्यवर, अवस्थापना और औद्योगिक विकास के क्षेत्र में आज उत्तर प्रदेश एक अग्रणी प्रदेश के रूप में उभरा है। अपराध पर लगाम लगी है, अपराधियों का प्रदेश से सफाया हो चुका है। आज से 07 वर्ष पूर्व कोई यह कल्पना भी नहीं कर सकता था कि उत्तर प्रदेश इतनी तीव्र गति से ऐसा मुकाम हासिल कर पायेगा। यहाँ दो पंक्तियाँ प्रस्तुत हैं-

पैदा नजर-नजर में एक ऐसा मुकाम कर,

दुनिया सफर करे तेरे दामन को थाम कर।

सड़क एवं सेतु

- राज्य राजमार्गों के चौड़ीकरण/सुदृढ़ीकरण कार्यों हेतु 2881 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- धर्मार्थ मार्गों के विकास हेतु 1750 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- राज्य सड़क निधि से सड़कों के अनुरक्षण हेतु 3000 करोड़ रुपये तथा निर्माण हेतु 2500 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- औद्योगिक/लॉजिस्टिक पार्क हेतु 04 लेन मार्गों के चौड़ीकरण/सुदृढ़ीकरण/निर्माण कार्य हेतु 800 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- चीनी मिल परिक्षेत्र में कृषि विपणन सुविधाओं हेतु मार्गों का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण/नव निर्माण/पुनर्निर्माण कार्यों हेतु 500 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- रेलवे उपरिगामी/अधोगामी सेतुओं के निर्माण हेतु 1350 करोड़ रुपये एवं ग्रामीण सेतुओं हेतु 1500 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- शहरों एवं कस्बों में ट्रैफिक जाम की समस्या के समाधान के लिए शहरों में फ्लाईओवर आदि के निर्माण हेतु 1000 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित की गयी है।

सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग

- हमारी सरकार द्वारा 31 सिंचाई परियोजनायें पूर्ण की गयी जिससे 22 लाख 75 हजार हेक्टेयर से अधिक सिंचन क्षमता सृजित हुई जिसका लाभ 46 लाख 69 हजार कृषकों को प्राप्त हुआ।

- विभिन्न जनपदों में 6,600 राजकीय नलकूपों के आधुनिकीकरण तथा डार्क जोन में स्थित 569 असफल राजकीय नलकूपों के पुनर्निर्माण का कार्य प्रगति पर है। इन कार्यों से लगभग 1.33 लाख हेक्टेयर सिंचन क्षमता की पुनर्स्थापना होगी तथा लगभग 1.10 लाख कृषक परिवार लाभान्वित होंगे।
- नहरों एवं सरकारी नलकूपों से किसानों को मुफ्त पानी की सुविधा हेतु 1100 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित की गयी है
- नदी में सुधार एवं कटाव निरोधक परियोजनाओं (नाबार्ड पोषित) के लिए 1530 करोड़ 60 लाख रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित की गयी है।
- डार्क जोन के असफल 569 नलकूपों के लिये 70 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है।

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति

- जल जीवन मिशन हेतु 22,000 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है, जिसमें 2000 करोड़ रुपये की धनराशि अनुरक्षण मद हेतु है।
- मुख्य मंत्री लघु सिंचाई योजना हेतु 1020 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- वर्षा जल संचयन एवं भू-जल सम्वर्द्धन योजना हेतु 80 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है, जो वर्तमान वर्ष की तुलना में लगभग 51 प्रतिशत अधिक है।
- ग्राउण्ड वॉटर रिचार्जिंग एवं चेकडैम निर्माण हेतु 65 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है, जो वर्तमान वर्ष की तुलना में लगभग 23 प्रतिशत अधिक है।

नागरिक उड्डयन

प्रदेश में हवाई कनेक्टिविटी को बढ़ाने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा निरन्तर प्रयास किये जा रहे हैं। इस उद्देश्य की पूर्ति भारत सरकार की रीजनल कनेक्टिविटी स्कीम (आर0सी0एस0-'उड़ान') तथा राज्य सरकार की ''उत्तर प्रदेश नागर विमानन प्रोत्साहन नीति'' के माध्यम से की जा रही है।

- गत वित्तीय वर्ष की तुलना में चालू वित्तीय वर्ष में वायुयान द्वारा यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या में 19.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।
- हवाई कनेक्टिविटी के लिए चयनित एयरपोर्ट्स यथा अलीगढ़, आजमगढ़, मुरादाबाद, श्रावस्ती तथा चित्रकूट को विकसित किया जा चुका है तथा म्योरपुर (सोनभद्र) व सरसावा (सहारनपुर) एयरपोर्ट्स का विकास कार्य प्रशस्त है।

- अयोध्या में 'महर्षि वाल्मीकि अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा अयोध्या धाम' का विकास कराया गया है। अयोध्या में एयरपोर्ट की स्थापना एवं विस्तार हेतु 150 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- हवाई पट्टियों के निर्माण, विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण तथा भूमि अर्जन हेतु भूमि क्रय मद में 1100 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- जनपद-गौतमबुद्धनगर के जेवर में अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट की स्थापना कार्य एवं भूमि क्रय हेतु 1150 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

ऊर्जा

- वर्ष 2023-2024 में अप्रैल से दिसम्बर तक जनपद मुख्यालय पर 24 घण्टे, तहसील मुख्यालय पर 21.34 घण्टे और ग्रामीण क्षेत्र में 18.09 घण्टे विद्युत आपूर्ति की गयी।
- वर्ष 2017-18 से 1,21,324 मजरे विद्युतीकृत किये जा चुके हैं।
- प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना (सौभाग्य) के तहत गरीब परिवारों को निःशुल्क और अन्य ग्रामीण परिवारों को 50 रुपये की 10 मासिक किश्तों में बिजली कनेक्शन देने की सुविधा दी गयी। इस योजना में 62.18 लाख इच्छुक घरों को विद्युत संयोजन निर्गत किए गए।
- पारेषण तंत्र की कुल क्षमता जो वित्तीय वर्ष 2016-2017 में 16,348 मेगावॉट थी, को वर्ष 2022 2023 में बढ़ाकर 28,900 मेगावॉट तक किया गया है जिसे वित्तीय वर्ष 2023-2024 तक बढ़ाकर 31,500 मेगावॉट तक किया जाना लक्षित है।
- भारत सरकार की ग्रीन एनर्जी कारिडोर-2 परियोजना के अन्तर्गत प्रदेश के बुन्देलखण्ड क्षेत्र में सौर ऊर्जा उत्पादन हेतु 4000 मेगावॉट क्षमता के सोलर पार्क का विकास किया जाना नियोजित है।
- वर्ष 2016-2017 में उत्पादन निगम लिमिटेड की इकाईयों का कुल विद्युत उत्पादन 33,556 मिलियन यूनिट था जिसके सापेक्ष वित्तीय वर्ष 2022-2023 में 39,746 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन प्राप्त किया गया है।
- ग्रीष्मकाल में अनवरत् विद्युत आपूर्ति हेतु 2000 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है, जो वर्तमान वर्ष की तुलना में 33 प्रतिशत अधिक है।
- निजी नलकूप उपभोक्ताओं को रियायती दरों पर विद्युत आपूर्ति हेतु 1800 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है, जो वर्तमान वर्ष की तुलना में 20 प्रतिशत अधिक है।

अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत

- उत्तर प्रदेश सौर ऊर्जा नीति-2022 के अन्तर्गत आगामी 5 वर्षों में 22000 मेगावॉट विद्युत उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है। प्रदेश में वर्ष 2017 में 288 मेगावॉट की सौर ऊर्जा परियोजनाएं थीं, जो अब लगभग 2600 मेगावॉट है।
- प्रदेश में अब तक 328 मेगावॉट की सोलर रूफटॉप परियोजनाएं स्थापित की जा चुकी हैं।
- अयोध्या एवं वाराणसी शहर को मॉडल सोलर सिटी के रूप में विकसित किया जा रहा है।
- ग्रामीण क्षेत्रों में सामुदायिक मार्ग प्रकाश की सुविधा हेतु अब तक लगभग 3.35 लाख सोलर स्ट्रीट लाइट संयंत्रों की स्थापना करायी जा चुकी है।
- पी0एम0 कुसुम घटक सी-1 के अन्तर्गत निजी ऑनग्रिड पम्पों के सोलराईजेशन हेतु 100 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है, जो वर्तमान वर्ष की तुलना में दो गुना है।
- उत्तर प्रदेश राज्य जैव ऊर्जा नीति-2022 के क्रियान्वयन हेतु 60 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है, जो वर्तमान वर्ष की तुलना में 33 प्रतिशत अधिक है।

आवास एवं शहरी नियोजन

- मुख्य मंत्री शहरी विस्तारीकरण/नये शहर प्रोत्साहन के अन्तर्गत टाउनशिप विकसित किये जाने हेतु वर्ष 2024-2025 के बजट में 3000 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ कॉरिडोर रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम परियोजना में उत्तर प्रदेश के अंश के रूप में 914 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।
- कानपुर मेट्रो रेल परियोजना में उत्तर प्रदेश के अंश के रूप में 395 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- आगरा मेट्रो रेल परियोजना में उत्तर प्रदेश के अंश के रूप में 346 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।
- अयोध्या के सर्वांगीण विकास हेतु 100 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।
- लखनऊ विकास क्षेत्र तथा प्रदेश के समस्त विकास प्राधिकरणों के विकास क्षेत्र तथा नगर क्षेत्र में अवस्थापना सुविधाओं का विकास तथा वाराणसी एवं अन्य शहरों में रोप-वे सेवा विकसित किये जाने हेतु 100 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

नगर विकास

- प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अन्तर्गत वर्ष 2007 से 2017 तक प्रदेश में मात्र 2.51 लाख मकान निर्मित किये गये जबकि वर्ष 2017 से अद्यतन उत्तर प्रदेश में लगभग 17.65 लाख से अधिक लाभार्थियों को कुल लगभग 35,236 करोड़ रुपये से अधिक धनराशि डी0बी0टी0 के माध्यम से हस्तान्तरित की गयी है। योजना हेतु लगभग 3948 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- वर्ष 2021 में प्रारम्भ की गयी अमृत 2.0 योजना हेतु 4500 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- महाकुम्भ मेला-2025 का भव्य आयोजन विश्व स्तरीय सुविधाओं के साथ किये जाने हेतु 2500 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- मुख्य मंत्री-ग्रीन रोड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट स्कीम (अर्बन) के अन्तर्गत 800 करोड़ रुपये प्रस्तावित है, जो वर्तमान वर्ष के सापेक्ष 60 प्रतिशत अधिक है।
- प्रदेश के शहरों को बाढ़ की समस्या एवं जलभराव से मुक्ति हेतु अर्बन फ़्लड एवं स्टार्म वाटर ड्रेनेज योजना प्रारम्भ की गयी, जिसके लिये 1000 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- मुख्य मंत्री नगरीय अल्प विकसित मलिन बस्ती विकास योजना हेतु 675 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है, जो वर्तमान वर्ष की तुलना में लगभग दो गुना है।
- नगरीय सेवायें और अवस्थापना विकास की नई योजना हेतु 500 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- राज्य स्मार्ट सिटी योजना हेतु 400 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है, जो वर्तमान वर्ष के सापेक्ष 63 प्रतिशत अधिक है।
- कान्हा गौशाला एवं बेसहारा पशु आश्रय योजना हेतु 400 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है, जो वर्तमान वर्ष की तुलना में दो गुने से अधिक है।

नियोजन

- त्वरित आर्थिक विकास योजना हेतु 2400 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- जनपदों की स्थानीय आवश्यकताओं की तात्कालिकता को देखते हुए विभिन्न विकास कार्यों के क्रिटिकल गैप्स की पूर्ति हेतु क्रिटिकल गैप्स योजना के अन्तर्गत 95 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तावित है।

- पूर्वांचल विकास निधि हेतु 575 करोड़ रुपये एवं बुन्देलखण्ड विकास निधि हेतु 425 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

ग्राम्य विकास

- प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अन्तर्गत वर्ष 2016 मात्र 1.40 लाख आवास स्वीकृत किये गये थे, जबकि हमारी सरकार द्वारा अब तक 36 लाख 15 हजार आवास स्वीकृत किये गये हैं जिनमें से 34 लाख 14 हजार आवास पूर्ण किये जा चुके हैं और शेष निर्माणाधीन हैं। योजना हेतु वित्तीय वर्ष 2024-25 में लगभग 2441 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- मुख्य मंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2018-2019 से 2023-2024 तक अद्यावधिक 02 लाख 03 हजार आवासों का निर्माण पूर्ण करा लिया गया है। योजना हेतु 1140 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- विधान मण्डल क्षेत्र विकास योजना के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024-2025 में विकास कार्यों के लिये 2520 करोड़ रुपये (जी0एस0टी0 सहित) की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना के क्रियान्वयन हेतु लगभग 5060 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन हेतु लगभग 3695 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना हेतु 3668 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

पंचायती राज

- स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) हेतु 4867 करोड़ 39 लाख रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है जो वर्तमान वर्ष की तुलना में दो गुने से अधिक है।
- बहुउद्देशीय पंचायत भवनों के निर्माण हेतु लगभग 57 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- उत्तर प्रदेश मातृ भूमि योजना हेतु 33 करोड़ की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- ग्रामीण स्टेडियम एवं ओपेन जिम के निर्माण हेतु 25 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

मान्यवर, शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी रेखा के नीचे निवास करने वाले व्यक्तियों को आवासीय सुविधा उपलब्ध कराने तथा प्रदेश में सार्वजनिक एवं व्यक्तिगत शौचालयों का वृहद्

पैमाने पर निर्माण कर प्रदेश को ओ0डी0एफ0 करने में उत्तर प्रदेश ने अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की है।

आँख का हर अश्रु कण हंसने लगा है,
ढल गयी है आह भी संगीत में,
जगमगाता है हृदय का अन्धकार,
कष्ट परिवर्तित हुए हैं गीत में।

कृषि

उत्तर प्रदेश खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर ही नहीं अपितु सरप्लस राज्य के रूप में देश में अपना स्थान बनाये हुए है।

- प्रदेश में कुल प्रतिवेदित क्षेत्रफल 241.70 लाख हेक्टेयर है, जिसमें 160.95 लाख हेक्टेयर में खेती की जाती है। प्रदेश में कृषि क्षेत्र की विकास दर 5.1 प्रतिशत प्राप्त करने का लक्ष्य है।
- कृषकों के निजी नलकूपों को रियायती दरों पर विद्युत आपूर्ति हेतु 2400 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है, जो वर्तमान वित्तीय वर्ष की तुलना में 25 प्रतिशत अधिक है।
- पी0एम0 कुसुम योजना के क्रियान्वयन हेतु 449 करोड़ 45 लाख रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है, जो वर्तमान वित्तीय वर्ष की तुलना में दो गुने से अधिक है।
- कृषि को प्रोत्साहन प्रदान करने के उद्देश्य से तीन नई योजनायें प्रारम्भ की जा रही हैं यथा-राज्य कृषि विकास योजना, विश्व बैंक सहायतित यू0पी0 एग्रीज योजना तथा प्रदेश के विकास खण्डों एवं ग्राम पंचायतों में ऑटोमैटिक वेदर स्टेशन-ऑटोमैटिक रेन गेज की स्थापना। इन योजनाओं हेतु क्रमशः 200 करोड़ रुपये, 200 करोड़ रुपये एवं 60 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- मुख्य मंत्री खेत सुरक्षा योजना प्रारम्भ की जा रही है, जिसके लिये 50 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण

- उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति, 2022 के अन्तर्गत पात्र इकाइयों को वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान किये जाने हेतु 300 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है, जो वर्तमान वर्ष की तुलना में तीन गुनी है।
- उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2017 के अन्तर्गत 50 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है, जो वर्तमान वर्ष की तुलना में 25 प्रतिशत अधिक है।

गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग

- प्रदेश में औसत गन्ना उत्पादकता 72 मीट्रिक टन प्रति हेक्टेयर से बढ़ कर 84 मीट्रिक टन प्रति हेक्टेयर हो गयी है। गन्ने के साथ सहफसली खेती का आच्छादन बढ़ने से कृषकों को 25 प्रतिशत की अतिरिक्त आमदनी हुई।
- वर्तमान पेराई सत्र, 2023-2024 में 29.66 लाख हेक्टेयर में गन्ने की खेती तथा चीनी का उत्पादन 110 लाख टन से अधिक होने का अनुमान है।
- किसान सहकारी चीनी मिल, ननौता, जनपद सहारनपुर की कार्य क्षमता सुधार, सहकारी चीनी मिल लिमिटेड, गजरौला, जनपद अमरोहा की पेराई क्षमता 2500 टी0सी0डी0 से बढ़ाकर 4900 टी0सी0डी0 करने तथा सल्फरलेस रिफाइण्ड शुगर का उत्पादन करते हुये एक लाख लीटर प्रतिदिन एथनॉल उत्पादन क्षमता की आसवनी एवं कम्प्रेस्ड बायो गैस प्लाण्ट की स्थापना का कार्य प्रगति पर है।
- पिपराइच एवं मुण्डेरवा में स्थापित 5000 टी0सी0डी0 क्षमता की नई चीनी मिलों में 27 मेगावॉट के बिजली उत्पादन संयंत्र तथा सल्फरलेस शुगर प्लाण्ट की स्थापना भी की गयी है।

कृषि शिक्षा एवं अनुसन्धान

- नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, अयोध्या के अन्तर्गत कृषि महाविद्यालय गोण्डा का संचालन शैक्षणिक सत्र 2023-2024 से करते हुए पठन-पाठन कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है।
- कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालयों तथा महाविद्यालयों में विभिन्न नये कार्यों हेतु 100 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- महात्मा बुद्ध कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कुशीनगर की स्थापना हेतु 100 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

दुग्ध विकास

- दुग्ध संघों के सुदृढ़ीकरण एवं पुनर्जीवित करने की योजना हेतु 106 करोड़ 95 लाख रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- नन्द बाबा दुग्ध मिशन योजना हेतु 74 करोड़ 21 लाख रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है, जो वर्तमान वर्ष की तुलना में 21 प्रतिशत अधिक है।
- उत्तर प्रदेश दुग्ध उत्पाद प्रोत्साहन नीति-2022 के अन्तर्गत प्रदेश में स्थापित होने वाले दुग्ध उद्योग की इकाइयों को प्रोत्साहन स्वीकृत किये जाने हेतु 25 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

- जनपद मथुरा में 30 हजार लीटर प्रतिदिन क्षमता (विस्तारीकरण 01 लाख लीटर प्रतिदिन) के नवीन डेयरी प्लाण्ट के निर्माण हेतु 23 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

पशुपालन

- गौ-संरक्षण एवं निराश्रित/बेसहारा गौवंश की समस्या के निराकरण हेतु प्रदेश के समस्त जनपदों में 303 वृहद् गौ-संरक्षण केन्द्र संचालित हैं।
- प्रदेश में लगभग 7,239 गौवंश आश्रय स्थल संचालित है। इन आश्रय स्थलों में शहरी तथा ग्रामीण अंचलों में कुल 14 लाख 38 हजार गौवंशीय पशु संरक्षित किये गये हैं।
- पशु रोग नियंत्रण योजना हेतु 195 करोड़ 94 लाख रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है, जो वर्तमान वर्ष की तुलना में 68 प्रतिशत अधिक है।
- जनपद गोरखपुर एवं भदोही में पशु चिकित्सा महाविद्यालयों की स्थापना हेतु 100 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- जोखिम प्रबंधन एवं पशुधन बीमा योजना हेतु 78 करोड़ 55 लाख रुपये प्रस्तावित है, जो वर्तमान वर्ष की तुलना में लगभग तीन गुना है।

मत्स्य

- प्रदेश में मत्स्य उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाये जाने के दृष्टिकोण से प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना वर्ष 2020 से वर्ष 2025 तक संचालित है।
- प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के अन्तर्गत एक्वा पार्क के निर्माण की नयी योजना हेतु 190 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के अन्तर्गत पुरुष एवं महिला लाभार्थियों को आच्छादित किये जाने हेतु कुल 310 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

सहकारिता

- वर्ष 2023-2024 में दिसम्बर, 2023 तक 8,787 करोड़ रुपये का अल्पकालिक ऋण वितरित किया गया, जिसका लाभ 14.35 लाख कृषकों को प्राप्त हुआ।
- वर्ष 2023-2024 में दिसम्बर, 2023 तक 257 करोड़ रुपये का दीर्घकालिक ऋण वितरित किया गया।
- प्रारम्भिक सहकारी ऋण समितियों के माध्यम से किसानों को कम ब्याज दर पर फसली ऋण उपलब्ध कराने हेतु 525 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

- भण्डारण योजना के अन्तर्गत पैक्स के गोदामों के सुदृढ़ीकरण एवं मरम्मत हेतु 30 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

खाद्य एवं रसद

- रबी विपणन वर्ष 2023-24 हेतु भारत सरकार द्वारा गेहूँ का न्यूनतम समर्थन मूल्य रु0 2125 प्रति कुन्तल निर्धारित किया गया। प्रदेश में 54,684 कृषकों से 2.20 लाख मीट्रिक टन गेहूँ क्रय किया गया, जिसके सापेक्ष कृषकों के बैंक खातों में लगभग 466 करोड़ 35 लाख रुपये का सीधे भुगतान किया गया।
- खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में न्यूनतम समर्थन मूल्य योजना के अन्तर्गत धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य कॉमन श्रेणी हेतु 2183 रुपये प्रति कुन्तल एवं ग्रेड-ए श्रेणी हेतु 2203 रुपये प्रति कुन्तल निर्धारित किया गया। अद्यतन लगभग 7.50 लाख कृषकों से 50.18 लाख मीट्रिक टन धान खरीद की गयी जिसके सापेक्ष कृषकों के बैंक खातों में 10,856 करोड़ रुपये का सीधे भुगतान किया गया।
- खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में मक्का, बाजरा तथा ज्वार के लिये भी भारत सरकार द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारित किये गये। प्रदेश सरकार द्वारा किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद करते हुये किसानों के बैंक खातों में सीधे भुगतान किया गया।
- प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अन्तर्गत वर्ष 2023-2024 में 56 लाख से अधिक लाभार्थियों को निःशुल्क गैस सिलिन्डर वितरित किये गये हैं।
- अन्न पूर्ति योजना हेतु 17,661 करोड़ 60 लाख रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- निःशुल्क खाद्यान्न एवं उज्जवला योजना के लाभार्थियों को निःशुल्क एल0पी0जी0 सिलिन्डर रीफिल उपलब्ध कराये जाने हेतु 2200 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम

- प्रदेश के शिक्षित एवं प्रशिक्षित युवाओं को स्वरोजगार से जोड़कर नये सूक्ष्म उद्योगों की स्थापना हेतु वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराये जाने के उद्देश्य से 'मुख्य मंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान' प्रारम्भ किया जा रहा है, जिसके लिये 1000 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- मुख्य मंत्री सूक्ष्म उद्यमी दुर्घटना बीमा योजना जो 2023 से संचालित है, में अधिकतम 5 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता सूक्ष्म उद्यमियों को दिये जाने की व्यवस्था है।

- निजी क्षेत्र मे औद्योगिक संस्थानों को प्रोत्साहित करने हेतु प्रदेश में 10 प्लेज पार्क स्थापित किये जा रहे हैं।

हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग

- वित्तीय वर्ष 2024-2025 में वस्त्रोद्योग के क्षेत्र में 40,000 रोजगार सृजन का लक्ष्य है। प्रदेश में टेक्सटाइल्स के नये हब बनाकर निवेश एवं रोजगार सृजन को बढ़ावा दिया जायेगा।
- प्रदेश सरकार द्वारा हथकरघा बुनकरों के साथ-साथ पावरलूम बुनकरों के उत्थान के लिये अटल बिहारी बाजपेई पावरलूम विद्युत फ्लैट रेट योजना हेतु 400 करोड़ रुपये का बजट प्रस्ताव है।
- पीएम मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल्स एण्ड अपैरल योजना के अन्तर्गत लखनऊ-हरदोई में लगभग 1000 एकड़ क्षेत्रफल में मेगा टेक्सटाइल पार्क स्वीकृत किया गया है। यह पार्क टेक्सटाइल एवं परिधान क्षेत्र में दस से पन्द्रह हजार करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित करेगा जिससे लगभग 1 लाख प्रत्यक्ष और 2 लाख अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसरों का सृजन होगा। पार्क की स्थापना हेतु 200 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- जनपद वाराणसी में नेशनल इन्स्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलाजी (निफ्ट) की स्थापना के लिये भूमि क्रय हेतु 150 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तावित है।

खादी एवं ग्रामोद्योग

- पं0 दीनदयाल ग्रामोद्योग रोजगार योजनान्तर्गत लाभार्थियों को ब्याज उपादान की सुविधा 3 वर्षों तक दिये जाने का प्राविधान है। योजना हेतु 14 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- खादी एवं ग्रामोद्योग विकास तथा स्वरोजगार प्रोत्साहन नीति के अन्तर्गत 15 करोड़ 75 लाख की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- प्रदेश में माटी कला के परम्परागत कारीगरों को रोजगार से जोड़ने हेतु माटी कला समन्वित विकास कार्यक्रम के लिये 11 करोड़ 25 लाख रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

आई0 टी0 एवं इलेक्ट्रॉनिक्स

- उत्तर प्रदेश डाटा सेन्टर नीति-2021 के अन्तर्गत 03 अत्याधुनिक निजी डाटा सेन्टर पार्क्स विकसित करने तथा राज्य में 250 मेगावॉट डाटा सेन्टर उद्योग का विकास किये

जाने का लक्ष्य था। नीति को अधिक युक्तिसंगत बनाते हुये 08 डेटा सेन्टर स्थापित किये जाने का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें प्रदेश में 30,000 करोड़ रुपये के अनुमानित निवेश से 900 मेगावॉट क्षमता के सृजन का लक्ष्य रखा गया है।

- उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रानिक्स विनिर्माण नीति-2017 के तहत 20,000 करोड़ रुपये से अधिक निवेश का लक्ष्य प्राप्त किया गया तथा लगभग 3 लाख रोजगार सृजित हुये।
- सरकार द्वारा अधिसूचित नई इलेक्ट्रानिक्स विनिर्माण नीति-2020 के अन्तर्गत 40,000 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित करने तथा राज्य में 03 सेण्टर ऑफ एक्सीलेन्स की स्थापना किये जाने का लक्ष्य है।
- ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023 में इलेक्ट्रानिक्स विनिर्माण क्षेत्र के 210 सम्भावित निवेशकों से लगभग 3867 करोड़ रुपये के निवेश और लगभग 2.15 लाख व्यक्तियों हेतु रोजगार सम्भावनाओं युक्त अभिरुचियाँ प्राप्त हुई हैं।

बेसिक शिक्षा

- छात्र/छात्राओं के लिये यूनीफार्म, स्वेटर, स्कूल बैग, जूता मोजा एवं स्टेशनरी उपलब्ध कराने के लिये क्रय प्रक्रिया को बन्द करते हुये डी0बी0टी0 के माध्यम से 1200 रुपये प्रति बच्चे की दर से धनराशि सीधे अभिभावकों के खाते में हस्तान्तरित की जा रही है।
- कक्षा-1 से 08 तक अध्ययनरत् लगभग 02 करोड़ से अधिक छात्र-छात्राओं के लिये निःशुल्क स्वेटर एवं जूता-मोजा उपलब्ध कराने हेतु 650 करोड़ तथा स्कूल बैग हेतु 350 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- अलाभित समूह एवं दुर्बल वर्ग के 02 लाख से अधिक बच्चों को वित्तीय वर्ष 2024-2025 मे प्रवेश दिलाये जाने का लक्ष्य है, जिस हेतु 255 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- ऑपरेशन कायाकल्प के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024-2025 में 1000 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- वित्तीय वर्ष 2023-2024 में 300 करोड़ रुपये से ग्राम पंचायत एवं वॉर्ड स्तर पर डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना करायी जा रही है, जिसके लिये वित्तीय वर्ष 2024-2025 में 498 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।
- वनटांगिया गांवों में 36 प्राथमिक विद्यालयों के संचालन हेतु 144 पद सृजित किये गये हैं।

- गरीबी रेखा से ऊपर के लगभग 30 लाख छात्रों को निःशुल्क यूनिफार्म वितरण हेतु 168 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

माध्यमिक शिक्षा

- वर्ष 2024-2025 तक प्रदेश के समस्त राजकीय माध्यमिक विद्यालयों को आधारभूत सुविधाओं से संतृप्त किये जाने एवं प्रत्येक राजकीय माध्यमिक विद्यालय में स्मार्ट क्लास तथा आई0 सी0 टी0 लैब की व्यवस्था किये जाने हेतु समग्र शिक्षा योजना के अन्तर्गत 516.64 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- सहायता प्राप्त अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों में अवस्थापना सुविधाओं हेतु 200 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- नवीन राजकीय संस्कृत विद्यालयों की स्थापना हेतु 5 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- राजकीय संस्कृत विद्यालयों में छात्रावास एवं मिनी स्टेडियम के निर्माण हेतु 10.46 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- सैनिक स्कूल, गोरखपुर के संचालन हेतु 4 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

उच्च शिक्षा

- विन्ध्याचल धाम मण्डल में माँ विन्ध्यवासिनी राज्य विश्वविद्यालय, मुरादाबाद मण्डल में एक राज्य विश्वविद्यालय तथा देवी पाटन मण्डल में माँ पाटेश्वरी राज्य विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु प्रत्येक विश्वविद्यालय के लिये 51.20 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- शिक्षा को प्रोत्साहित किये जाने हेतु मुख्य मंत्री शिक्षुता प्रोत्साहन योजनान्तर्गत 100 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार हेतु 30 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- नये राजकीय महाविद्यालयों की स्थापना तथा राजकीय महाविद्यालयों के निर्माणाधीन भवनों को पूर्ण किये जाने हेतु 55 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

प्राविधिक शिक्षा

- प्रदेश में डिप्लोमा स्तरीय 169 संस्थाओं में प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। 75 राजकीय पालीटेक्निक निर्माणाधीन/अवस्थापना की प्रक्रिया में हैं, जिन्हें निकट भविष्य में पी0पी0पी0 मोड पर संचालित किया जाना है।

- वर्तमान में 1874 निजी क्षेत्र की डिप्लोमा स्तरीय संस्थाओं में छात्र/छात्राओं को प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

- ए0के0टी0यू0 द्वारा उत्तर प्रदेश स्टार्ट अप पालिसी-2020 के अन्तर्गत विश्वविद्यालय परिसर में सेन्टर ऑफ एडवांस स्टडीज के अन्तर्गत एक इनोवेशन हब की स्थापना की गयी है, जिसके अन्तर्गत 15 इन्क्यूबेशन सेन्टर स्थापित हैं। उक्त के साथ-साथ 265 स्टार्ट अप्स ऑन बोर्ड हो गये हैं।

व्यवसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास

- हमारी सरकार द्वारा प्रदेश की अर्थव्यवस्था हेतु 01 ट्रिलियन डॉलर के लक्ष्य को प्राप्त करने का संकल्प लिया गया है। वर्तमान में माध्यमिक स्तर के 804 राजकीय एवं 729 सहायता प्राप्त विद्यालयों में व्यावसायिक शिक्षा तथा कौशल विकास मिशन के माध्यम से प्रवीण योजनान्तर्गत 301 राजकीय विद्यालयों में व्यावसायिक शिक्षा के साथ-साथ सर्टिफिकेशन की व्यवस्था है। युवाओं को दीर्घकालीन व अल्पकालीन रोजगारपरक् प्रशिक्षण प्रदान किये जाने हेतु राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों का उन्नयन तथा असेवित क्षेत्रों में नवीन केन्द्रों की निजी संस्थाओं की भागीदारी के साथ स्थापना भी की जा रही है। उच्च शिक्षा संस्थानों में भी कौशल आधारित पाठ्यक्रम-बी0बी0ए0 (रिटेल), बी0बी0ए0 (लॉजिस्टिक), बी0बी0ए0 (हेल्थकेयर) एवं बी0बी0ए0 (टूरिज्म व हॉस्पिटैलिटी) के लिये 113 महाविद्यालयों का चयन किया गया है।

- व्यावसायिक शिक्षा के सुदृढ़ीकरण के लिये कक्षा-6 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिये व्यावहारिक या वोकेशनल ओरियेंटेशन कार्यक्रम तथा माध्यमिक स्तर पर वित्तीय वर्ष 2024-2025 में व्यावसायिक शिक्षा योजना के सुदृढ़ीकरण हतु विद्यालयों को हब एवं स्पोक्स मॉडल के रूप में विकसित करते हुये स्थानीय मांग एवं ओ0डी0ओ0पी0 के अनुरूप अधिकाधिक विद्यार्थियों को जॉब रोल/सेक्टर में नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क एवं नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क के अनुसार पाठ्यक्रम संचालित किये जाने की योजना है। इसमें राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान के माध्यम से 12वीं उत्तीर्ण करने पर यू0पी0 बोर्ड के प्रमाण-पत्र के साथ-साथ कम्प्यूटर शिक्षा में प्रमाण-पत्र प्रदत्त किये जाने पर बल दिया जायेगा। विद्यार्थियों को प्राप्त किये जाने वाले कौशल प्रशिक्षण के क्रेडिट उनके क्रेडिट बैंक में सम्मिलित किया जायेगा। इससे विद्यार्थियों को रोजगार के साथ-साथ उच्च शिक्षा प्राप्त करने का सुअवसर प्राप्त होगा।

- टाटा टेक्नोलॉजीज लिमिटेड की सहभागिता से प्रदेश के राजकीय क्षेत्र के 150 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में आधुनिक कार्यशालाओं एवं कक्षा-कक्षों का निर्माण अन्तिम चरण में गतिमान है। प्रदेश के अन्य ऐसे अवशेष 69 संस्थान जहाँ कम से कम 5000 वर्ग फीट की भूमि उपलब्ध है, का उन्नयन वित्तीय वर्ष 2024-2025 में कराया जाना प्रस्तावित है, जिसके लिए 818.75 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- अप्रेन्टिसशिप के माध्यम से युवाओं को उद्योगों में भत्ते के साथ प्रशिक्षण प्रदान किये जाने के क्रम में मुख्य मंत्री शिक्षुता प्रोत्साहन योजना के लिए वित्तीय वर्ष 2024-2025 में 70 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

खेल

- आवासीय क्रीड़ा छात्रावासों में अध्ययनरत् खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रशिक्षण की आवश्यकता के दृष्टिगत 50 अन्तर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों को मानदेय 1.50 लाख रुपये प्रतिमाह पर प्रशिक्षण हेतु आबद्ध किये जाने की व्यवस्था की गयी है।
- विभिन्न जनपदों में खेल अवस्थापनाओं के विकास हेतु 195 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित की गयी है, जो वर्तमान वर्ष के सापेक्ष 67 प्रतिशत अधिक है।
- प्रदेश में निजी सहभागिता से खेल अवस्थापनाओं के निर्माण हेतु 50 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार योजना हेतु 50 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- स्पोर्ट्स साइन्स एण्ड इन्जरी सेन्टर की स्थापना हेतु 12 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

धर्मार्थ कार्य

- श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर से गंगा नदी तक के मार्ग के विस्तारीकरण/सौन्दर्यीकरण के पश्चात् श्रद्धालुओं की संख्या में 4 से 5 गुना वृद्धि हुई है।
- जनपद अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण कार्य के दृष्टिगत पर्यटकों एवं श्रद्धालुओं की संख्या में सम्भावित वृद्धि के दृष्टिगत 03 पहुंच मार्गों का चौड़ीकरण/सौन्दर्यीकरण का कार्य एवं 6 स्थानों पर पार्किंग तथा जन-सुविधाओं का विकास कार्य किया जा रहा है।

- जनपद मिर्जापुर में विन्ध्याचल स्थित त्रिकोणीय क्षेत्र में माँ विन्ध्यवासिनी मंदिर, माँ अष्टभुजा मंदिर, माँ कालीखोह मंदिर को जोड़ने वाले त्रिकोण संरेखण में आने वाले परिक्रमा मार्गों एवं जन-सुविधाओं के उन्नयन हेतु कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

संस्कृति

- महाकुम्भ-2025 के अन्तर्गत विभिन्न कार्यों हेतु 100 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।
- निषादराज गुहा सांस्कृतिक केन्द्र, श्रृंगवेरपुर की स्थापना हेतु 14.68 करोड़ रुपये, जनपद आजमगढ़ के हरिहरपुर में संगीत महाविद्यालय की स्थापना हेतु 11.79 करोड़ रुपये तथा महर्षि वाल्मीकि सांस्कृतिक केन्द्र चित्रकूट की स्थापना हेतु 10.53 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- अन्तर्राष्ट्रीय रामायण एवं वैदिक शोध संस्थान अयोध्या हेतु 10 करोड़ रुपये प्रस्तावित है।

पर्यटन

उत्तर प्रदेश में वर्ष 2023 में जनवरी से अक्टूबर तक 37 करोड़ 90 लाख से अधिक पर्यटक आए, जिनमें भारतीय पर्यटकों की संख्या लगभग 37 करोड़ 77 लाख एवं विदेशी पर्यटकों की संख्या लगभग 13 लाख 43 हजार है।

- प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी अयोध्या में दीपोत्सव का आयोजन वृहद् स्तर पर किया गया। इस अवसर पर राम की पैड़ी पर 22 लाख 23 हजार दीप जलाकर गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड बनाया गया।
- अयोध्या, वाराणसी, चित्रकूट, लखनऊ, विन्ध्याचल, प्रयागराज, नैमिषारण्य, गोरखपुर, मथुरा, बटेश्वर धाम, गढ़मुक्तेश्वर, शुकतीर्थ धाम, माँ शाकुम्भरी देवी, सारनाथ एवं अन्य महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों का पर्यटन विकास एवं सौन्दर्यीकरण के कार्य कराये जा रहे हैं।
- 'मुख्य मंत्री पर्यटन विकास सहभागिता योजना' के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश के प्रत्येक विधान सभा क्षेत्र में एक पर्यटन स्थल को विकसित किए जाने की योजना है।

मान्यवर, भारत की संस्कृति धार्मिक, बौद्धिक, वैज्ञानिक रूप से अत्यन्त समृद्ध रही है। दुनिया के लिये यह एक आश्चर्य का विषय रहा है कि इतनी प्राचीन संस्कृति सदियों तक बाहरी आक्रमणों के बावजूद किस प्रकार अभी भी अविच्छिन्न बनी हुई है। यह उनके लिये आश्चर्य का विषय हो सकता है, परन्तु हमारे लिये यह जीवनशैली है। पूर्ववर्ती सरकारों ने हमारे सांस्कृतिक

धरोहरों की अनदेखी की, परन्तु माननीय प्रधानमंत्री जी और माननीय मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में हमारी सांस्कृतिक धारा अधिक प्रवाहमयी हो रही है-

यूनान, मिश्र, रोम सब मिट गए जहाँ से,

अब तक मगर है बाकी नामों-निशां हमारा।

वन एवं पर्यावरण

राज्य सरकार प्रदेश में हरीतिमा वृद्धि हेतु सतत् प्रयासरत् है। वर्तमान में उ0प्र0 में वनावरण एवं वृक्षावरण प्रदेश के भौगोलिक क्षेत्र का 9.23 प्रतिशत है। वर्ष 2030 तक वनावरण एवं वृक्षावरण 15 प्रतिशत तक किये जाने का लक्ष्य है।

- वर्तमान वित्तीय वर्ष 2023-24 में उत्तर प्रदेश में हरीतिमा विस्तार हेतु प्रदेश में वृहद् स्तर पर 35 करोड़ लक्ष्य के सापेक्ष 36.16 करोड़ पौधारोपण का कार्य कराया गया। वर्षाकाल-2024 में 35 करोड़ पौधारोपण का लक्ष्य प्रस्तावित है।
- सामाजिक वानिकीकरण योजना हेतु 600 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- पौधशाला प्रबन्धन योजना हेतु 175 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- ग्रीन इण्डिया मिशन के अन्तर्गत संचालित कार्यक्रमों हेतु 110 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- प्रोजेक्ट टाइगर एण्ड प्रोजेक्ट एलीफेन्ट योजना हेतु 48.94 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- जनपद लखनऊ स्थित कुकरैल वन क्षेत्र में कुकरैल नाइट सफारी पार्क की स्थापना हेतु 50 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

समाज कल्याण

- वृद्धावस्था पेंशन हेतु 7377 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- पति की मृत्यु उपरान्त निराश्रित महिलाओं के भरण-पोषण अनुदान हेतु 4073 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- अनुसूचित जाति व सामान्य वर्ग के छात्र छात्राओं को छात्रवृत्ति योजना हेतु 1862 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- मुख्य मंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत अनुसूचित जाति तथा सामान्य वर्ग के निर्धन परिवारों की पुत्रियों हेतु 600 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

जनजाति विकास

- अनुसूचित जनजातियों के आर्थिक विकास हेतु विभिन्न प्रकार के कौशल विकास कार्यक्रम जनपद लखीमपुर-खीरी, बलरामपुर, बिजनौर एवं बहराइच/श्रावस्ती तथा महराजगंज में संचालित हैं।
- लघुवन उपजों हेतु न्यूनतम समर्थन मूल्य योजनान्तर्गत नान टिम्बर लघु वन उपजों को निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य पर क्रय हेतु लघु वन उपजों के विपणन, हाट एवं बाजारों के सुदृढ़ीकरण व गोदामों के निर्माण को सरकार द्वारा बढ़ावा दिया जा रहा है।

पिछड़ा वर्ग कल्याण

- अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति योजना हेतु 2475 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- अन्य पिछड़ा वर्ग के निर्धन व्यक्तियों की पुत्रियों की शादी अनुदान योजना हेतु 200 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- पिछड़ा वर्ग के बेरोजगार युवाओं को कम्प्यूटर प्रशिक्षण हेतु 35 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्र-छात्राओं के छात्रावास निर्माण हेतु लगभग 22 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

दिव्यांगजन सशक्तिकरण

- दिव्यांग पेंशन योजना हेतु 1170 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- कुष्ठावस्था पेंशन योजना हेतु 42 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- कृत्रिम अंग/सहायक उपकरण अनुदान योजना के अन्तर्गत लगभग 49,000 दिव्यांगजनों को लाभान्वित किये जाने का लक्ष्य है।

अल्पसंख्यक कल्याण

- वर्ष 2022-2023 से मल्टी सेक्टोरल डेवलपमेन्ट कार्यक्रम प्रदेश के सभी जनपदों में लागू है। कार्यक्रम के अन्तर्गत शिक्षा, स्वास्थ्य और पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाओं के सृजन पर अधिकाधिक बल दिया जा रहा है।
- वित्तीय वर्ष 2022-2023 में 204 परियोजनाओं को पूर्ण कराते हुये जनोपयोगी बनाया गया। वित्तीय वर्ष 2022-2023 में पूर्ण परियोजना इकाइयों में 07 राजकीय

पॉलीटेक्निक, 04 आई0टी0आई0, 12 राजकीय इण्टर कालेज, 25 प्राइमरी स्कूल, 10 अपर प्राइमरी स्कूल, 09 अतिरिक्त कक्षा-कक्ष 02 छात्रावास, 51 आँगनबाड़ी केन्द्र, 03 ट्वायलेट ब्लाक, 02 सी0एच0सी0, 02 पी0एच0सी0 तथा 01 होम्योपैथिक चिकित्सालय सम्मिलित है।

- अल्पसंख्यक समुदाय के छात्र/छात्राओं को छात्रवृत्ति हेतु 220 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

न्याय

- जनपद प्रयागराज में निर्माणाधीन राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय हेतु 100 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- प्रदेश के विभिन्न जनपदों में न्यायालयों की स्थापना हेतु 300 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- पायलट प्रोजेक्ट के अन्तर्गत न्यायालय परिसर के निर्माण हेतु 700 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- अधिवक्ता कल्याण निधि को 200 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 500 करोड़ रुपये किये जाने का निर्णय लिया गया है।
- उत्तर प्रदेश अधिवक्ता सामाजिक निधि योजना के सदस्य अधिवक्ता की मृत्यु हो जाने की दशा में अनुमन्य सहायता की अधिकतम सीमा को 1.50 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दिया गया है।

महिला एवं बाल विकास

- प्रदेश के सभी 75 जनपदों में 1,89,796 आंगनबाडी केन्द्रों के माध्यम से 06 माह से 06 वर्ष आयु के बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं धात्री माताओं के सर्वांगीण विकास की योजनाओं का संचालन कराया जा रहा है।
- प्रदेश में अनुपूरक पुष्टाहार से लगभग 2 करोड़ 6 लाख लाभार्थियों को लाभान्वित किया जा रहा है।
- हॉट कुक्ड मील योजना के अन्तर्गत आंगनबाड़ी केन्द्रों में 03 वर्ष से 06 वर्ष आयु के 79.37 लाख बच्चों को गर्म पका भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है।
- पुष्टाहार कार्यक्रम हेतु लगभग 5129 करोड़ की व्यवस्था प्रस्तावित है।

- आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं के मानदेय के भुगतान हेतु लगभग 971 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- कन्या सुमंगला योजना हेतु 700 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

श्रम

- सन्त रविदास शिक्षा सहायता योजना एवं मेधावी छात्र पुरस्कार योजना को एकीकृत करते हुये नयी योजना 'सन्त रविदास शिक्षा प्रोत्साहन योजना' कर दिया गया है। इस योजना के अन्तर्गत माह नवम्बर, 2023 तक 1,86,270 छात्र-छात्राओं को लाभ हुआ तथा लगभग 58 करोड़ 46 लाख रुपये की धनराशि व्यय की गई।
- कन्या विवाह सहायता योजना के अन्तर्गत पंजीकृत श्रमिक की कुल 02 बालिकाओं को स्वजातीय विवाह की स्थिति में 55,000 रुपये तथा अन्तर्जातीय प्रकरणों में 61,000 रुपये की रकम दिये जाने का प्राविधान है। इस योजना के अन्तर्गत माह नवम्बर, 2023 तक लाभार्थी श्रमिक संख्या 2,38,856 है तथा लगभग 1302 करोड़ रुपये की धनराशि व्यय की गई है।
- निर्माण श्रमिकों के बच्चों को निःशुल्क गुणवत्तापूर्ण एवं उद्देश्यपरक् शिक्षा उपलब्ध कराने की दृष्टि से प्रत्येक मण्डल में एक-एक अटल आवासीय विद्यालय स्थापित किये जा रहे हैं, जिसकी कुल निर्माण लागत 1267 करोड़ रुपये है।
- 16 अटल आवासीय विद्यालयों का लोकार्पण माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा किया जा चुका है। वर्तमान में कक्षा-6 हेतु शैक्षणिक सत्र, 2023-24 प्रारम्भ हो चुका है।

राजस्व

- प्रदेश में एण्टी भू-माफिया पोर्टल पर अवैध कब्जे से सम्बन्धित कुल 3,72,039 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिसमें से 3,70,748 शिकायतें निस्तारित की गयी तथा अभियान के अन्तर्गत कुल 66,872 हेक्टेयर क्षेत्रफल अवैध अतिक्रमण से अवमुक्त कराया गया है।
- मुख्य मंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अन्तर्गत 1000 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- प्रदेश में शीतलहर के बचाव हेतु निराश्रित व्यक्तियों को कम्बल वितरण एवं सार्वजनिक स्थलों पर अलाव जलाने हेतु जनपदों को 52.79 करोड़ रुपये की धनराशि दिनांक 18 जनवरी, 2024 तक जारी की जा चुकी है। जनपदों द्वारा अभी तक कुल 6,66,870 कम्बलों का वितरण किया जा चुका है।

- राज्य आपदा मोचन बल की वर्तमान में 3 कम्पनियां स्थायी रूप से हैं तथा 3 कम्पनियों के नवसृजन की कार्यवाही प्रचलित है।

परिवहन

- रक्षाबंधन पर्व पर प्रदेश की महिला यात्रियों को निगम बसों में निःशुल्क यात्रा प्रदान की जा रही है। वर्ष 2017 से वर्ष 2023 तक 1.03 करोड़ से अधिक महिला यात्रियों को निःशुल्क यात्रा सुविधा प्रदान की गयी है।
- बस यात्रियों को सस्ती एवं गुणवत्तापूर्ण यात्रा सुलभ कराये जाने के उद्देश्य से बस बेड़ों में वृद्धि हेतु 500 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- निर्भया योजना के अन्तर्गत महिलाओं के लिये 50 वातानुकूलित पिंक सेवाएं संचालित हैं, जिसमें महिला यात्रियों की सुरक्षा हेतु सभी बसों में पैनिक बटन स्थापित है। किसी भी आपदा की स्थिति में यात्रारत् महिलायें उत्तर प्रदेश पुलिस की डायल 112 सेवा के निरन्तर सम्पर्क में रहती हैं।

मान्यवर, विभागवार महत्वपूर्ण योजनाओं एवं कार्यक्रमों हेतु आय-व्ययक में की गई व्यवस्थाओं का विवरण प्रस्तुत करने के पश्चात् मैं राजकोषीय सेवाओं का विवरण प्रस्तुत कर रहा हूँ।

राजकोषीय सेवायें

राज्य वस्तु एवं सेवा कर तथा मूल्य सम्वर्धित कर

- राज्य वस्तु एवं सेवा कर तथा मूल्य सम्वर्धित कर से राजस्व संग्रह का लक्ष्य 01 लाख 56 हजार 981 करोड़ 89 लाख रुपये (1,56,981.89 करोड़ रुपये) निर्धारित किया गया है।

आबकारी शुल्क

- आबकारी शुल्क से राजस्व संग्रह का लक्ष्य 58 हजार 307 करोड़ 56 लाख रुपये (58,307.56 करोड़ रुपये) निर्धारित किया गया है।

स्टाम्प एवं पंजीकरण

- स्टाम्प एवं पंजीकरण से राजस्व संग्रह का लक्ष्य 35 हजार 651 करोड़ 93 लाख रुपये (35,651.93 करोड़ रुपये) निर्धारित किया गया है।

वाहन कर

- वाहन कर से राजस्व संग्रह का लक्ष्य 12 हजार 504 करोड़ 73 लाख रुपये (12,504.73 करोड़ रुपये) निर्धारित किया गया है।

वित्तीय वर्ष के बजट अनुमान 2024-2025

मान्यवर,

- प्रस्तुत बजट का आकार 07 लाख 36 हजार 437 करोड़ 71 लाख रुपये (7,36,437.71 करोड़ रुपये) है।
- बजट में 24 हजार 863 करोड़ 57 लाख रुपये (24,863.57 करोड़ रुपये) की नई योजनाएं सम्मिलित की गई हैं।

प्राप्तियां

- कुल प्राप्तियाँ 07 लाख 21 हजार 333 करोड़ 82 लाख रुपये (7,21,333.82 करोड़ रुपये) अनुमानित हैं।
- कुल प्राप्तियों में 06 लाख 06 हजार 802 करोड़ 40 लाख रुपये (6,06,802.40 करोड़ रुपये) की राजस्व प्राप्तियाँ तथा 01 लाख 14 हजार 531 करोड़ 42 लाख रुपये (1,14,531.42 करोड़ रुपये) की पूँजीगत प्राप्तियाँ सम्मिलित हैं।
- राजस्व प्राप्तियों में कर राजस्व का अंश 04 लाख 88 हजार 902 करोड़ 84 लाख रुपये (4,88,902.84 करोड़ रुपये) है। इसमें स्वयं का कर राजस्व 02 लाख 70 हजार 86 करोड़ रुपये (2,70,086 करोड़ रुपये) तथा केन्द्रीय करों में राज्य का अंश 02 लाख 18 हजार 816 करोड़ 84 लाख रुपये (2,18,816.84 करोड़ रुपये) सम्मिलित है।

व्यय

- कुल व्यय 07 लाख 36 हजार 437 करोड़ 71 लाख रुपये (7,36,437.71 करोड़ रुपये) अनुमानित है।
- कुल व्यय में 05 लाख 32 हजार 655 करोड़ 33 लाख रुपये (5,32,655.33 करोड़ रुपये) राजस्व लेखे का व्यय है तथा 02 लाख 03 हजार 782 करोड़ 38 लाख रुपये (2,03,782.38 करोड़ रुपये) पूँजी लेखे का व्यय है।

समेकित निधि

- समेकित निधि की प्राप्तियों से कुल व्यय घटाने के पश्चात् 15 हजार 103 करोड़ 89 लाख रुपये (15,103.89 करोड़ रुपये) का घाटा अनुमानित है।

लोक लेखा

- लोक लेखे से 05 हजार 500 करोड़ रुपये (5,500 करोड़ रुपये) की शुद्ध प्राप्तियाँ अनुमानित हैं।

समस्त लेन-देन का शुद्ध परिणाम

- समस्त लेन-देन का शुद्ध परिणाम 09 हजार 603 करोड़ 89 लाख रुपये (9,603.89 करोड़ रुपये) ऋणात्मक अनुमानित है।

अन्तिम शेष

- प्रारम्भिक शेष 38 हजार 189 करोड़ 66 लाख रुपये (38,189.66 करोड़ रुपये) को हिसाब में लेते हुये अन्तिम शेष 28 हजार 585 करोड़ 77 लाख रुपये (28,585.77 करोड़ रुपये) अनुमानित है।

राजस्व बचत

राजस्व बचत 74 हजार 147 करोड़ 07 लाख रुपये (74,147.07 करोड़ रुपये) अनुमानित है।

राजकोषीय घाटा

मान्यवर,

- राजकोषीय घाटा 86 हजार 530 करोड़ 51 लाख रुपये (86,530.51 करोड़ रुपये) अनुमानित है, जो वर्ष के लिये अनुमानित सकल राज्य घरेलू उत्पाद का 3.46 प्रतिशत है।

मान्यवर, मैं माननीय प्रधानमंत्री जी और माननीय मुख्य मंत्री जी, केन्द्रीय मंत्रि-परिषद् के माननीय सदस्यों और प्रदेश की मंत्रि-परिषद् के अपने सभी माननीय सदस्यों का अत्यन्त आभारी हूं, जिनके सहयोग एवं परामर्श से मैं बजट प्रस्तुत करने में सक्षम हो सका हूँ। मैं, अपर मुख्य सचिव, वित्त और वित्त विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों, प्रधान महालेखाकार, उत्तर प्रदेश तथा राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र के अधिकारियों एवं प्रदेश सरकार के सभी विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति अपना आभार प्रकट करता हूँ, जिन्होंने इस बजट को तैयार करने में बहुमूल्य सहयोग प्रदान किया है। मान्यवर, मैं आपका और सभी माननीय सदस्यों का आभार प्रकट करता हूं। माननीय मुख्य मंत्री जी की कर्मठता, उनकी भविष्यलक्षी दूरदृष्टि समाज को संगठित कर खुशहाली के मार्ग पर आगे ले चलने की क्षमता और समाज के हर वर्ग के लिए समदृष्टि के प्रति कदाचित् यह पंक्तियां सटीक बैठती हैं-

तुम्हारी शख्सियत से ये सबक लेंगी नई नस्लें,
वही मंजिल पर पहुंचा है जो अपने पाँव चलता है।

(सत्तापक्ष के सदस्यों द्वारा मेजें थपथपायी गईं।)

नेता विरोधी दल (श्री अखिलेश यादव) (बैठे हुए)-

आप तो माउस भी नहीं चला पा रहे हैं।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

अभी पूरा तो हो जाने दें।

डुबो देता है कोई नाम तक भी खानदानों का,
किसी के नाम से मशहूर होकर गाँव चलता है।

इन्हीं शब्दों के साथ, मान्यवर, मैं वित्तीय वर्ष 2024-2025 का बजट इस मा0 सदन में उपस्थित सभी सम्मानित जनप्रतिनिधियों के माध्यम से प्रदेश की जनता को समर्पित करता हूं। वन्देमातरम्, धन्यवाद।

वित्तीय वर्ष 2024-2025 के आय-व्ययक साहित्य मा0 सदस्यों के डिवाइस पर अपलोड किये जाने की सूचना

श्री अध्यक्ष-

बजट भाषण की डिटेल जो पहले बहुत सारी किताबों में उठाकर ले जाते थे माननीय सदस्यगण, अब हमने उस व्यवस्था को समाप्त किया है। बजट भाषण 2024-25 के खण्ड-2 (1), बजट भाषण 2024-25 का खण्ड-2 (2), बजट भाषण 2024-25 का खण्ड-3, बजट भाषण 2024-25 का खण्ड-4, बजट भाषण 2024-25 का खण्ड-5, बजट भाषण 2024-25 का खण्ड-6 ये सारे के सारे आपकी डिवाइस पर हैं, विभागवाइज बजट, किसको क्या मद दिया है, वह सारा का सारा डिटेल्ड है। मैं इसलिए पहले बता रहा हूँ, क्योंकि बाद में मा0 सदस्य कहते हैं कि हमें यह चीज नहीं मिली। तो सारी चीजें अपडेटेड हैं, उत्तर प्रदेश की विधान सभा पूरी तरह से पेपरलेस है, यह भी मैं आपको सूचना देना चाहता हूं।

मा0 सदस्यों के लिये आज कैफेटेरिया में लंच की सूचना

वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

मान्यवर, एक अनुरोध था, पहले भी ऐसा हुआ है, मैं चाहूंगा कि कुछ समय के लिए छुट्टी दे दें, इस समय में सभी लोग भोजन भी कर लें और मुझे प्रेस से बात करनी होगी तो बात भी कर लूंगा।

श्री अध्यक्ष-

जो प्रेस मीडिया अभी तक राजर्षि पुरुषोत्तम दास टण्डन हाल में होती थी, अब इसको क्रास करके फर्स्ट फ्लोर पर प्रेस की व्यवस्था है। मैं मीडिया को भी अपडेट कर रहा हूं, यह सूचना माननीय सदस्यों को देनी आवश्यक थी।

जैसे मा0 मुख्य मंत्री जी ने व्यवस्था की है और मा0 संसदीय कार्य मंत्री जी ने उसकी सूचना दी है कि सभी मा0 सदस्यों के लिए आज भोजन की व्यवस्था कैफेटेरिया में है। अब हम उठते हैं 2 बजे तक के लिए।

(मध्याह्न भोज हेतु श्री अध्यक्ष ने अपराह्न 12 बजकर 15 मिनट पर सदन की कार्यवाही अपराह्न 2:00 बजे तक के लिए स्थगित की।)

(मध्याह्न भोजन अवकाश के पश्चात् 2 बजे सदन की कार्यवाही श्री अध्यक्ष के अध्यक्षता में पुनः आरम्भ हुई।)

नियम-301 के अन्तर्गत सूचनाएँ

श्री अध्यक्ष-

आज नियम-301 के अन्तर्गत कुल 40 सूचनाएं प्राप्त हुईं। शलाका के आधार पर 20 सूचनाओं को चयनित किया गया।

स्वामी ओउ्मवेश (उपस्थित), श्री अशरफ अली खान (उपस्थित), श्री चन्दन चौहान (अनुपस्थित), श्री विकास गुप्ता (उपस्थित), श्री प्रदीप कुमार चौधरी (उपस्थित), श्रीमती मीनाक्षी सिंह (अनुपस्थित), श्री विवेकानन्द पाण्डेय (अनुपस्थित), श्री ब्रजभूषण राजपूत (अनुपस्थित), श्री जगदीश नारायण राय (उपस्थित), श्रीमती सैय्यदा खातून (उपस्थित), श्रीमती इन्द्राणी देवी (उपस्थित), श्री रविदास मेहरोत्रा (अनुपस्थित), श्री मौहम्मद फहीम इरफान (अनुपस्थित), श्री बम्बा लाल (उपस्थित), श्री रमेश चन्द्र मिश्र (उपस्थित), श्री रमेश जायसवाल (अनुपस्थित), श्री अभय सिंह (उपस्थित), श्री मनोज कुमार पारस (अनुपस्थित), श्री राजेश्वर सिंह (अनुपस्थित), श्री बेदी (उपस्थित)।

20 में से 09 मा0 सदस्य उपस्थित नहीं हैं। ये जो 09 मा0 सदस्य उपस्थित नहीं हैं, आगे से मुझे सुबह सूचना दे दिया करें कि उपस्थित रहेंगे या नहीं।

श्री प्रसन्न कुमार (उपस्थित), प्रो0 श्याम बिहारी लाल (उपस्थित), श्री राजेन्द्र सिंह पटेल (उपस्थित), श्री अशोक कुमार (उपस्थित), श्री सुरेन्द्र मैथानी (उपस्थित), श्री अखिलेश यादव (उपस्थित), श्री राजीव तरारा (उपस्थित), श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना' (उपस्थित), श्री जय प्रकाश अंचल (उपस्थित), श्री त्रिभुवन दत्त (उपस्थित), श्री मो0 ताहिर खान (उपस्थित), श्री जवाहर लाल राजपूत (अनुपस्थित), श्रीमती गीता शास्त्री (पासी) (अनुपस्थित), श्री प्रदीप कुमार सिंह (अनुपस्थित), श्री अनिल कुमार सिंह (अनुपस्थित), श्री वीर विक्रम सिंह (उपस्थित), श्री पल्टूराम (अनुपस्थित), श्री राजेन्द्र कुमार (अनुपस्थित), इंजी0 सरवन कुमार निषाद (अनुपस्थित) तथा श्री लोकेन्द्र प्रताप सिंह (अनुपस्थित)।

कुल 23 मा0 सदस्यों की सूचनाएं स्वीकृत हुईं और 17 मा0 सदस्यों की सूचनाएं अस्वीकृत हुईं।

पहली सूचना स्वामी ओउ्मवेश की जनपद बिजनौर के विधान सभा क्षेत्र बिजनौर के ब्लॉक नूरपुर के अन्तर्गत खींची गयी 11 हजार वोल्टेज लाइन की जगह 440 वोल्टेज कराये जाने

के सम्बन्ध में है, दूसरी सूचना श्री अशरफ अली खान की जनपद शामली के विधान सभा क्षेत्र थानाभवन के कस्बा जलालाबाद में एक कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय खोले जाने के सम्बन्ध में है, तीसरी सूचना श्री प्रसन्न कुमार की जनपद शामली में खेल स्टेडियम बनाए जाने के सम्बन्ध में है, चौथी सूचना श्री विकास गुप्ता की जनपद फतेहपुर में श्रीमती रामा अग्रहरि के नाम से जनहित में अशोक नगर बस स्टाप के पास स्मृति द्वार बनाए जाने के सम्बन्ध में है, पांचवीं सूचना श्री प्रदीप कुमार चौधरी की जनपद बुलन्दशहर के ग्राम अगौता रजवाहे से निमचाना सम्पर्क मार्ग बनाए जाने के सम्बन्ध में है, छठवीं सूचना प्रो0 श्याम बिहारी लाल की जनपद बरेली के विधान सभा क्षेत्र फरीदपुर के विकास खण्ड भुता के अन्तर्गत ग्राम बेवल से बसन्तपुर से खटेली तक सम्पर्क मार्ग बनाए जाने के सम्बन्ध में है, सातवीं सूचना श्री राजेन्द्र सिंह पटेल की जनपद फतेहपुर के विधान सभा क्षेत्र जहानाबाद के अन्तर्गत पांडु नदी पर पुल के निर्माण के सम्बन्ध में है, आठवीं सूचना श्री अशोक कुमार की जनपद रायबरेली के विधान सभा क्षेत्र सलोन में उदयपुर से नहर तक मेंहदीगंज से मजरे बिरनावा तक पक्की सड़क निर्माण के सम्बन्ध में है, नौवीं सूचना श्री जगदीश नारायण की जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र जफराबाद में कतिपय मार्गों के निर्माण के सम्बन्ध में है, दसवीं सूचना श्रीमती सैय्यदा खातून की जनपद सिद्धार्थनगर के विधान सभा क्षेत्र डुमरियागंज के अन्तर्गत कुआनो नदी पर बने पुल का कार्य पूर्ण कराए जाने के सम्बन्ध में है, ग्यारवीं सूचना श्रीमती इन्द्राणी देवी की जनपद श्रावस्ती के विधान सभा क्षेत्र भिनगा के अन्तर्गत ग्राम गलकटवा में नदी पर पुल बनाए जाने के सम्बन्ध में है, बारहवीं सूचना श्री सुरेन्द्र मैथानी की जनपद कानपुर के विधान सभा क्षेत्र गोविंद नगर में जाम युक्त क्षेत्र हेतु एक नए मार्ग का निर्माण कराए जाने के सम्बन्ध में है, तेरहवीं सूचना श्री राजीव तरारा की जनपद अमरोहा के विधान सभा क्षेत्र धनौरा में राजकीय महाविद्यालय बनाए जाने के सम्बन्ध में है, चौदहवीं सूचना श्री बम्बा लाल की जनपद उन्नाव के विभिन्न नगर पंचायतों में होम्योपैथिक अस्पताल के निर्माण के सम्बन्ध में है, पन्द्रहवीं सूचना श्री रमेश चन्द्र मिश्र की जनपद जौनपुर के बदलापुर विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत कतिपय पुलों के वित्तीय स्वीकृति तथा निर्माण के सम्बन्ध में है, सोलहवीं सूचना श्री अखिलेश की जनपद आजमगढ़ के विधान सभा क्षेत्र मुबारकपुर के अन्तर्गत हरीनारायण के घर से राजेन्द्र कनौजिया के घर तक सी0सी0 रोड का निर्माण कराए जाने के सम्बन्ध में है, सत्रहवीं सूचना श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना' की प्रदेश में संचालित 580 प्रशिक्षण संस्थानों के मानक सुनिश्चित कराये जाने के सम्बन्ध में है, अट्ठारहवीं सूचना श्री जय प्रकाश अंचल की जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र बैरिया के अन्तर्गत लोकनायक जय प्रकाश नारायण के पैतृक गाँव तक जाने वाले मार्ग का निर्माण कराए जाने के सम्बन्ध में है, उन्नीसवीं सूचना श्री त्रिभुवन दत्त की जनपद अम्बेडकरनगर के विधान सभा क्षेत्र आलापुर के अन्तर्गत सँकरी पुलिया के चौड़ीकरण कराए जाने के सम्बन्ध में है, बीसवीं सूचना श्री बेदी की जनपद गाजीपुर के

जखनियाँ में कतिपय मार्गों के निर्माण के सम्बन्ध में है, इक्कीसवीं सूचना श्री वीर विक्रम सिंह की जनपद शाहजहांपुर के विधान सभा क्षेत्र कटरा के विकास खण्ड खुदागंज में कतिपय मार्ग का डामरीकरण कराए जाने के सम्बन्ध में है, बाइसवीं सूचना श्री अभय सिंह की शासन के कार्मिक विभाग में कतिपय लोकहित कार्यों को पूर्ण कराये जाने के सम्बन्ध में है तथा तेइसवीं सूचना श्री मो0 ताहिर खान की चक्रवर्ती सम्राट अशोक के नाम से राष्ट्रीय अवकाश घोषित किये जाने के सम्बन्ध में है।

(सदन की सहमति से स्वीकृत सभी सूचनाएं पढ़ी हुई मानी गईं।)

निम्नलिखित सदस्यों की सूचनाएं अस्वीकार की गईं :-

श्री रविदास मेहरोत्रा, श्री मौहम्मद फहीम इरफान, श्री ब्रजभूषण राजपूत, श्री विवेकानन्द पाण्डेय, श्रीमती मीनाक्षी सिंह, श्री चंदन चौहान, श्री रमेश जायसवाल, श्री मनोज कुमार पारस, श्री राजेश्वर सिंह, श्री जवाहर लाल राजपूत, श्रीमती गीता शास्त्री (पासी), श्री प्रदीप कुमार सिंह, श्री अनिल सिंह, श्री पल्टूराम, श्री राजेन्द्र कुमार मौर्य, इंजी0 सरवन कुमार निषाद, श्री लोकेन्द्र प्रताप सिंह।

जनपद बिजनौर के विधान सभा क्षेत्र बिजनौर के ब्लॉक नूरपुर के अन्तर्गत खींची गयी 11 हजार वोल्टेज लाइन की जगह 440 वोल्टेज कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

स्वामी ओउ्मवेश-

[महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन के सज्ञान में एक अविलम्बनीय, लोक महत्व का विषय लाना चाहता हूँ। जनपद बिजनौर के विधान सभा क्षेत्र बिजनौर के गांव अजुपुरा अलियापुर में राजीव गांधी योजना के अन्तर्गत 11 हजार वोल्टेज की लाइन खींची गयी है। जिससे काफी जनहानियाँ लगातार हो रही हैं। समस्त ग्रामवासी इस समस्या को लेकर परेशान हैं। बिजली से ग्रामवासियों को, पशुओं को बिजली का करंट लगना, घरों के उपकरण फुंकना अदि समस्या लगातार आ रही है। सरकार द्वारा इसकी समुचित व्यवस्था कराया जाना जनहित में है।

अतः इस लोक महत्व एवं जनहित के मामले में आवश्यक कार्रवाई की मांग करता हूँ।]

जनपद शामली के विधान सभा क्षेत्र थानाभवन के कस्बा जलालाबाद में एक कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय खोले जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री अशरफ अली खान-

[महोदय, आपके माध्यम से इस सम्मानित सदन का ध्यान एक अविलम्बनीय, लोक महत्व के विषय पर आकृष्ट कराना चाहता हूँ कि जनपद-शामली के विधान सभा क्षेत्र थानाभवन

नोट :-[ ]यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

के विकास खण्ड थानाभवन के कस्बा जलालाबाद में 60 हजार से अधिक आबादी है एवं कस्बा जलालाबाद के समीप अन्य गाँव में एक भी कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय नहीं है, जिस कारण क्षेत्र की छात्राओं को शिक्षा ग्रहण करने हेतु 5 से 7 किमी0 का सफर तय करके काफी दूर जाना पड़ता है, जिससे क्षेत्र की छात्राओं को शिक्षा ग्रहण करने में बहुत ही परेशानियों सामना करना पड़ रहा है। शिक्षा समस्या को हल करने के लिए सम्बन्धित विभाग के स्तर से अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। उक्त समस्या से निजात पाने के लिए छात्राओं के हित में कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय खोला जाना उचित होगा।

अतः लोक महत्व के अविलम्बनीय विषय पर सदन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए छात्राओं के हित में थानाभवन के कस्बा जलालाबाद में एक कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय बनाये जाने की माँग करता हूँ।]

जनपद शामली में स्टेडियम बनाए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री प्रसन्न कुमार-

[महोदय, आपके माध्यम से लोक महत्व के अविलम्बनीय विषय पर सदन का ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूँ। जनपद-शामली में खेल प्रोत्साहित करने हेतु एक स्टेडियम का निर्माण कराने हेतु पिछले 5 वर्षों से 45 करोड़ रुपये स्वीकृत हैं। किन्तु आज तक खेल स्टेडियम का न ही निर्माण कार्य प्रारम्भ कराया गया और न ही कोई कार्यवाही की गई है। जबकि जनपद शामली में खेल स्टेडियम के निर्माण हेतु भूमि भी उपलब्ध है। उक्त क्षेत्र में स्टेडियम न होने से वहाँ के खिलाड़ी एवं प्रतिभावान छात्र/छात्राओं को काफी असुविधा हो रही है।

अतः लोक महत्व के अविलम्बनीय विषय पर सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए जनहित में उक्त खेल स्टेडियम के निर्माण के लिए स्वीकृत धनराशि को जारी कर शीघ्र निर्माण कार्य कराये जाने हेतु कार्रवाई की मांग करता हूँ।]

जनपद फतेहपुर में श्रीमती रामा अग्रहरि के नाम से जनहित में अशोक नगर बस स्टाप के पास स्मृति द्वार बनाए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री विकास गुप्ता-

[महोदय, अवगत कराना है कि नगर पालिका परिषद् फतेहपुर, जनपद-फतेहपुर के अन्तर्गत भिखारीपुर में श्रीमती रामा अग्रहरि जी एक प्रमुख समाज सेविका रही हैं, जिनके द्वारा गरीब असहाय बच्चों को निःशुल्क शिक्षा, भोजन एवं बेटियों की शादी में मदद करने का काम किया जाता था। इनके द्वारा कई शैक्षणिक संस्थाओं की स्थापना भी करायी गयी। इनकी समाज सेवा को देखते हुए जनहित में अशोक नगर बस स्टाप के पास श्रीमती रामा अग्रहरि जी के नाम से एक स्मृति द्वार बनाये जाने की नितान्त आवश्यकता है।

नोट :- [ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

अतः मैं आपके माध्यम से लोक महत्व के इस अविलम्बनीय विषय की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुये कार्रवाई की मांग करता हूँ।]

जनपद बुलन्दशहर के ग्राम अगौता रजवाहे से निमचाना सम्पर्क मार्ग बनाए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री प्रदीप कुमार चौधरी-

[महोदय, अवगत कराना है कि ग्राम अगौता रजवाहे व निमचाना मढैया तक काफी खराब रास्ता है, इस रास्ते की लम्बाई लगभग 1.5 किमी0 है, ये रास्ता पूरी तरह दयनीय स्थिति में है, यह रास्ता आने-जाने योग्य नहीं है, इसलिए ग्रामवासियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए रास्ते का निर्माण कराना अति आवश्यक है।

अतः इस क्षेत्र की जनता आपकी सदैव अभारी रहेगी, जनहित में उपरोक्त रास्ते का निर्माण कराया जाना अति आवश्यक है।]

जनपद बरेली के विधान सभा क्षेत्र फरीदपुर के विकास खण्ड-भुता के अन्तर्गत ग्राम बेवल से बसन्तपुर से खटेली तक सम्पर्क मार्ग बनाए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

प्रो0 श्याम बिहारी लाल-

[महोदय, मेरे विधान सभा क्षेत्र-122, फरीदपुर, जनपद बरेली विकास खण्ड भुता के अन्तर्गत चुर्रा से बेवल बसन्तपुर नहर पटरी मार्ग को आगे ग्राम बेवल बसन्तपुर से खटेली तक (नहर की पटरी पर) सम्पर्क मार्ग बनाया जाना जनहित में अत्यन्त आवश्यक है। उक्त नहर पटरी मार्ग पर सड़क बन जाने से बरेली-पीलीभीत एवं शाहजहाँपुर के लोगों को आने-जाने में बहुत सुविधा हो जायेगी।

अतः नियम 301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय, लोक महत्व एवं जनहित के इस प्रश्न पर शासन का ध्यान आकर्षित करते हुए कार्रवाई की मांग करता हूँ।]

जनपद फतेहपुर के विधान सभा क्षेत्र जहानाबाद के अन्तर्गत पांडु नदी पर पुल के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री राजेन्द्र सिंह पटेल-

[महोदय, कृपया सादर अवगत कराना है कि मेरे विधान सभा क्षेत्र-238, जहानाबाद अन्तर्गत ग्राम-औसेरीखेड़ा, मजरे-आशापुर से बेनीखेड़ा, ब्लाक-मलवां, जनपद फतेहपुर में पाण्डु नदी पर पुल का निर्माण अति आवश्यक है। आवागमन की सुगमता हेतु जनता द्वारा लगातार मांग होती चली आ रही है, जो कि जनहित में है।

नोट :-[ ]यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बिनीय, लोक महत्व के विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट कर कार्रवाई की माँग करता हूँ।]

जनपद रायबरेली के विधान सभा क्षेत्र सलोन में उदयपुर से नहर तक मेंहदीगंज से मजरे बिरनावा तक पक्की सड़क निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री अशोक कुमार-

[महोदय, अवगत कराना है कि जनपद-रायबरेली की विधान सभा क्षेत्र सलोन में उदयपुर डिवाई नहर पर मेंहदीगंज से जिला प्रतापगढ़ की सीमा तक पक्की सड़क निर्मित है, परन्तु ग्राम सभा मेंहदीगंज से पूरे सत्यनारायन मजरे बिरनावा तक (लम्बाई लगभग 5 किमी0) मार्ग कच्चा है, जिस कारण से लगभग 40-50 हजार की आबादी को आवागमन में भारी असुविधा होती है। जनहित में ग्राम सभा मेंहदीगंज से पूरे सत्यनारायन मजरे बिरनावा तक (लम्बाई लगभग 5 किमी0) मार्ग निर्मित कराया जाना अति आवश्यक है।

अतः मै आपके माध्यम से लोक महत्व के इस अविलम्बनीय विषय की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुये कार्रवाई की मांग करता हूँ।]

जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र जफराबाद में कतिपय मार्गों के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री जगदीश नारायण-

[महोदय, मैं आपके माध्यम से लोक महत्व के अविलम्बनीय विषय पर सदन के माध्यम से ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूँ कि मेरे जनपद-जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र जफराबाद के कई मार्ग लम्बी दूरी के हैं, उनका निर्माण कराना अति आवश्यक है। इन मार्गों को यदि प्रधानमंत्री सड़क योजना के कोर नेटवर्क में सम्मिलित कर दिया जाय तो भविष्य में उन पर कार्य हो जायेंगे। सड़क का नाम क्रमशः निम्न प्रकार है :-

1-त्रिलोचन नहर मार्ग कुसिया, पुरे वराई तक 08 किमी0।

2-नेवादा से दौड़ी परशरामपुर होते हुए मड़ियाहूं रोड तक।

3-शीतम सरांय से कोरी होते हुए कचगांव तक 07 किमी0।

4-वाराणसी रोड से कोल्ड स्टोरेज के सामने से नाथुपुर, जमैथा, धर्मापुर तक।

5-कबीरुद्दीनपुर से नरेन्द्रपुर बालेमऊ कुछमुछ।

इस अति लोक महत्व के प्रश्न पर माननीय लोक निर्माण मंत्री जी का ध्यान आकर्षित कराना चाहता हूँ कि विस्तृत सर्वे कराकर कोर नेटवर्क में शामिल कराने की कृपा करें।]

नोट :-[ ]यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

जनपद सिद्धार्थनगर के विधान सभा क्षेत्र डुमरियागंज के अन्तर्गत कुआनो नदी पर बने पुल का कार्य पूर्ण कराए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्रीमती सैय्यदा खातून-

[महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान लोक महत्व के विषय की ओर दिलाना चाहता हूँ कि जनपद सिद्धार्थनगर के अन्तर्गत मेरे विधान सभा क्षेत्र डुमरियागंज में जनपद सिद्धार्थनगर, जनपद बलरामपुर बार्डर पर स्थित कुआनो नदी के चोरघटा घाट पर निर्माणाधीन पुल अधूरा बनकर तैयार है। यह पुल दोनों जनपद को जोड़ने का कार्य करता है, अतः पुल के अधूरे निर्माण कार्य को पूर्ण कराया जाना जनहित में आवश्यक है। यह प्रकरण लोक महत्व का है और क्षेत्रीय जनता से जुड़ा हुआ है।

अतः इस गम्भीर विषय को सदन के संज्ञान में लाते हुए उक्त अधूरे पुल का निर्माण कार्य कराये जाने हेतु कार्रवाई की मांग करती हूँ।]

जनपद श्रावस्ती के विधान सभा क्षेत्र भिनगा के अन्तर्गत ग्राम गलकटवा में नदी पर पुल बनाए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्रीमती इन्द्राणी देवी-

[महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान लोक महत्व के विषय की ओर दिलाना चाहता हूँ कि मेरे विधान सभा क्षेत्र भिनगा जनपद श्रावस्ती के अन्तर्गत ग्राम गलकटवा के दक्षिण तरफ रास्ते में नदी पर पुल न होने के कारण क्षेत्र के लोगों का आवागमन नहीं हो पाता है, जिसके कारण आये दिन क्षेत्र के लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। यहां पर पुल बन जाने से क्षेत्र के ग्रामीण एवं अन्य लोगों के आवागमन में सुविधा हो जायेगी। इस सम्बन्ध में क्षेत्रवासियो द्वारा बार-बार मांग की जा रही है। गलकटवा के दक्षिण तरफ यदि पुल का निर्माण हो जायें तो आने-जाने में सुविधा मिल जायेगी।

अतः इस लोक महत्व के विषय को सदन के संज्ञान में लाते हुए उपरोक्त पुल का निर्माण कार्य कराये जाने हेतु कार्रवाई किये जाने की मांग करती हूँ।]

जनपद कानपुर के विधान सभा क्षेत्र गोविन्द नगर में जाम युक्त क्षेत्र हेतु एक नए मार्ग का निर्माण कराए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री सुरेन्द्र मैथानी-

[महोदय, संज्ञान में लाना चाहता हूँ कि हमारी गोविन्द नगर विधान सभा क्षेत्र कानपुर अन्तर्गत डबल पुलिया से लेकर अर्मापुर नहर तक रक्षा क्षेत्र अधिकृत बाहरी भाग से वर्षों

नोट :-[ ]यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

पुरानी एक नहर जाती थी। जो वर्षों से बन्द पड़ी है और लगभग 10, 12 वर्ष से अब पाइप लाइन से पानी की सप्लाई पेयजल हेतु की जा रही है और शेष नहर पर लोगों ने कूड़ा डालकर नहर को बन्द कर दिया है और उस पर अतिक्रमण करना शुरू कर दिया है। सारी नहर बदबू के ढेर में तब्दील हो गयी है। जिससे प्रदूषण का भी भीषण खतरा रक्षा क्षेत्र के आस-पास के निवासियों को तथा रक्षा प्रतिष्ठानों में कार्यरत लोगों के जीवन में बुरा प्रभाव डाल रहा है। जिसके दृष्टिगत अर्मापुर के बाहरी क्षेत्र में उक्त खाली पड़ी नहर की जमीन पर उससे पहले की सड़क को विस्तार देते हुये उस पर भी सड़क बनाने से जन-जीवन व्यवस्थित हो जायेगा और लाखों लोग नये मार्ग को पाकर लाभान्वित होंगे। अतः आपसे निवेदन है कि उसकी एन0ओ0सी0 देने की कृपा करें।

कानपुर जैसे बड़े शहर में नए मार्गों के निर्माण की अति आवश्यकता है। मार्ग निर्माण हेतु नव निर्मित जी0टी0 रोड लोहारन भट्टा से विजय नगर स्थित डबल पुलिया तक नहर पटरी तक मार्ग के ही ठीक आगे रिक्त स्थान है जिसकी लम्बाई लगभग 02 कि0मी0 जो कि रोड बनाने हेतु उपलब्ध है।

विशेष कर कानपुर में हार्ट के मरीजों को कार्डियोलॉजी तक जाने के लिए भीषण जाम से सामना करना होता है और वहाँ का यह रिकॉर्ड है कि यदि मरीज कार्डियोलॉजी अस्पताल तक पहुंच जाता है तो 90% से ज्यादा लोगों की जान बच जाती है। परन्तु जाम के कारण कई मरीज एवं आस-पास के 16-17 जिलों के आधारित गरीब व्यक्ति उक्त अस्पताल पहुंचने से पहले ही जाम के कारण कई-कई बार असमय ही दम तोड़ देते हैं और उक्त अस्पताल और बड़े सरकारी अस्पताल और अर्ध सरकारी अस्पताल तथा प्राइवेट अस्पतालों तक पहुंचने के लिए, डबल पुलिया से लेकर लोहारन भट्टा जीटी रोड से जुड़ने वाली बन्द एवं खाली पड़ी नहर के ऊपर सड़क का निर्माण मेरे द्वारा उत्तर प्रदेश सरकार से लगभग पूर्ण करा लिया गया है।

यदि उक्त मार्ग का निर्माण करा दिया गया तो यह एक ऐसा कार्य होगा, जिससे ट्रैफिक लोड का डायवर्जन होता है और जाम से मुक्ति भी मिलती है। अन्यथा वही पुराने मार्गों की सड़क-नाली-खड़न्जा जो भौगोलिक दृष्टि से सीमित दायरे में रहती हैं, हम उनको बार-बार, कितनी भी अच्छी सड़क बनाते रहें, परन्तु हैवी ट्रैफिक लोड के कारण कानपुर के नागरिकों को जाम से मुक्ति नहीं दिला सकते और नए मार्ग के निर्माण से जाम से मुक्ति भी मिलेगी और इसके साथ ही मरीजों एवं बच्चों को स्कूल जाने, बुजुर्गों, महिलाओं को आवागमन हेतु तथा अपने प्रशासनिक कार्यों हेतु भी कानपुर दक्षिण से कानपुर उत्तर तक जाने में तथा अधिवक्ताओं को कचहरी आदि जाने में भी यह अतिरिक्त मार्ग जीवन सुरक्षा एवं समय की बचत में मील का पत्थर साबित होगा। जिसके दृष्टिगत उक्त मार्ग का निर्माण कराया जाना जनहित में अति आवश्यक है।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय, लोक महत्व के विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट कर कार्रवाई की मांग करता हूँ।]

जनपद अमरोहा के विधान सभा क्षेत्र धनौरा में राजकीय महाविद्यालय बनाए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री राजीव तरारा-

[महोदय, अवगत कराना है कि मेरी विधान सभा क्षेत्र-39, धनौरा जनपद अमरोहा के अन्तर्गत धनौरा ब्लाक में राजकीय महाविद्यालय नहीं है। ये खादर क्षेत्र में आता है एवं शिक्षा के क्षेत्र में काफी पिछड़ा हुआ है। इस क्षेत्र की छात्राओं को इण्टर के बाद की पढ़ाई करने के लिए काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उच्च शिक्षा से वंचित रह जाती हैं। छात्र-छात्राओं के भविष्य को ध्यान में रखते हुए धनौरा ब्लाक में राजकीय महाविद्यालय की स्थापना अत्यन्त आवश्यक है।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय एवं लोक महत्व के इस महत्वपूर्ण विषय पर शासन का ध्यान आकर्षित करते हुए कार्रवाई की मांग करता हूँ।]

जनपद उन्नाव के विभिन्न नगर पंचायतों में होम्योपैथिक अस्पताल के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री बम्बा लाल-

[महोदय, कृपया आपको सादर अवगत कराना है कि विधान सभा क्षेत्र सफीपुर के अन्तर्गत नगर पंचायत रसूलाबाद, नगर पंचायत हैदराबाद तथा ग्राम पंचायत दिपवल, वि0ख0 औरास, ग्राम पंचायत कोलहा अटौरा में होम्योपैथिक अस्पताल किराये के भवन में संचालित है। इन स्थानों पर विभागीय होम्योपैथिक अस्पताल के भवनों का निर्माण कार्य नहीं कराया गया है। महोदय जनहित में इंगित स्थानों पर विभागीय होम्योपैथिक अस्पताल के नवीन भवनों का निर्माण कार्य कराया जाना नितान्त आवश्यक है।

अतः आपसे अनुरोध है कि विधान सभा क्षेत्र सफीपुर के अन्तर्गत नगर पंचायत रसूलाबाद, नगर पंचायत हैदराबाद तथा ग्राम पंचायत दिपवल, वि0ख0 औरास, ग्राम पंचायत कोलहा अटौरा में होम्योपैथिक अस्पताल के नवीन भवनों का निर्माण कार्य कराये जाने हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित करने का कष्ट करें।]

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

जनपद जौनपुर के बदलापुर विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत कतिपय पुलों के वित्तीय स्वीकृति तथा निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री रमेश चन्द्र मिश्र-

[महोदय, अवगत कराना है कि मेरे विधान सभा क्षेत्र बदलापुर के अन्तर्गत विकास खण्ड बदलापुर में दुगौली खुर्द मरगुपुर के मध्य पीली नदी पर पुल/बाक्स कलवर्ट, विकास खण्ड बक्सा में रारीकला-अगरौरा के मध्य लघु सेतु पैन्टून पुल, विकास खण्ड-बदलापुर में बहुर-कवेली के मध्य पीली नदी पर बॉक्स कलवर्ट एवं लघु सेतु, विकास खण्ड महराजगंज के मनिकापुर में निषाद बस्ती में बगहवा के नारपार बॉक्स कलवर्ट, विकास खण्ड बक्सा के ग्राम नरायनपुर व खैरपरा चौहान बस्ती में मध्य लखिया नाला पर बॉक्स कलवर्ट व पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य कराया जाना अत्यन्त आवश्यक है, जिसका प्रस्ताव शासन में लम्बित है। उक्त प्रस्ताव पर वित्तीय स्वीकृति किया जाना अत्यन्त आवश्यक है।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय, लोक महत्व के इस प्रश्न पर आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए कार्रवाई किये जाने की मांग करता हूँ।]

जनपद आजमगढ़ के विधान सभा क्षेत्र मुबारकपुर के अन्तर्गत हरिनारायण के घर से राजेन्द्र कनौजिया के घर तक सी0सी0 रोड का निर्माण कराए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री अखिलेश-

[महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान लोक महत्व के विषय पर दिलाना चाहता हूँ कि मेरे विधान सभा क्षेत्र मुबारकपुर सठियांव ब्लाक के अन्तर्गत ग्राम सभा-पुसड़ा आयमा में हरिनारायण के घर से राजेन्द्र कनौजिया के घर तक सी0सी0 रोड कार्य कराया जाना जनहित में अति आवश्यक है, जिसकी दूरी लगभग 300 मी0 है, जो पूर्णरूप से जर्जर एवं गड्ढायुक्त है, जिसके कारण आम-जनमानस को आवागवन हेतु समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

अतः सदन से अनुरोध है कि विधान सभा क्षेत्र मुबारकपुर सठियांव ब्लाक के अन्तर्गत ग्राम सभा पुसड़ा आयमा में हरिनारायण के घर से राजेन्द्र कनौजिया के घर तक सी0सी0 निर्माण कार्य कराया जाना जनहित में अति आवश्यक है तथा सम्बन्धित को निर्माण हेतु निर्देशित करने का कष्ट करें।]

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

प्रदेश में संचालित 580 प्रशिक्षण संस्थानों के मानक सुनिश्चित कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना'-

[महोदय, ओम साई मोटर ड्राइवर ट्रेनिंग स्कूल/हजार्ड प्रशिक्षण संस्थान, ए-41, सेक्टर-69 ट्रान्सपोर्ट नगर नोएडा (गौतमबुद्धनगर) में संचालित है, वर्ष 2001 में इसे अनुज्ञा-पत्र निर्गत किया गया तथा वर्ष 2012 में संचालक ने हजार्ड वाहन प्रशिक्षण का पृष्ठांकन कराया। शासन के दिनांक 27-04-2023 के आदेशानुसार दिनांक 26-10-2023 से पूर्व संचालित सभी प्रशिक्षण संस्थान नवीन मानक प्रक्रिया का अनुपालन सुनिश्चित करायें अन्यथा उक्त तिथि से उनकी मान्यता स्वतः समाप्त हो जायेगी।

इसी क्रम में पहले से संचालित 580 प्रशिक्षण संस्थानों ने मानक प्रक्रिया सुनिश्चित नहीं कराया अतः उनकी मान्यता समाप्त कर दी गयी, किन्तु उक्त संस्थान का निरस्तीकरण अब तक नहीं किया गया। इसी तरह संचालक की डिग्री संदेहास्पद है और सरकार के आदेश के बाद भी कोविड के दौरान उक्त संस्थान के बन्द नहीं होने के बावजूद भी संचालक श्री अनिल शर्मा के विरुद्ध अब तक कोई कार्यवाही नहीं की गयी।

इसी तरह नोएडा विकास प्राधिकरण की सीमा के अन्दर निर्मित होने के बावजूद भी प्राधिकरण के नियमों के अनुरूप भवन नहीं निर्मित किया गया है, किन्तु इस सन्दर्भ में भी कोई कार्यवाही अब तक नहीं की गयी है। इसी प्रकार ऑनलाइन प्रशिक्षण और अनुदेशकों द्वारा प्रशिक्षुओं को दिया जाने वाला प्रशिक्षण व प्रमाण-पत्र भी संदेह के घेरे में है। तमाम अनियमितताएं उक्त प्रशिक्षण संस्थान द्वारा की जा रही हैं, किन्तु संस्थान के विरुद्ध कोई कार्यवाही न होने से जहाँ प्रशिक्षण प्राप्त करने वालों का प्रमाण-पत्र पर संशय जाता है, वहीं उक्त प्रशिक्षण संस्थान पर भी प्रश्न उठता है।

अतः लोक महत्व के इस अविलम्बनीय प्रश्न पर शासन का ध्यान आकर्षित करते हुये शीघ्र कार्रवाई की मांग करती हूँ।]

जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र बैरिया के अन्तर्गत लोकनायक जय प्रकाश नारायण के पैतृक गाँव तक जाने वाले मार्ग का निर्माण कराए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री जय प्रकाश अंचल-

[महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान लोक महत्व के विषय की ओर दिलाना चाहता हूँ कि मेरे विधान सभा क्षेत्र बैरिया जनपद बलिया के अन्तर्गत शोभा छपरा से संसार

नोट :-[ ]यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

टोला होकर लोकनायक जय प्रकाश नारायण के पैतृक गांव तक जाने वाले मार्ग की स्थिति अत्यन्त जर्जर व गड्ढायुक्त है तथा मार्ग पर पैदल चलना भी दूभर हो गया है। उस पर तत्काल कार्य कराया जाना जनहित में अति आवश्यक है।

अतः मैं सदन का ध्यान आकृष्ट करते हुए तत्काल कार्रवाई करते हुए उक्त सड़क के निर्माण की मांग करता हूँ।]

जनपद अम्बेडकरनगर के विधान सभा क्षेत्र आलापुर के अन्तर्गत सँकरी पुलिया के चौड़ीकरण कराए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री त्रिभुवन दत्त-

[महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान लोक महत्व के विषय की ओर दिलाना चाहता हूँ कि जनपद अम्बेडकरनगर की विधान सभा क्षेत्र आलापुर के विकास खण्ड रामनगर के अन्तर्गत ग्राम शाहपुर औरांव में जहांगीरगंज रजवाहा पर रामनयन मौर्य के खेत के बगल स्थित पुलिया बहुत ही सँकरी है तथा क्षतिग्रस्त हो गई है। उक्त पुलिया का चौड़ीकरण कराना जनहित में आवश्यक है, क्योंकि इस पुलिया से लगभग तीस गांव के लोगों का आवागमन होता है। इस पुलिया के चौड़ीकरण हो जाने से लगभग हजारों लोगों को आवागमन में सुविधा मिल जायेगी। इस सम्बन्ध में अनेक बार शासन व प्रशासन से प्रयास किए गए, परन्तु कोई कार्यवाही नहीं हुई।

अस्तु इस लोक महत्व के विषय पर कार्रवाई की मांग करता हूं।]

जनपद गाजीपुर के जखनियाँ में कतिपय मार्गों के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री बेदी-

[महोदय, मैं आपके माध्यम से लोक महत्व के अविलम्बनीय विषय पर सदन के माध्यम से ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूँ कि मेरे विधान सभा क्षेत्र जखनियां, जनपद गाजीपुर के अन्तर्गत ग्रामीण मार्गों का नव निर्माण कार्य कराया जाना अति आवश्यक है।

1-विकास खण्ड सादात में हाजीपुर-भाला मार्ग से ग्राम सभा सरसौली दलित बस्ती सम्पर्क मार्ग लम्बाई लगभग 2 किमी0।

2-विकास खण्ड सादात में रायपुर-पलिवाल मार्ग से ग्राम बनकटा मौजा राघवपुर दलित बस्ती सम्पर्क मार्ग लम्बाई लगभग 1.5 किमी0।

3-विकास खण्ड मनिहारी में कुन्दुसीपुर नहर से सोनू राजभर के घर होते हुए केदार राजभर तक सम्पर्क मार्ग लम्बाई लगभग 1.3 किमी0।

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

4-विकास खण्ड जखनियां के ग्राम सभा रामपुर बलभद्र (गोइडा) पिच रोड से रविदास मोड़ तक सम्पर्क मार्ग लम्बाई लगभग 1.3 किमी0।

5-विकास खण्ड मनिहारी में सादियाबाद-जखनियां सम्पर्क मार्ग से गुरैनी सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य लम्बाई लगभग 1 किमी0।

6-विकास खण्ड सादात में ग्राम प्यारेपुर मौजा मीरपुर में मीरजापुर पिच रोड से बनबासी बस्ती सम्पर्क मार्ग लम्बाई लगभग 1.1 किमी0।

7-विकास खण्ड मनिहारी में पिच रोड से सुरहुरपुर दलित बस्ती, राजभर बस्ती सम्पर्क मार्ग लम्बाई 1 किमी0।

8-विकास खण्ड मनिहारी में पिच रोड से ग्राम गोड़ारी दलित बस्ती सम्पर्क मार्ग लम्बाई लगभग 1 किमी0।

9-विकास खण्ड जखनियां में सोफीपुर पिच रोड से खानपुर रघुवर राय दलित बस्ती सम्पर्क मार्ग लम्बाई लगभग 1.1 किमी0।

10-विकास खण्ड मनिहारी में पिच रोड से बरहट दलित बस्ती सम्पर्क मार्ग लम्बाई लगभग 1.5 किमी0।

11-विकास खण्ड मनिहारी में मोहब्बतपुर ग्राम सभा से बाघीपुर राजभर बस्ती सम्पर्क मार्ग लम्बाई 1.4 किमी0।

12-विकास खण्ड जखनियां में मजुईं दुल्लहपुर मार्ग से ग्राम गौरा नामजद लालापुर से रामबन होते हुए भुड़कुड़ा स्कूल तक मिसिंग लिंक मार्ग का निर्माण कार्य लम्बाई लगभग 2.5 किमी0।

13-विकास खण्ड जखनियां में पदुमपुर-धामूपुर सम्पर्क मार्ग से खटिया बाबा होते हुए पदुमपुर चौहान बस्ती तक मिसिंग लिंक मार्ग का निर्माण कार्य लम्बाई लगभग 2 किमी0।

14-विकास खण्ड मनिहारी में मधुबन छलका पुल से ओझीपुर तक मिसिंग लिंक मार्ग का निर्माण कार्य लम्बाई लगभग 1.5 किमी0।

15-विकास खण्ड जखनियां में जलालाबाद-मरदह मार्ग ग्राम सभा बहरामपुर दुर्गा मंदिर से ग्राम सभा रामपुर पतारी में मौजा रतनपुर भड़वा बैजनाथ राजभर के घर तक मिसिंग लिंक मार्ग का निर्माण कार्य लम्बाई लगभग 1.7 मीटर।

16-विकास खण्ड मनिहारी में गुरैनी नहर की पुलिया से नेवादा तक सम्पर्क मार्ग लम्बाई लगभग 2 किमी0।

इस अति लोक महत्व के प्रश्न पर माननीय लोक निर्माण मंत्री जी का ध्यान आकर्षित कराते हुए कार्रवाई की मांग करता हूँ।]

जनपद शाहजहांपुर के विधान सभा क्षेत्र कटरा के विकास खण्ड खुदागंज में कतिपय मार्ग का डामरीकरण कराए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री वीर विक्रम सिंह-

[महोदय, अवगत कराना है कि जनपद-शाहजहाँपुर के विधान सभा क्षेत्र-131, कटरा के विकास खण्ड खुदागंज के अन्तर्गत नेशनल हाई-वे-30 पर हुलासनगरा रेलवे फाटक ओवरब्रिज के पास से ग्राम कुसक होते हुए ग्राम भौना कटरा खुदागंज नेशनल हाई-वे तक कच्चे मार्ग का डामरीकरण न होने के कारण क्षेत्रवासियों को आवागमन हेतु एवं छात्र-छात्राओं को विद्यालय जाने में अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। मेरे द्वारा एवं क्षेत्रीय जनता द्वारा शासन व प्रशासन में कई बार लिखित एवं मौखिक शिकायत करने के उपरान्त भी उपरोक्त मार्ग का डामरीकरण कराने हेतु कोई प्रभावी कार्यवाही नहीं हो सकी है।

अतः नियम-301 के इस लोक महत्व के अविलम्बनीय विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए उपरोक्त कच्चे मार्ग का डामरीकरण कराए जाने की मांग करता हूँ।]

शासन के कार्मिक विभाग में कतिपय लोकहित कार्यों को पूर्ण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री अभय सिंह-

[महोदय, मैं माननीय सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट कराकर कार्मिक विभाग से सम्बन्धित लोकहित के निम्नलिखित बिन्दुओं पर वक्तव्य की मांग करता हूँ :-

1-उत्तर प्रदेश में प्रभावी मृतक आश्रित सेवा नियमावली, 1974 (यथासंशोधित) में सरकारी सेवा में कार्यरत पति-पत्नी अगर एक दूसरे से अलग रहते हैं, परिवार के भरण-पोषण में योगदान नहीं देते अथवा उनके मध्य विवाह विच्छेद की विधिक कार्यवाही प्रक्रिया में है, के दौरान अगर पति-पत्नी में से किसी एक की मृत्यु हो जाती है, तो ऐसी परिस्थिति में मृतक पर आश्रित के सेवायोजन के लिए उक्त नियमवाली में कोई व्यवस्था नहीं दी गयी, न ही इस सम्बन्ध में स्पष्टीकरण किसी शासनादेश के माध्यम से दिया गया, जिससे बहुत से कार्मिक सेवा से पृथक कर दिए गए या आश्रित नौकरी नहीं प्राप्त कर पा रहे।

2-मृतक आश्रित नियमावली में आवश्यकतानुसार संशोधन भी होते रहते हैं, पर जनप्रतिनिधियों एवं असंख्य लोगों के जरूरतों/मांग और परिस्थितियों के बाद भी सरकार/कार्मिक विभाग इस पर कोई कार्यवाही नहीं कर रहा। पूर्व में नियम-51 के प्रकरण में संसदीय अनुश्रवण समिति में कार्मिक विभाग द्वारा दिए गए भ्रामक आख्या को भी अमान्य किया जा चुका है व पुनराख्या लम्बित है।

नोट :-[ ]यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

3-माननीय सर्वोच्च न्यायालय में लागू Compassionate Appointment Scheme 2006 के नियम-11 एवं केन्द्रीय कार्मिक विभाग के दिनांक 09 अक्टूबर, 1998 के नियम-10 के द्वारा केन्द्रीय विभागों/केन्द्रीय कैडरों हेतु उपरोक्त बिन्दु-1 में इंगित परिस्थितियों के लिए बनायी गयी मानवीय व्यवस्था उत्तर प्रदेश में लागू करने में क्या विधिक अड़चन है ? जबकि केन्द्रीय कार्मिक विभाग राष्ट्रीय स्तर पर कार्मिक मामलो में परामर्शी विभाग है व मा0 सुप्रीम कोर्ट सर्वोच्च न्यायिक संस्था है, जहाँ ये प्रावधान लागू हैं।

4-जनहित के इस विषय पर मृतकआश्रित नियमावली या कार्मिक विभाग के शासनादेश दिनांक 01-08-2022 में संशोधन में क्या विधिक अड़चन है ? अगर अड़चन नहीं, तो उपरोक्त इंगित कार्यवाही कब तक कर ली जाएगी ? और अगर अड़चन है, तो हिन्दू मैरिज ऐक्ट से आच्छादित धर्मों में जहाँ विवाह विच्छेद एक लम्बी प्रक्रिया है, के दौरान अगर सरकारी सेवा में कार्यरत पति और पत्नी में से किसी एक का देहान्त होने की स्थिति में मृतक पर आश्रित को सेवायोजन कैसे प्रदान किया जायेगा ?

अतः मैं माननीय सदन से लोक महत्व के इस प्रश्न पर सदन की कार्यवाही रोक कर मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश की अध्यक्षता में जांच व उपरोक्त बिन्दुओं पर वक्तव्य की मांग करता हूं।]

चक्रवर्ती सम्राट अशोक के नाम से राष्ट्रीय अवकाश घोषित किये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

मो0 ताहिर खान-

[महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन का अति अविलम्बनीय, लोक महत्व के विषय पर ध्यान आकृष्ट कराता हूँ कि चकवर्ती सम्राट अशोक की अहम ख्याति पूरे विश्व में है। चक्रवर्ती सम्राट अशोक का प्रतीक चिन्ह हमारे राष्ट्रीय ध्वज में है किन्तु सम्राट अशोक के नाम पर कोई राष्ट्रीय अवकाश नहीं है और जयन्ती का कार्यक्रम भी शासन से निर्दिष्ट नहीं होता है।

सम्राट अशोक के प्रतीक से हमारे देश की मुद्रायें चलती हैं। सम्राट अशोक महान के नाम से देश का सर्वोच्च सम्मान अशोक चक्र से सम्मानित किया जाता है।

उस चक्रवर्ती सम्राट की उपेक्षा क्यों ? जिस देश के सम्राट अशोक महान की लाट सर्वोच्च प्रशासनिक अधिकारियों की शोभा बढ़ा रही है। जिस सम्राट अशोक के शासनकाल में भारत को सोने की चिड़िया कहा जाता था। उस सम्राट अशोक के काल में तालाब व कुएं खुदवाये जाते हैं, जो मानव व पशु-पक्षियों के पीने के लिए पानी व शिक्षा हेतु विश्वविद्यालय की स्पाथना की गयी। जहां पर लोग विदेश से शिक्षा ग्रहण करने के लिए आते थे।

नोट :-[ ]यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

अतः इस लोक महत्व के विषय को सदन के संज्ञान में लाते हुए उपरोक्त प्रकरण पर सरकार से कार्रवाई की मांग करता हूँ।]

[02:06] औचित्य के प्रश्न की सूचनाएँ

श्री अध्यक्ष-

आज नियम-300 के अन्तर्गत दो सूचनाएं प्राप्त हुई हैं। पहली सूचना ग्राह्यता के लिए सुनी जाएगी। दूसरी सूचना को कैंसिल कर देते हैं।

विधान सभा के वर्तमान एवं पूर्व सदस्यों के डीजल, कूपन व अन्य भत्तों में वर्तमान महंगाई दर के सापेक्ष वृद्धि के सम्बन्ध में औचित्य का प्रश्न

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपका आभारी हूँ कि आपने 403 विधायकों से जुड़ी हुई इस महत्वपूर्ण समस्या और सूचना को पढ़ने का अवसर दिया है। हमारी सूचना उत्तर प्रदेश के 403 विधायकों और पूर्व विधायकों को जो कूपन और डीजल के रूप में भत्ता विधान सभा सचिवालय से दिया जाता है, उसके सम्बन्ध में है। वर्ष 2016 में प्रदेश के वर्तमान और पूर्व विधायकों का डीजल और कूपन का पुनरीक्षण हुआ था और महंगाई के सापेक्ष उस पर रेट निर्धारित किये गये थे, लेकिन 2016 से अगर हम इन 8 वर्षों में देखें तो अभी तक कोई वृद्धि नहीं हुई है। मैं आपसे और मा0 संसदीय कार्य मंत्री जी से भी निवेदन करूंगा। हम मा0 विधायकों के लिए कोई अलग से सुविधा नहीं मांग रहे हैं न ही उसके लिए खड़े हुए हैं। यह वास्तविक रूप से इस सदन में बैठे हुए सारे 403 विधायकों का सवाल है। 8 वर्ष बीत जाने के बाद अगर हम देखें तो डीजल/पेट्रोल में 46.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और हवाई जहाज/रेलवे के किराये में लगभग 51 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, तो उस अनुपात में कूपन व डीजल भत्ता भी बढ़ना चाहिए। हालात यह है कि अगर किसी माननीय सदस्य के परिवार में कोई व्यक्ति गम्भीर रूप से पीड़ित हो जाए, जिसका इलाज मुम्बई या बंगलौर में कराना हो, अगर वह अपने परिवारीजन के साथ 1 महीने में 3 बार यात्रा कर ले तो उसके पास 11 महीने के लिए कोई कूपन नहीं रह जाता है। यहां पर हमारे जो भी मा0 सदस्य बैठे हुए हैं, सब इससे सहमत हैं। अगर परिवार में कोई बीमार हो गया तो हम बंगलौर या मुम्बई के टाटा हॉस्पिटल चले गये और उसको देखने के लिए 3 बार गये, आये तो हमारे पास कूपन जीरो हो जाता है। भारत की लोक सभा में भी इसकी व्यवस्था की गयी है, महंगाई के साथ सेंसर लगाया गया है। अपने आप वह महंगाई के साथ बढ़ता चला जाता है। हम यह नहीं कह रहे हैं कि मा0 विधायकों को कोई अलग से सुविधा दे दी जाए, लेकिन अगर हमारे क्षेत्र का कोई व्यक्ति बीमार होगा, यह हमारी नैतिक जिम्मेदारी होती है कि हम उसको मुम्बई, बंगलौर, कर्नाटक ले जायें, जहां उसका इलाज हो, हमें जाना पड़ेगा, मेरी जिम्मेदारी है, मेरी अप्वाइंटिंग अथॉरिटी

ये है। हम उसके साथ जायेंगे, अपना किराया लगायेंगे, उसको भी साथ लेकर जायेंगे। रेलवे में भी इसी तरीके से उपयोग करना पड़ता है। हम केवल आपसे निवेदन करना चाहते हैं, आपका संरक्षण चाहते हैं। मा0 संसदीय कार्य मंत्री जी सौ प्रतिशत सहमत हैं।

अगर आप 1 सेकेण्ड के लिए केवल यह सोच लेंगे कि हम केवल संसदीय कार्य मंत्री नहीं हैं, हम विधायक भी हैं तो सौ प्रतिशत आप हमारी बात से सहमत होंगे। इस बात के लिए हमने अन्य जगह पर भी निवेदन किया था। मेरा आपसे विनम्र अनुरोध है कि कुछ अलग से न बढ़ाया जाए। 2016 से लेकर 2024 तक जो महंगाई बढ़ी है, उस महंगाई के हिसाब से हमारे डीजल पर, हमारे कूपन पर और हमारे अन्य भत्तों पर जोर दिया जाए, यही निवेदन मैं आपसे करना चाहता हूं। मैं हाथ जोड़कर निवेदन करूंगा आप उदार हैं, केवल जवाब न दीजियेगा, इसकी वास्तविकता को जान लीजिए। पीछे (सत्तापक्ष) भी सहमत हैं, अगर कोई असहमत हो तो हाथ उठा दे, मान्यवर, सब सहमत हैं। मा0 संसदीय कार्य मंत्री जी मेरा निवेदन है कि आप उदारता से 2016 से लेकर 2024 तक केवल महंगाई का जो प्रतिशत बढ़ा है, उस महंगाई को जोड़ते हुए देने की घोषणा करें, मैं यही आपसे चाहता हूं। आप उत्तर नहीं बल्कि घोषणा करें। हम सब लोग भी सुनना चाहते हैं। आपसे निवेदन भी करना चाहते हैं।

श्री अध्यक्ष-

मा0 संसदीय कार्य मंत्री जी, इन्होंने कहा कि आप कोई जवाब न दीजिये। जब जवाब मांगा ही नहीं है तो आप बैठिये। आपने कहा कि उत्तर न दें। यह कार्यवाही में है।

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

मान्यवर, आप भी मा0 सदस्य पहले हैं और अध्यक्ष बाद में हैं। आप भी अगर हमारे अधिकारों पर कुठाराघात करेंगे तो हम लोग कहां जाएंगे।

श्री अध्यक्ष-

मा0 मनोज कुमार पाण्डेय जी अब आप बैठ जाइए और मा0 संसदीय कार्य मंत्री जी उत्तर देंगे।

वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

मान्यवर, माननीय श्री मनोज कुमार पाण्डेय जी ने जो विषय उठाया है, आप भी बहुत दिनों से अभी नियमावली आपने पुनरीक्षित की है, और जो पुनरीक्षित नियमावली है उस पर भी देख लें कि नियम-300 में किस विषय को उठाया जा सकता है। औचित्य के प्रश्न इस नियमावली में या संविधान के ऐसे अनुच्छेदों जिससे सदन का कार्य विनियमित होता हो तो इससे सदन का कौन सा कार्य विनियमित होता है।

(सदस्य श्री मनोज कुमार पाण्डेय जी द्वारा अपनी बात रखने की कोशिश करने पर)

मान्यवर, आप बीच में मत बोलिए हम भी बीच में नहीं बोले थे, पूरी बात हो जाने दीजिए। हमें इनके साथ पूरी सहानुभूति है। इनके साथ जो ठगी हो गई हम कल आपको फोन करते, अगर हम बजट में व्यस्त न होते तो हमने सोचा था कि रात में बात करेंगे। हमें आपके प्रति पूरी सहानुभूति है। हम सीधे-सीधे हाउस में कह रहे हैं कि हम कोशिश भी करेंगे कि उसमें जो भी न्याय संगत मदद हो वह हो, जरूर हो। यह मैं कहूंगा। लेकिन यह विषय आपको जहां पर उठाना चाहिए था वहां पर आपने उठाया। वह फोरम सही था जहां पर उठाया। लेकिन यह किसी भी तरीके से नियम-300 के अन्तर्गत आता नहीं है। अगर यह नियम-300 के अन्तर्गत आता तो हम इस पर जरूर जवाब दे देते। दूसरी बात अभी आपने कहा अब कंट्राडिक्शन देखिए, कह रहे हैं कि थोड़ी देर के लिए समझ लीजिए कि आप संसदीय कार्य मंत्री नहीं हैं अरे अगर संसदीय कार्य मंत्री नहीं हैं तो जवाब कौन देगा।

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

मान्यवर, हमने दर्द के लिए कहा था जवाब के लिए तो मंत्री हैं। दर्द समझने के लिए सामान्य विधायक हैं। हमने कहा दो रूप में आ जाइए, सामान्य विधायक के रूप में हमारी पीड़ा समझ लीजिए और संसदीय कार्य मंत्री के रूप में सहानुभूतिपूर्वक निर्णय कर लीजिए।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

मान्यवर, यहां पर अध्यक्ष जी ने इस समय जवाब देने के लिए विधायक को नहीं बुलाया है। इस समय बुलाया जो हमारे साथ मेरे पास जो जिम्मेदारी है उसके आधार पर मुझे जवाब देने के लिए बुलाया है। अगर खाली विधायक होते तो शायद अध्यक्ष जी नही बुलाते। इसलिए इनकी मजबूरी भी समझते हैं और जहां पर इन्होंने उठाया था वही फोरम सही है। इसको कार्यवाही में न लायें यह नियम-300 के अन्तर्गत नहीं आता है। इसलिए हम आपसे निवेदन करेंगे कि इसको अग्राह्य किया जाये और अगर सदस्य वाली बात थोड़ी देर के लिए मान भी लेंगे तो यहां पर बैठ कर जवाब कौन देगा पहले यह बताइए।

***श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना'-**

मान्यवर, विनम्रतापूर्वक मैं आपको याद दिलाना चाहती हूँ कि माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी का तो जो शब्दों का खेल है उसको हम सब लोगों ने आज बजट पर भी देख लिया है। क्या शायरी थी वह कमाल थी।

श्री अध्यक्ष-

वह हमेशा रहती है।

---

*वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना'-

मान्यवर, उस दिन अब जब इन्होंने उसका सन्दर्भ छेड़ ही दिया है वैसे तो जो बैठक में बात होती है उसका सन्दर्भ नहीं लिया जाता है।

श्री अध्यक्ष-

नहीं उन्होंने यह नहीं कहा है, उन्होंने कहा कि जहां उठाना चाहिए था, वहां उठाया है। उन्होंने कुछ नहीं बताया है इसके अलावा।

श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना'-

मान्यवर, वहां मैंने इसको उठाया था आपके सामने उठाया था।

श्री अध्यक्ष-

उन्होंने कहां उठाया था और कहां नहीं उठाया था, यह नहीं बताया है।

श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना'-

मान्यवर, तब भी माननीय मुख्य मंत्री जी ने इन्हीं को कहा था तब इन्होंने फिर वह कहानी हम लोगों को सुनाई थी कि पैर की हड्डी के दर्द के डॉक्टर को दाँत का दर्द बताने से क्या फायदा है। तो मैंने माननीय मुख्य मंत्री जी के सामने और वहां फिर आपके सामने माननीय अध्यक्ष जी, मा0 मुख्य मंत्री जी ने इनसे कहा था कि यह जो कमेटी थी, जो यह कमेटी बनी थी वह पहले आपकी ही अध्यक्षता में बनी थी। तो एक बार इस पर पुनः विचार कर लिया जाये।

अध्यक्ष-

मैंने मा0 मनोज कुमार पाण्डेय जी को सुना, मा0 संसदीय कार्य मंत्री जी को सुना, यह नियम-300 के अन्तर्गत नहीं आता है, इसलिए इसको अग्राह्य किया जाता है।

श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना'-

मान्यवर, एक बार इस पर पुनः विचार कर लिया जाये।

(इस मध्य सदस्य श्री मनोज कुमार पाण्डेय जी अपने स्थान पर खड़े हो गये और कुछ बोलने का प्रयास करने लगे, परन्तु उनका माइक बन्द था।)

वर्तमान विधान सभा के सदस्यों को उनके जन्मदिन के अवसर पर सदन की ओर से बधाई

श्री अध्यक्ष-

दिनांक 3 तारीख को कुछ माननीय सदस्यों के जन्मदिन थे, लेकिन 3 तारीख को हम लोगों ने हमारे विधान सभा के वर्तमान सदस्यों के निधन के निर्देश लिये थे। इसलिए उस दिन ऐसा अवसर नहीं था कि निधन के निर्देश के साथ उसको जोड़ा जा सके, इसलिए 3 तारीख,

4 तारीख और 5 तारीख, चूंकि आज 5 तारीख है तो तीन दिनों में जिन मा0 सदस्यों के जन्मदिन थे। मैं उनको विश करता हूँ।

उत्तर प्रदेश विधान सभा के मा0 सदस्य श्री गुरू प्रसाद मौर्य, निर्वाचन क्षेत्र फाफामऊ, जिला प्रयागराज भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर वर्तमान विधान सभा में दूसरी बार निर्वाचित हुये हैं। आपके पिता का नाम स्व0 बुधई राम है। आपका जन्म दिनांक 03 फरवरी, 1968 को प्रयागराज में हुआ था। आपने स्नातक तक की शिक्षा ग्रहण की है। आपके जन्मदिवस के अवसर पर मैं स्वयं और इस सदन की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ।

उत्तर प्रदेश विधान सभा के मा0 सदस्य श्री जयमंगल कनौजिया, निर्वाचन क्षेत्र सदर, जिला महराजगंज भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर वर्तमान विधान सभा में दूसरी बार निर्वाचित हुये हैं। आपके पिता का नाम स्व0 गब्बू प्रसाद है। आपका जन्म दिनांक 03 फरवरी, 1976 को महराजगंज में हुआ था। आपने हाई स्कूल तक की शिक्षा ग्रहण की है। आपके जन्मदिवस के अवसर पर मैं स्वयं और इस सदन की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ।

उत्तर प्रदेश विधान सभा के मा0 सदस्य डा0 असीम कुमार, निर्वाचन क्षेत्र तमकुहीराज, जिला कुशीनगर भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर वर्तमान विधान सभा में प्रथम बार निर्वाचित हुये हैं। आपके पिता का नाम डा0 कृति नारायण चौधरी है। आपका जन्म दिनांक 03 फरवरी, 1962 को समस्तीपुर में हुआ था। आपने स्नातकोत्तर, एम0बी0बी0एस0, एम0एस0 तक की शिक्षा ग्रहण की है। आपके जन्मदिवस के अवसर पर मैं स्वयं और इस सदन की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ।

उत्तर प्रदेश विधान सभा की माननीया सदस्य श्रीमती अनुपमा जायसवाल, निर्वाचन क्षेत्र बहराइच, जिला बहराइच भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर वर्तमान विधान सभा में दूसरी बार निर्वाचित हुयी हैं। आपके पिता का नाम श्री रवीन्द्रकान्त है। आपका जन्म दिनांक 03 फरवरी, 1967 को बहराइच में हुआ था। आपने स्नातकोत्तर, बी0एड0, बी0टी0सी0 एवं एल0एल0बी0 तक शिक्षा ग्रहण की है। आपने 17वीं विधान सभा में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) की जिम्मेदारी का निर्वहन किया है। आपके जन्मदिवस के अवसर पर मैं स्वयं और इस सदन की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ।

उत्तर प्रदेश विधान सभा के मा0 सदस्य श्री श्रीकान्त कटियार, निर्वाचन क्षेत्र बांगरमऊ, जिला उन्नाव भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर वर्तमान विधान सभा में दूसरी बार निर्वाचित हुये हैं। आपके पिता का नाम स्व0 सूबेदार कटियार है। आपका जन्म दिनांक 03 फरवरी, 1974 को रघुरामपुर में हुआ था। आपने स्नातकोत्तर तक की शिक्षा ग्रहण की है। आपके जन्मदिवस के अवसर पर मैं स्वयं और इस सदन की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ।

उत्तर प्रदेश विधान सभा के मा0 सदस्य श्री अनिल राजभर, निर्वाचन क्षेत्र शिवपुरा, जिला वाराणसी भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर वर्तमान विधान सभा में दूसरी बार निर्वाचित हुये हैं। आपके पिता का नाम स्व0 रामजीत राजभर है। आपका जन्म 03 फरवरी, 1973 को नेवी नगर, मुम्बई में हुआ था। आपने स्नातकोत्तर तक की शिक्षा ग्रहण की है। आप 17वीं विधान सभा में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा अगस्त, 2019 में कैबिनेट मंत्री की जिम्मेदारी का निर्वहन कर चुके हैं। वर्तमान में आप उत्तर प्रदेश सरकार में श्रम एवं सेवायोजन समन्वय विभाग के कैबिनेट मंत्री के रूप में अपना योगदान दे रहे हैं। आपके जन्मदिवस के अवसर पर मैं स्वयं और इस सदन की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ।

श्री अभय सिंह-

माननीय अध्यक्ष जी, मेरी नियम-300 की एक सूचना है।

श्री अध्यक्ष-

माननीय सदस्य, आपकी सूचना ग्राह्य नहीं है।

श्री रविदास मेहरोत्रा-

माननीय अध्यक्ष जी, मेरी नियम-301 की एक सूचना है। मैंने लिखकर दे दिया है।

श्री अध्यक्ष-

माननीय सदस्य, आपकी सूचना पर निर्णय ले लिया गया है।

श्री पूरन प्रकाश-

माननीय अध्यक्ष जी, जिन माननीय सदस्यों का आज जन्मदिन है, उनकी तरफ से मिठाई की व्यवस्था होनी चाहिये।

श्री अध्यक्ष-

जिन भी माननीय सदस्यों का बर्थडे होता है, अगर वह समय से माननीय पूरन प्रकाश जी को बता देंगे तो वह मिठाई की व्यवस्था कर देंगे।

(सदन में हँसी)

[02:20] कार्य-स्थगन प्रस्ताव की सूचनाएँ

श्री अध्यक्ष-

आज दिनांक 05-02-2024 को नियम-56 के अन्तर्गत कुल 12 सूचनाएं प्राप्त हुईं, जिनमें से श्लाका के आधार पर निम्नलिखित सूचनाएं चयनित की गयीं। दो सूचनाओं को ग्राह्यता हेतु सुना जायेगा। शेष सूचनाएं अग्राह्य हैं :-

पहली सूचना श्री इन्द्रजीत सरोज, श्री हृदय नारायण सिंह पटेल की प्रदेश की बदहाल चिकित्सा व्यवस्थाओं से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में है। श्री इन्द्रजीत सरोज जी, आप अपनी सूचना पर बोलें।

श्री इन्द्रजीत सरोज-

माननीय अध्यक्ष जी, उत्तर प्रदेश में बदहाल स्वास्थ्य सेवा जैसे गम्भीर विषय पर आपने हमें बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपका आभारी हूँ। मान्यवर, पूरे उत्तर प्रदेश में चाहे वह मेडिकल कॉलेज हों, चाहे पी0जी0आई0 हों, चाहे जिला अस्पताल हों, चाहे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र हों या चाहे प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र हों आज उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य सेवायें पूरी तरह बदहाल हो चुकी हैं। लोगों को आये दिन ऑक्सीजन सिलेण्डर नहीं मिलते हैं।

श्री अध्यक्ष-

इन्द्रजीत सरोज जी, मैं आपसे एक निवेदन कर लूँ, क्योंकि आपका नाम श्लाका में आया है और आप बहुत ही सीनियर मेम्बर हैं। मैंने आपकी पार्टी के निवेदन पर इसको स्वीकार तो कर लिया था, लेकिन आपको मालूम है कि नियम-56 की जो सूचना दी जाती है वह किसी एक विषय के ऊपर तात्कालिक होती है, इसलिए आप उसी पर बोलें।

***श्री इन्द्रजीत सरोज-**

ठीक है मान्यवर, मैं उसी पर बोल रहा हूँ। आज हमारी जो नियम-56 की सूचना है उसमें हमने उल्लेख किया है कि चाहे वेन्टीलेटर हो, चाहे स्ट्रेचर हो, चाहे बेड हो, चाहे डाक्टरों की कमी हो, चाहे दवाओं की कमी हो या अन्य उपकरणों की कमी हो आज उत्तर प्रदेश में काफी गम्भीर स्थिति है। हम लोग भी क्षेत्रों से चुनकर आते हैं, लोग हमसे भी अपेक्षा करते हैं, गरीब लोग अपेक्षा करते हैं कि उन्हें समय से दवायें मिलें, उन्हें बेड की सुविधा उपलब्ध हो, उन्हें समय से वेन्टीलेटर मिल जाये, ऑक्सीजन सिलेण्डर मिल जाए और समुचित दवाओं का प्रबन्ध हो जाए। उसी के परिप्रेक्ष्य में हमने यहां पर कुछ घटनाओं का जिक्र किया है। प्रदेश की बदहाल चिकित्सा व्यवस्था से सम्बन्धित कुछ अविलम्बनीय प्रकरण निम्नवत् हैं। दिनांक 18 जनवरी, 2024 को के0जी0एम0यू0 के ट्रॉमा सेन्टर में वेन्टीलेटर न मिलने से बलरामपुर निवासी श्री बब्बू की मृत्यु हो गयी। उनके परिवारीजन वेन्टीलेटर के लिए एक विभाग से दूसरे विभाग भटकते रहे, लेकिन कहीं पर भी उनको वेन्टीलेटर नहीं मिला। इसी तरह दिनांक 28 जनवरी, 2024 को जनपद इटावा के जिला अस्पताल में ऑक्सीजन के आभाव में एक वृद्ध की जान चली गयी। दिनांक 29 दिसम्बर, 2023, दिनांक 16 जून, 2023, दिनांक 23 अगस्त, 2023 एवं 15 अक्टूबर, 2023 को वेन्टीलेटर की कमी होने के कारण कई मौतें हुई हैं। इसी प्रकार 09 जनवरी, 2024 को ठाकुरगंज थाना क्षेत्र में हुसैनाबाद निवासी श्री मुख्तार अली उम्र 57 वर्ष को ट्रामा सेन्टर में भर्ती न करने के कारण उनकी भी मृत्यु हो गयी। एटा निवासी 45 वर्षीय श्री पप्पू के परिजनों द्वारा 3 बार एम्बुलेंस को फोन करने के बाद भी एम्बुलेंस नहीं आई, मजबूरी में परिजन उन्हें ठेले से अस्पताल ले गये और अस्पताल पहुँचने पर उनकी मृत्यु

*वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

हो गयी। इसी प्रकार अतरौली निवासी श्री रघुनन्दन जो कि 35 साल के थे उनके सीने में दर्द की समस्या को लेकर परिजन लॉरी कार्डियोलॉजी की इमरजेंसी में पहुँचे जहां पर डाक्टरों ने कहा कि यह ट्रामा का केस है, जब वह ट्रामा पहुँचे तो वहां के डाक्टरों ने कहा कि यह कार्डियोलॉजी का केस है और इधर-उधर टहलाने के कारण उनकी मृत्यु हो गयी।

मान्यवर, आज पूरे उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं का अभाव है। यहां तक कि जिनको आयुष्मान कार्ड मिला है उनका भी इलाज सही से नहीं हो पा रहा है और जो अस्पताल इन कार्डों के लिए चिन्हित किए गये हैं उनमें जब मरीज जाते हैं तो वहां पर भी उनका समुचित इलाज नहीं होता है, बल्कि जो अस्पताल चिन्हित हैं वहां केवल फर्जी मरीजों को लेटाकर धन उगाही करने का काम करते हैं, सरकारी धन का दुरुपयोग करते हैं। यह पूरे उत्तर प्रदेश में हो रहा है। मैं अभी कौशाम्बी में था तो सोचा कि अपनी सनैली पी0एच0सी0 का दौरा कर लूँ, जब मैं वहां पर गया तो वहां पर एक भी आदमी नहीं मिला, बल्कि कुत्ते टहलते हुए नजर आए और खिड़की दरवाजे भी लोग उखाड़कर ले गये थे। वहां पर बड़े-बड़े बबूल के पेड़ लगे हुए थे, ऐसे हालात हो गये हैं। जहां भी जिला अस्पताल हैं या मेडिकल कॉलेज हैं, उनके इर्द-गिर्द तमाम अस्पताल जिन्हें स्वास्थ्य सेवाओं का अनुभव ही नहीं है वह लोग सरकारी डाक्टरों से मिले हुए हैं और सरकारी डॉक्टर उन्हें मना कर देते हैं या चिन्हित कर देते हैं कि फला जगह जाओ, अपना इलाज कराओ और वहां पर उनका कमीशन बँधा हुआ है।

मान्यवर, मैं आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि उत्तर प्रदेश की जो बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था है। जहां लोग अपना दम तोड़ रहे हैं। मरीजों को समुचित इलाज नहीं मिल पा रहा है। सरकार का ध्यान इस पर आकृष्ट कराने का काम करें, जिससे सरकार इस गम्भीर विषय पर चैतन्य हो जाये। वैसे माननीय डिप्टी सी0एम0 साहब हमारे पुराने मित्र हैं। जरा इस पर ध्यान करिये। आप स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार करिये। मैं यह नहीं कहता यह केवल आलोचना का विषय नहीं है। सही रूप में गरीब को इलाज कहीं नहीं मिल पा रहा है। मेरे जनपद कौशाम्बी में ट्रामा सेन्टर सात साल से इन्तजार कर रहा है। जी0टी0 रोड पर रोज एक्सीडेन्ट होते हैं लेकिन 7 साल में जहां के दूसरे डिप्टी सी0एम0 साहब हैं।

श्री अध्यक्ष-

अभी मैंने चर्चा स्वीकार नहीं की है। आप अपने विषय पर बोलें। आप ग्राह्यता पर बोलिये।

श्री इन्द्रजीत सरोज-

मान्यवर, मैं स्वास्थ्य से सम्बन्धित ही बोल रहा हूं। आपने स्वास्थ्य सम्बन्धी बदहाल सेवाओं पर बोलने का अवसर दिया। मैं आपसे निवेदन करूंगा और सदन की समस्त कार्यवाही रोककर इस पर चर्चा कराये जाने की मांग करता हूं।

श्री हृदय नारायण सिंह पटेल-

मान्यवर, मैं अपने आपको माननीय इन्द्रजीत सरोज जी से सम्बद्ध करते हुए दो-एक बातें कहना चाहता हूँ कि आज की डेट में कैन्सर जैसी बीमारी महामारी बन गयी है।

श्री अध्यक्ष-

उस विषय पर बोलिये जो टॉपिक है, जो आपने नोटिस दी है। वह आपके पास है या आपने सिर्फ दस्तखत किये हैं ? नोटिस आपके पास है तो उसी को पढ़ दीजिए।

श्री हृदय नारायण सिंह पटेल-

मान्यवर, है मेरे पास। उसे तो ये पढ़ चुके हैं मैं दो लाइन बोलना चाहता हूं। आज की डेट में हमारे लखनऊ स्थित जो कल्याण सिंह बाबू जी के नाम से सुपर स्पेशिएलिटी कैन्सर इन्स्टीट्यूट बना हुआ है। एक दिन हमें जाने का अवसर प्राप्त हुआ और उसकी बदहाल स्थिति देखकर रोना इस बात का आया कि इन्फ्रास्ट्रक्चर तो इतना बढ़िया है, परन्तु वहां पर न डाक्टर है और न ही स्टाफ है। गिने-चुने डाक्टर हैं। जब हम अन्दर गये तो हमें पता चला कि तीन हफ्ते पहले ओ0टी0 में आग लग गयी। लेकिन अभी तक कोई सुनवाई नहीं हुई है। मैं वहां एक मरीज को लेकर गया था। सूर्यराज सिंह नाम का एक मरीज, मऊ जनपद का रहने वाला है। उसको लिप का एक छोटा सा कैन्सर हुआ था। घर वालों ने उसे टाटा मेमोरियल बाम्बे के लिए भेजा और 4 माह के देख-रेख के उपरान्त टाटा मेमोरियल ने उसे फिर से टाटा मेमोरियल वाराणसी को रिफर कर दिया। वाराणसी में दो माह तक जांच होती रही। लास्ट में वाराणसी के डाक्टरों ने यह कहा कि यहां पर आपरेशन न कराकर बगल के दो नामी-गिरामी हास्पिटल हैं उसमें इलाज कराओ। गरीब आदमी तो गया था अपना आपरेशन कराने। सुविधा के अनुसार आपरेशन हो जायेगा। पैसे के अभाव में वह प्राइवेट अस्पताल में आपरेशन न कराकर अभी भी वह झेल रहा है। उसका छोटा सा सेजन जिसको हम लोग अपनी मेडिकल भाषा में कहें इन्ड्यूरेटेड लिप अल्सर वह आज महामारी के रूप में पूरे जबड़े में फैल गया। अब उसका इलाज पी0जी0आई0 में चल रहा है। शायद कल उसकी कीमोथिरेपी हो। मैं इस पर स्वास्थ्य मंत्री जी का ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा। दूसरी चीज आयुष्मान भारत की करना चाहता हूं।

श्री अध्यक्ष-

आयुष्मान भारत अलग विषय है। वह बहुत लम्बा विषय है। इसके ऊपर बोलिये। इसीलिए मैंने कहा कि आप नोटिस को पढ़िये। फिर भी जो आपने नोटिस दी उसमें कैन्सर पर नहीं था, लेकिन आपने बोला है। मंत्री जी ने सुना, उसका जवाब देंगे। आयुष्मान भारत अपने आप में वृहद् विषय है, अलग विषय है।

उप मुख्य मंत्री (श्री ब्रजेश पाठक)-

माननीय अध्यक्ष जी, माननीय सदस्य ने जो सब्जेक्ट उठाया है। 2017 के बाद से उत्तर प्रदेश की स्वास्थ्य सेवायें लगातार बेहतर से बेहतर हो रही हैं। 2017 के पहले हालात यह थे कि चिकित्सक अस्पतालों में जाते नहीं थे। दवाओं का अभाव था। मशीनें चल नहीं रही थीं।

अब हम तेजी के साथ सुधार की तरफ आगे बढ़ रहे हैं। हमने वर्ल्ड क्लास सुविधा देने का काम भी किया है। मुझे लगता है कि दिक्कत सरोज जी को नहीं है दिक्कत आपकी पूरी समाजवादी व्यवस्था को है हमारी सरकार हेल्थ स्ट्रक्चर को वर्ल्ड क्लास बनाने का काम कर रही है। उत्तर प्रदेश के हर जिले में मेडिकल कालेज खोले जा रहे हैं। वर्ष 2017 से पहले इसी राज्य में मात्र 17 मेडिकल कालेज थे और आज यहां 65 मेडिकल कालेज पूरी क्षमता के साथ काम कर रहे हैं। 30 मेडिकल कालेज हमारे निजी क्षेत्र में और 65 मेडिकल कालेज सरकारी क्षेत्र में काम कर रहे हैं। मात्र 16 जनपद बचे हैं जहां पर हम शीघ्र ही उन मेडिकल कालेजों का लोकार्पण करेंगे। इसके अलावा नर्सिंग कालेज सरकारी क्षेत्र में 2017 से पहले न के बराबर थे। आज हमारे पास लगातार सरकारी क्षेत्र में नर्सिंग कालेज खुल रहे हैं और माननीय प्रधानमंत्री जी ने देश में 175 नर्सिंग मेडिकल कालेज खोले जाने का निर्णय लिया है और हमारी भी सरकार ने तय किया है। हम सभी मेडिकल कालेजों में नर्सिंग कालेज व कंट्रोल पैरामेडिकल कालेज खोलेंगे। इसके अलावा क्वालिटी कन्ट्रोल ऑफ इंडिया से हमने समझौता किया है और सभी नर्सिंग कालेजों की हमने ए0बी0सी0डी0 में ग्रेडिंग करायी है, यह छात्रों को पता होना चाहिए कि किस स्तर के कालेज में वह पढ़ रहा है। यह तो बात हो गयी चिकित्सा शिक्षा की और इसके अलावा हेल्थ का जो मामला है तो हमारे पास 25 हजार सब सेन्टर हैं जो 5 हजार की आबादी पर लोगों को निःशुल्क इलाज प्रदान कर रहे हैं उसमें हमारे पास 21 हजार अधिक हेल्थ वैलनेस सेन्टर हैं।

इसके अलावा हमारे जो प्राइमरी चिकित्सा केन्द्र हैं उनको भी हमने बेहतर से बेहतर करने का काम किया है जो समय होता उसमें हमारे सभी चिकित्सक उपलब्ध रहते हैं और सभी दवाइयां उपलब्ध हैं आप जा करके कभी भी चेक कर सकते हैं और अभी यहां बैठ करके फोन करिये किसी भी अस्पताल में सभी अस्पतालों में चिकित्सक व दवाइयां उपलब्ध मिलेंगी। अगर नहीं मिलीं तो जो आप कहेंगे हम मान लेंगे। वर्ष 2022 से पहले जब हमें काम करने का अवसर मिला तो डायलिसिस के लिए लोग बड़े शहरों में जाते थे समझे प्रधान जी, सहारनपुर, मेरठ, कानपुर, दिल्ली, लखनऊ, मुम्बई भागते थे, लेकिन आज प्रदेश के 75 के 75 जिलों में डायलिसिस के दस-दस बेड उपलब्ध हैं आप खुद जाकर देख लीजिए। माननीय अध्यक्ष जी मैं आपको एक सूचना दे दूँ और पूरा सदन भी इस बात को समझे प्रतिदिन हम तय करते हैं कि

हमारे अस्पतालों में कितने मरीज आये सी0एच0सी0 से लेकर के जिला अस्पताल तक। प्रतिदिन हमारे अस्पतालों में 1 लाख 75 हजार मरीज आते हैं। उन मरीजों में से 12 हजार गम्भीर बीमारी व दुर्घटना से ग्रसित मरीज हमारे पास आते हैं, 8 हजार मरीज गम्भीर रोगों से प्रभावित हमारे पास आते हैं जैसे कि किडनी, लीवर, हार्ट अटैक व अन्य रोगों से ग्रसित होते हैं। 5 हजार रोज निःशुल्क ऑपरेशन हमारी सरकार कर रही है सभी दवाइयां हमारे पास उपलब्ध हैं एण्टी रेबीज इन्जेक्शन कहीं भी पता कर लीजिए प्रत्येक सी0एच0सी0 पर उपलब्ध है और हमने तय किया है अपने लोगों को बेहतर से बेहतर इलाज उपलब्ध कराने का काम करेंगे।

गरीबों के लिए माननीय प्रधानमंत्री जी की योजना आयुष्मान भारत कार्ड देश में उत्तर प्रदेश राज्य धीरे-धीरे नम्बर-1 पर आने जा रहा है। आज 4 करोड़ 86 लाख से अधिक आयुष्मान कार्ड हमने बनाने का काम किया है, जो कि रिकार्ड है और हम 5 लाख रुपये तक का निःशुल्क इलाज देने का कार्य हमारी सरकार कर रही है। आज सुबह वित्त मंत्री जी बजट भाषण पढ़ रहे थे आप सभी ने सुना होगा। मुख्य मंत्री सहायता कोष से वर्ष 2017 से पहले कितने पैसे दे रहे थे और आज मुख्य मंत्री सहायता कोष से निःशुल्क इलाज के लिए कई गुना वृद्धि कर दी गयी है और गरीबों को उच्च कोटि का इलाज मिल रहा है। जो सूचनाएं माननीय अध्यक्ष जी, इस नोटिस में लिखी है हमारे पास जो भी संज्ञान में आता है, यदि कहीं लापरवाही किसी भी स्तर पर होती है तो हम कड़ी कार्रवाई करते हैं, हमने 774 ऐसे चिकित्सकों को चिन्हित किया है, जो नौकरी हमारे यहां कर रहे हैं लेकिन अस्पतालों में नहीं आ रहे हैं। हम धीरे-धीरे उनको नोटिस देकर बर्खास्त कर रहे हैं। प्रतिदिन 3-4 चिकित्सकों को हम नौकरी से निकालने का काम कर रहे हैं, लेकिन यह प्रथा समाजवादी पार्टी की सरकार ने चलायी थी जब यह आधा पैसा खा जाते थे। हमारी सरकार प्रतिबद्ध है हम वर्ल्ड क्लास उच्च कोटि की चिकित्सा व्यवस्था अपने लोगों को उपलब्ध करायेंगे। जो यह छः बिन्दु विशेष रूप से दिये हैं, यदि लापरवाही पायी गयी माननीय सदस्य सरोज जी, आप सुन ले हम इसकी जांच करायेंगे और कुछ की जांच चल भी रही है और हम किसी को भी नहीं छोडेंगे और कड़ी से कड़ी कार्यवाही करेंगे। आपने दिया है तो हम जांच जरूर करायेंगे। मैं आपको भरोसा दिलाता हूँ हमारी सरकार निष्पक्षता के साथ, प्रतिबद्धता के साथ उत्तर प्रदेश के हर गरीब के साथ खड़ी है, हर बीमार मरीज के साथ खड़ी है।

श्री अध्यक्ष-

मैंने माननीय श्री इन्द्रजीत सरोज जी को सुना, डॉ0 हृदय नारायण सिंह पटेल जी को सुना और माननीय उप मुख्य मंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री जी को सुना। यह सूचना नियम-56 में नहीं आती है और मैं इसे अग्राह्य करता हूँ। अगली सूचना श्री मनोज कुमार पाण्डेय जी की है।

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपका आभारी हूँ कि आपने मुझे नियम-56 में दी गई सूचना पर बोलने का अवसर दिया।

वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

माननीय अध्यक्ष जी, यह जो रायबरेली से संबंधित सूचना है इसमें हमारा अनुरोध है कि इसको कल ले लिया जाये।

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

माननीय अध्यक्ष जी, परिवहन विभाग के माननीय मंत्री जी बैठे हैं। हमें केवल ग्राह्यता और अग्राह्यता पर बोल लेने दीजिये। माननीय मंत्री जी को पूरे मामले की जानकारी है।

श्री अध्यक्ष-

माननीय परिवहन मंत्री जी, क्या यह आपके संज्ञान में है।

परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री दयाशंकर सिंह)-

जी मान्यवर।

श्री अध्यक्ष-

माननीय परिवहन मंत्री जी के पास सूचना है।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

ठीक है, फिर माननीय मंत्री जी जवाब दे देंगे। मुझे लगा कि सूचना का सम्बन्ध माननीय ऊर्जा मंत्री जी से है।

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आभारी हूँ कि आपने मुझे नियम-56 की सूचना के अन्तर्गत जनपद रायबरेली से जुड़ी इस महत्वपूर्ण समस्या पर बोलने का अवसर दिया जिसमें अभी तक लगभग 448 लोगों की जान जा चुकी है।

श्री अध्यक्ष-

ट्रान्सपोर्ट से 448 लोगों की जान जाने का क्या मतलब है?

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

माननीय अध्यक्ष जी, मेरे पास इसके सारे आंकड़े हैं और यह सरकारी आंकड़े हैं। हम आपको क्रमवार बतायेंगे।

श्री अध्यक्ष-

आप क्रमवार न बताइये। आप सिर्फ ग्राह्यता पर बोलिये।

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

माननीय अध्यक्ष जी, जनपद रायबरेली के ऊँचाहार की एन0टी0पी0सी0 से निकलने वाली ऐश की गाड़ियों से संबंधित यह सूचना है। माननीय अध्यक्ष जी वहां पर ट्रान्सपोर्टर लगभग 600 से 700 गाड़ियों में ऐश को लोड करते हैं और फिर इसे प्रदेश की विभिन्न सड़कों को बनाने के लिए गड्ढों को भरने में उपयोग में लाते हैं। एन0टी0पी0सी0 ऐश को नीलाम कर देती है और ट्रान्सपोर्टर उसकी लोडिंग करके जगह-जगह पर बेंचने का काम करते हैं। मान्यवर, स्थिति यह है कि दिनांक 13 जनवरी, 2022 को ऐश से लदा हुआ एक ट्रक निकला और एक घर में घुस गया जिससे 09 लोगों की मृत्यु हो गई। अभी 13 फरवरी को ऐश से लदे हुये एक ट्रक के चालक ने एक कार चालक पर पूरी गाड़ी चढ़ा दी। उस कार में दो परिवार थे जिसमें दो पति-पत्नी और उनका एक-एक बच्चा था जिनकी दर्दनाक मौत हो गई। दिनांक 16 जून को ऐश के एक ट्रक ने जमुनापुर चौराहे पर चाय की एक दुकान पर चाय पीते हुए 08 लोगों के ऊपर गाड़ी चढ़ा दी जिसमें से 07 लोगों की मौके पर मृत्यु हो गई। यह घटनायें मैं डेट के हिसाब से बता रहा हूं। माननीय अध्यक्ष जी, हमने जो संख्या बताई है वह केवल वह संख्या है जो केवल पांच थानों में दर्ज है, लेकिल जो ट्रक वहां से चलकर लखनऊ आया, प्रयागराज आया, बहराइच आया, बस्ती आया और वहां पर जाकर उसने जो दुर्घटनाएं की उनके बारे में मैंने आपको नहीं बताया। मैंने तो वह घटनाएं बताई जो हमारे यहां केवल कुछ थानों में दर्ज हैं। माननीय अध्यक्ष जी, वहां पर ट्रक लगभग दो गुना ज्यादा या फिर कम से कम डेढ़ गुना क्षमता से ज्यादा ऐश को लाद करके चलते हैं।। वह कोई उपाय नहीं करते हैं, कोई तिरपाल नहीं बांधते और उन ट्रकों पर कोई नम्बर नहीं होते। मैं इस सम्बन्ध में माननीय परिवहन मंत्री जी से मिला था और मैं उनको बधाई देता हूँ कि उनके संज्ञान में लेने के बाद दो दिन तक सारे ट्रक रुक गये और नहीं चले। वहां पर 11 गाड़ियों का चालान हुआ और वह बन्द भी हुये।

मान्यवर, यह कोई व्यक्तिगत मामला नहीं है। एन0टी0पी0सी0 की गाड़ियों और बाइपास के लिए जो ट्रक मिट्टी ढो रहे हैं उनसे रोज लोगों की मृत्यु हो रही है। यह सब ट्रक ओवरलोडेड चल रहे हैं, ड्राइवर शराब पी लेते हैं और गाड़ियों को बेपनाह खतरनाक ढंग से चलाते हैं और लोगों को कुचलकर मार रहे हैं। जनपद रायबरेली के कितने परिवार यतीम हो गये हैं, किसी ने अपना बेटा खो दिया, किसी ने अपनी मां खो दी, किसी ने बेटी खो दी और मैंने जो घटना बताई रायबरेली के मामा चौराहे की तो उसमें तो दो पति, दो पत्नी और उनके एक-एक बेटे की मौके पर ही मृत्यु हो गई। इस तरीके की लगभग 400 घटनायें कर चुके हैं। इसलिये माननीय अध्यक्ष जी हम इस पर आपका संरक्षण भी चाहते हैं और माननीय विभागीय मंत्री जी से निवेदन भी करना चाहते हैं कि एन0टी0पी0सी0 के यह ट्रक मौत बांट रहे हैं। यह गाड़ियाँ बिना नम्बर प्लेट की डेढ़ गुना से ज्यादा ओवरलोड होकर चल रही हैं। आपने खुद इसे

चेक कराया था और बन्द कराया था। मेरा अनुरोध है कि इसमें प्रभावी कार्यवाही करा दीजिये, सचल दल लगा दीजिये। आप कड़ाई से निर्देश कर दीजिये कि ओवरलोडेड गाड़ियाँ नहीं चलेंगी और बिना नम्बर प्लेट की गाड़ियाँ नहीं चलेंगी। आपने जो सिक्योरिटी नम्बर के निर्देश दिये हैं अगर वह उनका पालन करेंगी तो लोगों की जान बच जायेगी।

मान्यवर, आपने सिक्योरिटी नम्बर का निर्देश दे दिया है अगर उनका पालन किया जाएगा तो लोगों की जान बच जाएगी। गाड़ियां चलें हमको कोई दिक्कत नहीं है। जो लिमिट है उसमें लोड किया जाए। परिवहन निगम के नियमों का पालन किया जाए और अनट्रेन्ड ड्राइवर गाड़ियां न चला पाएं यह मेरा आपसे निवेदन है, क्योंकि यह जनहित और लोगों के जीवन से जुड़ा मामला है। मैं आपका भी संरक्षण चाहता हूँ और मैंने माननीय मंत्री जी को धन्यवाद दिया है कि आपने एक बार कार्यवाही किया था तो वह दो दिन तक बन्द रहा था। आप इस पर प्रभावी कार्यवाही के निर्देश दे दीजिए। मैं यही चाहता हूं।

***श्री दयाशंकर सिंह-**

मान्यवर, माननीय सदस्य जी द्वारा अवगत कराया गया था और मैंने जिलाधिकारी के अन्तर्गत एक कमेटी बनाकर उसमें दो एस0डी0एम0 को रख कर के जांच कराई है तथा उस पर प्रभावी कार्यवाही कराई है और 18 गाड़ियों को बन्द कराया है। 18 लाख रुपये उस पर जुर्माना भी किया है और उस पर सख्त से सख्त कार्यवाही हो रही है। जहां तक यह मृत्यु दर बता रहे हैं यह सब उसके कारण नहीं है, लेकिन इन्होंने फिर से कहा है तो मैं जिलाधिकारी से इसके लिए बात करूंगा और इस पर सख्त से सख्त कार्यवाही की जाएगी। ओवरलोडिंग गाड़ी चलाने की किसी को भी कोई इजाजत नहीं है और कोई भी गाड़ी बिना नम्बर प्लेट के सड़क पर नहीं चल सकती है मैं इस चीज का आश्वासन दे रहा हूँ और इस पर कार्यवाही करूंगा।

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

मान्यवर, एक सचल दल बनाकर दूसरे मण्डल की टीम को क्या वहां भेजेंगे ?

श्री दयाशंकर सिंह-

मान्यवर, सचल दल एक दिन जाकर वहां क्या करेगा ? मैंने जिलाधिकारी के साथ दो-दो एस0डी0एम0 की टीम बना रखी है। वह जो रिपोर्ट देते हैं मैं उस पर तुरन्त कार्यवाही करता हूं।

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

आप जब तक बाहर की टीम नहीं लगाएंगे तब तक यह नहीं रुकेगा। आप बाहर की टीम भेज दीजिए आपके यहां इसकी व्यवस्था है।

---

*वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

श्री दयाशंकर सिंह-

मैंने आपकी बात पर ही डी0एम0 और दो-दो एस0डी0एम0 को लगाया है। हमारे विभाग का यदि होगा तो वह एक-दूसरे को बचा सकता है, लेकिन जिलाधिकारी महोदय किसी को नहीं बचाएंगे। इसलिए उसमें प्रभावी कार्यवाही करने के लिए डी0एम0 को रखा गया है।

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

मान्यवर, आप सचल दल भेजेंगे न।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

मान्यवर, जिलाधिकारी और एस0डी0एम0 सचल दल से ऊपर होता है। माननीय मंत्री जी ने बता दिया है कि उस पर आगे कार्यवाही जरूर होगी।

श्री अध्यक्ष-

मैंने माननीय मनोज पाण्डेय जी को सुना है और माननीय परिवहन मंत्री जी ने आश्वासन दिया है कि वह उसे आगे दिखवा लेंगे। माननीय परिवहन मंत्री जी को सुना है, यह नियम-56 में नहीं आती है, इसको अग्राह्य करता हूँ।

अयोध्या धाम में भगवान श्रीराम जन्म भूमि पर लगभग 500 वर्षों के अन्तराल के बाद भगवान श्रीरामलला की प्रतिमा की स्थापना पर माननीय प्रधानमंत्री व माननीय मुख्य मंत्री को बधाई प्रस्ताव

वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

मान्यवर, आज भगवान श्रीरामलला जी की अयोध्या में स्थापना हुई है, उसके सम्बन्ध में एक बधाई प्रस्ताव है, आपकी अनुमति से प्रस्तुत करता हूं।

मान्यवर, अयोध्या धाम में भगवान श्रीराम की जन्मभूमि पर लगभग 500 वर्षों के अन्तराल के बाद भगवान श्रीरामलला की (श्रीराम जी के बाल रूप) प्रतिमा की स्थापना दिनांक 22-01-2024 को करके नया इतिहास रचने वाले हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी व उत्तर प्रदेश के लोकप्रिय मुख्य मंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी को हम बधाई देते हैं। 161 वर्ष तक न्यायालय में मुकदमा चलने के बाद माननीय उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद उत्तर प्रदेश के अयोध्या धाम में भव्य व दिव्य राम मंदिर का निर्माण सम्भव हुआ है, इस सदी की यह सबसे बड़ी घटना है, जिसके कारण इतने वर्षों के बाद हमारा गौरव लौट आया है, यह मंदिर केवल सामाजिक और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को ही मजबूत नहीं करेगा, बल्कि पर्यटन क्षेत्र को भी इससे बहुत बढ़त मिलेगी। आज यह मंदिर दुनिया का सबसे विशाल व खूबसूरत मंदिर है, करोड़ों लोग दर्शन करने को आतुर हैं तथा भारी संख्या में देशी व विदेशी पर्यटकों के आने की सम्भावना है, इससे हमारी आर्थिक स्थिति को बढ़ावा मिलेगा।

श्री लालजी वर्मा-

मान्यवर, इसमें किस बात का धन्यवाद है?

श्री अध्यक्ष-

उसमें कोर्ट का आदेश लिखा है। आपने नहीं सुना है। कोर्ट को भी तो धन्यवाद देंगे।

श्री लालजी वर्मा-

मान्यवर, इसमें जबरदस्ती बधाई है।

श्री अध्यक्ष-

आपको बधाई देने में क्या आपत्ति है?

श्री लालजी वर्मा-

यह जबरदस्ती की बधाई है।

श्री अध्यक्ष-

जिन्हें बधाई नहीं देना है वह नहीं देंगे। जिन्हें देनी है वह देंगे। आप किसी को बधाई देने के लिए जबरदस्ती नहीं करिये।

प्रश्न यह है कि मा0 संसदीय कार्य मंत्री जी ने जो बधाई प्रस्ताव रखा है, जिसमें अयोध्या धाम में भगवान श्रीराम की जन्मभूमि पर 500 वर्षों के अन्तराल के बाद भगवान श्रीरामलला की (श्रीराम जी के बाल रूप) प्रतिमा की स्थापना दिनांक 22-01-2024 को करके नया इतिहास रचने वाले हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी व उत्तर प्रदेश के लोकप्रिय मुख्य मंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी को हम बधाई देते हैं। 161 वर्ष तक न्यायालय में मुकदमा चलने के बाद माननीय उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद उत्तर प्रदेश के अयोध्या धाम में भव्य व दिव्य राम मंदिर का निर्माण सम्भव हुआ है, इस सदी की यह सबसे बड़ी घटना है, जिसके कारण इतने वर्षों के बाद हमारा गौरव लौट आया है। यह मंदिर केवल सामाजिक और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को ही मजबूत नहीं करेगा, बल्कि पर्यटन क्षेत्र को भी इससे मजबूत बढ़त मिलेगी।

आज यह मंदिर दुनिया का सबसे विशाल व खूबसूरत मंदिर है। करोड़ों लोग दर्शन करने को आतुर हैं तथा भारी संख्या में देशी व विदेशी पर्यटकों के आने की सम्भावना है, इससे हमारी आर्थिक स्थिति को बढ़ावा मिलेगा।

(विपक्ष के 14 सदस्यों के अतिरिक्त सभी सदस्यों ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया।)

(प्रश्न उपस्थित किया गया और स्वीकृत हुआ।)

[02:48] श्री राज्यपाल के अभिभाषण पर प्रस्तुत धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा

डॉ0 नीरज बोरा-

माननीय अध्यक्ष जी, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद कि आपने मुझे श्री राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद देने के लिए बोलने का मौका दिया। माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुज्ञा से यह प्रस्ताव करता हूँ कि यह सदन श्री राज्यपाल के अभिभाषण के लिए जो उन्होंने राज्य विधान मण्डल के एक साथ समवेत् दोनों सदनों के समक्ष दिनांक 02 फरवरी, 2024 को दिया है, कृतज्ञतापूर्वक धन्यवाद प्रकट करता है। माननीय अध्यक्ष जी, श्री राज्यपाल महोदया ने अपने अभिभाषण में उत्तर प्रदेश के नवजागरण काल की जीवन्त तस्वीर को सदन के समक्ष रखा है। वर्ष 2024 प्रदेशवासियों के लिए सुख, शान्ति, समृद्धि और सम्पन्नता से परिपूर्ण हो ऐसी शुभकामनायें दी हैं। उन्होंने अपने अभिभाषण में गत 22 जनवरी को श्री अयोध्या धाम में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के विराजमान होने को भारतीय संस्कृति के गौरव की पुनर्प्रतिष्ठा बताया है। यह पुनर्प्रतिष्ठा देश-दुनिया के करोड़ों सनातनियों की आस्था का सम्मान है। माननीय अध्यक्ष जी, इन पंक्तियों को कहना चाहूंगा कि- 'अरुण गगन पर महाप्रगति का अब फिर मंगलगान उठा, करवट बदली, अंगड़ाई ली सोया हिन्दुस्तान उठा'। माननीय अध्यक्ष जी, प्रभु श्री राम की अपनी जन्मभूमि में विराजित होने का यह पुण्य संयोग यूँ ही नहीं आया है। लगभग 500 वर्षों की लम्बी प्रतीक्षा, कारसेवकों के रक्त से लाल सरयू की धारा, कोठारी बंधुओं के बलिदान की परिणति है। श्रीराम मंदिर असंख्य रामभक्तों की भावनाओं का भव्य स्मारक है। यह देश के बहुसंख्यक समाज की सहिष्णुता और धैर्य का प्रमाण है, जो अन्ततः भारत के सर्वोच्च न्यायालय की न्यायिक व्यवस्था के तहत मूर्त रूप ले पाया है। यह वर्तमान पीढ़ी के हम सभी लोगों का परम सौभाग्य है, जिसने 22 जनवरी, 2024 का दिन देखा है। यह सनातनियों की तपस्या का पुण्य फल है।

(इस समय 02 बजकर 49 मिनट पर अधिष्ठाता डॉ0 मंजू शिवाच पीठासीन हुईं)

मान्यवर, आज राजाराम हर ओर छाए हुए हैं। जहां भी चार लोग जुटते हैं वहां पर राम मन्दिर की चर्चा होती है। ऐसा हो भी क्यों नहीं ? विदेशी आक्रान्ताओं की क्रूरता आज पराजित हुई है, तरह-तरह की बातें हो रही हैं, कोई बता रहा है कि जनकपुर से कलेवा आया है, मन्दिर में सोने के किवाड़ लग रहे हैं, एक मुस्लिम लड़की दर्शन के लिए पैदल निकल गयी है। कोई 65 लाख की खड़ाऊं लेकर चल दिया है, 2100 किलो का घण्टा घुंघरूनगरी से आ रहा है, कहीं से 108 फिट की अगरबत्ती आ रही है, हर जगह राम कथा शुरू हो गयी है। अनपढ़ भी रामचरित मानस की चौपाई के साथ कथा, चर्चा कर रहे हैं, गांव-गांव लोगों ने चन्दा एकत्र कर प्राण-प्रतिष्ठा की शोभा यात्राएं निकाली है।

अधिष्ठाता महोदय, मैं सोचता हूँ कि जब सचमुच चौदह वर्ष के वनवास के बाद प्रभु श्रीराम वापस लौट रहे होंगे तो लगभग ऐसा ही माहौल रहा होगा। अयोध्यावासी भी ऐसे ही उछल-कूद कर उत्सव की तैयारी करते रहे होंगे, कीर्तन हो रहा होगा। दीवाली मनाई जा रही

होगी, देश में अभूतपूर्व उत्साह है। यही अयोध्या है, यही राम जी का देश है। 500 वर्ष पुराने घाव का उपचार हुआ है। आन्दोलन से जुड़े लाखों लोगों में से जाने कितनों ने अयोध्या में अपनी बलि दी। जो बच गये उनमें से अनेकों उस आन्दोलन के बाद मन्दिर बनने की प्रतीक्षा करते-करते निकल गये। वह अयोध्या का वैभव लौटते देखना चाहते थे। महन्त दिग्विजयनाथ जी, महन्त अवैद्यनाथ जी, श्री अशोक सिंघल जी, श्री कल्याण सिंह जी, श्री विष्णु हरि डालमिया जी, परमहंस रामचन्द्र दास जी जैसे अनेकों नाम हैं। 'सौगन्ध राम की खाते हैं, हम मन्दिर वहीं बनायेंगे' की गर्जना करने वाले कवि विष्णु गुप्ता जी भी चले गये। आज स्वर्ग में बैठे पूज्य पितरों का सपना पूरा हुआ है। जो दिन देखने की चाह लिए हमारी लगभग 25 पीढ़ियां गुजर गयीं, वह दिन अब लौट आया है। अयोध्या के दिन बहुरे हैं, राम जी अब लौटे हैं। माननीय नेता सदन श्रद्धेय योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने सांस्कृतिक विरासतों को सहेजने और संवारने का जो अभियान चलाया है, उसकी सुखद परिणति सामने आ रही है। श्री काशी धाम, श्री विन्ध्याचल धाम, श्री देवीपाटन धाम, श्री वृन्दावन धाम, श्री नैमिष धाम का कायाकल्प हो रहा है। हमारे तीर्थ स्थल अपने खोये हुए वैभव को पुनः प्राप्त कर रहे हैं। निश्चित रूप से मोक्ष प्रदान करने वाली भारत की सात सबसे महत्वपूर्ण पुरियों में अयोध्यापुरी का उल्लेख होता है। यह अयोध्यापुरी प्राचीन विश्व का सम्पूर्ण इतिहास समेटे हुए है। भारतीय संस्कृति और यहां की परम्पराओं को समेटे अयोध्यापुरी को 'स्कन्द पुराण' में ब्रह्मा, विष्णु और रुद्र का स्वरूप बताया गया है। साथ ही इसे भगवान विष्णु के चक्र पर विराजमान होने का भी उल्लेख मिलता है। रामायण में महर्षि वाल्मीकि जी ने लिखा है कि अयोध्या की सड़कें साफ-सुथरी थीं, जिन पर प्रतिदिन जल छिड़का जाता था और पुष्प बिछाये जाते थे। राजभवनों का रंग सुनहरा था। कुंओं में गन्ने के रस जैसा मीठा जल था। नगाड़े, मृदंग, वीणा आदि की ध्वनि से नगर सदैव गुंजायमान रहता था।

माननीय अधिष्ठाता महोदय जी, आज अयोध्या धाम अपने प्राचीन वैभव को प्राप्त कर रहा है। उत्तर प्रदेश सरकार ने लगभग 31 हजार करोड़ रुपये की विकास परियोजनायें संचालित कर उसे जल, थल और नभ की बेहतरीन कनेक्टिविटी से जोड़ा है। लगभग पांच सदी की प्रतीक्षा के बाद हमारे श्रीराम लला अपने दिव्य, भव्य, भवन में विराजमान हो चुके हैं।

राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त ने 'साकेत' में लिखा है-

ब्रह्म की है चार जैसी स्फूर्तियाँ,
ठीक वैसी चार माया-मूर्तियाँ,
धन्य दशरथ-जनक-पुण्योत्कर्ष है,
धन्य भगवद्भूमि-भारतवर्ष है।
देख लो, साकेत नगरी है यही,
स्वर्ग से मिलने गगन में जा रही।

आज रामनगरी सतरंगी प्रकाश और मधुर संगीत के साथ रामलीलाओं, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और राजसी समारोहों से गुंजायमान है। गोस्वामी तुलसीदास जी ने लिखा है कि-

'अवधपुरी प्रभु आवत जानी। भई सकल शोभा कै खानी'।

आज त्रेतायुग के उस स्वर्णकाल की आभा प्रत्यक्ष दिख रही है। धार्मिक, आर्थिक और पर्यटन विकास की जो ज्योति यहां जली है, वह पूरे विश्व को सराबोर करने वाली है। हजारों-हजार वर्ष पूर्व की इस प्राचीन नगरी में समय का पहिया घूम रहा है। अयोध्या के पुनरुत्थान के जो सपने देखे गये थे, वे साकार हो रहे हैं।

श्रीराम जन्मभूमि आन्दोलन के दिनों में महान संगीतकार स्वर्गीय श्री रवीन्द्र जैन जी का लिखा एक गीत लोगों का कण्ठहार बना था-

जिस दिन राम का भवन बन जाएगा,
उस दिन दुनिया में राम राज आएगा,
रामभक्तों का हृदय मुस्कायेगा, खिलकर कमल समान।
अयोध्या करती है आह्वान, ठाट से कर मंदिर निर्माण।

आज वास्तव में रामराज्य का सपना साकार हो रहा है। ऐसा रामराज्य, जहां कोई दीन, दुःखी और दरिद्र न हो। उत्तर प्रदेश सरकार 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के मंत्र को लेकर समाज के सभी वर्गों को संरक्षण दे रही है। आजादी के अमृतकाल में प्रवेश के साथ ही 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' जरूरतमन्द तबके के पास तक विकास की गंगा लेकर पहुंच रही है। रामराज्य में कोई भूखा नहीं, यह काम हम लोग कर रहे हैं, कोई इलाज से वंचित नहीं, हम कर रहे हैं। अर्थव्यवस्था सुदृढ़ हो रही, कानून व्यवस्था चाक-चौबन्द हुई है।

माननीय अधिष्ठाता महोदया, यह सौभाग्य है कि भारत का छिपा हुआ सांस्कृतिक वैभव सामने आ रहा है। काशी की ज्ञानवापी में पूजा का अधिकार मिल गया। नन्दी की गवाही पूरी हुई। कहते हैं कि आतताइयों की फौज ने अविमुक्तेश्वर क्षेत्र को ध्वस्त कर दिया था। ज्ञानवापी के महन्त पन्ना कुएं में समाधिस्थ हो गये। सदियां बीतीं, युग बदला, नन्दी दिन गिन रहे थे। माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में काशी का कायाकल्प शुरू हुआ। एक दिन नन्दी के शरीर को मां गंगा से आने वाली हवाओं ने छुआ। लगभग तीन सौ बावन साल बाद नंदी का आनन्द लौटा। विश्वनाथ धाम की अलौकिकता लौट आयी, पर नन्दी अभी भी ज्ञानवापी तीर्थ की ओर देख रहे थे, महन्त पन्ना को देख रहे थे। आज कुएं में समाधिस्थ महन्त पन्ना मुस्कुरा रहे हैं। नन्दी की प्रतीक्षा पूर्ण होने को है।

(सत्ता पक्ष के सदस्यों द्वारा हर-हर महादेव, जय भोलेनाथ का उद्घोष किया गया)

ज्ञानवापी के व्यास तहखाने में पूजा शुरू हो गयी है। विश्वेश्वर पर कांवर से गंगाजल लाकर चढ़ाने को शिव के गण तैयार हो रहे हैं। माननीय अधिष्ठाता महोदय, माननीया श्री राज्यपाल महोदया ने अपने अभिभाषण में 'ईज ऑफ लिविंग' की चर्चा की है। आज आम-जनमानस इसे अनुभव कर रहा है। गरीबी रेखा से ऊपर उठ चुके 6 करोड़ लोग इसके प्रमाण हैं। आज कोई भूखा नहीं मर रहा है। खाद्यान्न निःशुल्क उपलब्ध कराये जा रहे हैं। रोजगार के अवसर मिल रहे हैं। शिक्षा, चिकित्सा, सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में अभूतपूर्व काम हो रहे हैं। मान्यवर, उत्तर प्रदेश की सुदृढ़ कानून व्यवस्था एक मॉडल के रूप में देश और दुनिया में सराही जा रही है। अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति ने भयमुक्त वातावरण तैयार किया है। डकैती, लूट, हत्या, बलवा, अपहरण, दुष्कर्म आदि मामलों में वर्ष 2016 के मुकाबले 46 से 87 प्रतिशत तक की कमी हुई है, जिसका विस्तार से उल्लेख माननीय श्री राज्यपाल महोदया ने अपने अभिभाषण में किया है। अपराधियों के हौसले पस्त हैं। उत्तर प्रदेश का 'बुलडोजर' अपराधियों के मंसूबों को मिट्टी में मिलाने को तत्पर है। माफियाओं से खाली करायी गयी जमीनों पर गरीबों को मकान दिये जा रहे हैं। मान्यवर, आज उत्तर प्रदेश निवेश के लिए सबसे अनुकूल प्रदेश के रूप में उभर कर सामने आया है। राज्य की अर्थव्यवस्था को वन ट्रिलियन डॉलर का आकार देने के नियोजित प्रयास चल रहे हैं। यूपी में अब तक 40 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिससे तकरीबन 01 करोड़ 10 लाख लोगों को रोजगार मिलना है। इन निवेश प्रस्तावों को ग्राउण्ड ब्रेकिंग सेरेमनी के माध्यम से धरातल पर उतारा जा रहा है। माननीय वित्त मंत्री जी के बेहतर राजकोषीय मैनेजमेण्ट से आज उत्तर प्रदेश रेवेन्यू सरप्लस स्टेट के रूप में उभर कर सामने आया है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा देश को फाइव ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाने का जो संकल्प लिया गया है, उसकी पूर्ति में उत्तर प्रदेश अपना महत्वपूर्ण योगदान देने की ओर अग्रसर है। यूपी में इण्डस्ट्रियल टाउनशिप विकसित हो रही है। एम0एस0एम0ई0 सेक्टर, विश्वकर्मा श्रम सम्मान, मुख्य मंत्री युवा स्वरोजगार योजना, एक जनपद एक उत्पाद कौशल उन्नयन एवं टूलकिट योजना, मुख्य मंत्री सूक्ष्म उद्यमी दुर्घटना बीमा योजना जैसी अनगिनत योजनाएँ रोजगार के नए द्वार खोल रही हैं। कौशल विकास और उद्यमिता विभाग के सतत् प्रयास से बेरोजगारों को सुगम रूप में रोजगार सुलभ कराये जा रहे हैं। कवियत्री सुभद्रा कुमारी चौहान ने अपनी एक रचना में लिखा है कि-

'निर्धन हो धनवान, परिश्रम उनका धन हो,
निर्बल हो बलवान, सत्यमय उनका मन हो,
हो स्वाधीन गुलाम, हृदय में अपनापन हो,
इसी आन पर कर्मवीर, तेरा जीवन हो।'

आज उत्तर प्रदेश सरकार कर्मवीरता के इस ध्येय पर निरन्तर गतिमान है। अधिष्ठाता महोदया, शिक्षा के माध्यम से ही व्यक्तित्व, मानसिक कुशलता, नैतिक और शारीरिक विकास सम्भव होता है। उत्तर प्रदेश सरकार का शिक्षा पर विशेष फोकस है। पिछले 6-7 वर्षों में शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व सुधार हुए हैं। सरकार ने आपरेशन कायाकल्प के तहत 93 प्रतिशत से अधिक प्राइमरी स्कूलों में अवस्थापना सुविधाओं का विकास किया है। प्रदेश के 925 परिषदीय विद्यालयों को पी0एम0 श्री योजना से आच्छादित किया गया है, साथ ही 75 विद्यालयों को मुख्य मंत्री अभ्युदय कम्पोजिट विद्यालय के रूप में विकसित किया जा रहा है। प्रत्येक विद्यालय में 2-2 टैबलेट और 18381 विद्यालयों में स्मार्ट क्लास स्थापित किए गए हैं। यही कारण है कि बच्चों के नामांकन में 40 लाख से अधिक बढ़ोत्तरी सम्भव हो पायी है। इसी प्रकार प्रोजेक्ट अलंकार योजना के माध्यम से 500 करोड़ की राशि से वृहद् निर्माण की योजनाएँ गतिमान हैं। स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तिकरण योजना के अन्तर्गत उच्च शिक्षा ग्रहण कर रहे 25 लाख से अधिक छात्र-छात्राओं को निःशुल्क स्मार्ट फोन और टैबलेट वितरित किए गये हैं। नये विश्वविद्यालय खुल रहे हैं, विभिन्न विश्वविद्यालयों को नैक मूल्यांकन में ए-डबल प्लस, ए-प्लस ग्रेड मिला है। वहीं यूजीसी द्वारा लखनऊ विश्वविद्यालय की कैटेगरी-वन में श्रेणीबद्धता की गयी है। वर्तमान में 75 राजकीय पॉलीटेक्निक कालेज निर्माणाधीन हैं। राजकीय आई0टी0आई0 की संख्या 260 से बढ़कर 305 हो गयी है। मेरे विधान सभा क्षेत्र लखनऊ उत्तर में एक नये आई0टी0आई0 कालेज का निर्माण कार्य शीघ्र प्रारम्भ होने वाला है।

अधिष्ठाता महोदया, माननीया श्री राज्यपाल महोदया ने राज्य की स्वास्थ्य सुविधाओं का उल्लेख अपने अभिभाषण में किया है। सनातन संस्कृति में सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयः का शुभ मंगलभाव है। उत्तर प्रदेश सरकार ने चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतरी की दिशा में एक ऐतिहासिक कार्य किया है। एक जनपद-एक मेडिकल कालेज योजना पूर्णता प्राप्त करने वाली है। एम0बी0बी0एस0 की सीटें बढ़ायी गयी हैं, पी0जी0 की सीटें बढ़ायी गयी हैं, नर्सिंग कालेजों की संख्या बढ़ी है। राज्य के सभी 75 जनपदों में निःशुल्क डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध करायी गयी है। राजकीय एवं निजी आयुष महाविद्यालयों की बेहतरी के कार्य किये जा रहे हैं। महायोगी गुरू गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय की स्थापना, अयोध्या में राजकीय आयुर्वेद कालेज, वाराणसी में होम्योपैथिक मेडिकल कालेज, हेल्थ वेलनेस सेण्टरों की स्थापना, योग वेलनेस सेण्टरों का संचालन जैसे अत्यन्त महत्वपूर्ण कार्य हुए हैं, जिसकी हर ओर सराहना हो रही है। वेक्टर जनित रोगों का नियंत्रण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता में है। संचारी रोग नियंत्रण अभियान, दस्तक अभियान के सकारात्मक परिणाम देखने को मिल रहे हैं। आयुष्मान भारत योजना, मुख्य मंत्री जन-आरोग्य अभियान, मुख्य मंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेला जैसे कार्यक्रमों से प्रदेश के करोड़ों लोग लाभान्वित हुए हैं। माननीय मुख्य मंत्री जी के

विवेकाधीन कोष के द्वार खुले हुए हैं, जहाँ लोगों की प्राण-रक्षा के लिए सुगम रूप से आर्थिक सहायता उपलब्ध करायी जा रही है। अधिष्ठाता महोदया, अन्नदाता किसानों की मेहनत को यदि वास्तविक सम्मान देने का काम हुआ है, तो हम दावे से कह सकते हैं कि वह माननीय, श्री नरेन्द्र मोदी जी और श्रद्धेय योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व वाली सरकार में हुआ है। महाकवि सोहनलाल द्विवेदी ने लिखा था कि-

'ये घनन घनन घन घंटारव,
ये झाँझ-मृदंग-नाद भैरव,
ये स्वर्ण थाल भारती विभव,
ये शंख-ध्वनि, पूजन गौरव,
ये जन-समूह सागर समान,
जो उमड़ रहा तज धैर्य-ध्यान,
केसर, कस्तूरी, धूप दान,
ये भक्ति-भाव के मत्त गान,
वह तेरी दौलत पर किसान,
वह तेरी मेहनत पर किसान,
वह तेरी गफलत पर किसान,
वह तेरी हिम्मत पर किसान।'

मान्यवर, अन्नदाता किसानों के लिए उत्तर प्रदेश सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध भाव से कार्य कर रही है।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना ने किसानों को यह सम्बल दिलाया है कि सरकार की प्राथमिकताओं में वे प्रमुख रूप से शामिल हैं। उत्तर प्रदेश सरकार की कृषक हितैषी नीतियों के कारण खाद्यान्न और तिलहन उत्पादन में विकास दर बढ़ी है, माँ अन्नपूर्णा की कृपा बरसी है और लाखों-लाख मी0 टन खाद्यान्न से भण्डार समृद्ध हुआ है। चीनी मिलों की पेराई क्षमता में वृद्धि, गन्ना मूल्य का बढ़ोत्तरी और गन्ना मूल्य का भुगतान करने में सरकार आगे है, फलस्वरूप गन्ना क्षेत्रफल बढ़ा है। सिंचाई सुविधाओं के कारण किसान लाभान्वित हो रहे हैं। राष्ट्रीय कृषि बाजार के माध्यम से डिजिटल व्यापार हो रहे हैं। किसानों की उपज का सही मूल्य दिलाने का अभूतपूर्व कार्य किया गया है। जैविक और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। पी0एम0 कुसुम योजना के तहत लगभग 52 हजार सोलर पम्पों की स्थापना हुई है। राजकीय नलकूपों का आधुनिकीकरण और पुनर्निर्माण हो रहा है। श्री राज्यपाल महोदया ने

अपने अभिभाषण में इसका उल्लेख करते हुए कृषि शिक्षा और अनुसंधान के लिए किये वित्तीय प्राविधानों का भी उल्लेख किया है। प्रगति की रफ्तार को तेज करने में उत्तर प्रदेश सरकार ने महत्वपूर्ण कार्य किये हैं। सड़क मार्ग हो, वायु मार्ग हो अथवा जल मार्ग, राज्य सरकार ने बेहतर कनेक्टिविटी को बढ़ाया है। सड़कों का संजाल बिछा है। मार्गों का चौड़ीकरण, ग्रामीण सड़कों के निर्माण, पुल-पुलिया का निर्माण राज्य को प्रगति पथ पर ले जा रही है। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे, बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे सहित 6 एक्सप्रेस-वे संचालित हैं। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे, बलिया एक्सप्रेस-वे और गंगा एक्सप्रेस-वे बन रहे हैं। प्रदेश में 4 इण्टरनेशनल एयरपोर्ट क्रियाशील हैं। डिफेंस इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर बन रहा है। पीएम मित्र योजना के तहत एक हजार एकड़ में मेगा टेक्सटाइल पार्क की स्थापना को स्वीकृति दी गई है। सिंगल विण्डो निवेश मित्र पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन सेवाएं लोगों की राह आसान बना रही हैं। विद्युत उत्पादन बढ़ रहा है। बिजली की आपूर्ति हो या नये कनेक्शन देने का काम, सरकार ने विद्युत व्यवस्था को हर तरफ से चाक-चौबन्द बनाया है। सर्वत्र जगमग हो रहा है।

अयोध्या और वाराणसी मॉडल सोलर सिटी के रूप में विकसित हो रहे हैं। बेघरों को आवास देने का काम लगातार जारी है। आश्रय गृहों के निर्माण हो रहे हैं। स्वनिधि योजना ने पटरी दुकानदारों को सम्बल दिया है। जनसेवा केन्द्रों का संचालन हो रहा है। परिवहन सुविधाएं हों अथवा सूचना प्रोद्यौगिकी, खादी हो या हथकरघा, माटी कला हो या हस्तशिल्प सभी क्षेत्रों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है।

गांव विकास की मुख्य धारा से जुड़ रहे हैं। धरोहरों का संरक्षण हो रहा है। पर्यटन के लिए उत्तर प्रदेश उपयुक्त हो गया है। देश-विदेश से लाखों पर्यटकों का आगमन हो रहा है। अमृत योजना से जलापूर्ति व सीवरेज संयोजन के काम हो रहे हैं। गौ-संरक्षण और पशुपालन के क्षेत्र में विशिष्ट कार्य हो रहे हैं। दुग्ध उत्पादन बढ़ा है। पशुपालकों को संरक्षण मिल रहा है वहीं निराश्रित गौवंश को सरकार ने आश्रय दिलाने में महती भूमिका निभाई है। मत्स्य उत्पादन बढ़ा है। निषादराज बोट योजना में नाव के लिए अनुदान दिये गये हैं। पिछड़े वर्ग को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने में सरकार पूरी तन्मयता से काम कर रही है। महिला, युवा, बाल कल्याण, दिव्यांगजन सशक्तिकरण, अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण के लिए विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन हो रहा है। मान्यवर, यह अत्यन्त गौरव का विषय है कि सुशासन के संकल्प के साथ आज उत्तर प्रदेश केन्द्र व राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं का संचालन करते हुए उसके क्रियान्वयन में अग्रणी है। प्रसन्नता की बात है कि देश के अन्दर प्रधानमंत्री जन-धन योजना में उत्तर प्रदेश एक नम्बर पर, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना में उत्तर प्रदेश एक नम्बर पर, प्रधानमंत्री आवास योजना में उत्तर प्रदेश एक नम्बर पर, अटल पेंशन योजना में उत्तर प्रदेश एक नम्बर पर, स्वच्छ भारत मिशन में उत्तर प्रदेश एक नम्बर पर, प्रधानमंत्री

स्वनिधि योजना में उत्तर प्रदेश एक नम्बर पर, स्वच्छता सर्वेक्षण में उत्तर प्रदेश एक नम्बर पर, अमृत सरोवर योजना में उत्तर प्रदेश एक नम्बर पर, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में उत्तर प्रदेश एक नम्बर पर, प्रधानमंत्री उज्ज्वला गैस योजना में उत्तर प्रदेश एक नम्बर पर है।

गन्ना उत्पादन, खाद्यान्न उत्पादन में उत्तर प्रदेश एक नम्बर पर, पर्यटन, कारपोरेट निवेश को आकर्षित करने में उत्तर प्रदेश एक नम्बर पर देश के अग्रणी राज्यों में शीर्ष भूमिका के साथ सम्मिलित हुआ है। रामधारी सिंह दिनकर ने लिखा है कि-

'शांति नहीं तब तक, जब तक सुख भाग न नर का सम हो,
नहीं किसी को अधिक हो नहीं किसी को कम हो।
ऐसी शांति राज्य करती है तन मन पर नहीं, हृदय पर,
नर के ऊँचे विश्वासों पर, श्रद्धा, भक्ति, प्रणय पर।।'

अधिष्ठाता महोदया, मुझे अटल जी की कुछ पंक्तियाँ याद आ रही हैं और उन्होंने शायद इसी दिन के लिए लिखी होंगी कि-

'दुनिया का इतिहास पूछता रोम कहाँ, यूनान कहाँ है,
घर-घर में शुभ अग्नि जलाता वह उन्नत ईरान कहाँ है।
दीप बुझे पश्चिम गगन के व्याप्त हुआ बर्बर अंधियारा,
किंतु चीरकर तम की छाती चमका हिन्दुस्तान हमारा।
शत-शत आघातों को सहकर जीवित हिन्दुस्तान हमारा,
जग के मस्तक पर रोली सा शोभित हिन्दुस्तान हमारा।।'

आदरणीय अटल जी ने यह कहा था। माननीय अधिष्ठाता महोदया, मेरे निर्वाचन क्षेत्र लखनऊ, उत्तर में माननीय मुख्य मंत्री जी की कृपा से विकास के बहुत सारे कार्य हो रहे हैं। क्षेत्र में ओवरब्रिज्स का निर्माण, विद्युत तारों का भूमिगत किया जाना, विभिन्न गलियों में सड़क व नालियों का निर्माण, फैजुल्लागंज में साढ़े आठ किलोमीटर लम्बा गहरा नाला जिसका निर्माण चल रहा है, जलभराव से राहत के लिए पम्पिंग स्टेशनों का उच्चीकरण, राजधानी में बन रहा लखनऊ ग्रीन कॉरिडोर जिसका प्रथम चरण मेरे क्षेत्र से जाता है, वह प्रथम चरण लगभग बन कर तैयार है, इससे जनता को बहुत लाभ होगा। फैजुल्लागंज में 50 बेड के अस्पताल का निर्माण सरकार की योजना थी, जिसके लिए सरकार ने धनराशि अवमुक्त कर दी है। कुछ काम जो होने वाले हैं आई0टी0आई0 का निर्माण, पक्का पुल के सामानान्तर एक नए पुल का निर्माण, पीपे वाले पुल के स्थान पर नए पुल बनाने की घोषणा हो गई है। माननीय मुख्य मंत्री

जी के संज्ञान में है और मुझे लगता है कि उनकी कृपा से शीघ्र यह पूरे भी होंगे ऐसा मेरा विश्वास है और मैं जिगर मुरादाबादी का एक शेर अपने मित्रों के लिए कह रहा हूँ कि-

''अपना जमाना आप बनाते हैं अहले दिल,
हम वो नहीं कि जिनको जमाना बना गया।''

आदरणीय अधिष्ठाता महोदया, खेल के क्षेत्र में पिछले 7 सालों में जो अभूतपूर्व कार्य हुआ है उस खेल के लिए कभी भी पूर्व की सरकारों ने कुछ नहीं किया। आज जो बजट प्रस्तुत हुआ है उसमें खेल के लिए विशेष प्राविधान किये गए हैं। गाँव-गाँव, हर विधान सभा क्षेत्र में स्टेडियम बने, खिलाड़ियों को प्रोत्साहन मिले, इसके लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है और निश्चित रूप से उत्तर प्रदेश में खिलाड़ियों का जज्बा मजबूत हुआ है, मनोबल ऊँचा हुआ है, इसके लिए हमारी सरकार निश्चित रूप से बधाई की पात्र है। आदरणीय अधिष्ठाता महोदया, मैं इन्हीं शब्दों के साथ माननीय मुख्य मंत्री श्रद्धेय योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व वाली सर्वहितैषी, जनप्रिय सरकार की नीतियों की भूरि-भूरि प्रशंसा करता हूँ तथा माननीय राज्यपाल महोदया, श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी के दिनांक 2 फरवरी को उत्तर प्रदेश राज्य विधान मण्डल के एक साथ समवेत् दोनों सदनों के समक्ष दिये गये अभिभाषण के लिए धन्यवाद प्रकट करता हूँ। अपनी बात को समाप्त करने से पहले निश्चित रूप से एक बार भारत के प्रधानमंत्री, आदरणीय श्री नरेन्द्र भाई मोदी जी को, उनकी सरकार को तथा अपनी सरकार को धन्यवाद देता हूँ कि उन्होंने बिहार के पूर्व मुख्य मंत्री आदरणीय कर्पूरी ठाकुर और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता व देश के पूर्व उप प्रधानमंत्री, श्री लाल कृष्ण आडवाणी जी को भारत रत्न देने का जो कार्य किया है, उससे निश्चित रूप से देश का जनमानस बहुत प्रसन्न है। मशहूर शायर अली सरदार जाफरी का ये शेर मौजूँ है-

'मैं जहां तक तुमको बुलाता हूँ, वहां तक आओ,
मेरी नज़रों से गुज़र कर दिलो जां तक आओ,
फिर यह देखो कि जमाने की हवा है कैसी,
साथ मेरे, मेरे फिरदौस ए जवां तक आओ।'

इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपने इस धन्यवाद प्रस्ताव को सदन के समक्ष रखते हुए आदरणीय अधिष्ठाता महोदया, अपनी बात को विराम देता हूँ। जय हिन्द, जय भारत, जय श्रीराम।

श्री अधिष्ठाता-

बहुत-बहुत धन्यवाद, डॉ0 नीरज बोरा जी। अब माननीय सरिता भदौरिया जी।

श्रीमती सरिता भदौरिया-

माननीय अधिष्ठाता महोदया, सदन में प्रस्तुत महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण के समर्थन का अनुमोदन करने के लिए आपने मुझे अवसर दिया, इसके लिए मैं आपका आभार व्यक्त करती हूँ। माननीय अधिष्ठाता महोदया, आज हम सब इस बात के लिए सौभाग्यशाली हैं कि हमें इस दल में काम करने का अवसर मिल रहा है, निश्चित ही मुझे ऐसा लगता है कि इस दल में काम कर रहा एक-एक कार्यकर्ता सौभाग्य की अनुभूति कर रहा है कि आज हमको 22 जनवरी को अयोध्या में रामलला के प्रतिष्ठापित होने का, देखने का, सुनने का अवसर प्राप्त हुआ है, यह हमारे लिए एक सौभाग्य का विषय है। हम प्राण-प्रतिष्ठा के साक्षी बने, यह अवसर हमें प्राप्त हुआ। अधिष्ठाता महोदया, मेरा गांव मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश की सीमा पर स्थित है। मैंने वह दृश्य भी देखा है, जब चम्बल के पुल पर दीवार बनायी गयी थी। राम भक्तों पर लाठियां बरसाई जा रही थीं, फिर भी राम भक्त लगातार जय श्रीराम के नारे लगाते हुए उत्तर प्रदेश में प्रवेश करते हुए अयोध्या में जाने के लिए प्रतिबद्ध थे। निश्चित ही वह एक ऐसा दृश्य था, जब हम लोग कल्पना करते थे कि न जाने कितना समय और लगेगा, जब अयोध्या में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम प्रतिष्ठित होंगे और आज हम सब उस सौभाग्य की घड़ी के साक्षी बने हैं, जिसके लिए मैं बार-बार देश के प्रधानमंत्री और उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री का इस सदन की तरफ से अभिवादन और अभिनन्दन करती हूँ।

निश्चित ही अभी सदन में अयोध्या में श्रीराम जी के प्रतिस्थापित होने के लिए बधाई देने की बात आयी थी। बधाई सारे लोगों के मन से नहीं निकली। इसका भी मुझे अफसोस है और जब वहां लाठियां चल रही थीं, चम्बल के पुल पर दीवार बनी थी, तब किसी कवि ने दो लाइनें लिखीं थीं, वह लाइनें आज मुझे याद आ रही हैं कि-

''हिन्दू अभिवादनों में सिरमौर हैं जो राम, कैसे मिलने पर राम-राम भूल जाओगे,
फटिक सिला पर सीता माता के चरण चिन्ह, चित्रकूट जैसा पुण्य धाम भूल जाओगे,
अरे पुरखों के प्रताप को यूं ही भूलते रहे तो एक दिन अपने बाप का भी नाम भूल जाओगे।''

राम जी हमारे आदर्श हैं, मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के पूरे जीवन का चित्रण बाबा तुलसीदास जी ने रामचरित मानस में किया है। रामचरित मानस में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम के चरित्र का ऐसा वर्णन है, जो हमारी हिन्दू संस्कृति को पुष्पित और पल्लवित करता है। राम ने बचपन में बाल्यावस्था के चरित्र का चित्रण किया, पिता के आदेश को मानकर 14 वर्ष के लिए वन गये, माता सीता को अपने साथ लेकर गये, रावण से युद्ध किया और अयोध्या से कोई सेना नहीं आयी थी, मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम ने वहीं छोटी-छोटी कोल, भील जनजातियों को जोड़कर एक विशाल सेना बनायी और लंका के रावण को जो अहंकारी राजा था उसको ध्वस्त करके सोने की लंका को जलाकर माता सीता को वापस लेकर अयोध्या आये। मैं

इस बात का वर्णन इसलिए करना चाहती हूँ कि रामचरित मानस में राम का जो चित्रण हमारे जीवन में आता है वो सभी धर्मों से बड़ा राजधर्म को ऊपर रखने का काम करते हैं। जहां राम ने सीता को अयोध्या से जाते समय अपने साथ लेकर गये, युद्ध किया वापस लेकर आये, उन्हीं राम ने माता सीता को अपने राज्य के एक व्यक्ति के कहने से जंगल में छुड़वा दिया। राजधर्म की मर्यादा का एक अनूठा उदाहरण रामचरित मानस में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम ने प्रस्तुत किया है। अधिष्ठाता महोदया, हम सब लोग जो सदन में बैठे हैं, राजधर्म की मर्यादा का एक अनूठा संस्मरण एक स्मृति रेखा का कोरोना के समय में हमारे उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री जी के पिता जी का निधन हुआ। उनके गांव में उन्हें मुखाग्नि दी जा रही थी, लेकिन उन्होंने राजधर्म की मर्यादा को सर्वोपरि रखते हुए उत्तर प्रदेश के लोगों की सेवा करने का काम किया और उत्तर प्रदेश के लोगों के लिए जो गाइडलाइन उनके राजधर्म की थी, सरकार ने उसको पालन करने का काम किया। ये राजधर्म की मर्यादा का पालन हमारे जीवन में भी एक बहुत बड़ा उदाहरण है। राम जी हमारे आदर्श हैं, हमारे जीवन में एक अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करते हुए उन्होंने हमको राजधर्म की मर्यादा का पालन सबसे ऊपर रखने का जो एक उदाहरण प्रस्तुत किया है, निश्चित ही वह हम सबके लिए राजधर्म का एक अविस्मरणीय और अनूठा उदाहरण है। आज उत्तर प्रदेश की 6 करोड़ जनता गरीबी के जीवन से ऊपर उठकर सामान्य स्तर पर आयी है। अरे हम तो सबरी के राम की तरह गरीब कल्याण के लिए प्रयास कर रहे हैं और हमें जनता जनार्दन का भरपूर आशीर्वाद, भरपूर प्यार भी मिल रहा है और आगे 2024 में भी मिलेगा ऐसा मुझे पूरा विश्वास है।

आज पूरा देश इस बात को स्वीकार करता है कि हमने अयोध्या में जहां मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम को प्रतिष्ठापित किया। साथ ही में भगवान शंकर की दिव्यता और भव्यता को प्रतिष्ठापित किया वहीं पूरा देश आज मथुरा के लिए भी हमारे सामने निगाहें लगाये बैठा है और हमसे उम्मीद कर रहा है कि मथुरा में भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि को सम्पूर्ण स्वामित्व देने का काम आने वाले समय में हमारी सरकार करेगी। हम उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को वन ट्रिलियन डालर तक लाने का नियोजित प्रयास कर रहे हैं। बेहतर कानून व्यवस्था के माध्यम से सरल व्यापार नीति के माध्यम से हम निश्चित ही जहां व्यापारियों को और लोगों को सुविधा देने का काम कर रहे हैं वहीं हम आज अपने सपनों के उत्तर प्रदेश को बनते और संवरते हुए विकास के रास्ते पर चलता हुआ देख रहे हैं।

अधिष्ठाता महोदया, पहले सड़क मार्ग कैसे हुआ करते थे और आज कैसे हैं। हमारी सरकार ने 6-6 एक्सप्रेस-वे बनाये। अभी चित्रकूट और बुन्देलखण्ड पर काम चल रहा है और सड़कों के सम्बन्ध में बताऊँ तो प्रतिदिन 9 किमी0 सड़कों का चौड़ीकरण, 12 किमी0 नई सड़कें बनाना, एक्सप्रेस-वे बनाना, ये भी हमारी सरकार की एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। हमने अगर

अयोध्या बनाई है तो हमारे भाइयों ने भी सैफई बनायी थी। 30 दिसम्बर, 2023 को हमारे देश के प्रधानमंत्री जी ने अयोध्या में अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का लोकार्पण किया था, निश्चित ही हम इस प्रदेश में 5 अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों के साथ देश में स्थापित हो रहे हैं। 4 अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे बन कर तैयार हो गये है और पाँचवाँ जेवर में बनना है, उसके लिए कार्य प्रारम्भ होने वाला है। इन्होंने भी एक हवाई अड्डा बनाया था, हवाई अड्डा नहीं, सैफई में हवाई पट्टी बनाई थी। सैफई में हवाई पट्टी बनाने का काम इन्होंने भी किया था। लगातार सड़कों का जाल बिछ रहा है। हमने आयुष्मान योजना, मुख्य मंत्री जन-आरोग्य योजना दी, 01 करोड़ 80 लाख परिवारों को आयुष्मान योजना से आच्छादित करते हुए 04 करोड़ 86 लाख आयुष्मान कार्ड बनाने का काम किया, 75 जनपदों में निःशुल्क डायलिसिस सुविधा, मुख्य मंत्री दुर्घटना बीमा में पंजीकृत व्यापारियों को लाभ देने का काम किया, अब व्यापारी लुटता और पिटता नहीं है। अब रामचरित मानस की उस चौपाई के साथ उत्तर प्रदेश आगे बढ़ रहा है। बाबा तुलसीदास जी ने लिखा है-

''दैहिक दैविक भौतिक तापा। राम राज नहिं काहुहि ब्यापा।।
सब नर करहिं परस्पर प्रीती। चलहिं स्वधर्म निरत श्रुति नीती।।''

अब यह उत्तर प्रदेश एक ऐसे विकास के पथ पर आगे चल रहा है, जहाँ शिक्षा के क्षेत्र में, नौजवानों को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में 25 लाख टैबलेट वितरित किये गये। अभ्युदय योजना के माध्यम से कोचिंग देने का काम हमारी सरकार कर रही है और आज शिक्षा का वातावरण देने का काम हमारी सरकार कर रही है। हम अपने नौजवानों से यह नहीं कह रहे हैं कि आप नकल करके पास हो जाओ और राशन की दुकानों को लूटकर खाओ। हम संस्कार देने का काम कर रहे हैं, हम विकास के सारे आयामों को लेकर इस प्रदेश में निश्चित ही काम करने का काम कर रहे हैं। जो हमारे देश के प्रधानमंत्री जी का सपना है, वह कहते हैं कि हमें गरीब का विकास करना है, किसान का विकास करना है, महिला और युवा का विकास करना है। जब हम गरीब के विकास की बात करते हैं तो आज उत्तर प्रदेश में 6 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठकर सामान्य जीवन जी रहे हैं। जब हम किसान की बात करते हैं तो सस्ता बीज, सस्ती खाद, सारे सुलभ उपकरण किसान को प्राप्त कराकर हमारी सरकार कृषि के क्षेत्र में भी बहुत अच्छे से काम कर रही है। नौजवानों के लिए, महिलाओं के लिए, किसानों के लिए काम कर रही है। स्वयं सहायता समूह में महिलाओं को हम लोग बाजार देने का काम कर रहे हैं। मैंने तो अपने जनपद में जिलाधिकारी महोदय से आग्रह करके एक ऐसी कमेटी बनाई है, जहाँ पर छोटे-छोटे व्यापारियों को हमारी बहनों के द्वारा बनाये हुए प्रोडक्ट्स को खरीदने के लिए उन्हें गाँव क्षेत्र में पहुँचाने की व्यवस्था की है, जिससे समूह की बहनों को बहुत आर्थिक सहायता मिलेगी। विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना, कौशल विकास योजना, स्ट्रीट वेंडर को भी

बिना गारण्टी के ऋण देना, 01 करोड़ 75 लाख निःशुल्क गैस कनेक्शन देना, अरे हमने देश की सेवा और समर्पण की राह पर लोगों को चलने की प्रेरणा दी है। हम झाड़ू लगाकर प्रेरणा दे रहे हैं, हम पेड़ लगाकर प्रेरणा दे रहे हैं, हम पर्यावरण बचाकर प्रेरणा दे रहे हैं, हम जल संचित करके लोगों को इस बात की प्रेरणा दे रहे हैं कि जल हमारे जीवन के लिए कितना महत्वपूर्ण है। हम ही तो हैं जो कहते हैं कि 'तेरा वैभव अमर रहे माँ, मैं दिन चार रहूँ न रहूँ, तेरा वैभव अमर रहे माँ।' हम ही तो हैं जो कहते हैं कि 'पृथ्वी माता, पुत्रो अहं पृथिव्याः', हम ही तो हैं जो कहते हैं कि भारत कोई भूमि का टुकड़ा नहीं है। भारत एक जीता जागता राष्ट्र-पुरुष है, जिसका कण-कण शंकर है, जिसकी बूँद-बूँद गंगा जल है। हम जियेंगे तो इसके लिए, हम मरेंगे तो इसके लिए, यह हमारे आदर्श का प्रश्न है।

मान्यवर, जब हम भारत माता की जय बोलते हैं, तो कोई यूं ही नहीं भारत माता की जय बोलते हैं। हम इस देश की 140 करोड़ जनता की जन-भावनाओं, आकांक्षाओं और इच्छा की पूर्ति का संकल्प लेने का काम करते हैं, तब जाकर भारत माता की जय बोलते हैं। राम मन्दिर में न जाने कितने लोगों ने संघर्ष करते हुये अपनी जानें गँवाई है। मैं बहुत विस्तार में नहीं जाना चाहती हूँ क्योंकि डॉ0 नीरज जी ने बता दिया है। वर्ष 1990 और 1992 में कितनी जानें गयी हैं। मेरा आपके माध्यम से अनुरोध है कि जो लोग अयोध्या जाते समय, चाहे वह चम्बल पर दीवार बनाते समय या और स्थानों पर काल के गाल में समाये हैं, उस विषय पर निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। जो तत्कालीन सरकारों ने राम भक्तों पर गोलियाँ चलाई थीं, उसकी भी एक बार फिर से निष्पक्ष जांच होनी चाहिए, यह मैं आपसे अनुरोध कर रही हूँ। हमारी विधान सभा क्षेत्र में जलभराव की समस्या बहुत बड़े स्तर पर है। मान्यवर, मैं आपसे अनुरोध कर रही हूँ कि इटावा में एक वृहत् प्लान बनाकर इटावा को जलभराव से मुक्त किया जाये। इटावा में हमारे साथी लोग कई बार मुख्य मंत्री रहे, लेकिन फिर भी आज तक इटावा गम्भीर रूप से जलभराव से ग्रसित है। हमसे बार-बार इस बात का प्रमाण मांगा जाता है, तो मैं बस इतना कहना चाहती हूँ कि राम हमारे हैं, हम कितने और प्रमाण दें। ऐसे राम द्रोही जो हमसे राम का प्रमाण मांगते हैं, उनको अब हम गरूड़ पुराण पढ़ने दें। यही इनके लिए सही रहेगा। मेरा आपसे अनुरोध है कि मैंने जो दो मांगें रखी हैं, उन दोनों मांगों को स्वीकार करते हुये, मैं आपका धन्यवाद ज्ञापित करती हूँ। बहुत-बहुत आभार।

श्री लालजी वर्मा-

माननीय अधिष्ठाता महोदया, महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर संशोधन प्रस्तुत करने का अवसर दिया है, इसके लिए मैं आभार व्यक्त करता हूँ। मैं प्रस्ताव करता हूँ कि धन्यवाद प्रस्ताव के अन्त में निम्नलिखित जोड़ दिया जाये, किन्तु खेद है श्री राज्यपाल जी ने अपने अभिभाषण में निम्नलिखित के विषय में कोई उल्लेख नहीं किया है। मान्यवर, इस संशोधन को प्रस्तुत किया हुआ मान लें।

श्री अधिष्ठाता-

ठीक है, इसको प्रस्तुत किया हुआ माना जाये।

***श्री लालजी वर्मा-**

मान्यवर, महामहिम राज्यपाल महोदया, का 40 पेज का अभिभाषण हम लोगों ने सुना। हमारा जो संविधान है, इस संविधान में, संविधान सभा के लोगों ने एक संकल्प लेने का काम किया है और संकल्प था कि हम 'भारत के लोग भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व, सम्पन्न, समाजवादी, पन्थनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को सामाजिक आर्थिक और राजनीति न्याय, विचार और लक्ष्य, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त करने के लिए तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखण्डता को सुनिश्चित करने वाली बंधुता को बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प कर अपनी इस संविधान सभा में तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई0 को एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं, इसका तात्पर्य है कि हमने पन्थनिरपेक्ष और सभी को समता का अवसर देने का संकल्प लेने का काम किया था और सभी को समता का अवसर देने का संकल्प लेने का काम किया था। भारतीय जनता पार्टी की सरकार वर्ष 2017 में इस नारे के साथ कि हम भ्रष्टाचार मुक्त सरकार बनाने का काम करेंगे।

लेकिन सत्ता में आने के बाद यह सरकार हर मामले में फेल हुई। जो रोजगार का वायदा किया था प्रदेश सरकार और देश की सरकार ने वह उस पर खरा उतरने का काम नहीं कर पायी। उत्तर प्रदेश में भी 2017 के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने 70 लाख नौजवानों को रोजगार देने का वायदा किया था, लेकिन उसमें भी पूरी तरह से फेल होने का काम किया। मैंने आज जब इनका भाषण पढ़ा तो इस अभिभाषण में भी इन्होंने जो आंकड़ा दिखाया वह बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया। उसमें 21 लाख लोगों को रोजगार मुहैय्या कराने की बात कही है, वायदा किया था 70 लाख का और झूठ के नाम पर जो दिखाने का काम किया वह 21 लाख है। सरकार पूरी तरह से अपने कर्तव्यों पर फेल हो गई, स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह से ठप हो गई हैं। माननीय अधिष्ठाता महोदया, कोई आपके क्षेत्र में भी घायल होता होगा, उसको अस्पताल ले जाने का अवसर आता होगा और वहां से होता हुआ वह ट्रामा सेन्टर लखनऊ पहुंचता होगा, लेकिन उसका एडमिशन नहीं हो पाता होगा, उसको बलरामपुर रिफर कर दिया जाता है, फिर उसके बाद दूसरी जगह पर रिफर कर दिया जाता है। इस प्रकार से लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं नहीं मिल पा रही हैं, लोगों को रोजगार नहीं मिल पा रहा है और इन सब चीजों को छिपाने के लिए भगवान श्रीराम जी का सहारा लेने का काम यह सरकार कर रही है। भगवान श्रीराम

*वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

हिन्दू धर्म को मानने वाले लोगों के आराध्य देव हैं, चाहे पक्ष का हो या विपक्ष का हो सभी उनको मानते हैं। मान्यवर, मैं तो अयोध्या के बगल का हूँ मेरे घर से अयोध्या की दूरी 33 किलोमीटर है, हम लोग बचपन में साइकिल से अयोध्या राम नवमी का स्नान करने जाते थे और ये हमें भगवान श्रीराम के बारे में पहाड़ा पढ़ायेंगे। यह सरकार भगवान श्रीराम को स्थापित करने और स्वयं बधाई लेने का काम कर रही है, क्योंकि यह हर मुद्दे पर विफल हुई है, इसलिए इनके पास अब केवल सहारा श्रीराम का रह गया है। मान्यवर, यह सरकार आड़ लेकर दलितों, पिछड़ों और अल्पसंख्यक समाज के संवैधानिक अधिकारों पर डाका डालने का काम कर रही है और इसका प्रमाण यह है कि अभी 69 हजार शिक्षकों की भर्ती हुई प्राइमरी शिक्षा में और उन 69 हजार शिक्षकों में इनका जो संवैधानिक पिछड़ा वर्ग आयोग है उसने माना कि 1994 के अधिनियम के अनुसार 15 हजार पिछड़ी जाति के और 3 हजार 84 अल्पसंख्यक जाति के बच्चों को शिक्षक नहीं बनने दिया गया। माननीय मुख्य मंत्री जी ने पांच सदस्यीय समिति बनायी और उस कमेटी ने माना कि 6800 पिछड़े और अनुसूचित जाति के शिक्षकों की भर्ती नहीं हो पायी है। 2022 में चुनाव के पहले अधिसूचना द्वारा भर्ती का विज्ञापन भी ले लिया गया और चुनाव जीतने के बाद वह बच्चे आज इको-गार्डेन में धरना दे रहे हैं, लाठी खा रहे हैं, मार खा रहे हैं, लेकिन उन पदों पर भर्ती करने का काम नहीं किया जा रहा है। मान्यवर, यही नहीं भगवान श्रीराम जी का सहारा लेकर इस प्रदेश में 34 विश्वविद्यालय हैं, सरकार सबका साथ, सबका सम्मान, सबका विकास का नारा देती है, लेकिन इस सरकार ने 34 विश्वविद्यालयों में एक भी वाइसचांसलर पिछड़े वर्ग या दलित समाज से बनाने का काम नहीं किया है। सबका साथ, सबका विकास, सबका सम्मान का नारा देने वाली भारतीय जनता पार्टी की सरकार में 75 जिलाधिकारियों में केवल 10 परसेन्ट जिलाधिकारी अनुसूचित जाति और पिछड़े वर्ग से हैं।

यानी 90 प्रतिशत में 15 फीसदी लोगों को बनाने का काम किया, जो जनता की समस्याओं का निदान कर सके। मान्यवर, इतना ही नहीं प्रदेश में नौजवान बेरोजगार हैं 2 लाख 17 हजार शिक्षकों के पद खाली हैं, वर्ष 2018 के बाद कोई भी भर्ती की प्रक्रिया इस सरकार ने शुरू करने का काम नहीं किया है। मान्यवर, जितने भी विश्वविद्यालय प्रदेश में हैं किसी भी विश्वविद्यालय में 13 या 14 प्रतिशत से ज्यादा अनुसूचित जाति व पिछड़े वर्ग के शिक्षक तैनात नहीं हैं। एस0जी0पी0जी0आई0 एक यहां पर संस्था है, के0जी0एम0यू0 एक संस्था है, डा0 राम मनोहर लोहिया चिकित्सा संस्थान है इन संस्थानों में पिछड़े वर्ग के व अनुसूचित वर्ग के जो अभ्यर्थी आते हैं, एम0एस0, एम0बी0बी0एस करके, जब विज्ञापित होने के बाद पद भरते हैं, तो लिख दिया जाता है कि अभ्यर्थी योग्य नहीं हैं इस आधार पर उनका रिजर्वेशन का कोटा नहीं भरा जाता है, जबकि वह एम0बी0बी0एस0 एस0जी0पी0जी0आई से करके आए हैं,

के0जी0एम0यू0 से करके आए हैं, एम्स से करके आए हैं और उसके बाद भी कह दिया जाता है कि योग्य नहीं हैं और पद खाली रखकर उसकी जगह दूसरे लोगों को भर्ती करने का काम किया जा रहा है। यानी पिछड़े व दलितों के अधिकार को पूरी तरह से हनन करने का काम यह सरकार कर रही है। दूसरी तरफ आयुर्वेदिक स्वास्थ्य विभाग में फार्मेसिस्ट के 1002 पद विज्ञापित हुए, इसमें पिछड़े वर्ग के पद 126 विज्ञापित किए गए। जबकि पद होना चाहिए 270, 126 यानि 52 फीसदी व 65 फीसदी वर्ग के हिस्से में केवल 8 और 9 फीसदी पद देने का काम किया गया है। कैलकुलेशन करते हैं कि जो पहले बिना आरक्षण के भी विभाग में कार्यरत हैं, उनकी गिनती कर लेंगे, पर नए पद भर्ती करने का काम नहीं करेंगे। जबकि पिछड़े वर्ग को जो रिजर्वेशन मिला है, वह 27 प्रतिशत मिनिमम है, अधिकतम नहीं है। अगर हम योग्यता के आधार पर सेलेक्ट होते हैं, तो उसको रिजर्वेशन में नहीं गिना जाएगा, लेकिन उसको गिनकर भी आपके सामने एक पद है और मैं चाहूंगा कि उसको आप संज्ञान में लेने का काम करें। 1002 पद में 270 पद होने चाहिए थे 27 प्रतिशत कट ऑफ से, लेकिन निकाला गया 126, यानी इस तरह पिछड़े वर्ग का हनन करने का काम किया गया है। के0जी0एम0यू0 व लोहिया संस्थान में अनेक पद विज्ञापित किए, आर्थिक आधार पर पिछड़े लोगों के लिए एक शासनादेश है कि अगर उस वर्ष में जिस वर्ष में पद विज्ञापित है भरा नहीं गया है तो अगले वर्ष में अपग्रेड नहीं किया जाएगा। उसके आधार पर अगर बैकलॉग की भर्ती हो सकती है तो वह केवल अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़े वर्ग की हो सकती है। आर्थिक आधार पर पिछड़े लोगों को बैकलॉग के आधार पर भर्ती नहीं की जा सकती है। लेकिन लोहिया संस्थान में 17 पद आर्थिक आधार पर पिछड़े लोगों के बैकलॉग के निकाल दिए गए। इसके पीछे कारण क्या है कि वह 17 पद अगर आर्थिक आधार पर पिछड़े लोगों का निकल गया तो वह कुल पद में से कम हो गया और जब वह पद कम हो गया तो अनुसूचित जाति और पिछड़ी जाति का कोटा कम हो गया। यानी इसको घटाने के लिए कि अनुसूचित जाति और पिछड़े जाति वर्ग के लोग न होने पायें, इसलिए इस आधार पर उनके साथ ज्यादती करने का काम किया जा रहा है।

इतना ही नहीं अधिष्ठाता महोदया, उसमें संविदा पर नियुक्ति करने का काम किया गया है, 22 फैकेल्टी की नियुक्ति संविदा पर की गई, उसमें रिजर्वेशन का पालन नहीं किया गया लोहिया संस्थान में और जिन लोगों को संविदा पर रख लिया गया वह 3 साल तक संविदा पर काम करेंगे उसके बाद सीनियर हो जाएंगे और जब रेगुलर नियुक्ति का समय आएगा तो उनकी क्वालिफिकेशन में वह जुड़ जाएगा और वह आगे हो जाएंगे और हमारे लोग नहीं हो पाएंगे। तो इस तरह से यह सरकार पूरी तरह से पिछड़े वर्ग पर और अनुसूचित जाति के लोगों पर डाका डालने का काम कर रही है।

मान्यवर, इसी तरह से जहाँ तक भ्रष्टाचार का सवाल है, तो बताना चाहता हूँ कि लोहिया संस्थान में 400 स्टाफ नर्स की भर्ती हुई और उस भर्ती को जिस एजेंसी को दिया गया, उसने ऐसा काम किया कि 400 स्टाफ नर्स में से 100 स्टाफ नर्स अकेले राजस्थान के हो गये, हमारे प्रदेश के बच्चे उसमें नहीं आ पाए। जो बच्चे एस0जी0पी0जी0आई0 की परीक्षा में 6 प्रतिशत नम्बर पाए थे, 100 में 17 नम्बर पाये थे, उन लोगों को यहाँ 94 फीसदी नम्बर मिल गया और उनका चयन भी हो गया। अब इसको पारदर्शी प्रक्रिया कही जाए या कुछ और कही जाए। इसी तरह से पूरे प्रदेश के स्तर पर अनुसूचित जाति और पिछड़े जाति के लोगों का हकमारी करने का काम किया जा रहा है, उनका हिस्सा हड़पने का कार्य किया जा रहा है।

मान्यवर, इसी तरह से माननीय मुख्य मंत्री और माननीय मंत्री जी, सबका साथ, सबका विकास, सबका सम्मान की बात कहते हैं। त्वरित विकास योजना है, पूर्वांचल विकास निधि राज्यांश है, यहीं पर भेद-भाव हो रहा है। विपक्ष के विधायक का प्रस्ताव नहीं लिया जा रहा है, केवल सत्ता पक्ष के विधायक का प्रस्ताव लिया जा रहा है। इसको आप क्या कहेंगे, सबका साथ, सबका विकास। हम लोग भी जीत कर इस सदन में आए हैं। हम छः बार जीत कर इस सदन में आए हैं और इसके बाद भी अगर हमारा प्रस्ताव नहीं लिया गया, तो इसको आप सबका साथ, सबका विकास, पन्थनिरपेक्ष व समता के आधार पर कहेंगे। इस तरह से यह सरकार पक्षपातपूर्ण कार्य करने का काम कर रही है।

माननीय अधिष्ठाता महोदया, यह जो बजट आया है, उस बजट को हमने देखने का काम किया है। अभी तक लगभग 7 लाख 62 हज़ार का अनुपूरक सहित बजट पिछले वर्ष का था, उसके सापेक्ष केवल 4 लाख करोड़ रुपये खर्च हुए। यानी एक तरफ बड़ा बजट बनाएंगे, खर्च नहीं कर पाएंगे। अगर वास्तविक बजट आयेगा, तो 5 लाख करोड़ से ज्यादा का बजट नहीं आयेगा। इस तरह से यह सरकार गलत ढंग से अपनी वाह-वाही करने का काम कर रही है। जो सरकार में बैठे हुए मंत्री हैं, ये धर्माचार्य भी हो गये हैं। जो कार्य धर्माचार्य को करना चाहिए, अब वह कार्य यह करने लगे हैं। जनता की सेवा करने का कार्य न करके धर्माचार्य का कार्य कर रहे हैं। अगर यह विधान सभा मन्दिर और मस्जिद बनाने के लिए बनी है, तो बात दूसरी है। यह विधान सभा जनता की सेवा करने के लिए बनी है, सड़क, बिजली, रोजगार देने के लिए, गरीबी दूर करने के लिए बनी है। आपने इस बजट में कहा कि हमने 6 करोड़ से ज्यादा लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर पहुँचाने का कार्य किया, यानी उनको आर्थिक रूप से सम्पन्न बनाया। अगर ये छः करोड़ सम्पन्न हो गये, तो उनको राशन क्यों दे रहे हैं ? यानी सम्पन्न लोगों को भी आप राशन दे रहे हैं। इसका तात्पर्य है कि आपका ये आंकड़ा धोखा है, झूठ का पुलिन्दा है, लोग और गरीब होते चले गये।

(समाजवादी पार्टी के सदस्यों ने मेजें थपथपाईं)

मान्यवर, ये किसान की बात करते हैं। वर्ष 1986 से मैं विधान सभा या विधान परिषद् का सदस्य हूँ। मैंने पहली बार संविधान की और इस नियमावली की धज्जी उड़ते देखी है। कभी भी महामहिम अपने अभिभाषण में राजनीतिक बात नहीं कहते थे कि आप जीरो हो जाओगे, आप ऐसे हो जाओगे। महामहिम का काम है अभिभाषण पढ़ना। जो लिखित अभिभाषण है, जो मंत्रि-मण्डल ने तैयार किया है, उसके एक शब्द भी इधर-उधर नहीं जाना है। पहली बार ऐसा देखने को मिल रहा है कि महामहिम भी राजनीतिक वार्ता करने लगी हैं।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय सदस्य अब आप अपनी बात को समराइज कर लीजिए।

श्री लालजी वर्मा-

मान्यवर, समाप्त कर रहा हूँ। अब ये सरकार सारी संवैधानिक संस्थाओं को राजनीतिक बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। चाहे वह न्यायालय हो, ई0 डी0 हो, सारी संस्थाओं का राजनीतिकरण करके केवल एक मात्र एजेण्डा बना दिया है कि भारतीय जनता पार्टी चुनाव की वैतरणी कैसे पार करे ?

माननीय अधिष्ठाता महोदया, इस तरीके से यह सरकार आज संविधान का पूरी तरह से उल्लंघन कर रही है। अनुसूचित जाति, पिछड़ी जाति, अल्पसंख्यकों की हकमारी करने का काम कर रही है। इन्होंने कहा कि किसानों को बिजली फ्री में मिलेगी। इस प्रदेश में सामान्य योजना के तहत किसानों से 52,000 रुपये, 62,000 रुपये, करीब एक लाख से ज्यादा किसानों से बिजली कनेक्शन के लिए पैसा जमा किया गया। उसमें 68,000 उनको छूट मिलनी चाहिए थी। अब 5 साल बाद कह रहे हैं कि आप पूरा पैसा जमा करके कनेक्शन ले लो या अपना पैसा वापस ले लो। हमारा जो 52,000 रुपया जमा है, उस पर हमें ब्याज देने का भी काम नहीं कर रहे हैं। अगर बिजली विभाग का पैसा होता तो हम लोगों से ब्याज सहित वसूलने का काम किया जाता। इस तरह से यह सरकार आज हमारे किसानों के साथ ज्यादती कर रही है। एन0पी0के0 और डी0ए0पी0 की खाद के दाम बढ़ा दिये गये। आपने यूरिया खाद पहले 5 किलो कम कर दिया था अब फिर 5 किलो कम कर दिया है। महंगाई आसमान छू रही है, चाहे वह डीजल के दाम हों, खाद के दाम हों, कीटनाशक दवाओं के दाम हों, सब बढ़ता चला जा रहा है और दूसरी तरफ गन्ना किसानों के दाम 5 साल बाद केवल 20 रुपये बढ़ाने का काम किया है। ऐसा शायद ही कभी रहा हो कि 5-5 साल में केवल 20 रुपये बढ़ाने का काम किया गया हो। इनके पास मीडिया है। अपनी बात शो करने के लिए भगवान का सहारा लेने का भी काम कर रहे हैं। भगवान को मानने वाले लोग हर तरफ हैं। हर तरह के लोग हैं, जो जिस धर्म को मानता है।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय सदस्य, जल्दी से समाप्त करिये। 15 मिनट से ज्यादा हो गये हैं।

श्री लालजी वर्मा-

माननीय अधिष्ठाता महोदया, आज भगवान राम का भी राजनीतिकरण करने का काम भारतीय जनता पार्टी की सरकार कर रही है।

आबकारी एवं मद्य निषेध राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री नितिन अग्रवाल)-

माननीय अधिष्ठाता महोदया, माननीय लालजी वर्मा जी वरिष्ठ सदस्य आपने अपने भाषण में महामहिम पर कुछ टिप्पणियां की हैं। वह संवैधानिक पद पर बैठी हुई हैं। कृपया उसे कार्यवाही से निकलवा दें। महामहिम पर टिप्पणी इस सदन में नहीं हो सकती है।

श्री अधिष्ठाता-

ठीक है।

श्री लालजी वर्मा-

माननीय अधिष्ठाता महोदया, वह कार्यवाही का ही अंग है। 40 पृष्ठों के भाषण में महामहिम ने जो बोला है, मैंने वही कहा है और बीच-बीच में जो बोला है, वही मैंने कहा है। भगवान श्रीराम के नाम पर पहली बार राजनीतिकरण हुआ है।

श्री अधिष्ठाता-

आप महामहिम के भाषण पर बोल दीजिए, उन पर कमेन्ट मत करिये।

श्री लालजी वर्मा-

माननीय अधिष्ठाता महोदया, हम सब लोग अपने-अपने धर्म के अनुसार अपने-अपने देवी-देवता की पूजा करते हैं, जो जिस धर्म को मानता है, लेकिन आज भारतीय जनता पार्टी अपने कुकर्मों को छिपाने के लिए भगवान का नाम लेने का काम कर रही है। धन्यवाद।

श्री राजेश चौधरी-

माननीय अधिष्ठाता महोदया, महामहिम राज्यपाल महोदया के अभिभाषण पर आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपका बहुत-बहुत आभार प्रकट करता हूं। आज पूरे देश ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के अन्दर जिस वातावरण का निर्माण हुआ है, उससे ऐसा लगता है कि पूरी दुनिया राममय हो गयी है। माननीय वर्मा जी को मैं सुन रहा था। वर्मा जी अयोध्या से 40 किमी0 दूर रहते हैं, साइकिल से चले जाते थे। मैं इनका बहुत सम्मान करूंगा कि इन्होंने भगवान राम के प्रति ऐसा भाव रखा और भगवान राम को समझने की कोशिश की, पर इनको वह कलंक का ढांचा जीवन में कभी नजर नहीं आया। इनको कभी ग्लानि महसूस

नहीं हुई होगी कि एक आतताई/आतंकवादी बाबर इस देश के अन्दर आया और उसने हमारे आराध्य भगवान राम के मन्दिर का विध्वंस कर दिया। यह साइकिल से तो जाते थे, पर पता नहीं आंख बन्द करके जाते थे या कैसे जाते थे, यह मेरी समझ में नहीं आता। 22 जनवरी का दिन हम सबको देखने को मिला। हम सब अपने-अपने क्षेत्रों में थे। 22 जनवरी को पूरी दुनिया दिवाली मना रही थी, मुझे नहीं लगता था कि कोई ऐसा गांव, गली, मोहल्ला होगा, जहां सजावट न हुई हो, जहां भण्डारे न चल रहे हों, जहां भगवान राम को मानने वाले लोग दिवाली न मना रहे हों, पर उसमें भी हमारे विपक्ष के बन्धुओं को राम का सम्मान करने में शर्म आ रही थी और मातम मना रहे थे। आज मैं सुबह सदन में आया, मैं देख रहा था कि लाल-लाल गमछे वाले हमारे सभी मित्र सामने बैठे हुए थे तो मुझे वह सीन याद आ गया, जिस समय अयोध्या में राम कारसेवकों पर बर्बरतापूर्वक गोलियां बरसाने का काम इन्हीं की सरकार कर रही थी।

मान्यवर, सरयू का पानी खून से लाल करने का काम यदि किसी ने किया तो इन्हीं लोगों ने किया। निर्दोष राम भक्तों की हत्या करने का काम यदि किसी ने किया तो इन्हीं ने यह पाप करने का काम किया है। इनको राम मंदिर के निर्माण से खुशी नहीं हो सकती है, इनको तो केवल वोट बैंक की चिन्ता है। इनको केवल मुस्लिम तुष्टीकरण की नीति अपनाने की चिंता है। पांच सौ साल का संघर्ष पांच सौ साल बहुत लम्बा समय हो गया। पांच लाख से अधिक लोगों ने बलिदान राम मंदिर के निर्माण में दे दिया। पांच लाख से अधिक लोगों ने। इस देश का रहने वाला हर भारतीय, भगवान राम को मानने वाला हर व्यक्ति, एक मिनट चैन से नहीं बैठा। पांच सौ साल संघर्ष चला है। पांच सौ साल के संघर्ष के बाद जब हमें 22 जनवरी को वह दिन देखने को मिला तो मैं तो धन्य हो गया और हम अपने उस जीवनकाल में अकाल खण्ड में उस समय जी रहे जब भगवान राम के मंदिर का दिन-रात निर्माण होता देख रहे हैं। कितने लोगों की आकांक्षा रही होगी, कितने लोगों का सपना था, कितने लोग अपने आप को केवल इसलिए बलिदान कर गये कि भगवान राम के मंदिर का निर्माण देख सकें। हम वह सौभाग्यशाली लोग हैं। मैं तो परमपिता परमात्मा से यह आराधना करूंगा कि इनको भी सद्बुद्धि दें, आइए और अयोध्या में माथा टेकिए हो सकता है कि कुछ कल्याण हो जाए और नहीं राम द्रोही का तो आप जानते हो कि उसका क्या परिणाम होने वाला है। 11 तारीख को पूरा सदन अयोध्या जाने वाला है तो वहां पर चल के पश्चाताप कर लें। भगवान पश्चाताप तो करने का मौका दे रहा है। आप उसका देखिए अतुल भाई आप आइए मैं आपका सम्मान करता हूँ जा करके माफी राम से मांगिये। गलत जगह पर आप जा करके बैठ गये हैं। अभी तो यह राम की बारी थी, श्री अयोध्या हुई हमारी है। अब मेरे कान्हा की बारी है, मथुरा से जीत करके आता हूँ और सीना ठोंक करके कहता हूँ कि जैसे अयोध्या को लिया है उसी तरह से भगवान कृष्ण के

मंदिर का भी भव्यतापूर्वक निर्माण करेंगे। यह लोग भाई-चारा की बात करते हैं, वास्तव में हम भी चाहते हैं कि भाई-चारा हो, हम सब मिल-जुल करके रहें, भाई-चारा जब होगा जब दोनों भाई समान रूप से रहें। जब दोनों में समानता हो, एक भाई ने दूसरी भाई की सम्पत्ति हड़प ली हो उसके धार्मिक स्थल पर अवैध कब्जा कर लिया हो, उसके धार्मिक स्थलों को गिरा दिया है उसको बेइज्जत करने के लिए, वह कलंक के ढांचे बना दिये हों, तो कैसे भाई-चारा सम्भव हो सकता है। मैं तो देश के मुसलमानों से अपील करता हूँ कि छोड़ दो मथुरा को छोड़ दो काशी को, यदि वास्तव में आप प्रेम से भाई-चारा बनाना चाहते हैं। नहीं तो वह भी ले लिया जाएगा। हम नहीं छोड़ेंगे। हम नहीं छोड़ेंगे क्यों यह हमारे लिए जीवन-मरण का प्रश्न है। यह हमारे लिए स्वाभिमान और सम्मान का प्रश्न है। यह हमारे लिए जिंदा रहने का एक माध्यम है।

तो मैं अपील करूंगा कि आप लोग कम से कम इतना तो करिए कि कृष्ण के आप वंशज बनते हैं। श्री अखिलेश जी सामने बैठते हैं और कहते हैं कि हम तो कृष्ण के अनुयायी हैं। तो आइए प्रभु श्रीकृष्ण में मन्दिर निर्माण में देश की जनता की मदद करिये। लेकिन यह ऐसा करने वाले नहीं हैं। सरकार की जितनी योजनाएं हैं उन योजनाओं का सबका इनको विरोध करना है। गरीब के सम्मान में, गरीब के उत्थान के लिए, जो योजना सरकार ले करके आएगी उसका यह निश्चित रूप से विरोध करेंगे ऐसा यह सोच करके आए हैं। अगर गरीबों की सरकार कोई है, तो वह श्री नरेन्द्र मोदी जी की सरकार है। गरीबों की कोई सरकार है तो वह श्री योगी आदित्यनाथ जी की सरकार है। इनको गरीबो का हित हजम नहीं होता है यह गरीब का कल्याण चाहते नहीं हैं और जिस वर्ग की यह बात करते हैं उसको पढ़ाना-लिखाना भी नहीं चाहते हैं। ऐसी अनेक योजनाएं मेरे पूर्व के वक्ताओं ने बताई अगर मैं बताऊँगा तो बहुत लम्बा समय लगेगा। पर मैं केवल इतना कहूंगा कि जितनी योजनाएं आज सरकार की आ रही हैं वह योजना एक-एक जमीन पर पूरी तरह से क्रियान्वयन उसका हो रहा है। आदमी के जीवन में निरन्तर उन्नति हो रही है। आदरणीय अधिष्ठाता जी, मैं अपने क्षेत्र की दो-तीन समस्याएं उठा करके अपनी बात समाप्त करूंगा कि मेरे क्षेत्र में एक ऐसा स्थान है बंशीवट।

(इस मध्य विपक्ष के कई सदस्यों द्वारा अपने स्थान पर खड़े होकर बोलने का प्रयास करने पर।)

श्री अधिष्ठाता-

आप सभी कृपया शोर मत करिये माननीय सदस्य को अपनी पूरी बात बोलने दीजिए।

श्री राजेश चौधरी-

मान्यवर, आप लोग तो उ0 प्र0 को बर्बाद करने वाले लोग हो। हम लोग तो आबाद करने वाले लोग हैं। हम अपने क्षेत्र का विकास कर रहे हैं। आप लोगों को सुनने में भी

दिक्कत हो रही है। राधा रानी के मंदिर का सौन्दर्यीकरण, बंशीवट का निर्माण, झाड़ी वाले हनुमान मंदिर का निर्माण और जितने प्राचीन मन्दिर बृज के अन्दर हैं सबका हम निर्माण कर रहे हैं। जिस समय भगवान कृष्ण का जन्म हुआ होगा जिस रूप में बृज था उसी रूप में ले जाकर उसका विकास करने का काम हमारी सरकार कर रही है।

मेरे विधान सभा क्षेत्र में अनेक ऐसे काम हो रहे हैं, जो सरकार को पहले ही कर देने चाहिये थे, लेकिन आप तो बर्बाद करने पर तुले हुये हो। यमुना एक्सप्रेस-वे से पागलबाबा मन्दिर के लिये स्पेशल रोड का निर्माण हो रहा है तथा सेतु के निर्माण की गति थोड़ी धीमी है, उसको तेज किया जाये। मैं कहना चाहूँगा कि यमुना एक्सप्रेस-वे इस समय उस क्षेत्र की रीढ़ है जो दिल्ली, नोएडा को आगरा और लखनऊ से जोड़ता है। वहाँ पर एक स्थान सुरीर टेंटी गाँव के मध्य में यमुना एक्सप्रेस-वे पर कट का निर्माण किया जाये। यह बहुत पुरानी समस्या है और वहाँ के किसान बहुत दिनों से आन्दोलित हैं। इसलिये मेरा आपके माध्यम से और इस सदन के माध्यम से कहना है कि वहाँ पर एक कट का निर्माण किया जाये। इसके अतिरिक्त सुरीर औहावा से स्यारहा के मध्य सेतु का निर्माण किया जाये। मेरी विधान सभा क्षेत्र के छाता, शेरगढ़, नौहझील, बाजना, गौमत रोड का पुनः निर्माण किया जाये। इन सभी बातों को कहते हुये मैं एक बार पुनः माननीय राज्यपाल महोदया के अभिभाषण के समर्थन में अपना वक्तव्य देता हूँ और यह कहता हूँ कि जिस तरह से यह सरकार चल रही है उसी तरह से चलती रहे। भगवान इनको सद्बुद्धि दे। बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय सदस्य मेजर सुनील दत्त द्विवेदी।

***मेजर सुनील दत्त द्विवेदी-**

माननीय अधिष्ठाता महोदया, आपने मुझे माननीय राज्यपाल महोदया के अभिभाषण पर प्रस्तुत धन्यवाद प्रस्ताव के समर्थन में और उसके पक्ष में बोलने का अवसर प्रदान किया, इसके लिये मैं आपका हृदय से आभार प्रकट करता हूँ। माननीय राज्यपाल महोदया ने बड़ी कुशलतापूर्वक यह दस्तावेज सदन में प्रस्तुत किया और उन्होंने कहा कि सुशासन के संकल्प के साथ सरकार ने प्रदेश में शान्ति और सुरक्षा सुनिश्चित की है। यह बहुत बड़ा वाक्य है और इससे भी बड़ा वाक्य जो उन्होंने कहा वह हमारी सरकार की सारी उपलब्धियाँ गिना देता है। उन्होंने कहा कि अपराधमुक्त और भयमुक्त वातावरण देकर रामराज्य की संकल्पना को साकार करने में यह सरकार पूरी तरह से सफल रही है। गोस्वामी तुलसीदास जी ने रामचरित मानस के उत्तर काण्ड में लिखा है कि 'दैहिक, दैविक, भौतिक तापा। रामराज्य नहिं काहुहि ब्यापा।।'

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

दैहिक ताप यानी दैहिक कष्ट अथवा स्वास्थ्य, दैविक ताप अर्थात् दैवीय आपदा को हमने परास्त किया और उसी प्रकार से भौतिक ताप अर्थात् अपराध एवं कानून-व्यवस्था, यह तीनों कष्ट जिस राज्य में नहीं होते उसे रामराज्य की संज्ञा दी जाती है। माननीय राज्यपाल महोदया ने अपने उद्बोधन में इस योगी सरकार को ऐसी संज्ञा दी है। उन्होंने योगी सरकार की सारी उपलब्धियाँ गिना दी हैं और क्यों न हो, क्योंकि हमारे मुख्य मंत्री सच्चे रामभक्त हैं, हमारे मुख्य मंत्री के आदर्श राम हैं और हम सबके आदर्श राम हैं। हमारे देश के एक बड़े सुविख्यात कवि डा0 शिवओम 'अम्बर' जी हैं और हमारा सौभाग्य है कि वह फर्रुखाबाद से बिलांग करते हैं। उन्होंने लिखा है कि 'राम हमारी शक्ति, हमारी भक्ति, हमारी मति है और राम हमारा कर्म, हमारा धर्म, हमारी गति है। बिना राम के आदर्शों के अब उत्कर्ष कहाँ है और बिना राम के इस भारत में भारतवर्ष कहाँ है।' उन्होंने रामराज्य की वह परिकल्पना, वह संकल्पना की है। वह आगे लिखते हैं कि 'उसका चिन्तन अर्थात् भगवान का चिन्तन, अनुचिन्तन, अभिव्यंजन, अभिनन्दन ललाम है' यानी बहुत सुन्दर है। राम हमारी गति है, यति है, विराम है। राम ही संज्ञा है और राम ही सर्वनाम है। एक शब्द में समाविष्ट है और वह एक शब्द कौन-सा सिर्फ राम है। एक शब्द में समाविष्ट है सार तत्व संस्कृति का, हमारी पूरी सांस्कृतिक विरासत का सार तत्व राम में समाहित है और राम हमारे लिये राष्ट्र है और राष्ट्र हमारे लिये राम है।

माननीय महोदया, इसीलिये देश के यशस्वी प्रधानमंत्री जी ने 22 तारीख को प्राण प्रतिष्ठा के दौरान अयोध्या में कहा था कि राम से राष्ट्र की चेतना का विस्तार हम करें और वह हो रहा है। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम जब वनवासी राम बने और वन में गये तो किसका साथ लिया, कोल का, भील का, किरात का, केवट का, शबरी का साथ लिया, सबको साथ लिया और उनके आदर्शों पर चलने वाले उनके भक्त हमारे प्रधानमंत्री जी, हमारे मुख्य मंत्री जी भी यही कर रहे हैं 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' 'बैर न कोउ काहू संग कोई, राम प्रताप विषमता खोई' राजा का प्रताप बोलता है। रामराज्य में कोई बैर नहीं करता है, कोई दुश्मनी नहीं होती है, क्योंकि राजा का प्रताप बोलता है। बाल्मीकी जी ने रामायण में लिखा है कि राम की क्षमा पृथ्वी के समान है और उनका क्रोध कालाग्नि के समान है। राजा जब अपराध को मिटाने पर उतर आता है तो वह अग्नि बन जाता है, ज्वाला बन जाता है, अपराध को समाप्त कर देता है। लेकिन जब उसके हृदय में दया का भाव आता है तो वह क्षमा भी कर देता है।

मान्यवर, मैं आपको अपने फर्रुखाबाद का उदाहरण देना चाहता हूँ। अब पूरे उत्तर प्रदेश के जो अपराधी हैं वह जेलों के भीतर जा रहे हैं, लेकिन लॉ में चार थ्योरी ऑफ पनिशमेंट है जिनमें से एक थ्योरी रिफॉर्मेटिव ऑफ पनिशमेंट है, (सुधारवादी गतिविधि) हमारी योगी जी की सरकार कैदियों को जेल के अन्दर सुधार भी रही है। हमारे फर्रुखाबाद के बंदियों

को जो पुराने कम्बल मिलते हैं उन कम्बलों को जोड़कर और उसके ऊपर प्लास्टिक की पॉलीथीन लगाकर शॉल तैयार की गयी है, जो कि हमारी गौ-माताओं को भेंट की गयी हैं, सर्दी में गौशालाओं में जाकर ओढ़ाया गया है। अभी मैंने माननीय मुख्य मंत्री जी को भी भेंट किया था। ओ0डी0ओ0पी0 योजना हमारे प्रदेश की बहुत महत्वाकांक्षी योजना है, आज जेल में हमारे यहां टेक्सटाईल प्रिन्टिंग के लिए चिन्हित है, हमारे बन्दी शॉल बना रहे हैं और उनको मार्केट में बेचा जा रहा है। इस प्रकार से हम उनका सुधारवादी दृष्टिकोण भी कर रहे हैं। हमने संकल्प लिया था कि 'राम लला हम आएंगे मन्दिर वहीं बनायेंगे' और मोदी जी ने उस संकल्प को सच करके दिखाया है। इसके बाद दूसरा संकल्प लिया गया कि हम अन्न तब तक ग्रहण नहीं करेंगे जब तक मन्दिर की प्राण प्रतिष्ठा नहीं कर लेते और मान्यवर आप जानती हैं कि 11 दिन तक उन्होंने अन्न ग्रहण नहीं किया था। भारतीय जनता पार्टी जो कहती है वह करती है। मैंने भी अपने नेताओं से प्रेरणा लेकर पिछले वर्ष एक संकल्प लिया था कि 2024 एक महत्वपूर्ण वर्ष है। यहां इस वर्ष राम मन्दिर का निर्माण हो रहा है और लोक सभा चुनाव में राष्ट्र मन्दिर का भी निर्माण होने वाला है। इसलिए इस नए वर्ष की शुरुआत प्रभु श्रीराम जी के चरणों में जाकर करूँगा और मैं 01 जनवरी को अयोध्या गया था और मेरा सौभाग्य रहा कि प्रभु के चरणों में मेरा रहना हुआ और उनका आशीर्वाद प्राप्त हुआ। उसके बाद मैं लखनऊ आया था, जिन्होंने उस मन्दिर के निर्माण मे सतत् एवं अथक प्रयास किया ऐसे योगी जी का भी आशीर्वाद मुझे इस नए वर्ष प्राप्त हुआ। वहां मुझे एक महेन्द्र जी मिले जो कि प्रेस फोटोग्राफर हुआ करते हैं उन्होंने मुझे राम जन्म भूमि आन्दोलन के समय की मोदी जी की उस जमाने की तस्वीर दिखाई। उन्होंने कहा कि मैंने मोदी जी से उस दिन पूछा था कि अगली बार आप कब आयेंगे तो उन्होंने कहा था कि अगली बार मैं शिलान्यास पर आऊँगा और वही हुआ, शिलान्यास के दिन वह वहां पर उपस्थित थे। वहां के जो मुख्य पुजारी हैं आचार्य सतेन्द्र दास जी महाराज उन्होंने बताया कि हमारे प्रदेश के यशस्वी मुख्य मंत्री लगभग हर सप्ताह वहां जाया करते थे और व्यक्तिगत रूप से वहां की मॉनीटरिंग किया करते थे कि किस प्रकार जल्दी से जल्दी यह कार्य सम्पादित हो और यहां पर मन्दिर का निर्माण हो सके। राम मन्दिर निर्माण का यह संकल्प हमने लिया था, आपने क्या संकल्प लिया था ? राम भक्तों पर गोली चलाने का, सरयू का रंग लाल करने का, जिसका आचमन किया जाता है। जाने कितने लोगों पर गोलियाँ चलायी गयीं, जाने कितने लोग शहीद हो गये, जाने कितने लोग जेलों में ठूंस दिए गये, इसीलिए आज आप सत्ता से बाहर हैं। मैं भारतीय सेना में था और आज भाजपा की सेना में हूँ। वहां भी सिपाही था, यहां भी सिपाही हूँ, सिपाही छेड़ता नहीं है, लेकिन फिर छोड़ता भी नहीं है और फिर भूलता भी नहीं है। जो आचरण इन लोगों ने माननीय राज्यपाल महोदया के साथ किया यह भूलने वाली बात नहीं है। वह अपना संवैधानिक धर्म निभाने आई थीं, रामचरित मानस में कहा गया है कि स्वधर्म निभाना चाहिए। राज्यपाल का, राष्ट्रपति का यह धर्म है, यह उनका कर्तव्य है कि जब सत्र प्रारम्भ होता

है तो उसको सम्बोधित करें और इसलिए उन्होंने सम्बोधन किया, लेकिन इन लोगों ने उसमें बाधा डालने का प्रयास किया। नारे लगाये, राज्यपाल वापस जाओ, वापस जाओ, गो-बैक, गो-बैक। मैं इनको बताना चाहता हूँ माई डीयर फ्रेंड्स, सी डिड नॉट गो-बैक बट यू विल गो-बैक।

यू विल गो-बैक एण्ड विल नेवर कम बैक। दिस इज माई गारण्टी। मेरी नहीं यह मोदी जी की गारण्टी है, योगी जी की गारण्टी है, जनता की गारण्टी है। अस्सी, तुस्सी, रस्सी, कसी, इस बार अस्सी की अस्सी।

श्री अधिष्ठाता-

अब आप समराइज कर दें।

मेजर सुनील दत्त द्विवेदी-

बस मैं दो मिनट में समाप्त कर रहा हूं।

श्री अधिष्ठाता-

आधे मिनट में समराइज कर लीजिए।

मेजर सुनील दत्त द्विवेदी-

जी। दो-दो जगह से लड़ने का क्या औचित्य है ? क्या जनता पर विश्वास नहीं है। अपने ऊपर विश्वास नहीं है। जनता आप पर विश्वास करती है, आपको वोट देती है, आपको जिताती है, आप त्याग-पत्र दे देते हैं और विश्वासघात कर देते हैं। इसका क्या मतलब है ? इस बार जनता आपको दिखाएगी ठेंगा और वाह्ट्स अप वाला अंग्रेजी का थम्स अप वाला नहीं। हिन्दी का शुद्ध ठेंगा। बहुत मुश्किल आयेगी आपको। मैं कहना चाहता हूँ कि आज लोक सभा की आपकी कितनी सीटें हैं, तीन। अपने यहां कहते हैं न कि तीन तिगाड़ा, काम बिगाड़ा। बज जायेगा नगाड़ा। अब चाहे जाइये आजमगढ़, चाहे जाइये कन्नौज। तैयार खड़ी है योगी की फौज। चाहे जाइये मुरादाबाद वहां भी योगी को करोगे याद। धंस जायेगा धुरा और धंस जायेगी धुरी और नहीं पहुंचोगे मैनपुरी। रामपुर में भी पड़ जायेंगे पैरों में फलके, इसलिए सम्भल में भी जरा संभल के। मैं आखिरी बात कहता हूँ कि व्यक्ति जब अच्छे कार्य करता है तो जनता सर आंखों पर लेती है। आपको अच्छे काम करने चाहिए थे। आपको जनता सत्ता में लाती, लेकिन आपने अच्छे काम नहीं किये और बुरे काम का बुरा नतीजा, क्यों भाई चाचा, हां भतीजा। बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री तुफानी सरोज-

माननीय अधिष्ठाता जी, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया। मैं भी बड़े ध्यान से डाक्टर नीरज बोरा और प्रवक्ता साथियों की बात को सुन रहा था। मान रहा हूँ कि आप लोग अस्सी में पच्चासी सीट जीतने वाले हो। इसमें कोई दो राय नहीं है। आप सब लोगों ने बड़े

विस्तार से अभिभाषण में अयोध्या का जिक्र किया और प्राण-प्रतिष्ठा का जिक्र किया। मैं कर्नाटक की तरफ आपका ध्यान दिलाना चाहता हूँ, क्योंकि आप लोग आज बजरंगबली को भूल गये। कर्नाटक में जब भारतीय जनता पार्टी के नेता भाषण देने उठते थे तो जय बजरंगबली का नौ बार नारा लगाते थे। बजरंगबली ने सोचा जब-जब चुनाव आता है तब-तब ये हमें आगे खड़ा कर देते हैं और मैं शूद्र समाज का देवता हूं। ये सरकार में आ जाते हैं तो शूद्र समाज के हितों का हनन करते हैं। इसलिए बजरंगबली ने मन बनाकर कर्नाटक से आप सबका सफाया कर दिया। अब आप प्राण-प्रतिष्ठा की जो बात कह रहे हैं। हम भगवान मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम चन्द्र का सम्मान करते हैं। हम कोई विरोधी नहीं हैं। आप लोग जब उधर आते हैं और हम इधर रहते हैं और कल जब राज्यपाल का अभिभाषण शुरू होना था तो इतना जय श्रीराम, इतना जय श्रीराम लगा रहे थे जैसे लगता था कि हम लोग भगवान श्रीराम चन्द्र जी के विरोधी हैं। आप लोगों को ऐसा ही लग रहा था, लेकिन तुलसी दास ने लिखा है घट-घट वासी राम। याद है आपको कि नहीं ? भगवान राम चन्द्र जी हर बात को अच्छी तरह जानते हैं। आप लोगों को ऐसा लग रहा है कि जैसे सारा काम आपने ही कर दिया। 1991 में जब राष्ट्रीय एकता परिषद् की बैठक हुई थी। तब माननीय मुलायम सिंह यादव जी ने कहा था कि यह ऐसा नाजुक मसला है या तो आपसी भाई-चारे से निर्णय होगा या कोर्ट के न्यायालय के फैसले से होगा। आप भी उस जगह होते तो आप भी संविधान की रक्षा के लिये, अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते।

(भारतीय जनता पार्टी के कई सदस्यों द्वारा टोका-टाकी करने पर व्यवधान)

अगर संविधान में आप विश्वास करते हैं और आप वहां रहते तो आप भी वही करते। कानून की रक्षा के लिए आप भी वही करते।

श्री अधिष्ठाता

माननीय सदस्य आप इधर देखकर बात कीजिए।

श्री तुफानी सरोज-

माननीय अधिष्ठाता महोदया जी, राष्ट्रीय अध्यक्ष स्व0 मुलायम सिंह यादव जी ने कहा था कि ऐसा नाजुक मसला है। आपसी भाई-चारे से निर्णय होगा या कोर्ट के न्यायालय के फैसले से होगा। यह न्यायालय की जीत है, आपकी जीत नहीं है।

मान्यवर, यह संविधान की जीत है। यह इनके निर्णय से नहीं हुआ है। अब प्राण-प्रतिष्ठा पर आइये जो आपने आनन-फानन में किया है और देश के शंकराचार्यों ने कहा है कि अभी शुभ मुहूर्त नहीं है और अभी मंदिर बनकर तैयार नहीं है, लेकिन आपने जिस मंशा और जिस सोच के तहत समय से पूर्व प्राण-प्रतिष्ठा की है उसको भगवान राम अच्छी तरह से समझ

गये हैं और भगवान राम जान गये हैं, यह आप अपने राजनैतिक फायदे के लिए शंकराचार्यों की बात का उल्लंघन करते हुए आपने प्राण-प्रतिष्ठा की और मैं नरेन्द्र मोदी जी को धन्यवाद दूंगा जो कार्य आज तक ब्राह्मणों के हाथों से होता था तो उन्होंने अपने हाथों से करके एक नयी प्रक्रिया की शुरुआत की है। भगवान राम भी आपकी मंशा को जान गये हैं। आप जो लोग खुश हो रहे हो, लेकिन भगवान राम जी आपसे खुश नहीं हैं जो आपने समय से पहले प्राण-प्रतिष्ठा की है, सिर्फ राजनैतिक फायदे के लिए किया है और चुनावी फायदे के लिए किया है। इसलिए जो 80 में से 85 सीटें जीतना चाहते हैं तो आपकी 80 की 80 सीटों का सफाया हो जायेगा। यह भी जान लो कि 80 में 85 नहीं होते हैं। साथियों माननीय राज्यपाल का जो अभिभाषण पढ़ा गया उसमें आप बार-बार जीरो टॉरलेंस की बात करते हैं, कानून व्यवस्था की बात करते हैं, तो इसका जीता जागता उदाहरण है, पुलिस अभिरक्षा में तमाम हत्याएं हो रही हैं प्रयागराज में हुई, मलिहाबाद में हुई प्रदेश के तमाम थानों में पुलिस अभिरक्षा में हत्याएं हो रही हैं, कानून व्यवस्था बिल्कुल फेल है, जीरो टॉरलेंस के नाम पर। मैं अपने जनपद जौनपुर के मछलीशहर की तरफ ध्यान ले जाना चाहता हूँ मीरगंज थाने के अन्दर राजस्व विभाग की लापरवाही की वजह से 16 जनवरी, 2024 को विष्णु पाल की अपराधियों ने पीटकर हत्या कर दी, अगर राजस्व विभाग सही समय पर कार्य किया होता तो यह हत्या नहीं हुई होती। जनवरी, 2023 का पक्की पैमाइश आर्डर पास होने पर पूरा एक साल बीत गया था तो आप ही बताइये कि यह साल पूरा क्यों बीत गया ? हम बताते हैं जो अपराधी है उसका कनेक्शन कहीं न कहीं भारतीय जनता पार्टी से जुड़ा हुआ है। एक साल तक पक्की पैमाइश नहीं हुई जब 16 जनवरी, 2024 को विष्णु पाल की हत्या कर दी गयी और मीरगंज थाने में जिसने हत्या की उस पर पहले से भी कई अपराधिक मुकदमे दर्ज हैं अपराध के बावजूद भी पुलिस ने कभी भी संज्ञान नहीं लिया जब 16 जनवरी, 2024 को विष्णु पाल की हत्या कर दी गयी तब उसमें सिर्फ एक अपराधी पकड़ा गया है। सारे अपराधी खुलेआम घूम रहे हैं, इसमें राजस्व विभाग के अधिकारी व कर्मचारी क्यों एक साल से फाइल को दबाकर बैठे थे, जिस पर पक्की पैमाइश का आदेश हुआ था तो क्यों पक्की पैमाइश नहीं हुई, इसका मैं आपके माध्यम से मांग करता हूँ कि इस पूरे प्रकरण की जांच उच्च स्तर पर होनी चाहिए।

25 करोड़ लोगों का पेट भरने वाला किसान आज परेशान है आपने कहा था कि उपज का दुगुना मूल्य देंगे, लेकिन आज क्या हालात है खाद के दाम क्या हैं, बीज का दाम क्या है ? एक क्विंटल धान पैदा करने में कम से कम 1600-1700 रुपये लागत आ जाती है आप 2183 रुपये ही दाम दे रहे हैं तो किसान आज के दौर में खेती करने से चकरा रहा है छोटे-मोटे कास्तकार जो किसान हैं वह अब खेती करना बन्द कर दिये हैं और किसान आहत है। जनपद वाराणसी में काशी द्वार के नाम पर 15 गाँवों की जमीन अधिग्रहण की जा रही है।

उन किसानों की जमीन पहले भी सी0आई0एस0 व कई और में चली गयी है, जो जमीन बची थी उन जमीनों पर कास्तकारी करके किसान समिति बना करके जो मण्डी की स्थापना की है और उस मण्डी में अपनी उपज को बेच करके बच्चों को शिक्षा दिलाने का काम करता है व अपनी गृहस्थी का काम करता है। निजी उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाने के लिए 15 गांवों की जमीन अधिग्रहीत किए जाने की योजना है और जमीन अधिग्रहीत करके उद्योगपतियों को दी जा रही है। मैं इस मंच से सरकार से चाहता हूँ कि आप फोर लेन के चारों तरफ 10-10 एकड़ जमीन ले लीजिए और काशी द्वार बनाइये। लेकिन जो किसान जमीन के अपने छोटे-छोटे टुकड़ों पर जीवन-यापन क़र रहा है आप उसकी 1300 एकड़ जमीन छीनकर एक द्वार के नाम पर काशी द्वार बना रहे हो। आप किसानों के साथ यह कौन सा न्याय कर रहे हैं ? यह किसानों के साथ बहुत बड़ा धोखा है। मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूँ कि वहां पर दोनों तरफ 10-10 एकड़ जमीन अधिग्रहीत न की जाये, जिससे किसान अपने परिवार का भरण-पोषण कर सके। अधिष्ठाता महोदया, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया जिसके लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद।

***डॉ0 शलभ मणि त्रिपाठी-**

माननीया अधिष्ठाता महोदया, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण पर प्रस्तुत धन्यवाद प्रस्ताव के पक्ष में बोलने का अवसर दिया जिसके लिये मैं आपका हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। अभी मैं अपने विपक्ष के साथियों को सुन रहा था। आदरणीय लालजी वर्मा साहब बहुत ही वरिष्ठ हैं, हम सब उनसे कई बार सीखने की कोशिश करते हैं कि विधायी प्रक्रिया कैसे होती है और सदन की प्रक्रिया कैसे होती है, लेकिन मैं बड़ा हतप्रभ था जिस प्रकार उन्होंने महामहिम राज्यपाल जी के ऊपर टिप्पणी की और उन्होंने जिस प्रकार से सवाल उठाया। मान्यवर, यह पहली बार नहीं हुआ, क्योंकि जिस दिन महामहिम राज्यपाल महोदया अपना अभिभाषण दे रही थीं उस दिन भी विपक्ष के साथियों ने उनके साथ जिस प्रकार का व्यवहार किया, जिस प्रकार से 'गो बैक-गो बैक' के नारे लगाये, जिस प्रकार से उनके बिल्कुल सामने आकर नारेबाजी की तो उससे मुझे बहुत हैरानी होती है। समाजवादी पार्टी और विपक्ष के जो लोग हैं उनके रवैये के बारे में तो हम सब जानते हैं और उनसे बहुत हैरान होने की बात नहीं है, लेकिन विपक्ष में हमारी बहुत सारी बहनें भी बैठी हैं जो मातृ शक्ति का प्रतिनिधित्व करती हैं मुझे उनसे हैरानी हुई।

महामहिम राज्यपाल महोदया के अनुभव का ध्यान कर लिया होता, उनकी वरिष्ठता का ध्यान कर लिया होता, उनकी कर्मठता का ध्यान कर लिया होता और जिस प्रकार से वह नारी शक्ति का प्रतिनिधित्व करती हैं, यदि ध्यान कर लिया होता तो इस प्रकार से आपका

*वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

अपमानजनक रवैया नहीं रहा होता। मुझे आपसे हैरानी और शिकायत है कि जब मातृ शक्ति की बात आती है तो हम सब आपको सम्मान देते हैं। माननीय विधान सभा अध्यक्ष जी ने आपके लिए अलग कक्ष बनवाया, आपके लिए पूरा-पूरा सेशन चलाया, लेकिन महामहिम राज्यपाल महोदया जब अपना भाषण दे रही हैं तो उनके साथ विपक्ष के साथियों का क्या रवैया है इसका विरोध आपको भी करना चाहिये था, जो आप लोग नहीं कर सकीं। आज हम सब एक बहुत ही गौरवपूर्ण क्षण के बाद इस सदन में उपस्थित हुये हैं। हम सब प्रफुल्लित थे, उत्साहित थे, उमंगित थे, लेकिन अधिष्ठाता महोदया, आज हमारा एक और जख्म कुरेदा गया। आज फिर इसी सदन में हमारे एक और घाव पर नमक डाला गया। सम्मानित साथी तुफानी सरोज जी ने कहा कि हम होते तो हम भी गोली चलवाते। अरे हम तो इस बात को भूल गये थे, हमने भूलने की कोशिश की थी कि किस प्रकार से निहत्थे रामभक्तों पर गोलियाँ चलवाई गईं, किस प्रकार से जय श्रीराम का नारा बोलने वाले रामभक्तों पर लाठियाँ चलवाई जाती थीं, आपने अगर किसी मन्दिर में या किसी चौराहे पर अगर जय श्री राम का नारा लगा दिया तो किस प्रकार से समाजवादी पार्टी की सरकार में मुकदमे लाद दिये जाते थे। तुफानी सरोज साहब, मैं आपसे निवेदन करूँगा कि अगर आप तुलना करना चाहते हैं तो तुलना करिये युग पुरुष कल्याण सिंह जी से जिन्होंने कहा कि सत्ता को ठोकर मारता हूँ, लेकिन गोली नहीं चलवाऊँगा, लाठी नहीं चलवाऊँगा। उन्होंने सत्ता को ठुकरा दिया, लेकिन निहत्थे राम भक्तों पर, साधु-सन्तों पर, कारसेवकों पर गोली चलवाने से इन्कार कर दिया, लेकिन जब आपको अवसर मिला तो आपने क्या किया पंचकोशी की परिक्रमा पर प्रतिबन्ध लगा दिया, जिस प्रकार आपने निहत्थे रामभक्तों पर लाठियाँ बरसाईं, गोलियाँ बरसाईं, जिस प्रकार से अत्याचार किया वह किसी से छिपा नहीं है।

हम सब विद्यार्थी जीवन में थे और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् के कार्यकर्ता थे। हम सब भी अपने-अपने घरों से निकले, चौराहों पर गिरफ्तार कर लिये गये और चौराहों पर गिरफ्तारी के बाद जिस प्रकार का रवैया थानों के भीतर पुलिस का होता था वह सीधे तौर पर बताता था कि समाजवादी पार्टी की सरकार में रामभक्तों के साथ क्या-क्या हो रहा है। साधारण अत्याचार नहीं हुये हमारे साथ, लेकिन छोड़िये आपने तो भगवान राम को भी नहीं बक्शा। कौन भूल सकता है कि वर्ष 2017 से पहले भगवान राम को आपने कहां पर बैठा रखा था। एक फटा हुआ टेण्ट होता था। बारिश होती थी और ओले पड़ते थे। रामभक्त जाते थे, गुहार लगाते थे और निवेदन करते थे और सरकार के आगे हाथ जोड़ते थे कि टेण्ट फट गया है, टेण्ट को सिलवा दीजिये। भगवान राम के ऊपर सीधे बारिश की बौछारें आती हैं, उन पर ओले बरसते हैं। इतना तो कर दीजिये कि जो टेण्ट फटा है उसी की सिलवाई करा दीजिये और समाजवादी पार्टी की सरकार कहती थी कि नहीं टेण्ट फटा है तो फटा रहने दो।

बारिश होती थी। ओले पड़ते थे। रामभक्त जाते थे गुहार लगाते थे, निवेदन करते थे, सरकार के आगे हाथ जोड़ते थे कि टेन्ट फट गया है टेन्ट को सिलवा दीजिए। भगवान राम के ऊपर सीधे बारिश के ओले बरसते हैं। इतना तो कर दीजिए कि जो टेन्ट फट गया है उसको सिलवा दीजिए और समाजवादी की सरकार कहती थी कि नहीं, टेन्ट फटा है फटा रहने दो। बारिश की बूंदे नीचे गिरती हैं तो गिरने दो। भगवान राम के ऊपर ओले बरसते हैं तो बरसने दो वहां पर कोई भी काम नहीं होगा। कोई कार्यवाही नहीं होगी। भगवान राम को भीतर खड़ा करके आपने गवाही मांगी और आपने प्रमाण मांगा। हम तो कहते हैं कि भगवान राम सबके हैं भगवान राम जितने हमारे हैं उतने आपके भी हैं। भगवान राम सबके हैं, लेकिन मैं आपसे सवाल पूछता हूँ कि जो अदालत के भीतर खड़े होकर भगवान राम से कहते थे कि आप काल्पनिक हो आपका कोई वजूद नहीं है वह भला किसके वकील थे उन वकीलों को कौन खड़ा करता था ? अदालत में जाकर यह कहा जाता था कि फैसला नहीं आना चाहिए। फैसले को रोकना चाहिए, क्योंकि भगवान राम का कोई वजूद नहीं है। भगवान राम काल्पनिक हैं। हमारे धैर्य की परीक्षा ली जाती थी और जरा कल्पना कीजिए कि भगवान राम को अपना वजूद बताने के लिए अदालत के भीतर आना पड़ता था। श्रीराम लला विराजमान खुद अदालत में आते थे। आपके वकील खड़े होकर खुद उनको नकारते थे। आपके वकील खड़े होकर उन पर तमाम तरह की टिप्पणियां करते थे और इसलिए आदरणीय लालजी वर्मा साहब आप आज जब यह कहते हैं कि आपने क्या किया तो हम आपसे पूछते हैं कि यह सवाल तो आप ही उठाते थे न कि राम लला हम आएंगे और मंदिर वहीं बनाएंगे, लेकिन तारीख नहीं बताएंगे ? यह सवाल तो आप ही उठाते थे। मोदी जी ने उसका जवाब भी दिया है और कहा कि रामलला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे और डंके की चोट पर 22 जनवरी की तारीख भी बताएंगे। उन्होंने 22 जनवरी की तारीख बता दी।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय सदस्य जी आप समराइज कर लीजिए।

डॉ0 शलभ मणि त्रिपाठी-

मान्यवर, 22 जनवरी को भव्य मंदिर बनकर खड़ा हो गया। आप सिर्फ इस बात से मत खुश होइए कि माननीय प्रधानमंत्री जी, यजमान बने आप थोड़ा पढ़ लिए होते तो आपको पता चलता कि हमारे लिए राष्ट्र प्रमुख है। जाति प्रमुख नहीं है। मैं डॉ0 शलभ मणि त्रिपाठी की तौर पर इस बात पर गर्व करता हूँ कि जब वहां पर कार्यक्रम हुआ तो वहां पर उस कार्यक्रम में प्रमुख यजमान के तौर पर कौन बुलाया गया है ? किसको आमंत्रित किया गया है ? काशी के डोम राजा श्रद्धेय अनिल चौधरी जी को आमंत्रित किया गया है। काशी के रहने वाले आदरणीय कैलाश यादव जी को बुलाया गया और उनके नेतृत्व में वहां पर पूजा हुई है।

वनवासी समाज से आने वाले आदरणीय रामचन्द्र खराडी जी को बुलाया गया उनको प्रमुख यजमान बनाया गया। घुमन्तू समाज से आने वाले आदरणीय महादेव गायकवाड़ जी को बुलाया गया। बाल्मीकी समाज से आने वाले दिलीप बाल्मीकी जी को बुलाया गया ऐसे 14 यजमान थे जो वंचित समाज से आते थे। शोषित समाज से आते थे। अलग-अलग तमाम पिछड़े हुए समाज से आते थे उनके रहते हुए पूजा हुई और इसलिए हम कहते हैं कि आमंत्रण तो आपको भी मिला था (सत्ता पक्ष की ओर से जय श्रीराम के नारे लगाये गये) लेकिन आप नहीं गये। आज तो मैं बड़ा हैरान हुआ कि आप भगवान राम जी के आमंत्रण में नहीं गये।

श्री अधिष्ठाता-

आप समराइज कर लीजिए।

डॉ0 शलभ मणि त्रिपाठी-

मान्यवर, भगवान राम के वजूद का विरोध किया। भगवान राम को काल्पनिक बताया, लेकिन आज आपके पास पश्चाताप का एक आखिरी अवसर था कि आज जब भगवान राम के नाम पर धन्यवाद प्रस्ताव जा रहा था माना कि आप विरोध करते हैं, लेकिन आप खामोशी से रह सकते थे। आप चुप रह सकते थे। हम सबको तकलीफ हुई। हम सबको कष्ट हुआ कि वह 14 लोग कौन थे कि जिन 14 लोगों ने भगवान राम के नाम का आज इस सदन में भी विरोध किया। मैं अधिष्ठाता महोदया, आपसे मांग करता हूँ कि उन 14 लोगों के नाम सार्वजनिक करिए ताकि जब वह अपने घरों में जाएं तो उनके घरवाले भी सवाल पूछेंगे, क्योंकि हमको पता है कि भले आपने 22 जनवरी को दीपावली नहीं मनाई, लेकिन आपके परिवार ने पूरे उत्साह से दीपावली मनाई, इसलिए मैं आपसे कहना चाहता हूँ कि आपके सामने पश्चाताप का मौका था और आपने उस मौके को खत्म कर दिया है।

श्री अधिष्ठाता-

अब आप स्थानीय कोई समस्या हो तो बता दीजिए।

डॉ0 शलभ मणि त्रिपाठी-

मान्यवर, मुझे बस एक मिनट दे दीजिए।

(विपक्ष के कई सदस्यों के एक साथ बोलने पर व्यवधान)

श्री अधिष्ठाता-

कृपया समाप्त करें। सभी को बोलना है। आपकी कोई स्थानीय समस्या हो तो बता दीजिये।

डॉ0 शलभ मणि त्रिपाठी-

मान्यवर, मैं बस एक मिनट में अपनी बात समाप्त करूंगा। न जाने कितनी पीढ़ियाँ चली गयीं न जाने कितने पूर्वज चले गये इस बात की प्रतीक्षा करते-करते कि कब फैजाबाद अयोध्या होगा, कब भगवान राम का भव्य मंदिर बनेगा। मैं कोटि-कोटि अभिनन्दन करना चाहता हूँ देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का, मुख्य मंत्री योगी जी का, जिनके नेतृत्व में यह मौका आया है जब फैजाबाद से अयोध्या हुआ है, भव्य राम मंदिर बनकर खड़ा हुआ है। आपने जो किया था, आप तो वहाँ पर एक दीपक नहीं जलने देते थे।

श्री अधिष्ठाता-

कृपया समाप्त करें। अब आप बैठिये।

डॉ0 शलभ मणि त्रिपाठी-

बस पांच सेकेण्ड में समाप्त करूंगा। भक्ति और अनन्त योग में राम बसे हैं रोम-रोम में, चन्द द्रोहियों को समझाने क्या हम अपने प्राण सौंप दें, राम हुये हैं और रहेंगे कितने और प्रमाण सौंप दें। बहुत-बहुत धन्यवाद। जय श्री राम।

***श्री अशरफ अली खान-**

धन्यवाद अधिष्ठाता महोदया, आपने मुझे महामहिम श्री राज्यपाल जी के अभिभाषण पर बोलने का अवसर दिया इसके लिए मैं आपका आभार व्यक्त करता हूँ। इसी सन्दर्भ में कुछ बिन्दुओं पर सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित कराना चाहता हूँ। मैंने महामहिम श्री राज्यपाल जी का 40 पन्नों का अभिभाषण बड़े गौर से पहले सुना और सुनने के बाद उसको पढ़ा है। मैं इसी पर कुछ बोलना चाहता हूँ। हमारे प्रदेश में रोजगार एक बहुत बड़ी समस्या है जो एक विकराल रूप धारण कर रही है। मैंने राज्यपाल के अभिभाषण में पेज संख्या-23 पर पढ़ा और देखा है कि उसमें रोजगार के बारे में बहुत कुछ बातें लिखी गयी हैं कि मुख्य मंत्री युवा रोजगार योजना के अन्तर्गत 2018 से अब तक कुल 22 हजार 389 लाभार्थियों को लाभान्वित करते हुये एक लाख 80 हजार रोजगार सृजित किये जा चुके हैं। एक जनपद-एक उत्पाद वित्त पोषण योजना के अन्तर्गत अब तक 13 हजार 597 लाभार्थियों को लाभान्वित करते हुये एक लाख 92 हजार से अधिक रोजगार सृजित कराया गया है। एक जनपद-एक उत्पाद कौशल उन्नयन एवं टूलकिट योजना तथा विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना में लाभार्थियों को टूलकिट उपलब्ध कराते हुये लगभग 04 लाख 08 हजार रोजगार सृजित किये गये हैं। मैं सरकार से यह कहना चाहता हूँ कि यह रोजगार हमारे प्रदेश की 25 करोड़ की आबादी के लिए नाकाफी है। उसका जीता-जागता सबूत यह है कि अभी सरकार ने 60 हजार

---

*वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

244 सिपाहियों की भर्ती निकाली है, उसमें 50 लाख से ज्यादा आवेदन प्राप्त हुये हैं। इस प्रकार एक नियुक्ति के लिये 85 नौजवान खड़े हैं। जो योजनायें इसमें दर्शायी गयी हैं इससे हमारे प्रदेश के नौजवानों को रोजगार मिलने वाला नहीं है। सरकार को चाहिये कि जो हमारे रिक्त पद है उनको भरने का काम करें जिससे हमारे नौजवानों को रोजगार मिल सके जो पढ़-लिखकर सड़कों पर घूम रहे हैं।

आज आप देखें, चाहे नगर पालिका हो, चाहे नगर पंचायत हो, एक-एक अधिशासी अधिकारी के पास 4-5 नगर पंचायतों का चार्ज होता है। हमारे पी0डब्ल्यू0डी0 में, जल निगम में, सिंचाई विभाग में, आर0ई0डी0 में जे0ई0 की बहुत कमी है। मैं यह कहना चाहता हूँ कि सरकार ने जो अभिभाषण महामहिम राज्यपाल जी से पढ़वाया है उससे हमारे प्रदेश के नौजवानों का कोई हित होने वाला नहीं है। बहुत बुरे हालात हैं। हमारे प्रदेश में 46 लाख गन्ना किसान है। सरकार ने बताया है कि गन्ना मूल्य 350 से बढ़ाकर 370 रुपये किया गया है।

मान्यवर, आप पूरे देश में देख लें कि उत्तर प्रदेश में किसान सबसे ज्यादा गन्ने का उत्पादन करता है, लेकिन सबसे कम रेट उत्तर प्रदेश सरकार दे रही है। हरियाणा में 400 रुपये प्रति क्विंटल, पंजाब में 380 रुपये प्रति क्विंटल, उत्तराखण्ड कितना पिछड़ा हुआ प्रदेश है, परन्तु वहां की सरकार वहां के किसानों को 375 रुपये प्रति क्विंटल गन्ने का भाव दे रही है। किसान को एक क्विंटल गन्ना पैदा करने में 283 रुपये की लागत आती है और अगर आप स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट को देखें और यह भाजपा सरकार के घोषणा-पत्र में रहा है कि हम गन्ने की लागत का किसान को डेढ़ गुना मूल्य देंगे। इस हिसाब से गन्ने का भाव आज की तारीख में 450 रुपये प्रति क्विंटल होना चाहिए तब जाकर कहीं गन्ना किसान जीवन-यापन कर पायेगा। किसान के बहुत अच्छे हालात नहीं हैं। हमारी मिलों का विस्तारीकरण होना था, लेकिन मिलों का विस्तारीकरण नहीं हुआ है। हमारी प्रदेश सरकार यह बताने का काम करती है कि हमने गन्ना किसानों का पेमेण्ट किया है। मगर आज भी हमारे प्रदेश में एक दर्जन से अधिक चीनी मिलों पर चार हजार करोड़ रुपये से ज्यादा गन्ना किसानों का बकाया है।

हमारा छोटा-सा जिला शामली है, जहां पर तीन शुगर मिल हैं। पिछले साल का 351 करोड़ रुपया शामली जिले की चीनी मिलों पर बकाया है। यह हालात है कहां से किसान जीवन-यापन करेगा, हमारा प्रदेश किस तरह से आगे बढ़ेगा ? किसान इस देश एवं प्रदेश की रीढ़ कहलाता है। अगर उसके साथ यह होगा तो हमारा प्रदेश कैसे तरक्की करने का काम करेगा। चीनी मिलों का विस्तारीकरण नहीं हो पा रहा है। मैंने महामहिम राज्यपाल महोदया के अभिभाषण में पढ़ा है कि परिवहन विभाग द्वारा रक्षाबन्धन पर्व पर प्रदेश की महिला यात्रियों को निगम बसों में निःशुल्क यात्रा प्रदान की गयी थी। मैं पूरे सदन को बताना चाहता हूँ कि जिला शामली में कोई भी परिवहन निगम का बस स्टैंड नही हैं। जब कोई भी बस स्टैंड नहीं है तो

फिर किस रूप में वहां की महिलाओं को यह लाभ मिल पाया होगा। जिला शामली में अवैध खनन होता है जिससे तटबन्ध टूट जाते हैं उस पर कोई कंट्रोल नहीं है। अवैध खनन पर कंट्रोल न होने के कारण तटबन्ध टूटते हैं, बरसात होती है, बाढ़ आती है। पिछले साल इतनी बाढ़ आई कि गांव तक पानी चला गया और वहां की हजारों बीघा फसल बारिश के पानी से नष्ट हो गयी है। मैं सदन में यह कहना चाहता हूँ कि महामहिम राज्यपाल महोदया ने अभिभाषण को पढ़कर सुनाया है उसमें पुलों एवं सेतुओं के बारे में बहुत बताया गया है कि इतने सेतु/पुल एवं इतने कि0मी0 सड़कों का निर्माण कराया गया है। माननीय अधिष्ठाता महोदया जी, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल महोदया जी के अभिभाषण पर बोलने का अवसर दिया उसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री पल्टूराम-

माननीय अधिष्ठाता महोदया जी, आपने उत्तर प्रदेश के राज्यपाल महोदया के अभिभाषण के समर्थन में मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपको बहुत-बहुत हृदय की गहराइयों से धन्यवाद देता हूँ। जब राज्यपाल महोदया, उत्तर प्रदेश के विधान मण्डल के दोनों सदनों को सम्बोधित कर रही थीं उस समय जिस तरह का समाजवादी पार्टी के माननीय सदस्यों का व्यवहार था उस व्यवहार की जितनी भी निन्दा की जाए वह कम है। मुझे वह दिन याद है कि दिनांक 2 जून 1995 की घटना को आज 28 साल पूरे होने के बाद भी समाजवादी पार्टी के कार्य एवं व्यवहार में कोई परिवर्तन नहीं आया है। जिस तरह से दिनांक 2 जून, 1995 को दलित समाज की बेटी जो एक मुख्य मंत्री पद के लिए आगे बढ़ रही थी।

उनकी जान लेने की कोशिश समाजवादी पार्टी के लोगों ने की थी और आज इतने लम्बे समय के बाद भी देश और दुनिया कहां पहुंच गयी है, हमारी सभ्यता और तरक्की कहां पहुंच गयी है, लेकिन समाजवादी पार्टी के व्यवहार में कोई परिवर्तन नहीं आया है। हमें वह भी दिन याद है जब 22 जनवरी को अयोध्या में भगवान श्रीराम लला के प्राण-प्रतिष्ठा का कार्यक्रम चल रहा था, देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी, अपने सधे कदमों से गर्भगृह की ओर बढ़ रहे थे, तब लोग कह रहे थे 'रामभक्त ले चला, भगवान राम की निशानी।' भगवान राम के अस्तित्व पर सवाल उठाने वालों, आज माता शबरी के वंशज पल्टूराम को यह गर्व है कि मेरे माता-पिता ने अशिक्षित होकर भी मेरे नाम के आगे राम लगाने का काम किया। आज पल्टूराम माता शबरी का वंशज महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट के विमान से ज्ञानवापी से होते हुए मथुरा की तरफ कूच कर रहा है। कोई रोक नहीं सकता है। नरेन्द्र मोदी और योगी दो ऐसे सन्त हैं जिनके बारे में सिर्फ यही कहा जा सकता है कि जब भगवान गौतमबुद्ध बाल्यावस्था में सिद्धार्थ की भूमिका में राजमहल के सामने बैठे थे और उनको सामने दो दृश्य मिले। एक दृश्य मिला कि चार आदमी एक अर्थी पर राम नाम सत्य का नारा लगाते

हुए उसे ले जा रहे थे। महाराज ने अपने दरबारी से पूछा कि ये क्या है ? दरबारी ने बताया कि इनका देहान्त हो गया है उन्हें अन्तिम संस्कार के लिए ले जा रहे हैं। महाराज सिद्धार्थ ने पूछा कि आदमी मरता भी है क्या ? उन्होंने कहा, हां, महाराज ! आदमी का एक समय आता है जब वह अन्तिम सांस ले लेता है।

दूसरा दृश्य उन्होंने देखा कि एक आदमी चारपाई पर दो लोग अस्पताल ले जा रहे थे। उन्होंने पूछा कि ये क्या है ? तब दरबारी ने कहा कि महाराज, ये बीमार है। भगवान गौतमबुद्ध सिद्धार्थ की भूमिका में सत्य की खोज में निकले कि आदमी मरता क्यों है और आदमी बीमार क्यों होता है ? और आगे चलकर उन्होंने बुद्धत्व की प्राप्ति की। इसलिए मैं कहना चाहता हूँ कि मोदी और योगी जी ने गरीबी के उस कारण को देखा कि गरीबी होती क्यों है? मैं उसी विषय किसान और गरीबी पर आ रहा हूं। गरीबी का कारण है, जब गरीब समाज के लोगों का पेट नहीं भरता है, गरीब समाज के लोग जब शिक्षा से वंचित रहते हैं तो समाज के अकारण कार्यों में मिलकर अपने जीवन को बर्बाद करने का काम करते हैं। इसलिये डॉ0 बाबा साहब भीमराव आम्बेडकर, जिन्होंने इस देश को संविधान देने का काम किया, पं0 दीन दयाल उपाध्याय, जिनका संकल्प था अन्त्योदय, संत गाडगे जी महाराज जी ने तो यहां तक कहा कि यदि हमें अपने समाज के लोगों को शिक्षित करने के लिये अपनी थाली भी बेचनी पड़े और हथेली पर खाना पड़े तो भी हम अपने समाज के लोगों को शिक्षित करने का काम करेंगे। आज देश के यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी जी और योगी जी ने समाज में व्याप्त उन कुरीतियों को देखने का काम किया जब आज बलरामपुर जैसे पिछड़े जनपद में माँ पाटेश्वरी के नाम से विश्वविद्यालय खुला कर हमारे बाबा साहेब भीमराव आम्बेडकर और संत गाडगे जी महाराज के सपनों को पूरा करने का काम किया। आज गरीब समाज के लोग जो भूख के कारण, गरीबी के कारण, चोरी-डकैती जैसे अनैतिक कार्यों में लिप्त होने का काम करते थे, आज हमारी सरकार ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के माध्यम से महीने में दो-दो बार निःशुल्क राशन देकर उनके बच्चों के पेट को पालने का काम किया है। आज गरीब समाज के लोग आप नहीं समझोगे गरीब की पीड़ा को, गरीब की पीड़ा को मैं समझ सकता हूँ क्योंकि मैं गरीब समाज में पैदा हुआ हूँ।

आज गरीबी को खत्म करने के लिए हमारी सरकार ने प्राथमिक स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों के लिए मिशन कायाकल्प योजना के तहत उन विद्यालयों को भी अंग्रेजी माध्यम के विद्यालय की तुलना में खड़ा करने का काम किया है। आज उन विद्यालयों में गरीब समाज के लोग पढ़ने जाते हैं और आज मैं गर्व से कह सकता हूँ कि डाक्टर अम्बेडकर के रास्तों पर चल करके, आज शिक्षा की तरफ हमने ध्यान दिया तो मेरे बेटे ने भी पीसीएस (जे) की परीक्षा को क्वालीफाई किया, आज मैं गर्व से कह सकता हूँ। मेरे छोटे भाई ने समाजवादी पार्टी के पीरियड में लेखपाल की परीक्षा दी थी। उस समय इण्टरव्यू की प्रक्रिया थी। उस समय के

तत्कालीन जिलाधिकारी से जब मैं मिलने गया तो उन्होंने कहा पल्टूराम जी, मैं मजबूर हूँ, आपके भाई ने परीक्षा तो क्वालीफाई की है, लेकिन सूची ऊपर से आती है, मैं मजबूर हूँ। आज लेखपाल की जो सूची आयी है, उसमें हमारे भाई ने क्वालीफाई किया है। अधिष्ठाता महोदया, आज बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर और पं0 दीनदयाल उपाध्याय के सपनों को साकार करने के लिए नरेन्द्र मोदी जी का भारत, एक विकसित भारत, एक शिक्षित भारत की तरफ चल पड़ा है। आपने मुझे माननीय श्री राज्यपाल जी के अभिभाषण पर बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं पुनः आपको बहुत-बहुत धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ।

श्री विवेकानन्द पाण्डेय-

माननीय अधिष्ठाता महोदया, आपने मुझे श्री राज्यपाल जी के अभिभाषण के समर्थन में बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपका आभारी हूँ। आज पूरा सदन जबसे चर्चा शुरू हुई है, राम-मय हो गया है। 22 जनवरी को देश में ही नहीं, पूरे विश्व के कई देशों में झाँकियाँ निकाल कर, भण्डारे चलाकर और भगवान राम जब अपने भव्य राम मन्दिर में विराजमान हो रहे थे, पूरी दुनिया उसकी साक्षी बनी और 2024 इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गया तथा 2024 हम लोगों के जीवन का एक यादगार पल बन गया। यह शुभ अवसर देश की न्यायपालिका, देश के यशस्वी प्रधानमंत्री और उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्य मंत्री परम् पूज्य योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में, उनके संरक्षण में सम्भव हुआ। अभी हमारे विपक्ष के कुछ साथी इस पर चर्चा कर रहे थे। कभी एक समय था, जब हम लोग चलते थे तो मीडिया के कुछ साथी भी पूछते थे, 'राम लला हम आयेंगे, मन्दिर वहीं बनायेंगे, लेकिन तारीख नहीं बतायेंगे।' लेकिन तारीख भी पता चली और भव्य राम मन्दिर भी बन गया। कार-सेवा के लिए जब रामभक्त गए तो उस समय की तत्कालीन सरकार के अधिकारियों/कर्मचारियों ने गोली चलायी और राम भक्तों पर गोली चली। लेकिन अभी के हमारे एक समाजवादी साथी ने कहा कि गोली मारी गयी। हम यह चाहेंगे कि हमारे भाई साथी ने जो यह कहा है कि गोली मारी गई, हम जैसे राम भक्त, पूरे देश और पूरे विश्व के लोग जब यह सुनेंगे कि विधान सभा में एक पार्टी के विधायक ने यह शब्द कहा है कि 'गोली मारी गई' तो निश्चित रूप से हमारी और इस विधान सभा की स्थिति क्या होगी, निश्चित रूप से हमारे साथी भाई को इसके लिए क्षमा माँगनी चाहिए, उस विषय को वापस लेना चाहिए जो उन्होंने कहा कि गोली मारी गई। भगवान राम हमारे कण-कण में हैं। भगवान राम हमारे आदर्श हैं। हम हर व्यवहार में, जब हम सड़क पर चलते हैं और किसी से कहते हैं, तब भी राम-राम भाई कहते हैं। किसी से मिलते हैं या फिर हाल-चाल लेते हैं तो भी राम-राम कहते हैं। राम हमारे जीवन में हैं और हमारे कण-कण में हैं और वह हमारे आदर्श भी हैं।

आज हमारा प्रदेश परम् पूज्य योगी आदित्यनाथ महाराज जी के नेतृत्व में और हमारे आज सभी विभागों के मंत्रीगणों के नेतृत्व में अपना प्रदेश देश में कई जगहों पर नम्बर एक के

स्थान पर है, चाहे वह क्षेत्र कोई भी हो और जी0एस0टी0 रजिस्ट्रेशन में भी हमारा प्रदेश सबसे आगे जा रहा है। हमारा प्रदेश दुग्ध उत्पादन में आलू और कृषि के क्षेत्र में प्रथम स्थान पर जा रहा है, प्रधानमंत्री आवास में प्रथम स्थान पर जा रहा है, ऐसे कई क्षेत्रों में हमारा जो प्रदेश है, वह बदल रहा है। आज मुझे अपने प्रदेश के ऊपर बात कहते हुए गर्व हो रहा है कि यह देश का पहला प्रदेश है जहां पर छः एक्सप्रेस-वे और पांच अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट बनने के लिए देश का पहला प्रदेश हमारा उत्तर प्रदेश हो रहा है, जो कि परम् पूज्य आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में और देश के यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी जी के मार्ग-दर्शन में हो रहा है। हमारी सरकार जब वर्ष 2017 से आई उसके बाद से जो प्रदेश में परिवर्तन हुआ, चाहे वह क्षेत्र कोई भी हो जीरो टॉलरेंस की हमारी जो नीति है या हमारा थाना दिवस हो, हमारा तहसील दिवस हो, हमारा आई0जी0आर0एस0 हो हर क्षेत्र में जो हमारी जीरो टॉलरेंस की नीति है और हर क्षेत्र में सरकार का जो प्रयास है या वर्ष 2017 के बाद जो प्रदेश में परिवर्तन हुआ हो चाहे वह शिक्षा का क्षेत्र हो, क्योंकि शिक्षा के क्षेत्र में बेसिक विद्यालय के जो बच्चे हैं उनके खाते में डायरेक्ट 12 सौ रुपए दिए जा रहे हैं। आज के इस बदलते प्रदेश में हम सब काम कर रहे हैं। पहले के समय में बिजली के लिए कितनी समस्याएं होती थीं, लेकिन आज के समय में जो बिजली में परिवर्तन हुआ और सड़क में जो परिवर्तन हुआ है और हर क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास जैसी योजना में हमारा प्रदेश नम्बर वन में आ गया। पूरे देश में प्रथम स्थान पर आने वाला हमारा प्रदेश है, हम सौभाग्यशाली हैं कि उत्तर प्रदेश को यशस्वी मुख्य मंत्री परम् पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज और देश के यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में हमारा प्रदेश बदल रहा है और निश्चित रूप से आने वाला समय हमारे लिए और बेहतर होगा और वर्ष 2017 के पहले के समय को याद करिए और उसके बाद के समय को याद करिए हर क्षेत्र में आपको परिवर्तन दिख जाएगा।

अधिष्ठाता महोदया, मैं आपसे अनुरोध करूंगा कि विकास हो रहा है और हमारे क्षेत्र की कुछ प्रमुख समस्याएं हैं, यहां पर काम तो हुआ है, लेकिन और बेहतर तरीके से काम करने की जरूरत है, क्योंकि वर्ष 2017 के पहले यहां पर कोई ध्यान नहीं देता था। हमारी नारायणी की उस पार की चार हमारे विधान सभा की और तीन हमारे महराजगंज जिले के पड़ोसी जिले की ग्राम सभा सात ग्राम सभाओं के जाने के लिए आजादी के बाद वहां लाइट की व्यवस्था नहीं थी जब वर्ष 2022 में हमारे परम् पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज और ऊर्जा मंत्री ए0के0 शर्मा जी के प्रयास से उन गांवों को लगभग बीस करोड़ रुपए देकर सोलर लाइट से पूरे गांव को बदलने का काम किया गया, बिजली देने का काम किया गया। उसी तरह उस गांव को पक्की सड़क देने के लिए माननीय मुख्य मंत्री जी ने मण्डलीय बैठक में हम लोगों को संकेत दिया और कहा भी कि इस साल के बजट में उस पीपे के पुल पर पक्के पुल का निर्माण होगा

और हम माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपके माध्यम से कहना चाहेंगे कि उस आजादी के बाद उस नारायणी के किनारे जो हमारी विधान सभा का मुकुट है उन लोगों के लिए माननीय मुख्य मंत्री जी ने भी दो तारीख को मण्डलीय बैठक में कहा कि नारायणी के पीपा पुल पर पक्का पुल बनेगा उसको बनवाया जाएगा जो बहुत दिनों से आजादी के बाद से पेण्डिंग पड़ा हुआ है। इसी प्रकार हमारी छितौनी चीनी मिल जो कि पूर्व की सरकारों में उसको बेच दी गई और अब बन्द पड़ी हुई है। हमारी सरकार में हमारे क्षेत्र में एक नई चीनी मिल पिपराइच है जिससे किसानों को बहुत सहूलियत मिली। हमारे किसान भाइयों का ख्याल रखते हुए गन्ने का रेट बीस रुपए बढ़ाया गया इससे किसान हमारे खुशहाल हुए होंगे, लेकिन पूर्व की सरकार के द्वारा हमारी छितौनी चीनी मिल जो बन्द कर दी गई है हम आपके माध्यम से चाहेंगे कि हमारे क्षेत्र का छितौनी एक बड़ा नगर पंचायत क्षेत्र है जहां चीनी मिल की व्यापक जमीन है उस छितौनी मिल को चालू कराया जाए और इसी के साथ-साथ छितौनी में एक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र है उसका उच्चीकरण करके सी0एच0सी0 का रूप दिया जाए। इसी प्रकार नौरंगिया में एक हमारी विधान सभा में अन्तिम गांव नौरंगिया और कटाई भटपुरवा है जहां पर स्वास्थ्य सुविधा है, कम्युनिटी हेल्थ सेण्टर है, लेकिन वहां एक पी0एच0सी0 दिया जाए। हमारे क्षेत्र के विकास के लिए परम् पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज और लोक निर्माण मंत्री आदरणीय जितिन प्रसाद जी और ऊर्जा मंत्री एवं नगर विकास मंत्री आदरणीय ए0 के0 शर्मा जी के आशीर्वाद से क्षेत्र का विकास हो रहा है।

श्री अशोक कुमार-

धन्यवाद महोदया, आदरणीय श्री राज्यपाल जी के अभिभाषण पर चर्चा में भाग लेने के लिए समय देने के लिए मैं आपका आभार व्यक्त करता हूँ। हमारा पूरा प्रदेश इस समय राममय हो गया है। मैं दो पक्तियों से आरम्भ करूँगा 'प्रबिसि नगर कीजे सब काजा, हृदय राखि कौशलपुर राजा' और मैं इन्हीं लाइनों के साथ अपने विपक्ष के साथियों से अनुरोध भी करूँगा कि यदि आप भी अपने हृदय में प्रभु श्रीराम को बसा लेंगे तो निश्चित रूप से जो रामराज्य की कल्पना हमारे आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने की है और हम सब उसको करते हैं वह परिकल्पना पूरी होगी और हमारा देश विकसित होगा। संसार में हमारे देश का नाम होगा और हम विकसित राष्ट्र की श्रेणी में खड़े होंगे यह निश्चित हो पाएगा। महोदया, पिछले कई दिनों से ऐसी चर्चाएँ मैं न्यूज के माध्यम से सुनता रहा और विपक्ष के हमारे बहुत सारे साथियों ने भी कहा कि भगवान राम का मंदिर बनने से क्या होगा, राम के आने से क्या होगा ? मैं उन सबको यह बताना चाहूँगा कि जब राम अयोध्या आएंगे और अब तो आ गये हैं। राम आएंगे तो अयोध्या में रोजगार भी लाएंगे। राम आएंगे तो अयोध्या में व्यापार भी लाएंगे, राम आएंगे तो अयोध्या में विकास भी लाएंगे और पूरे उत्तर प्रदेश में विकास की गंगा भी बहाएंगे। महोदया,

हमारी सरकार जिस मूल मंत्र पर चलती है वह है सबका साथ, सबका विकास। मैं अपने विधान सभा क्षेत्र में लगभग दो हफ्ते पहले राशन की कुछ दुकानों का निरीक्षण करने गया तो वहाँ मैंने देखा कि समाज के सभी वर्गों को समान रूप से वहाँ पर राशन का वितरण हो रहा था। बहुत सारे मेरे मुस्लिम भाई भी वहाँ पर थे, मैंने उनसे पूछा कि आपके साथ कोई भेद-भाव तो नहीं हो रहा है तो उन्होंने कहा कि नहीं जी बिल्कुल नहीं हो रहा है और मोदी जी तथा योगी जी की सरकार में हम सबको बिना भेद-भाव के राशन भी मिल रहा है और बिना भेद-भाव के हमें आवास भी मिल रहा है, पेंशन भी मिल रही है और नये रोजगार के सृजन भी हो रहे हैं। ऐसे सारे काम बिना भेद-भाव के हो रहे हैं, तो जो हमारी सरकार का मूल मंत्र है, 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' और जो कि पूरा होगा सबके प्रयास से। हम यह चाहते हैं कि सबका प्रयास जब समाहित हो जाएगा तो निश्चित रूप से हमारा प्रदेश देश में और विश्व में अपना एक नया नाम, नया कीर्तिमान स्थापित करेगा।

महोदया, अयोध्या की बात होती है। आज हम देखें तो प्रदेश के कोने-कोने से और देश को भी अयोध्या से जोड़ने के लिए जितने भी काम किये जा रहे हैं चाहे वह वाटर-वे से जोड़ने का काम हो, चाहे एक्सप्रेस-वे से जोड़ने का काम हो, चाहे हवाई यात्राओं से जोड़ने का काम हो। मैं तो लगभग 18 साल एविएशन में नौकरी भी करके आया हूँ। इतनी तेजी से देश में कभी एयरपोर्ट नहीं बने, जितने पिछले 9 से 10 सालों में बन गए। मैं जब उत्तर प्रदेश लखनऊ में अपनी पोस्टिंग पर आया तो केवल दो ही ऐसे एयरपोर्ट थे जो अन्तर्राष्ट्रीय रूप से यहाँ पर संचालित थे, लेकिन भला हो आदरणीय योगी जी का और मोदी जी का कि उत्तर प्रदेश जैसे पिछड़े हुए राज्य को आज सबसे ज्यादा एयरपोर्ट के राज्यों की श्रेणी में लाकर खड़ा कर देने वाले ऐसे युग पुरुष आदरणीय योगी जी और मोदी जी को हम सब धन्यवाद देते हैं कि केवल हवाई जहाज की यात्राओं से या एयर कनेक्टिविटी के थ्रू ही नहीं, एक्सप्रेस-वे हों, चाहे सड़कें हों, नेशनल हाई-वे हों, स्टेट हाई-वे हों, सड़कों का चौड़ीकरण हो, वॉटर-वे का संचालन हो, इन सबमें आज उत्तर प्रदेश नम्बर वन पर चल रहा है। महोदया, हमारे आदरणीय मुख्य मंत्री जी, हमारी सरकार सदैव गांव, गरीब, किसान, नौजवान, हमारी मातृशक्ति सबकी निरन्तर चिन्ता करती है और सबके बारे में सोचती है।

महोदया, मेरी अपनी क्षेत्र की कुछ समस्याएं ऐसी हैं, जिनको मैं यहां सदन में रखना चाहूंगा। पिछली बार भी मैंने इन समस्यओं को सदन में रखा था, लेकिन इन समस्याओं को यहां रखने के साथ-साथ मैं एक सुझाव भी आपके माध्यम से देना चाहूंगा कि हम जितने भी सदस्य यहां पर अपनी समस्याओं को किसी नियम के अन्तर्गत या प्रश्न के अन्तर्गत लिखकर देते हैं, तो जब जिले में उनका निरीक्षण करने के लिए वहां के अधिकारी या कर्मचारी जाते हैं, मैं कहना चाहूंगा कि हमारी चिट्ठी जब जाती है, तो उस पर कम से कम संज्ञान लेकर अगर

उनकी कोई टीम वहां काम का निरीक्षण करने जा रही है, तो हमें भी एक बार सूचित कर दें और वहां हमें या हमारे किसी प्रतिनिधि को साथ लेकर चले जाएंगे तो वहां का जो स्थलीय निरीक्षण होगा, वह ज्यादा अच्छी तरह से हो पायेगा, क्योंकि बहुत सारे अधिकारी ऐसे भी हैं जो गूगल से और एरियल व्यू से ही वहां बैठे-बैठे सारी जानकारी निकाल लेते हैं और स्थलीय निरीक्षण न होने की वजह से जो रिपोर्टिंग होती है, वह निगेटिव हो जाती है। ऐसे कई सारे काम मैंने पिछले दो सदनों में नियमों के द्वारा लगाये थे, लेकिन उसमें निगेटिव रिपोर्टिंग आने की वजह से मेरे वह प्रस्ताव पास नहीं हो पाये। मैं यहां सदन में फिर से उन समस्याओं को रखना चाहूंगा। हमारे यहां सई नदी पर ग्राम सभा हाजीपुर और माधवपुर ननईया के बीच में एक पुल हमने मांगा था और यह पुल मेरे पिता जी के समय से ही, जब वह इस सदन के सदस्य पहली बार वर्ष 1991 में बने थे, तबसे उस पुल की मांग चल रही है। अगर यह पुल बन जाता है, तो लगभग 1 लाख लोगों को वह लाभान्वित करेगा।

महोदया, मेरी मांग है कि इस पुल के लिए फिर से स्थलीय निरीक्षण कराया जाये, क्योंकि यहां के अधिकारियों के पास जब मैं गया तो उन्होंने कहा कि हमने गूगल से उसका एरियल व्यू निकाल लिया है और वह मानक में नहीं आता है, लेकिन मानकों में फिर से बदलाव भी किये गये हैं, वह पुल नये मानक में आ जायेगा। इसका एक बार फिर से निरीक्षण कराकर यदि उसकी पॉजिटिव रिपोर्टिंग हो जाये तो वह पुल बन जाये, जिससे लगभग 1 लाख की आबादी वहां पर उस पुल से लाभान्वित होगी। साथ ही हमारे यहां एक सूची ग्राम सभा है, जो सलोन ब्लॉक के अन्तर्गत आती है। हमारे यहां सलोन ब्लॉक की जनसंख्या लगभग 2 लाख 13 हजार है। सरकार का मानक है कि 75 हजार से 1 लाख की जनसंख्या की आबादी वाले क्षेत्र को हम नया ब्लॉक बना सकते हैं। मैंने पिछली बार भी सूची को ब्लॉक बनाने की मांग की थी। वहां पर सलोन ब्लॉक की 4 न्याय पंचायतें हैं ....

श्री अधिष्ठाता-

माननीय सदस्य आप जल्दी खत्म कर लीजिए आपका समय समाप्त हो रहा है।

श्री अशोक कुमार-

महोदया, और रायबरेली सदर की एक ग्राम पंचायत को जोड़ दें तो उसको भी ब्लॉक बनाया जा सकता है। हमने इससे पहले एक पी0एच0सी0 सेण्टर ग्राम सभा गिरनावां में और एक पी0एच0सी0 सेण्टर ग्राम सभा सूची में मांगा था, इसकी बहुत ही जरूरत है। नसीराबाद में हमारा एक हाई स्कूल है, जिसके लिए हमने इण्टर कालेज का उच्चीकरण करने की मांग की थी, लेकिन वहां पर भी रिपोर्ट गलत आ गयी है। मैं वहां के डी0आई0ओ0एस0 के साथ बैठा था तो उन्होंने वही गलती की है कि गूगल से उन्होंने एरियल व्यू निकाल लिया और एक तरफ की दूरी उन्होंने 5.1 किलोमीटर और दूसरी तरफ की दूरी 7 किलोमीटर दिखा दी है। सरकार

के मानक में यह नियम है कि 7 किलोमीटर से कम की दूरी पर हम इण्टर कालेज नहीं दे सकते हैं, लेकिन मैंने उनके सामने स्वयं अपने टैबलेट पर उनको गूगल मैप पर निकालकर वह एरियल व्यू फिर से दिखाया तो जो नसीराबाद से जायस की दूरी है .....

श्री अधिष्ठाता-

आप बाकी की डिटेल्स लिखित में दे दीजिएगा, जल्दी खत्म कर दीजिए।

श्री अशोक कुमार-

महोदया, वहां का इण्टर कालेज लगभग 8.1 किलोमीटर दूर और दूसरा जो विद्यालय है, वह करीब 7.8 किलोमीटर है। यह भी मानक में आता है, तो उसको भी ले लिया जाये। मेरी विधान सभा क्षेत्र की एक बहुत बड़ी मांग है, वह डीह ब्लॉक के अन्तर्गत ग्राम सभा रोखा से गिरनावां की लगभग साढ़े 5 किलोमीटर की सड़क है, महोदया, इसमें भी पी0डब्लू0डी0 के अधिकारियों ने जो रिपोर्ट लगायी है, वह ठीक नहीं लगायी है।

श्री अधिष्ठाता-

आप डिटेल बाद में बता दीजिएगा, बस प्वाइंट्स बता दीजिए।

श्री अशोक कुमार-

अगर वह मुझसे से मेरे किसी प्रतिनिधि को साथ में लेकर जाते तो वह इसको यहां पूरी तरह से समझ सकते थे। मैं आपके माध्यम से यह मांग करूँगा कि मेरे इन क्षेत्र की जो समस्याएं हैं, इनका निराकरण कराने के लिए एक बार फिर से इनका संज्ञान लिया जाये। बहुत-बहुत धन्यवाद, जय श्रीराम।

श्री अधिष्ठाता-

आपका धन्यवाद। माननीय चन्द्र प्रकाश लोधी जी नहीं हैं। माननीय दुर्गा प्रसाद यादव जी।

श्री दुर्गा प्रसाद यादव-

माननीय अधिष्ठाता महोदया, आपने महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण पर मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपका बार-बार आभार प्रकट करता हूं। सदन में आज धर्मों के नाम पर राजनीति की जा रही है। मैं 1985 से देख रहा हूं, तब ऐसी बात नहीं थी। सदन में पक्ष और विपक्ष के सदस्यों को जनता चुनकर भेजती है कि आप वहां जाइये और हमारी बात को उठाइये। सत्ता पक्ष हो चाहे विपक्ष हो, यहां पर जो जनप्रतिनिधि चुनकर आए हैं उन सबको विकास और कानून व्यवस्था की बात करनी चाहिए। धर्म सबका है, राम हम सब लोगों के हैं, भगवान हम लोगों को उपदेश देते हैं, उनका बंटवारा नहीं करना चाहिए। अगर प्रश्न उठाना है तो विकास के लिए उठाइये, कानून व्यवस्था पर उठाइये। जब इस तरह से प्रश्न उठायेंगे तब जा करके प्रदेश का सुधार होगा। माननीय अधिष्ठाता महोदया, मैं कहना चाहता हूँ

कि ये लोग सरकार की नीतियां व योजनायें बना करके महामहिम राज्यपाल को देते हैं और वह उसको पढ़कर अभिभाषण के रूप में हमें सुनाती हैं। 40 साल से लगातार मैं यह सब देख रहा हूँ, परन्तु इस तरह का मैंने पहली बार सुना जब हल्ला हो रहा था तो उन्होंने यह कह दिया कि अबकी बार शून्य हो जाओगे। मैं महामहिम पर कोई आक्षेप नहीं लगा रहा हूं, मगर महामहिम राज्यपाल सबकी होती हैं, सत्ता पक्ष की भी और हम विपक्ष के लोगों की भी। यह सत्य है, लेकिन मैं उस पर नहीं जाना चाहता हूं। हम विकास की बात करें, कानून व्यवस्था की बात करें, गरीब तबके के जो बच्चे हैं, चाहे पिछड़ी जाति के हों, चाहे दलित हों या अल्पसंख्यक हों, वह लोग तैयारी करके पढ़ते हैं और जब जगह निकाली जाती है तो उसमें पिछड़ी जाति का, गरीब का और अल्पसंख्यक का कोटा नहीं रहता है।

बाबा साहब ने संविधान बनाया है कि सबका सम्मान और सबका अधिकार, लेकिन बाबा साहब के संविधान के अनुसार आज यह सरकार काम नहीं कर रही है। इस सरकार को काम इसलिए करना चाहिए, क्योंकि देश को आजाद करने में सबकी भूमिका रही है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी से ले करके सुभाष चन्द्र बोस तक सबने लड़ करके, गोलियां खा करके देश को आजाद कराने का काम किया है। जिस समय देश आजाद हुआ तब राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था कि जो हमारी चुनी हुई सरकार आ रही है, उन सरकारों की जिम्मेदारी है कि वह रोटी, कपड़ा, मकान, शिक्षा और स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दें। परन्तु सरकार उस पर नहीं जा रही है। एम0बी0बी0एस0 डॉक्टर बनने के लिए अगर सरकारी मेडिकल कालेज मिल जाता है, तब तो ठीक है, नहीं तो एम0बी0बी0एस0 की पांच साल की फीस को अगर जोड़ा जाय तो वह एक करोड़ रुपये से ज्यादा पड़ जाती है। इतने धन की व्यवस्था कहां से हो पायेगी। इनकी मंशा है कि हमारा पैसा बढ़ाओ, जो 100 साल पहले हिंदुस्तान था उसमें ले जा करके ये खड़ा करना चाहते हैं।

यह नहीं होना चाहिए। देश की आजादी में सबका सम्मान होना चाहिए। हमारे देश के माननीय प्रधानमंत्री जी ने भी कहा कि सबका साथ और सबका विकास होना है। मगर उस पर कहाँ काम किया जा रहा है ? ये तो इस चक्कर में पड़े हैं कि पिछड़ी जाति के, दलित के, अल्पसंख्यक के बच्चे आगे न पढ़ सकें। अरे जो दिन भर मजदूरी करके अपने परिवार को चलाने का काम कर रहा है, प्रयास कर रहा है, उसका बेटा अगर अधिकारी बनना चाहता है तो उसकी फीस इतनी बढ़ा दी है, छात्रवृत्ति भी नहीं मिल रही है। गरीब तबके के बच्चों को, लड़कियों को भी नहीं मिल रहा है। उनका सम्मान रहना चाहिए। मंशा है कि जब गरीब का बेटा, पिछड़ी जाति के बच्चे और अल्पसंख्यक के बच्चे नहीं पढ़ पायेंगे, तो हमारी बात को मानेंगे। जब ये पढ़कर होशियार हो जायेंगे, तब हमारी बात को नहीं मानेंगे और वह अपना अधिकार माँगेंगे। राजनाथ सिंह जी मुख्य मंत्री थे, आपके कल्याण सिंह जी थे, तब ऐसी कोई

बात नहीं हुई। मैं यही कहना चाहता हूँ कि उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाना है तो गरीब तबके के लोगों को सम्मान दीजिए और उनकी जो फीस बढ़ी है, उसको माफ करिये।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय सदस्य, समय हो गया है, समराइज कर लीजिए, क्योंकि और लोगों को भी बोलना है।

श्री दुर्गा प्रसाद यादव-

माननीय अधिष्ठाता जी, अभी और थोड़ा बोलने का मौका दे दीजिए।

श्री अधिष्ठाता-

एक मिनट और ले लीजिए, समराइज कर लीजिए।

श्री दुर्गा प्रसाद यादव-

माननीय अधिष्ठाता जी, मैं आजमगढ़ के अपने क्षेत्र की बात करना चाहता हूँ, प्रदेश की बात करना चाहता हूँ। वह जो अस्पताल है, अस्पतालों में लखनऊ से डुप्लीकेट दवा मँगाते हैं, वह अच्छी कम्पनी की नहीं होती है। अगर कोई गरीब अस्पताल गया तो उसको डाक्टर देख करके बाहर की दवा लिख देगा और जब वह बाहर की दवा लिख देगा तो गरीब का बेटा असमर्थ है, जिसके पास भाड़ा नहीं है कि वह आजमगढ़, बी0एच0यू0 या लखनऊ आ सके। मैं सरकार से यह माँग करता हूँ, सरकार के पास निधि है, माननीय मुख्य मंत्री जी की निधि है। उसको जो दिया जाता है, आधा दिया जाता है और आधे में वह व्यवस्था नहीं कर सकता है। इसलिए पूरा पैसा सरकार देने का काम करे। हम विधायकों को 25-25 लाख रुपये इलाज के लिए मिलते हैं, यह पैसा कम है। अगर हम एक-एक लाख रुपया ही देंगे तो वह 25 लोगों के लिए ही होगा। हम चाहते हैं कि इस राशि को बढ़ा दिया जाये। हर माननीय सदस्य को बीमारी के लिए कम से कम 1 करोड़ रुपये अलग से बजट देने का सरकार काम करे। यह होना चाहिए, मगर नहीं हो पा रहा है। इसी तरह से आज पूरे उत्तर प्रदेश में बिजली की समस्या है। जो प्लांट लगे हैं, जो बिजली पैदा करते हैं, हमारी सरकार में माननीय अखिलेश यादव जी जब मुख्य मंत्री थे, तब उन्होंने कई बिजली के प्लांट बनवाकर जनता को समर्पित करने का काम किया था, आज उसी से जनता के बीच में बिजली जा रही है। आज गाँव में शिकायत रहती है कि ठण्डक में उनको रात को बिजली दी जाती है, दिन को नहीं दी जाती है। ठण्डक में कई लोग बीमार पड़ गये और कई लोग मर गये। हम यही कहना चाहते हैं कि इस समस्या को देखते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में दिन में बिजली देने का काम करें। गाँवों में चार-पाँच घण्टे, छः घण्टे बिजली आती है। मान्यवर, आज किसान परेशान है, इसलिए मैं कहना चाहता हूँ कि इसकी व्यवस्था करायी जाये।

आजमगढ़ के अस्पताल में एम0आर0आई0 मशीन नहीं है, इसके लिए मैंने मा0 स्वास्थ्य मंत्री जी से भी कहा था। वहाँ भवन बना हुआ है, लेकिन वहाँ पर मशीनें नहीं हैं, डाक्टर्स नहीं हैं। जिला अस्पताल आजमगढ़ में एम0आर0आई0 मशीन नहीं होने से वहाँ के स्थानीय निवासियों को प्राइवेट में ज्यादा पैसा देकर एम0आर0आई0 कराना पड़ता है। गरीब आदमी प्राइवेट में एम0आर0आई0 नहीं करा पाने के कारण मर जा रहा है, इसलिए वहाँ पर एम0आर0आई0 मशीन तुरन्त लगाई जानी चाहिए। अगर ट्रांसफार्मर जल गया है, तो उसकी क्षमता बढ़ाने के लिए बिजली विभाग के पास जायें तो उनके पास धन नहीं है कि तार बदल सके या नया ट्रांसफार्मर लगा सके। बिजली विभाग के जे0ई0 कह देते हैं कि विधायक जी से पत्र लिखवा लाओ। वह विधायक को बदनाम करते हैं। इस पर सरकार को ध्यान देना चाहिए। अगर अस्पताल में दो आदमी आपस में लड़ाई कर लेते हैं तो जो पहले थाने में जायेगा उसकी रिपोर्ट लिखी जायेगी जो बाद में जायेगा उसकी रिपोर्ट नहीं लिखी जायेगी। इस तरह की व्यवस्था पूरे प्रदेश में है। बड़े पैमाने पर तार जर्जर एवं पुराने हैं जिसे बदलने की जरूरत है, क्योंकि सप्लाई समुचित रूप से नहीं हो पाती है।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय सदस्य अब अपनी बात समाप्त करें।

श्री दुर्गा प्रसाद यादव-

मान्यवर, कम-से-कम सीनियरिटी का सम्मान करें।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय सदस्य, आपका पूरा सम्मान है।

श्री दुर्गा प्रसाद यादव-

मान्यवर, आजमगढ़ में सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में भी एम0आर0आई0 मशीन नहीं है। यहाँ भी एम0आर0आई0 मशीन लगाने की आवश्यकता है, क्योंकि मरीजों की संख्या बहुत है। वहाँ पर बहुत अच्छा अस्पताल बना हुआ है, लेकिन डाक्टर्स नहीं हैं और यह सरकार वहाँ पर ध्यान नहीं दे रही है।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 सदस्य अब समाप्त करें।

श्री दुर्गा प्रसाद यादव-

मान्यवर, मेरे विधान सभा क्षेत्र सदर आजमगढ़ के अन्तर्गत टोंस नदी पर पुल न होने से वहाँ के स्थानीय नागरिकों, मजदूरों, बुनकरों को टोंस नदी पार करने हेतु ककरहटा कोल्ह होते हुए ममारखपुर कस्बा से होकर जाना पड़ता है। टोंस नदी पर पुल बनाने की बहुत जरूरत

है। मैंने इसके लिए लिख करके भी दिया था। मा0 अध्यक्ष जी की पीठ से निर्देश भी हुआ था, लेकिन आज तक काम नहीं हुआ है। बिजली विभाग की तरफ से जो जवाब आया था वह भी सही नहीं आया था। जो सड़क बांकेपुर पिच मार्ग से होते हुए जमूरपुर राजभर बस्ती होते हुए मूलनापुर होते हुए चड़ई पिच रोड तक सड़क बहुत खराब है। उसको बनवाने के लिए निर्देश देने की कृपा करें, 15-15 साल से नहीं बन पा रही है। कहने के लिए तो बहुत कुछ है, लेकिन हम अपनी बात सदन में कहते हैं।

श्री अधिष्ठाता-

आप लिखित में दे दीजिये, मा0 कमाल साहब अपनी बात कहिये।

श्री दुर्गा प्रसाद यादव-

हम अपनी बात को सदन के माध्यम से बताने का काम करेंगे। हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष जी की जब सरकार थी तो पूरे प्रदेश में और खास करके आजमगढ़ में बहुत काम हुआ था। आप चाहे इसकी जांच करा लें उसके बाद अगर किसी ने एक ईंट भी रखी हो तो बता दें। आपने बोलने का अवसर दिया इसके लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद।

***श्री कमाल अख्तर-**

मा0 अधिष्ठाता महोदय, आपने महामहिम राज्यपाल महोदया के अभिभाषण पर श्री लालजी वर्मा द्वारा रखे गये संशोधन प्रस्ताव पर बोलने का अवसर दिया, इसके लिए आपके प्रति आभार प्रकट करता हूं। मान्यवर, अभी मैं अपने सत्ता पक्ष के साथियों को सुन रहा था वह जब अपने विचार सदन में रख रहे थे तो ऐसा लग रहा था कि जैसे उत्तर प्रदेश के अन्दर इसके बाद अगली सरकार नहीं बनेगी और जितने काम इस सरकार में और पिछली सरकारों में हुए हैं उसके बाद कुछ काम करने की आवश्यकता नहीं रहेगी। सारी क्रान्ति इस सरकार के अन्दर आ गई है, सारी सड़कें बन गई हैं और सारे बिजली घर बन गये, किसानों का हित हो गया, लेकिन जब भाषण का अन्त होता था तो वही साथी कहते थे कि अभी हमारे क्षेत्रों में बहुत सारी समस्याएं हैं।

(इस समय 05 बजकर 22 मिनट पर श्री अध्यक्ष पुनः पीठासीन हुए।)

जो महामहिम राज्यपाल महोदया का अभिभाषण है, वह एकदम सच से परे है, उन्होंने कहा कि यह सरकार किसानों की सबसे हितैषी सरकार है और इस सरकार ने किसानों के लिए इतने काम किये हैं कि आज पूरे उत्तर प्रदेश के अन्दर किसानों की आय दोगुनी हो गई। पूरे किसान इतने खुश हैं कि जैसे आजादी के बाद किसानों के लिए इतने काम हुए ही नहीं। आप सबने देखा कि अभी देश में मंहगाई चरम पर है, किसान को मिलने वाली कीटनाशक दवाइयां महंगी

*वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

हो गईं, जुताई-बुवाई महंगी हो गई, ढुलाई महंगी हो गई। सात साल से अगर चुनाव नहीं आते तो शायद गन्ने का रेट भी यह सरकार नहीं बढ़ाती और जब बढ़ाया तो केवल 20 रुपए जो कि ऊंट के मुंह में जीरा के समान है। यहां पर जितने भी साथी हैं, हम चाहे कोई भी काम करते हों, लेकिन हमारे परिवार में 95-97 प्रतिशत ऐसे लोग हैं, जो इस जमीन का सीना चीरकर दो वक्त की रोटी खेती, किसानी से पैदा करके अपने परिवार को चलाने का काम करते हैं। अभी कई बीमा योजनाएं चल रही हैं, जो क्रॉप लोन किसान को दिया जाता है, हर लोन के अन्दर 5 हजार रुपए उनको फसल उजड़ने पर मुआवजा दिया जाता है। अभी हमारे क्षेत्र में रामगंगा में बाढ़ आयी, वहां सैकड़ों गांव ऐसे हैं, सरमसरॉय है, चटकाली है, बेगमपुर है, हसनगढ़ी है, कई गांव ऐसे हैं जहां किसानों की हजारों बीघा जमीन बर्बाद हो गई, लेकिन प्रधानमंत्री बीमा योजना और जो सरकार की अन्य योजनाएं चल रही हैं किसी भी योजना के तहत किसी एक किसान को भी बीमा योजना के अन्तर्गत कोई भी पैसा देने का काम नहीं किया गया और जब गये तो बताया गया कि गन्ने की फसल का बीमा कवर है ही नहीं।

हजारों किसानों की फसलें बर्बाद हो गईं, मैंने कई बार यहां सिंचाई मंत्री जी से मांग की कि हर साल बाढ़ की वजह से लाखों किसानों की फसलें बर्बाद होती हैं अगर उस्तापुर से अब्दुल्लापुर तक एक बांध बनवा दिया जाय तो यकीनी तौर पर उस क्षेत्र के लिए राहत का काम होगा, लेकिन अभी तक 7-8 साल के अन्दर कोई बांध नहीं बनवाया गया है। जहां तक सवाल है, मैं मुरादाबाद से आता हूं, मुरादाबाद के अन्दर महामहिम राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में कहा कि एक जनपद एक मेडिकल कॉलेज की योजना, मुरादाबाद उत्तर प्रदेश का सबसे ज्यादा फॉरेन करंसी रेवेन्यू जनरेट करने वाला जनपद है। वहां पर पीतल उद्योग के बहुत बड़े कारखाने हैं वहां पर बहुत मजदूर काम करते हैं, काम की वजह से बहुत सी बीमारी मजदूरों को हो जाती है, लेकिन जब हम लोगों ने सवाल किया कि आपने वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कालेज की जो योजना चलायी है, मुरादाबाद के अन्दर कोई राजकीय मेडिकल कॉलेज आपने क्यों नहीं बनवाया। तो उन्होंने कहा कि यहां पर एक टी0एम0यू0 कॉलेज है उससे सरकार ने टाई-अप किया है। आप जाइये पता कीजिए कि जिन प्राइवेट कॉलेजों से आप टाई-अप करते हैं, उनमें किसी प्राइवेट कॉलेज से कम महंगा इलाज नहीं होता है। वहां पर सी0टी0 स्कैन, एम0आर0आई0 और दूसरे जो इलाज हैं और दूसरे जो ऑपरेशन हैं वह सारे ऑपरेशन उसी महंगाई से होते हैं जो प्राइवेट कॉलेज में होते हैं।

हम लोगों की इतनी मांग करने के बाद भी पूरे मुरादाबाद के गरीब आदमी महंगे अस्पतालों में इलाज कराने को तैयार है और जो अस्पताल बने हुए हैं उन अस्पतालों के अन्दर जाओ और उनसे पूछो कि आपके पास न्यूरोलॉजिस्ट है, बोलते हैं नहीं है, गैस्ट्रोलॉजिस्ट हैं, बोलते हैं कि नहीं है, आपके पास आई स्पेशलिस्ट है, बोलते हैं नहीं है, वहां पर कोई नहीं है

एक अस्पताल के अन्दर डाक्टर बैठा हुआ है, सारे इलाजों की एक ही दवाई है, बस इसलिए डाक्टर साहब बैठे हैं कि आपका मेरा झगड़ा होगा तो आप मुझे पैसा दोगे तो मैं 307 बना दूंगा नहीं दोगे तो 307 भी मैं हटा दूंगा, इसलिए डॉक्टर साहब की पोस्टिंग वहां पर है। अस्पतालों के अन्दर इलाज के नाम पर कुछ नहीं है, मैं आपसे यही मांग करता हूँ कि एक मुरादाबाद के अन्दर मेडिकल कॉलेज बने, जिससे कि गरीब लोगों को सस्ता इलाज मिल सके। पी0डब्ल्यू0डी0 मिनिस्टर साहब यहां पर बैठे हैं, एक नगर पंचायत है अगवानपुर और बराबर में खादर में राम गंगा के पार लगभग 40-50 गांव हैं, हम लोगों ने कहा कि चिरागी के ऊपर पैन्टून पुल बना दीजिए, वहां पर जो पुराना चक्का पुल का सामान पड़ा हुआ है, लेकिन आज तक कुछ नहीं हुआ।

मा0 अध्यक्ष जी नियम-51 में आपकी कृपा से हमने इसको लगाया, लेकिन सरकार ने ऐसे घुमाकर जवाब दिया कि साहब इस पुल से भी निकल जाएंगे, उस पुल से भी निकल जाएंगे, जो 25 कि0मी0 पुल दूर है उससे भी निकल जाएंगे। मैंने इस दस्तावेज के अन्दर कहा कि सरकार हर दूसरे दिन एक पुल बना रही है, क्या इससे बड़ा कोई और झूठ भी हो सकता है। 365 पुल बने कहां बने कोई रिकॉर्ड अगर मिल जाएगा तो हम सन्तुष्ट हो जाएंगे, कोई एक पुल अगर मुरादाबाद में भी बना हो। आपकी बड़ी कृपा हुई दरियापुर में आजादी के बाद से सड़क और पुल की सुविधा मिल रही है, मैं उसके लिए आपका धन्यवाद करता हूं, लेकिन मैं इस पर जरूर कहना चाहता हूँ कि सड़क, बिजली, पानी यह सभी मूलभूत सुविधाएं हैं अगर सड़क किसी भी क्षेत्र की बनेगी उस पर न हिन्दू न मुसलमान न सिख न ईसाई वह सभी लोग चलेंगे।

अभी यहां पर बिजली मंत्री जी बैठे हैं, बड़ी-बड़ी योजनाओं का महामहिम राज्यपाल जी ने इसके अन्दर एलान किया, मंत्री जी आप नगर विकास के भी मंत्री हैं, आपने इतनी नगर पंचायतों का निर्माण किया है उत्तर प्रदेश के अन्दर और यह भी जानते हैं कि गरीब आदमी अपने बच्चों की शिक्षा के लिए, रोजगार के लिए शहरों के अन्दर जाकर बस रहा है और जो गरीब अपना मकान बेच कर शहर में घर बनाता है, लेकिन एक तरफ आप लिख रहे हैं हमने 10 रुपये में कनेक्शन दे दिया, इतने लोगों को कनेक्शन दे दिया, फ्री कनेक्शन दे दिये, लेकिन आप जाइए मेरे विधान सभा क्षेत्र में कांठ नगर पंचायत है वहां पर कम से कम 20 साल से करेली एक कॉलोनी है और हजारों लोग वहां पर रहते हैं, पागबड़ा के अन्दर ख्वाजा कॉलोनी है, अगवानपुर के एरिये के अन्दर गरीब ठेला लगाने वाला गरीब आदमी कनेक्शन लेने जाता है तो उससे कहा जाता है कि आप पहले डेढ़ लाख जमा कीजिए उसके बाद कनेक्शन मिलेगा। आपने इतनी योजना चला रखी हैं, रिवैम्प चला रखी है, हजारों करोड़ की योजना चला रखी हैं, मैं आपसे यही अनुरोध करना चाहता हूँ कि कोई एक ऐसी योजना

चला दें कि जो शहरों के अन्दर बाहर से आकर बसने वाले लोग हैं, उन्हें कनेक्शन मिल जाए और उन एरियों का विद्युतीकरण हो जाए। बहुत सारी चीजें रोजगार के मामले में कही गयीं, रोजगार के मामले में आपने 10-10 हजार वेंडर को दे दिये, वेंडर को देने के बाद उसमें पहली किस्त बैंक ने ही काट ली। आपने ऐसी क्रान्ति कर दी।

अभी हमारे एक साथी कह रहे थे कि हम लोगों ने इतनी नौकरियां दे दी हैं कि अब कोई बेरोजगार ही नहीं बचेगा, लेकिन आप सुबह समाचार-पत्र उठाइए, तो पढ़ने को मिलेगा कि कोई बेरोजगार नौजवान किसी रेल के नीचे कटकर मर गया, कोई जहर खाकर मर गया, किसी ने आत्महत्या कर ली। आप गहनता से सोचेंगे, तो इन बढ़ते अपराधों की अगर कोई वजह है, तो वह है बेरोजगारी। क्योंकि सरकार ने कोई ऐसी योजना नहीं बनायी, जिससे नौजवानों को कोई रोजगार मिल सकेगा। आपने लोगों को धर्म के नाम पर बांटने और गुमराह करने का काम किया है। अगर आपके पास रोजगार की कोई योजना हो, तो बताइए। आपने बाबा साहब डा0 भीमराव अम्बेडकर के संविधान के अन्दर लोगों को जो 27 प्रतिशत आरक्षण मिला है, उस आरक्षण के ऊपर भी हमला करने का काम आपकी सरकार ने किया है।

श्री अध्यक्ष-

कमाल भाई, आपको बोलते हुए 10 मिनट हो गया। अब आप बैठ जाइए। आपका धन्यवाद। मैंने सात मिनट बोलने के लिए बोला था, लेकिन मेरे यहाँ न बैठने पर हमारे अधिष्ठाता महोदय ने 10-15 मिनट बोलने के लिए दे दिया, इसलिए 10 मिनट ज्यादा हो गया। कृपया अब आप बैठ जाइए। श्री राजीव कुमार सिंह उर्फ बब्बू भईया।

(सदस्य माईक ऑफ होने के पश्चात भी लगातार खड़े होकर बोलते रहे।)

***श्री राजीव सिंह उर्फ बब्बू भईया-**

मा0 अध्यक्ष जी, आपका बहुत-बहुत आभार कि आपने मुझे महामहिम राज्यपाल महोदया के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के पक्ष में बोलने का अवसर दिया है, इसके लिए मैं हृदय से आपका आभारी हूँ। मा0 अध्यक्ष जी, महामहिम राज्यपाल महोदया ने जो ऐतिहासिक अभिभाषण मा0 योगी आदित्यनाथ जी की सरकार की उपलब्धियों के बारे में दिया, निःसंदेह वह प्रदेश में सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के सिद्धान्त को दर्शाता है, लेकिन मैं देख रहा था कि उस दिन हमारे विपक्ष के सदस्यों ने जिस तरीके से राज्यपाल महोदया के अभिभाषण के समय अमर्यादित और अव्यवहारिक तरीके से जो काम किया था, उसको पूरा देश देख रहा था और मैं समझता हूँ कि प्रदेश की जनता समय आने पर उसका उचित जवाब देगी और जिस तरीके से ये विपक्ष में बैठे हैं, इससे और कम संख्या में ये रह जाएंगे।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

मा0 अध्यक्ष जी, हमारी सरकार ने 6 करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी की रेखा से ऊपर उठाने का कार्य किया है। उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था आज पूरे भारत में मॉडल बन गयी है। मा0 प्रधानमंत्री जी ने देश की अर्थव्यवस्था को 5 ट्रिलियन डालर बनाने का संकल्प लिया है। हमारे उत्तर प्रदेश सरकार के मुखिया आदरणीय योगी आदित्यनाथ जी सबके प्रयास से अपनी अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था बनाकर देश को मजबूत करने का प्रयास कर रहे हैं।

मान्यवर, फरवरी, 2023 में आयोजित यू0 पी0 ग्लोबल इन्वेस्टर्स सम्मिट में देश-विदेश से लगभग 40 लाख करोड़ से अधिक के प्रस्ताव आए, जिससे एक करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार मिलने की सम्भावना है। एक जनपद, एक उत्पाद योजना, विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना निःसंदेह बेरोजगारी को दूर करने में मील का पत्थर साबित होगी। प्रदेश में छः बड़े एक्सप्रेस-वे बनाकर हमने आवागमन को भी बढ़ावा देने का काम किया है। अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों की अगर बात करें, तो प्रदेश में चार अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे तैयार हैं और जेवर का हवाई अड्डा हमारे प्रदेश का गौरव होगा, जो एशिया का सबसे बड़ा हवाई अड्डा बहुत शीघ्र बनकर चालू होगा, जिससे देश-विदेश से हमारी कनेक्टिीविटी बनेगी। चाहे सड़क मार्ग, जल मार्ग, हवाई मार्ग व रेल मार्ग हो, सभी क्षेत्रों में प्रदेश आगे बढ़ रहा है। हम प्रदेश में एकरूपता से विद्युत आपूर्ति की 18 से 24 घण्टे सप्लाई दे रहे हैं। सोलर संयंत्रों का बड़े पैमाने पर स्थापना कर रहे हैं। आज श्री अयोध्या धाम और वाराणसी धाम को सोलर सिटी के रूप में विकसित करने का कार्य हमारी सरकार कर रही है।

मा0 अध्यक्ष जी, यहाँ हमारे विपक्ष के लोग बैठे हैं। प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना में वर्ष 2016-17 में मात्र 1 लाख 40 हजार आवास बनाने का काम इनकी सरकार ने किया था। हमारी सरकार ने वर्ष 2017 से अब तक 36 लाख 15 हजार प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत करते हुए गरीबों को छत देने का काम किया है। मा0 अध्यक्ष जी, इसके साथ ही मा0 मुख्य मंत्री आवास योजना से 2 लाख 3 हजार आवास बनाने का कार्य किया है और हमने प्रधानमंत्री नगरीय आवास योजना में 17 लाख 65 हजार आवास देकर गरीबों को छत देने का काम किया है। चाहे प्राथमिक विद्यालय हों, माध्यमिक विद्यालय हों, कायाकल्प करके संतृप्त किया है। हर जनपद में शासकीय या व्यक्तिगत मेडिकल कॉलेज की स्थापना करके गरीबों के लिए इलाज की सुगम व्यवस्था की जा रही है। आयुष्मान भारत योजना से एक करोड़ 80 लाख परिवार आच्छादित हैं। छात्र-छात्राओं को निःशुल्क स्मार्ट फोन और टैबलेट देकर उनको आगे बढ़ाने का काम किया जा रहा है।

माननीय अध्यक्ष जी, हमने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के अन्तर्गत 2 करोड़ 62 लाख से अधिक कृषकों को लाभान्वित करने का काम किया है। जहां तक गन्ना किसानों के

भुगतान की बात है, हमने रिकार्ड 2 लाख 33 हजार 800 करोड़ का भुगतान किया है। अन्तर्राष्ट्रीय मेट वर्ष में भी हमने 43 हजार मिनी किटों का वितरण किया है। हर घर नल योजना प्रदेश के सभी गांवों में प्रगति से कार्य कर रही है और हर एक को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना आदरणीय योगी सरकार की प्राथमिकता है। हम मुख्य मंत्री कन्या सुमंगला योजना में अब तक 17 लाख 82 हजार बालिकाओं को लाभान्वित कर चुके हैं। इसी के अन्तर्गत मुख्य मंत्री सामूहिक विवाह योजना में भी 3 लाख 29 हजार जोड़ों का विवाह सम्पन्न किया जा चुका है। जहां तक मैं समझता हूँ कि हम सब आजादी के अमृत काल में प्रवेश कर चुके हैं। लगभग 5 शताब्दियों के बाद बीती 22 जनवरी को सनातन भारतीय संस्कृति के प्रतीक हम सबके आदर्श प्रभु श्रीराम लला अयोध्या में भव्य, दिव्य मन्दिर में स्थापित हो चुके हैं। भारत ही नहीं पूरी दुनिया में रहने वाले सनातनियों को यह गर्व और गौरव का दिन देखने को मिला है। इस जीवन के लिए जहां 5 दशक से लोग देखने का प्रयास कर रहे थे।

आज हम सबका प्रयास है कि आदरणीय योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में, आदरणीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में यह दिन देखने का गौरव हमारी पीढ़ी को मिला है। इस कालखण्ड का यह प्रतीक बनकर आगे आने वाली पीढ़ियों को प्रभु श्रीराम के आदर्शों पर चलने के लिए प्रेरित करेगा। बढ़ते स्वर में स्वर्गीय प्रधानमंत्री आदरणीय भारत रत्न श्रद्धेय अटल जी की स्मृति में अकादमी का निर्माण किया है, वहीं मां विंध्यवासिनी कॉरिडोर का निर्माण करके वहां त्रिकोण संरक्षण, संरेखण का भी निर्माण करने का कार्य प्रारम्भ किया है। नैमिषारण्य कॉरिडोर के साथ-साथ मोक्ष नगरी वाराणसी में भी भव्य कॉरिडोर का निर्माण कर माननीय योगी आदित्यनाथ जी की सरकार की उपलब्धियों का प्रतीक बन कई कालखण्डों तक जन-जन की भावनाओं को मजबूत करने का काम करेगी। मैं राज्यपाल महोदया के अभिभाषण के पक्ष में बल देते हुए केवल आपसे यही कहना चाहूंगा कि मेरी विधान सभा क्षेत्र जो कृषि उत्पादन के क्षेत्र में बहुत ही अग्रणी है, वहां दातागंज में एक चीनी मिल की स्थापना और बाईपास के निर्माण की आवश्यकता है। दातागंज में एक खेल स्टेडियम का निर्माण कराने का निर्देश यदि आप पीठ से देने का काम करेंगे तो मैं आपका आभारी रहूंगा। मैं इस शायरी के साथ अपनी बात समाप्त करता हूं।

मंजिलें क्या है, रास्ता क्या है।

यदि हौसला है, तो फासला क्या है।।

मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देते हुए राज्यपाल महोदया के अभिभाषण के पक्ष में बल देते हुए अपनी बात को समाप्त करता हूं। धन्यवाद। 'जय हिन्द- जय भारत।'

श्री प्रदीप कुमार चौधरी-

माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल महोदया के अभिभाषण पर बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूँ और आभार व्यक्त करता हूं।

राम रामेति रामेति रमे रामे मनोरमे।

सहस्त्रनाम तत्तुल्यं रामनाम वरानने ।।

माननीय अध्यक्ष जी, राम का नाम राम से भी बड़ा है। केवल राम का नाम लेने से ही करोड़ों पाप दूर हो जाते हैं, ऐसे हमारे भगवान राम लगभग 500 साल टेन्ट में रहने के बाद अपने घर में विराजमान हुए हैं। उन्हें विराजमान करने के लिए अपने देश के यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी और अपने जनप्रिय लोकप्रिय प्रदेश के मुख्य मंत्री आदरणीय योगी का मैं तहे दिल से अपनी बुलन्दशहर विधान सभा क्षेत्र की ओर से धन्यवाद और आभार व्यक्त करता हूं, बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। मैं आपको बताना चाहता हूँ कि 22 जनवरी, 2024 को अपने घर वापसी का आयोजन पूरी देश और दुनिया में सबसे बड़ा भव्य और दिव्य आयोजन था। इस भव्य और दिव्य आयोजन को कराने के लिए भी अपने प्रदेश के यशस्वी मुख्य मंत्री लोकप्रिय-जनप्रिय, लाखों लोगों के नेता आदरणीय योगी जी का मैं धन्यवाद और आभार करता हूं। पूरी दुनिया में कम से कम 51 देशों में इसकी लाइव देखी गयी। यह अपने में 'न भूतो न भविष्यति' एक ऐसा कार्यक्रम था जो कभी भी 500 सालों में ऐसा कार्यक्रम नहीं हुआ है। मैं आपको बताना चाहता हूँ कि केन्द्र व प्रदेश में डबल इंजन की सरकार बनने के बाद देश व प्रदेश में अभूतपूर्व बदलाव देखने को मिले हैं। देश में 2014 से पहले की सरकारों में परिवारवाद, वंशवाद, भ्रष्टाचार व भय का माहौल था। घर से निकलो तो बम, बाजार से निकलो तो बम, ट्रेन से निकलो तो बम। पूरा का पूरा देश सहम सा गया था, लेकिन 2014 के बाद आदरणीय मोदी जी के नेतृत्व में लगभग 10 सालों में देश में जो काम किये गये हैं, 'न भूतो न भविष्यति' वह ऐसे काम किये हैं, जैसे धारा-370 को हटाना, राम मन्दिर का निर्माण कराना, 3 तलाक पर कानून बनाना, वैश्विक महामारी कोरोना जैसी वैक्सीन को सीमित संसाधन के बावजूद विकसित देशों के साथ लागू करना। अपने देश की जान बचाना, अपने देश के बाहर और देशों के बाहर भी वैक्सीन देकर लोगों की जान बचाना। मैं आदरणीय प्रधानमंत्री जी का धन्यवाद और आभार करता हूँ जिनके प्रयास से हमारी चन्द्रयान-3 की उपलब्धता है।

मान्यवर, भारतीय जनता पार्टी की सरकार द्वारा चन्द्रयान-3 की सफल लैंडिंग, जी-20 की अध्यक्षता, नारी शक्ति वन्दन अधिनियम व अनेक कार्य किये गए। परमाणु सम्पन्न देश, देश

की सीमायें सुरक्षित, व आतंकवादियों को उनके घर में जवाब देने वाले हमारे आदरणीय प्रधान मंत्री जी का भी मैं धन्यवाद और आभार व्यक्त करता हूं। यह केन्द्र सरकार की गरीब कल्याणकारी योजनाएं 80 करोड़ जनता को फ्री अनाज, आयुष्मान कार्ड से 5 लाख तक का फ्री बीमा, प्रधानमंत्री आवास, उज्ज्वला योजना व अनेकों काम, जनकल्याणकारी योजनाएं, हमारे प्रदेश और केन्द्र की सरकार ने दी हैं अंतिम पायदान पर खड़े आदमी को। हमारी सरकार की जनकल्याण की योजनाएं बिना किसी लाग लपेट के बिना किसी टोपी व तिलक को देखे बिना किसी भेद-भाव के बिना किसी दलाल के सीधे उनके खाते में पहुंच रही है।

मैं देश के प्रधानमंत्री जी का और प्रदेश के मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद और आभार प्रकट करना चाहता हूं। मैं आपको बताना चाहता हूँ कि 2017 से पहले प्रदेश में भी जहां पर भय का माहौल था जहां उत्तर प्रदेश को माफिया, भ्रष्टाचारी, रंगाईयों, दंगाईयों व बीमारू प्रदेश के नाम से जाना जाता था वहीं 2017 के बाद मा0 योगी जी की सरकार बनने के बाद आदरणीय योगी जी ने प्रदेश को इन सब नामों से मुक्त कर दिया। प्रदेश में मा0 योगी जी के नेतृत्व में रामराज्य की स्थापना हुई। आज प्रदेश में मा0 मुख्य मंत्री योगी जी की सरकार के अपराध व अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेन्स की नीति के कारण प्रदेश को उत्तम से अति उत्तम बनाने की ओर अग्रसर है। आज उत्तर प्रदेश मा0 योगी जी के नेतृत्व में देश और दुनियां का हर उद्योगपति आज उत्तर प्रदेश में अपना आशियाना और उद्योग लगाना चाहता है क्योंकि मा0 मुख्य मंत्री जी की अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेन्स की नीति के कारण आज प्रदेश में लॉ एण्ड ऑर्डर है रामराज्य में। हमारी सरकार ने अप्रैल 2022 से किसानों को ट्यूबवेल के बिल माफ किये। पहले किसान के गन्नों का मूल्य साढ़े तीन सौ था अब तीन सौ सत्तर हो गया है। हमारी किसान योगी जी की सरकार किसान हितैषी सरकार है। मैं आपको बताना चाहता हूँ कि मेरी विधान सभा क्षेत्र में बाबू जी कल्याण सिंह मेडिकल कॉलेज, मेरे नजदीक जेवर एयरपोर्ट, मेरे नजदीक थर्मल पॉवर प्रोजेक्ट, गाजियाबाद से अलीगढ़ तक छह लेन का रोड, और मेरठ से बुलन्दशहर तक 4 लेन का रोड, यह मेरी सरकार ने मेरे प्रस्ताव पर हमारे यहां कम से कम अब तक पांच सौ करोड़ के काम मा0 मुख्य मंत्री जी ने दिये हैं। जिससे कि हमारे बुलन्दशहर की जनता बहुत खुश है। आज उत्तर प्रदेश की जनकल्याणकारी योजनाएं पहले नम्बर पर हैं, अर्थ व्यवस्था में दूसरे नम्बर पर है। हमारी सरकार ने सभी वर्गों के लिए युवा, गरीब, किसानों, महिलाओं, वंचित, शोषित, आदिवासी व हर वर्ग के लिए हर क्षेत्र में शिक्षा स्वास्थ्य, सुरक्षा, स्वच्छता सभी क्षेत्रों में सभी वर्गों के लिए बिना भेद-भाव, बिना टोपी व तिलक देखे सभी के लिए तमाम योजनाएं शुरू की हैं। मा0 योगी जी महराज की किसान हितैषी सरकार ने 2023 व 2024 में गन्ना मूल्य 20/- रुपये बढ़ाकार 350 से 370 रुपये किया।

मैं आपको अपने क्षेत्र की कुछ समस्याओं से भी अवगत कराना चाहता हूँ जो मैं सदन में चौथी बार बोल रहा हूँ पहली समस्या यह है कि बुलन्दशहर को जाम मुक्त करने के लिए बाईपास बनाना अति आवश्यक है। क्योंकि जिला बुलन्दशहर में चारों तरफ का ट्रैफिक आता है चाहे वह अलीगढ़ का हो, चाहे बदायूँ का हो, चाहे गाजियाबाद का हो, चाहे नोएडा का हो, या चाहे दिल्ली का हो। क्योंकि अभी बाबू जी कल्याण सिंह मेडिकल कॉलेज शुरू हो गया है, आगे जेवर एयरपोर्ट शुरू हो जाएगा। तो सारा ट्रैफिक जिला बुलन्दशहर से निकलेगा। अभी ही स्थिति जाम की है तो आगे और भयंकर होगी। मैंने पहले भी आपको बाईपास के लिए अवगत कराया है तो आप कृपा करके इसको बनवाने का प्रयास करें। बुलन्दशहर में जनसंख्या बढ़ती हुई है हमारे पास में चाहे मेरठ हो, चाहे नोएडा हो, चाहे गाजियाबाद हो, सब जगह मैट्रो रेल आ गई है और हमारे यहां बुलन्दशहर में नहीं पहुंची है क्योंकि यह एन0सी0आर0 का क्षेत्र है और यह एक तरह से द्वेष ही है कि हमारे यहां भी मैट्रो होनी चाहिए। हमारे भी लोग जो छात्र हैं, जो उद्योगपति हैं, वह दिल्ली और गुड़गांव में काम करने के लिए जाते हैं तो अगर मैट्रो रेल वहां पर आ जाएगी तो निश्चित रूप से हम लोगों को बहुत फायदा होगा। हमारी एक समस्या यह थी कि काली नदी है वह बिलकुल शहर के बीच में है। शहर के बीच में से उस पर गंदा नाले का पानी पड़ता है जिससे कि वह गम्भीर बीमारी का किडनी और कैंसर जैसे बीमारी का खतरा बना रहता है। अगर उसकी सफाई हो जाएगी तो अच्छा रहेगा। जिसे मैं चार बार से लगातार बोल रहा हूँ श्री अतुल प्रधान जी देख रहे हैं क्योंकि इनकी वाइफ उस समय जिला पंचायत अध्यक्ष थीं हमारे श्री पवन भाई जी बैठे है इनकी भी जिला पंचायत अध्यक्ष थीं। मैं बार-बार इस मुद्दे को उठाता हूँ कि मॉल का खेल 2017 से जबसे अध्यक्ष बना तबसे इसे उठाता चला आ रहा हूं। भ्रष्टाचारियों ने जो मॉल बनाया, मेरे बार-बार कहने के बाद भी वह भ्रष्टाचारी खुले घूम रहे हैं। वह 500 करोड़ का घोटाला है। मैं पिछले 08 साल से लगातार इस क्वेश्चन को उठा रहा हूँ ताकि वह भ्रष्टाचारी जेल जायें। मेरी आपसे एक गुजारिश भी है कि जब उन्होंने घोटाला किया है तो वह जेल जायें। उसकी जाँच हो गयी।

श्री अध्यक्ष-

मा0 सदस्य, प्लीज आप अपनी बात कहिये।

श्री प्रदीप कुमार चौधरी-

मा0 अध्यक्ष जी, मैं अपनी बात ही तो कह रहा हूँ कि इसका समाधान होना चाहिये। मान्यवर, मैं आपको बताना चाहता हूँ और पिछली बार भी मैंने यह विषय उठाया था कि मेरी विधान सभा क्षेत्र में अगौता एक छोटा-सा कस्बा है, अगर वहाँ पर बीच में नाला बन जाये ताकि कम से कम वहाँ पर पानी का भराव न हो। किसौली मेरी विधान सभा क्षेत्र की राजधानी है, उसी में अगौता आता है। मेरे कहने का आशय है कि सरकार ने हमारे क्षेत्र में बहुत से काम किये हैं और कर भी रही है, लेकिन मॉल के खेल वाले यह जो भ्रष्टाचारी हैं इनको सजा

मिल जाये, यह जेल चले जायें तो अच्छा लगेगा, क्योंकि जनता का बहुत अधिक पैसा इन लोगों ने बरबाद किया है। उसमें लगभग 70-80 दुकानें और फ्लैट हैं जो किसीको नहीं दी हैं और सब के सब परेशान हो रहे हैं। मा0 अध्यक्ष जी, आप मुझे हमेशा कम टाईम देते है औरों को ज्यादा देते हैं।

श्री अध्यक्ष-

मैंने आपको 10 मिनट का समय दिया है, आप 10 मिनट में अपनी बात समाप्त कीजिये। मैं सभी को 10 मिनट का समय दे रहा हूँ। मैं किसी के साथ कोई भेद-भाव नहीं करता हूँ।

श्री प्रदीप कुमार चौधरी-

मा0 अध्यक्ष जी, राम-राम जी कह कर मैं अपनी बात समाप्त करूँगा। सभी को राम-राम जी। भगवान राम 500 साल बाद अपने घर विराजमान हुये हैं, इसलिये हम सभी जोर से एक बार-दो बार जय श्री राम का नारा लगा दें ताकि उन्हें भी पता लग जाये कि सदन में भी रामराज्य है। जय श्री राम। जय-जय श्री राम। जय हिंद जय भारत।

श्री अध्यक्ष-

मा0 सदस्य प्रदीप जी ने जो बात कही है कि मैं उनको समय नहीं देता हूँ। यह बात मुझे मंजूर नहीं है। आपको मालूम है कि मेरा अलग स्वाभाव है।

श्री प्रदीप कुमार चौधरी-

मान्यवर, इसके लिये मैं आपसे क्षमा माँगता हूँ।

श्री अध्यक्ष-

मैंने अगर 10 मिनट बोला है तो मैं सभी को 10 मिनट का बराबर समय देता हूँ। मैं जब यहाँ पीठ पर नहीं बैठा था तो लोगों को 15-15, 20-20 मिनट बोलने का अवसर मिला है। मैंने आने के बाद उसको 10 मिनट तय किया है। उसके बाद भी अगर आप कहेंगे कि आपको मौका नहीं मिला है तो फिर कोई भी हो, 10 मिनट के बाद मैं माइक बंद करा दूँगा।

श्री अध्यक्ष-

श्री प्रसन्न कुमार जी, अब आप बोलना प्रारम्भ करें।

***श्री प्रसन्न कुमार-**

मा0 अध्यक्ष जी, महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण के ऊपर बोलने के लिये आपने मुझे अवसर दिया, इसके लिये मैं आपका आभार प्रकट करता हूँ। माननीय राज्यपाल महोदया का अभिभाषण झूठ का एक पुलिन्दा साबित होता है। फिर वही मकड़जाल जो फाईलों में उलझा

---

*वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

पड़ा है। माननीय राज्यपाल महोदया जी ने रोजगार की बात करी, लेकिन यदि इस प्रदेश की स्थिति देखी जाये तो बेरोजगारी का एक तूफान-सा इस प्रदेश में आया हुआ है। आलम यह है कि हमारे युवा दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं। अभी एक भर्ती की प्रक्रिया शुरू हुयी है जिसमें लगभग 50 लाख युवाओं ने फार्म भरे, जो यह सिद्ध करता है कि इस प्रदेश के अन्दर बेरोजगारी और बेरोजगार की स्थिति क्या है। आज इस सरकार के संरक्षण में युवाओं से रोजगार छीनकर अंधविश्वास और आस्था की आड़ में उन्हें नशे की ओर धकेला जा रहा है। मा0 अध्यक्ष जी, माननीय राज्यपाल महोदया के अभिभाषण में किसान खुशहाल की बात की गयी है जो झूठ साबित होती है। इस सरकार के अन्दर किसान की आय दोगुनी कहने वाली सरकार ने उनकी आय एक चौथाई कर दी है। एम0एस0पी0 देने के बजाय छीन ली गयी है। किसान 13 महीने तक आन्दोलन करते रहे। सरकार ने गारण्टी दी कि फसलों का वाजिब दाम देंगे, एम0एस0पी0 देंगे, लेकिन फिर भी किसानों के साथ धोखा हुआ है।

मान्यवर, मैं शामली जिले से आता हूँ जो पश्चिम उत्तर प्रदेश के उन जिलों में से एक जिला है जहां गन्ने की खेती होती है। गन्ने के किसान किसी समय सम्पन्न हुआ करते थे। लोग कहते हैं कि यह भूमि गन्ने के रूप में सोना उगलती थी, लेकिन आज क्या स्थिति पैदा हो गयी है? गन्ना किसान गन्ने का भाव न मिलने से परेशान है, उसकी आय घटी है। गन्ने से निकलने वाले उत्पाद चाहे वह चीनी हो, बोगास हो, मोलासिस हो, या ऐथेनॉल हो सबके रेट बढ़े हैं। बल्कि यदि मैं चीनी की बात करूँ तो 2021 में जब सरकार ने कुछ भाव बढ़ाया था तो चीनी का रेट बाजार में 38 रुपये किलो था, आज चीनी का रेट 44 रुपये किलो है। यानी कि 6 रुपये 1 किलो चीनी पर बढ़े हैं। एक कुन्टल गन्ने में 12 किलो चीनी निकलती है, यानी की 72 रुपये का फायदा उस उद्योगपति को हुआ है और किसान को मात्र 1 किलो चीनी पर 20 पैसे मिले है। उस किसान की क्या दुर्दशा होगी ? यह सरकार व्यापारियों की सरकार है, व्यापारियों को बढ़ाना चाहती है। यह सरकार स्व0 चौधरी चरण सिंह जी की जो विचारधारा है कि किसान सम्पन्न हो, छोटे उद्योग लगेंगे उस विचारधारा को बदलना चाहती है। महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण में स्वास्थ्य के बारे में भी, मेडिकल व्यवस्था के बारे में भी कुछ चर्चा हुई है। आज क्या स्थिति है ? मैं शामली जिले का ही जिक्र कर देता हूँ। हमारे आदरणीय स्वास्थ्य मंत्री जी अभी हाउस में उपस्थित नहीं है लेकिन उन्होंने आज एक बात कही थी कि हम वर्ल्ड क्लास सुविधायें हर अस्पताल में दे रहे हैं। शामली जिले के अन्दर जो अस्पताल हैं वहां पर डाक्टरों के सृजित पद 84 हैं लेकिन वहां पर वर्तमान में कार्यरत मात्र 27 डाक्टर हैं। उस अस्पताल की क्या हालत होगी ? यदि आप वहां पर एक्स-रे कराने के लिये जाते हैं तो दो महीने बाद की तारीख मिलती है क्या यही वर्ल्ड क्लास अस्पतालों की स्थित है ? मान्यवर मैंने महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण में स्टेडियम की बात भी पढ़ी है, लेकिन जो कागजों में है वह धरातल पर नहीं है।

मैं आदरणीय चौधरी जयन्त सिंह जी को धन्यवाद करता हूँ कि उन्होंने अपनी पूरी की पूरी निधि युवा, खेल और स्टेडियम के लिए देने का कार्य किया है। मैं शामली जिले से आता हूँ जहां 5 साल पहले एक स्टेडियम की घोषणा हुई थी आज तक उस स्टेडियम का शिलान्यास नहीं हुआ है और वह स्टेडियम फाइलों और कागजों में उलझा हुआ है। मान्यवर, परिवहन विभाग द्वारा अच्छे बस अड्डे की बात होती है लेकिन मेरे जिले में यदि परिवहन विभाग के बस अड्डे को देख लिया जाए तो वही घिसी-पिटी व्यवस्था है और एक सामान्य व्यक्ति यदि उस बस अड्डे के अन्दर पहुँच जाएगा तो गन्दगी का अम्बार उसके हाथों में होगा और उसे बीमार होना पड़ेगा। सरकार ने कई बार वायदे किये कि बस अड्डा बनेगा लेकिन बस अड्डे की कोई व्यवस्था अभी तक नहीं हो पाई।

महामहिम राज्यपाल जी ने अपने अभिभाषण में जिला कारागार की भी बात की है। हमारे प्रदेश में 75 जिले हैं लेकिन मैं शामली जिले की बात करूंगा। मुजफ्फरनगर जिले से अलग हुए शामली जिले को आज 12 साल हो चुके है लेकिन वहां कारागार की कोई व्यवस्था नहीं है। इसी के साथ जोड़ते हुए मैं आपको बताना चाहता हूँ कि हमारे शामली जिले में जो कोर्ट है उसका भी शिलान्यास ये सरकार नहीं कर पाई। माननीय अध्यक्ष जी मैं अभी सदन में सुन रहा था। राम-राम की गूंज हो रही थी। मैं किसान फैमिली से हूँ और मुझे पता है कि किसान के कण-कण में राम बसता है। लेकिन फर्क इतना है कि किसान का मन्दिर उसका खेत होता है। जब ओलावृष्टि होती है तो किसान खेत में होता है। जब आंधी तूफान आता है तो किसान खेत में होता है। जब किसान अपने काम को चालू करता है तो राम-राम का नाम लेता है। फर्क इतना है कि वह अंधविश्वास में नहीं अपने काम में विश्वास रखता है। माननीय अध्यक्ष जी, अन्त में मैं आपका बहुत-बहुत धन्यवाद करते हुए अपनी वाणी को विराम देता हूं। जय जवान, जय किसान। स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह अमर रहें।

डा0 रागिनी-

आदरणीय अध्यक्ष महोदय, आज आपने श्री राज्यपाल जी के अभिभाषण के संशोधन प्रस्ताव पर बोलने का अवसर दिया है। मैं आपका बहुत-बहुत आभार व्यक्त करना चाहूंगी। आज इस सदन में मैं श्रद्धांजलि अर्पित करना चाहूंगी बाबा भीमराव आम्बेडकर जी को। उन्होंने वाकई इन लाइनों को अमर कर दिया कि-

'ऐ हालात तेरी जंजीर तोड़ जाऊंगा, अपने हाथों पर लिखी लकीर मोड़ जाऊंगा,

देखते रह जाओगे आंखें फाड़कर, तेरे सामने वह तस्वीर छोड़ जाऊंगा।'

बाबा भीमराव आम्बेडकर जी ने वह तस्वीर छोड़ी, वह संविधान छोड़ा हमारे पास। उस संविधान के नाते सर्वोच्च न्यायालय ने आदेश दिया और आज अयोध्या में रामलला विराजमान हैं। यह

आपकी सरकार की उपस्थिति में है, मैं आपको बधाई देना चाहती हूं। आज के युवा की एक बड़ी अच्छी कविता है, जरा गौर से सुनियेगा। बड़ी जरूरी है।

'राम-राम तो कह लोगे, पर राम सा दुख भी सहना होगा,

पहली चुनौती यह होगी कि मर्यादा में रहना होगा।'

जीरो टॉलरेन्स अगेंस्ट क्राइम का दावा देने वाली यह सरकार, राम राज का दावा देने वाली यह सरकार आज जगह-जगह पर खुले आम जिस तरीके से दिन-दहाड़े हत्यायें हो रहीं हैं, लूट हो रही है, महिलाओं के साथ दुष्कर्म हो रहे हैं। मैं अगर अपनी विधान सभा क्षेत्र और अपने जनपद की बात करूं तो दिन दहाड़े प्रजापति समाज के दो बच्चों को गला रेत करके मार दिया गया। पटेल समाज के डाक्टर की दिन-दहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गयी। मेरी विधान सभा क्षेत्र में विशुनपाल व्यक्ति की मार कर हत्या कर दी गयी। साथ ही साथ मल्हनी विधान सभा क्षेत्र में एक सुनार की गोली मारकर हत्या कर दी गयी।

मा0 अध्यक्ष जी, आई0आई0टी0, बी0एच0यू0 की एक छात्रा के साथ जो घृणित घटना हुई है वह किसी से छुपी नहीं है कि किस तरीके से उसके साथ सड़क पर खुलेआम दुष्कर्म किया गया और ऐसी न जाने कितनी ऐसी हजारों वारदात हैं जो रोज हो रही है ंआप क्या कहते हैं कि क्या यह पुलिस की नाकामी या पुलिस की गलती है या यह उन युवाओं की गलती है जो आजकल क्राइम की ओर बढ़ता चला जाता है और क्रिमिनल बनता चला जा रहा है। यह तो आपकी सरकार की नाकामी है यह आपकी सरकार की गलती है जिसकी वजह से यह हो रहा है। आज जिस सरकार को शिक्षा की गुणवत्ता की तरफ सोचना चाहिए जहां एक माँ-बाप अपनी एक पूरी उम्र लगा देते है अपने बच्चे को एक बेहतर शिक्षा देने के लिए लेकिन जब उस बच्चे का समय आता है तो न उसके पास रोजगार है न उसके पास कारोबार है। इस विफल सरकार में एक बच्चा अपने आप को सफल बताने की होड़ में आज क्राइम की तरफ बढ़ता चला जा रहा है तो उसके लिए सिर्फ और सिर्फ आपकी सरकार जिम्मेदार है।

अगर मैं क्राइम की बात करूं तो उसकी पुष्टि यह भी करता है कि जबसे भा0ज0पा0 की सरकार आयी है तब से अभी तक आपने अपना डी0जी0पी0 जो नियुक्त किया है वह भी कार्यवाहक ही रहे हैं। अभी तक आपने कोई भी स्थायी डी0जी0पी0 नियुक्त नहीं किया है। पुरुषोत्तम राम चन्द्र जी की अगर हम बात करें तो राम जी, ने तो सबरी के झूठे बेर खाये थे। उन्होंने तो केवट, सुग्रीव और हनुमान को गले लगाया था और साथ ही साथ चाहे वह अहिल्या हो या फिर वह निषाद राज, उन्होंने सबको अपनाया था। अगर वह चाहते तो रावण को हराने के लिए बड़े-बड़े राजाओं के साथ सन्धि कर सकते थे। वह चाहते तो बड़ी-बड़ी सेनाओं को ला सकते थे लेकिन उनकी सेनाओं में कौन था। उनकी सेनाओं में थे वह गरीब, उनकी सेनाओं में थे वह दलित और पिछड़े उन्होंने उन्हें क्यों जोड़ा और क्यों साथ लेकर आये। वह इसलिए साथ

लेकर आये कि उन्हें यह एहसास कराना था कि आपके अन्दर वह ताकत है आप सक्षम हैं आप सशक्त हैं। आज राम राज का दावा करने वाली यह सरकार पी0डी0ए0 की चाहे वह पिछड़ा हो, दलित हो, अल्पसंख्यक हो, आदिवासी हो, उसकी सबसे बड़ी दुश्मन बनी पड़ी है। आज हम अगर बात करें शिक्षा में 69000 हजार शिक्षक भर्ती घोटाले को आज तक कोई भूला नहीं है और बार-बार इस सदन से उसकी गुहार लगायी जा रही है। आज अगर मेडिकल कालेज की बात करें तो वह किंग जार्ज मेडिकल कालेज हो। चाहे वह आर0एम0एल0 हो आदि में प्रोफेसर की भर्ती की बात आती है तो वहां जगह-जगह आरक्षण का हनन हो रहा है और जगह-जगह पर गलत तरीके से भर्तियां की जा रही हैं। डायल-112 की हमारी बच्चियां जो संवाद अधिकारी के रूप में कार्य करती थीं वह अपनी नौकरी के लिए गुहार लगा रही हैं। आज आउटसोर्सिंग के नाम पर हमारे प्रदेश की गरीब जनता को बंधुवा मजदूर बना दिया गया है। आज दो-दो हजार की पगार पर 12-12 घंटे काम कराया जा रहा है यह स्थिति है आपकी सरकार की। सरकार ने बड़े-बड़े वादे किये इन्वेस्टर्स समिट में और न जाने कितने हजारों करोड़ का इन्वेस्मेंट आपकी सरकार लेकर आयी और अगर धरातल पर देखा जाये तो इन सात वर्षों में न तो कोई मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल दिखता है, न कोई नया एम्स दिखता है, न कोई नया एन0आई0टी0 दिखता है, न ही कोई नया आई0आई0टी0 दिखता है, इसमें बहुत लम्बी कतार है लेकिन कुछ भी दिखाई नहीं देता है। आपके इन बड़े-बड़े इन्वेस्टमेंट में रोजगार और व्यापार सिर्फ कागजों पर दिखाई देते है हकीकत में कही दिखाई नहीं देते है आज हमारे देश का युवा चंद पैसों के लिए अपने देश से पलायन कर दूसरे देश में जाने को तैयार है यह बड़ी ही शर्मनाक बात है। हम बात करें आज थानों की, तहसीलों की और अधिकारियों के ऑफिस की तो यह समझ लें कि यह सिर्फ और सिर्फ भ्रष्टाचार के अड्डे हैं और कुछ भी नहीं हैं।

आज अगर जमीन की नाप होती है तो उस जमीन के नाप के मौखिक रूप में आदेश होते है लिखित तो बन्द ही हो गया है क्योकि जब जितनी रिश्वत आती है उसी हिसाब से यह नाप बदल जाती है यहीं आज की सरकार है जनता के बार-बार मूलभूत अधिकारों के लिए जब भी विपक्ष ने आवाज उठायी है तो हमेशा यह आवाज आती है कि अरे जब बबूल लगाया तो आम कहां से पाओगे। जब से समाजवादी पार्टी की स्थापना हुई तब से लेकर के आज तक का कार्यकाल देखा जाये तो समाजवादी पार्टी ने 12 साल सत्ता पर राज किया है तो आपको 13 साल हो चुके हैं। मैं आज आपको यह बता सकती हूँ कि समाजवादी पार्टी ने मेट्रो लाइन बनवाई, समाजवादी पार्टी ने एक्सप्रेस-वे बनवाया, समाजवादी पार्टी ने गोमती रिवर फण्ट बनवाया, समाजवादी पार्टी ने इकाना स्टेडियम बनवाया, मेदांता अस्पताल बनवाया, इलेक्ट्रिसिटी प्रोडक्शन यूनिट बनवाई, सबसे बड़ी बात उन्होंने बच्चों को साक्षरता देने के लिए जगह-जगह लैपटाप बांटे, उन्होंने जनेश्वर मिश्र पार्क बनवाया, उन्होंने पुलिस हेड क्वार्टर बनवाया, आज

जहां पर सी0एम0 बैठते हैं वह लोक भवन बनवाया, एम्बुलेंस दी और साथ ही साथ डायल-100 दिया जिसे आज आप डायल-112 के नाम से इस्तेमाल कर रहे हैं, लेकिन अगर आप अपनी बात करें तो आपके पास आज भी सिर्फ कागज ही हैं और कुछ भी आपके पास नहीं है। आप सिर्फ कोरे कागज लेकर बैठे हैं और राम राज्य की बात करते हैं। माननीय अध्यक्ष जी, अगर आज रामलला जी इन स्थितियों और परिस्थितियों में होते तो आज भारतीय जनता पार्टी की सरकार को यह अवश्य ही कहते कि-

'राम नाम के जाप में तेरे, पहले सा आराम नहीं,

जबर्दस्ती के जय श्री राम में सब कुछ है, बस राम नहीं।'

मैं सियाराम को नमन करती हूँ, जय भीम, जय भारत, जय संविधान।

***श्री हरि प्रकाश वर्मा-**

माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण पर चर्चा करने के लिए समय दिया उसके लिए हृदय की गहराई से आपका धन्यवाद। उत्तर प्रदेश सरकार जो भारतीय जनता पार्टी की अन्त्योदय के आधार पर चलने वाली सरकार है, गांव, गरीब, खेत खलिहान में काम करने वाला मजदूर और उसके बच्चों को चिकित्सा, शिक्षा, अच्छा जीवन देने के लिए संकल्पबद्ध है ऐसी सरकार का विषय रखने के लिए माननीय राज्यपाल महोदया आईं लेकिन इस सदन में किस तरीके से 'गो बैक, गो बैक' नारे लगाकर उनका अपमान किया गया। मान्यवर, सदन के माध्यम से मैं उत्तर प्रदेश की जनता-जनार्दन जिन्होंने हम पूरे उत्तर प्रदेश के हितों को ध्यान में रखते हुए सबको यहां पर काम करने के लिए भेजा है। हम सबने देखा कि माननीया राज्यपाल महोदय ने जब अभिभाषण को पढ़ना प्रारम्भ भी नहीं किया था तभी हमारे बहुत से साथियों ने उनका विरोध करना प्रारम्भ कर दिया था। मान्यवर, सदन के सभी साथी चाहते हैं कि सदन में उत्तर प्रदेश के विकास की चर्चा हो, सदन में आम जनमानस के जीवन को सहज और सरल बनाने की चर्चा हो। सदन में उत्तर प्रदेश में सुरक्षा की भावना डेवलप करने की चर्चा हो, सदन में किस तरीके से आम जनमानस के लोगों के जीवन में सहजता हो, सरलता हो, उनके जीवन को सुगम बनाने के लिए चर्चा हो। यहां पर जो पुराने कानून है उनमें अगर अमेडमेण्ट करने की आवश्यकता हो तो उस पर अमेडमेण्ट किये जाये। अगर नये कानून बनाने की आवश्यकता हो तो उन पर चर्चा करके नये कानून बनाये जाये, परन्तु यहां हमारे बहुत से साथियों ने सदन का समय किस तरह से इधर-उधर की बातों में जाता है।

मान्यवर, पूरा सदन चाहता है और उत्तर प्रदेश की जनता चाहती है कि इस सदन का पल-पल, क्षण-क्षण उत्तर प्रदेश के विकास के लिए, उत्तर प्रदेश में सभी तरह की जो मूलभूत

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

सुविधायें हैं उनको दिलाने के लिए उपयोग हो, परन्तु हम देखते हैं कि इस सदन में हुड़दंग होता है और महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण को पढ़ने से रोकने का प्रयास किया जाता है। हमारे उत्तर प्रदेश की जनता यह सब लगातार देख रही है। हम सब मिलकर अधिकारों के साथ कर्तव्यों पर भी चर्चा करने की बात करते हैं। हम सबको सभ्य समाज की स्थापना के लिए यहां से एक नजीर पेश करनी होगी। हजारों कुरीतियाँ और अंधविश्वास जो वर्षों से चले आ रहे हैं उससे गरीबों का बड़ा नुकसान होता है। इसमें जनजागरण और सुधार के लिए हम सबको विचार करना होगा। माननीय मुख्य मंत्री जी ने सामूहिक विवाह के तहत गरीब कन्याओं का विवाह कराने का काम किया है इससे एक मैसेज भी जाता है कि जिस तरह से गरीब कन्याओं का धूमधाम से विवाह होता है और सामूहिक विवाह के आधार पर वहां खर्चा भी कम होता है। हम सबको सामूहिक विवाह को गरीब कन्याओं के विवाह तक सीमित नहीं रखना चाहिए। हमें मध्यम वर्ग उच्च वर्ग, के लोगों को भी सामूहिक विवाह के आधार पर विवाह का आयोजन करने के लिए प्रेरित करना चाहिए। इससे पहले भी हम सबने देखा है कि बहुत से संत पुरुषों ने महापुरुषों ने इस तरह के सामूहिक विवाह के लिए बहुत से काम किए हैं।

मान्यवर, हम सब देखते हैं कि उत्तर प्रदेश की पहले हालत क्या थी ? पहले यहां स्वच्छता की क्या हालत थी ? यहां के हॉस्पिटलों की क्या हालत थी ? माननीय योगी आदित्यनाथ जी की सरकार में हम सबने देखा है कि कितना सुधार हुआ है। अभी हम सब जब विधान सभा के चुनावों में मध्यप्रदेश, हिमाचल प्रदेश तथा अन्य प्रदेशों में गये तो वहां पर लोग हमारी सरकार की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हैं उससे हम सबका हृदय माननीय मुख्य मंत्री जी के प्रति कृतज्ञता देखते हुए गद-गद हो जाता है। परन्तु सदन में हम सबको देखने को मिलता है कि किस तरह से सरकार को काम करने से रोका जाता है। मान्यवर, मैं आज मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद देना चाहता हूँ कि जनपद शाहजहांपुर के लोकप्रिय नेता और वित्त मंत्री आदरणीय सुरेश कुमार खन्ना जी ने जिस तरह से आज लोक कल्याणकारी बजट प्रस्तुत किया है और मैं माननीय खन्ना जी के बारे में बताना चाहता हूँ कि उनको मैंने युवा मोर्चा के समय से सुना है। वह लगातार कहते हैं कि राजनीति सेवा के माध्यम से करनी चाहिए। चाहे किसी गरीब को उसका हक दिलाओ। चाहे किसी गरीब के पैर से कांटा निकालो। चाहे किसी प्यासे को पानी पिलाओ। राजनीति हमेशा सेवा का माध्यम होना चाहिए।

मान्यवर, हम सब जानते हैं कि आने वाली पीढ़ी को शिक्षित संस्कारित किये बिना इस देश को उच्चतम स्तर पर पहुंचाना सम्भव नहीं है। आज माननीय प्रधानमंत्री जी ने विकसित भारत का जो सपना देखा है और वर्ष 2047 तक इस देश को विकसित राष्ट्रों में सम्मिलित करने के लिए उनका जो संकल्प है उसमें बिना गरीब के बच्चों को पढ़ाए हुए सम्भव नहीं है

इसलिए जगह-जगह पर अटल आवासीय विद्यालय खोले जा रहे है। सरकार लगातार शिक्षा के क्षेत्र में ध्यान दे रही है। हम सबने देखा है, सुना है और पढ़ा भी है कि बच्चा अपनी मां के गर्भ से सीखता है। हम सबने महाभारत में अभिमन्यु के उस किरदार को पढ़ा है और देखा है कि अभिमन्यु ने किस तरह से अपनी मां के गर्भ से सीखा है। आज सरकार आंगनबाड़ी आशा के माध्यम से उन गरीब कमजोर गर्भवती माताओं और बहनों को तथा उनकी आने वाली पीढ़ी को व्यवस्थित और सुरक्षित करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। मान्यवर, हम सभी यह चाहते हैं कि उत्तर प्रदेश का सर्वांगीण विकास हो। उत्तर प्रदेश में कोई कमजोर न रहे ? कोई गरीब न रहे ? किसी गरीब को कहीं पर भी लाचारी महसूस न हो इसके लिए माननीय मुख्य मंत्री जी ने लगातार जिस तरह से माफियाओं पर प्रहार किया है आज पूरे देश में हम कहीं जाते हैं तो हमारी सरकार को लोग बुल्डोजर के नाम से जिस तरह से अपराधियों का उत्तर प्रदेश में सफाया हुआ है उसकी सराहना करते हैं। आज किसी भी क्षेत्र में चाहे रात हो या दिन आप जा सकते हैं। मान्यवर, आज माननीय वित्त मंत्री जी ने जो लोक कल्याणकारी बजट दिया है उसमें तमाम तरह की सुविधाओं का भी जिक्र किया है।

मान्यवर, हमारी सरकार लगातार गरीब कल्याण पर काम कर रही है। मान्यवर, राज्यपाल महोदय ने उत्तर प्रदेश की सरकार के कामकाज को जिस तरह से हम सबके बीच में रखा है जिन्होंने नहीं सुना है वह सुनने का प्रयास भी नहीं कर रहे हैं, लेकिन हम सबने उसको सुना है और पढ़ा है कि आज उत्तर प्रदेश सभी क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। मान्यवर, 2017 के पहले हम सबने इस प्रदेश की स्थिति देखी है उसे बार-बार कहने की आवश्यकता नहीं है। मान्यवर, 2017 के बाद से लेकर आज के उत्तर प्रदेश में बहुत बड़ा परिवर्तन आया है। इस परिवर्तन को सभी महसूस कर रहे हैं।

मान्यवर, मैं अपनी विधान सभा क्षेत्र के विषय में भी कुछ बात रखना चाहता हूँ और मा0 राज्यपाल जी के अभिभाषण से अपने को सम्बद्ध करता हूँ और राज्यपाल जी के अभिभाषण की भूरि-भूरि प्रशंसा करता हूँ। मान्यवर, मेरी विधान सभा क्षेत्र जलालाबाद-132, माँ गंगा, राम गंगा और बहगुल जैसी नदियों का किनारा है जो उसके बीच से निकली हुयी है। वहाँ पर कोलाघाट का एक पुल जो समाजवादी पार्टी की सरकार में बना था वह मात्र 12 साल में गिरकर धराशायी हो गया जिसके कारण विधान सभा क्षेत्र दो टुकड़ों में गिरकर विभाजित हो गयी। आधे क्षेत्र के लोगों को आने-जाने में बहुत असुविधा होती है। मैं सदन के माध्यम से आपसे आग्रह करना चाहता हूँ कि एक कोलाघाट पुल का निर्माण यथाशीघ्र कराया जाये। एक चीनी मिल की स्थापना मेरी विधान सभा क्षेत्र में जरूर करायी जाये क्योंकि बाढ़ग्रस्त विधान सभा क्षेत्र है। धान की फसल हर बार खराब हो जाती है। अगर वहाँ पर चीनी मिल की स्थापना हो जायेगी तो गन्ने की फसल करके वहाँ का किसान खुशहाल हो सकता है। मान्यवर,

मेरी विधान सभा क्षेत्र से बिजली के बड़े-बड़े टावर भी निकले हुये हैं वह अनुपयोगी पड़े हैं उनके माध्यम से बहुत कम खर्चे पर 132 के0वी0ए0 बिजलीघर की स्थापना की जा सकती है जिसके बारे में मैंने कई बार पत्राचार किया है। मैं चाहता हूँ कि मेरी विधान सभा क्षेत्र में एक 132 के0वी0ए0 बिजलीघर की स्थापना यथाशीघ्र करायी जाये। ढाई घाट मेला जो श्रृंगी ऋषि जी की तपोस्थली है माँ गंगा के किनारे ढाई घाट मेला लगता है वहाँ पर एक पक्का घाट बनाया जाये और एक अंत्येष्टि स्थल की भी स्थापना की जाये।

श्री अध्यक्ष-

धन्यवाद, अब समाप्त करिये।

श्री स्वामी ओऊमवेश-

मा0 अध्यक्ष जी, व्यवस्था का प्रश्न है। मुझे बुलवा लें।

श्री अध्यक्ष-

इसमें कोई व्यवस्था का प्रश्न नहीं। मेरे पास लिस्ट है। यह आपका इंटरनल मामला है। स्वामी जी मेरा आपसे निवेदन है कि पार्टी की तरफ से जो लिस्ट भेजी गयी है उसके अनुसार बुला रहा हूँ। आप वहाँ बात करिये, यहाँ बात नहीं करिये। आप उनसे पूछिये।

डा0 एम0 पी0 आर्य-

मा0 अध्यक्ष जी, महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण पर अपने विचार रखने का आपने मुझे समय दिया उसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूँ आपका आभारी हूँ। मान्यवर, महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश की सरकार द्वारा चलायी जा रही जनहित की योजनाओं का एक लेखा-जोखा इस सदन में रख रही थीं। मैं इस सदन में पहली बार चुनकर आया हूँ और दूसरी बार महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण को सुनने का अवसर मिला लेकिन एक बात अभी तक मुझे समझ में नहीं आयी कि महामहिम राज्यपाल महोदया जो विषय यहाँ पर रख रही थीं उसको बिना सुने बिना जाने मेरे विपक्ष के साथी राज्यपाल महोदया को अपमानित कर रहे थे उनको गो बैक, गो बैक के नारे लगा रहे थे, आखिर उन्होंने उसमें ऐसा क्या देखा जिसका विरोध उन्होंने आते ही शुरू कर दिया। मान्यवर, मेरा मानना है कि विपक्ष को रचनात्मक भूमिका निभाते हुये पहले विषय को सुनना चाहिए और फिर उस पर अपनी टिप्पणी करनी चाहिए, अपने विचार रखने चाहिए जिससे सरकार कुछ अच्छे काम कर सके, सरकार बेहतर तरीके से काम कर सके जो प्रदेश के हित में होंगे। मान्यवर, पर उपदेश कुशल बहुतेरे। मेरे विपक्ष के साथी बहुत सारी बातें करते हैं, कई बार दूसरे विषयों पर सरकार के विकास के कामों पर चर्चा करते हैं लेकिन जरा अपने गिरेबान में झांकने की बात करें जिसमें हमारे विपक्षी साथियों की सरकार थी उस समय सुरक्षा-व्यवस्था की क्या स्थिति थी यह सभी जानते हैं। मैं

तो गाँव का रहने वाला हूँ। मेरे गाँव में सुरक्षा की दृष्टि से गाँव में एक सुरक्षा समिति बनी हुयी थी। लोग आवाज लगाते थे कि जागते रहो, जागते रहो, और हम लोग जब कहीं से आते थे।

मान्यवर, सड़कों से उतरकर जब लोग गांव की तरफ जाते थे तो कोई-न-कोई मिल जाता था और वह कट्टा लगा देता था और कहता था कि जो भी लाए हो वह निकालकर कर रख दो। ऐसी स्थिति थी। आज सुरक्षा की स्थिति सभी लोग जानते हैं, मेरे बहुत सारे मित्र टिप्पणी कर रहे थे। हमने एन0सी0आर0बी0 के डाटा दिए हैं आप उन डाटा को देख लीजिए। वह एक निष्पक्ष एजेंसी है, वह सरकारी एजेंसी नहीं है। उत्तर प्रदेश की मा0 योगी आदित्यनाथ जी की सरकार प्रत्येक नागरिक, प्रत्येक व्यक्ति, युवा, महिला, गरीब, किसान एवं व्यापारी के हित के लिए काम कर रही है और उनके हित के लिए जो भी सम्भव योजनाएं हैं चाहे हम गरीब कल्याण अन्न योजना की बात करें, हम शौचालय की बात करें, हम प्रधानमंत्री आवास की बात करें, हम कन्या सुमंगला योजना की बात करें, हम सामूहिक विवाह योजना की बात करें, हम पी0एम0 स्वनिधि योजना की बात करें। इतनी सारी कल्याणकारी योजनाएं और इनका एक मात्र उद्देश्य कि प्रदेश का प्रत्येक नागरिक सुखपूर्वक, सुविधापूर्वक एवं सम्पन्न तरीके से जीवन व्यतीत करे। इसके लिए यह सभी काम किए जा रहे हैं। हम सुरक्षा की स्थिति के लिए पहले ही बात कर चुके हैं। अभी हमारे विपक्ष के साथी शिक्षा के बारे में बात कर रहे थे।

पहले सरकारी विद्यालयों में शौचालय तक नहीं हुआ करते थे और उन विद्यालयों में बच्चों के पढ़ने के बाद वहां पर भैंसे पढ़ा करती थी क्योंकि उन विद्यालयों में बाउण्ड्री तक नहीं हुआ करती थी। आज विद्यालयों का कायाकल्प हुआ है, सारे विद्यालय अच्छे हुए हैं। शिक्षा, चिकित्सा, सुरक्षा एवं व्यापार के क्षेत्र में सराहनीय कार्य हो रहे है और सरकार ईमानदारी से प्रयास कर रही है और उसी का परिणाम है कि चाहे प्रधानमंत्री जनधन योजना हो, चाहे प्रधानमंत्री बीमा योजना हो, चाहे प्रधानमंत्री आवास योजना हो, चाहे अटल पेंशन योजना हो, चाहे स्वच्छ भारत मिशन, चाहे स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण योजना हो, चाहे अमृत सरोवर योजना हो, चाहे प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना हो, चाहे प्रधानमंत्री उज्जवला योजना हो, चाहे सड़क, बाई एयर कनेक्टिविटी योजना हो, चाहे खाद्यान्न उत्पादन योजना हो, चाहे पी0एम0 स्वनिधि योजना हो, ऐसी 45 योजनाओं में देश में हमारा प्रदेश प्रथम स्थान पर है। प्रदेश केवल देश के लिए ही नहीं बल्कि पूरे विश्व के लिए एक विकास और सुरक्षा के मॉडल के रूप में उभरा है। अभी हमारे भाई हरी प्रकाश जी बात कर रहे थे। मैं भी कई प्रदेशों में गया और वहां पर जिस तरह से उत्तर प्रदेश सरकार की आज सराहना की जाती है, एक मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। हमारे मा0 मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ जी की मांग पूरे देश के अन्दर ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के अन्दर है। ऐसा लगता है कि पहले प्रदेश के लोगों को हेय की दृष्टि से देखा करते थे लेकिन आज बहुत ही सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है। आखिर

में, मैं केवल इतना कहना चाहूँगा कि 'उमर भर की मुश्किलें, पल भर में आंसा हो गयी, उनके आते ही मरीजे इश्क अच्छा हो गया।' मा0 राज्यपाल महोदया के अभिभाषण पर डॉ0 नीरज बोरा द्वारा रखा धन्यवाद प्रस्ताव का समर्थन करते हुए अपनी बात समाप्त करता हूँ।

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

मान्यवर, हमें मत बुलाइए, हमारे अन्य मा0 सदस्यों को बुला लीजिए, हम कल बोल लेंगे। मान्यवर, मेरा आपसे एक अनुरोध है कि आपने पांच मिनट बोलने के लिए कहा था और आप विपक्ष के मा0 सदस्यों की संख्या को देख लीजिए। मेरा अनुरोध है कि आप सिर्फ पांच मिनट ही बोलने का समय दीजिए।

श्री अध्यक्ष-

मैंने सुबह पांच मिनट ही बोलने के लिए बोला था लेकिन मैं नहीं था तो यहां पर लोगों ने 15-15 एवं 20-20 मिनट बोल लिया है। फिर मैंने कहा कि अगर किसी को बोलने के लिए 20 मिनट का समय मिला है तो उसको काटकर पांच मिनट करूँगा तो अन्य मा0 सदस्यों को अच्छा नहीं लगेगा।

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

मान्यवर, मेरा अनुरोध है कि आप विपक्ष से तीन लोगों को बोलने के लिए बुला लीजिए और सत्तापक्ष से दो लोगों को बोलने के लिए बुला लीजिए।

श्री अध्यक्ष-

आप यह मेरे ऊपर छोड़ दीजिए। आप नहीं बोलेंगे। श्री पंकज कुमार मलिक जी आप बोलिए।

***श्री पंकज कुमार मलिक-**

मा0 अध्यक्ष जी, आपने मुझे विपक्ष की ओर से अभिभाषण पर बोलने का मौका दिया उसके लिए मैं आपका आभारी हूं। मान्यवर, 'मेरी नींद को दिक्कत न राम के भजन से है, न अल्लाह की अजान से है। 'मेरी नींद को दिक्कत पिटते हुए उस बेरोजगार, नौजवान और कर्ज के नीचे दबे खुदकुशी करते किसान से है।' आज किसान की स्थिति बड़ी दयनीय है। गन्ने का मूल्य बढ़ाने का काम उत्तर प्रदेश की सरकार ने किया, देख तो लेते किसान की जरूरत क्या है ? महंगाई इतनी बढ़ी हुई है कि बुरा हाल है। दुर्भाग्य की बात है कि हमारे पड़ोस के प्रदेश हरियाणा और पंजाब में लगभग 386 और 390 रुपये प्रति कुन्टल का भाव है, जबकि हमारे प्रदेश में 370 रुपये प्रति कुन्टल का भाव है, जबकि वहां की रिकवरी कम है। हमारी रिकवरी ज्यादा है, हमारे यहां चीनी गन्ने की अपेक्षा ज्यादा होती है। मान्यवर, गन्ने से मिल वाला पैसे

*वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

कमाता है और किसान खून-पसीना बहाकर दिन-रात खेत में काम करके जब गन्ना उगाता है, सोचता है कि सरकार उसे उसका हक देगी, लेकिन हक के नाम पर उसे ठेंगा दिखाया जाता है, कुछ नहीं मिलता।

मान्यवर, किसान मेहनत करता है और गन्ना जाकर मिल में देता है। मिल वाला गन्ने से शीरा बेचता है, भूसी बेचता है, चीनी बेचता है, एथेनॉल बेचता है और अब तो बिजली बनाकर बेचने का काम करता है, लेकिन किसान को कुछ नहीं मिल पाता है। मान्यवर, किसान की स्थिति उल्टी हो गयी है। पहले खाद का 50 किलो का पैकेट आता था, अब उसका रेट बढ़ा दिया है और वजन घटा दिया है। नकली खाद रुक नहीं पा रही है, नकली खाद बन रही है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में सरकार से संरक्षण प्राप्त कुछ लोग हैं जो फर्जी खाद बेचने का काम कर रहे हैं।

मान्यवर, किसान की बहुत खराब स्थिति है। आप नौजवान की ओर देखिए, वह बहुत दुःखी और परेशान है। जब वह किसी यूनिवर्सिटी या अच्छे कॉलेज में दाखिला लेने जाता है तो उसे दाखिला नहीं मिल पाता है। गरीब का बच्चा सोच ही नहीं सकता है कि वह अच्छी शिक्षा प्राप्त कर सकता है। ये लोग बड़ा-बड़ा दावा करते हैं, बड़ी-बड़ी बात करते हैं, लेकिन उसका लाभ कुछ हो नहीं पाता है। स्वास्थ्य की स्थिति देख लीजिए, वह बड़ी खराब है। मुजफ्फरनगर ने भारतीय जनता पार्टी को बहुत कुछ देने का काम किया है। याद होगा, वह वर्ष 2014 का समय, उसके बाद भारतीय जनता पार्टी की देश में सरकार बनी। मान्यवर, मुजफ्फरनगर की ओर भी विकास के लिए देखने का काम कर लेते। हमारे पड़ोसी मंत्री जी यहां बैठे हैं, मुजफ्फरनगर में सरकारी मेडिकल कॉलेज होने की आवश्यकता है, लेकिन कोई सरकारी मेडिकल कॉलेज वहां नहीं हो पाया है। जब आप बात करते हैं कि हम हर जनपद मुख्यालय में मेडिकल कॉलेज खोलने का काम करेंगे तो सरकारी मेडिकल कॉलेज खोलने का काम होना चाहिए। किसी भी सी0एच0सी0 एवं पी0एच0सी0 में मेरे क्षेत्र में या मुजफ्फरनगर में जाकर देख लीजिएगा दयनीय स्थिति है। अस्पताल में इलाज हो नहीं रहा है। अभी चार दिन पहले मैंने सम्बन्धित अधिकारी सी0एम0ओ0 को फोन किया, एक अमीननगर गांव की गरीब महिला बीमारी से तड़प रही थी उसे कह दिया कि दवाई बाहर से ले आओ। आज मैं मा0 मंत्री जी को सुन रहा था, हम जो सुझाव देते हैं, उन सुझावों से आपको सबक लेना चाहिए, सीखना चाहिए और देखना भी चाहिए। यह सिर्फ भाषण देने की जगह नहीं है। हमारे बातों को सुझाव के रूप में देख लीजिएगा, जांच करा लीजिएगा, मुजफ्फरनगर के सरथावल की सी0एच0सी0 है। हमारे यहां सी0एच0सी0 12 हैं और पी0एच0सी0 42 हैं, जो सी0एच0सी0 हैं चरथावल, दहचन्द्र, बघरा तथा पी0एच0सी0 दुधली, कुटेसरा, जसोई, कुटबा, बलवाखेड़ी, लालूखेड़ी, हरसौली आदि में बहुत बुरी स्थिति है। मरीज की इतनी बुरी स्थिति है यदि कोई चला जाता है तो उसका इलाज

नहीं हो पाता है। बराबर में जो प्राइवेट अस्पताल खुले रहते हैं उनकी तरफ सरकारी डॉक्टर इशारा कर देते हैं।

मान्यवर, हमारे यहां जो छोटे रूट हैं उनमें बसों की आवश्यकता है। गलत तरीके से होने वाली सारी प्रक्रिया बन्द होनी चाहिए, यह अच्छी बात है, लेकिन वहां बहुत खराब स्थिति है। हम आस्था की बात करते हैं, भगवान राम की बात करते हैं, बहुत अच्छी बात है। अभी हमारे क्षेत्र के गांव बुड्ढाखेड़ा में वहां के लोग जो भगवान में आस्था रखते हैं, भगवान को मानते हैं, शनिदेव की मूर्ति की स्थापना करना चाहते थे। चार-पांच दिन धरने पर बैठना पड़ा, क्या हुआ उनकी आस्था का। जब चार-पांच दिन धरने पर बैठे और सब लोगों ने प्रयास किया तब जाकर मूर्ति वहां पर रखी गयी।

मान्यवर, हमारे हर समाज में महापुरुषों ने जन्म लिया है, यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है। हिन्दुस्तान की धरती ऐसी बलिदान की धरती है कि हर जाति, हर धर्म, हर वर्ग में देश के लिए अपने प्राण की आहूति देने वाले लोग हैं। मान्यवर, हमारे क्षेत्र के गाँव रौनी हरजीपुर में महापुरुष वीर सिंह पुण्डीर राजपूत जो पुण्डीरों के वंशज हैं, उनकी मूर्ति लगने नहीं दी जा रही है। सरकार को उसका संज्ञान लेना चाहिए। मंत्री जी आप जिस कुर्सी पर बैठे हैं, आपको संज्ञान लेना चाहिए, उस महापुरुष की क्या गलती थी, उसने देश के लिए काम किया, समाज के लिए काम किया। अगर आज आस्था के चलते लोग उनकी मूर्ति लगाना चाहते हैं तो क्यों मूर्ति लगाने से रोका जा रहा है ? मान्यवर, कथनी और करनी में बड़ा अन्तर है। यह कहते कुछ हैं और करते कुछ हैं, कुछ दिखायी नहीं देता। बिजली के नाम पर आज भी लुटाई की जा रही है। किसान का पैसा नहीं देते, किसान का समय से भुगतान नहीं होता, जाकर देख लीजिए, शामली और बागपत की स्थिति क्या है ? जनपद शामली और बुढ़ाना में आज भी भुगतान पूरा नहीं किया गया है। लेकिन आप कहते हैं कि हमने लाखों करोड़ रुपया बकाया भुगतान कर दिया। आपने अगर भुगतान किया है, तो जो बचा है उसकी जिम्मेदारी किसकी है ? अगर किसान का एक रुपया भी बचा है तो दायित्व आपका है कि उसका भुगतान समय से हो जाना चाहिए। किसान की खेती के अलावा तो और कोई कमाई है नहीं।

मान्यवर, मैं पुनः दोहराऊँगा कि 20 रुपये प्रति कुन्तल से किसान का कुछ भला नहीं होगा। किसान के साथ अन्याय मत करो और मान्यवर, बार-बार मलिन बस्ती का जिक्र आता है। मैंने मलिन बस्ती के सन्दर्भ में आज भी सुना। भगवान श्रीराम और परम् पिता परमेश्वर को मानने वाले लोग मलिन बस्ती में भी रहते हैं। आप जब यह कहते हैं कि हमने विकास की गंगा बहाने का काम किया है, तो क्या कारण है कि मलिन बस्ती को आज भी मलिन बस्ती कहा जाता है ? क्या कारण है, आप बताइयेगा, क्यों वहाँ पर सफाई नहीं होती, क्यों गरीब आदमी इज्जत और सम्मान के साथ नहीं रह सकता, क्यों गरीब के बच्चों को शिक्षा नहीं मिल

सकती ? मान्यवर, ये शिक्षा की बात करते हैं। हमारे क्षेत्र के कई गाँव ऐसे हैं, बार-बार कहने के बाद भी वहाँ पर सरकारी शिक्षा के संस्थानों को ठीक नहीं किया गया है। आज उन बिल्डिंग्स की स्थिति बहुत खराब है। बच्चों को खाना देते हैं, बच्चों को ड्रेस देते हैं, मोजे देते हैं, क्या कारण है कि फिर भी बच्चे उतनी संख्या में पढ़ने नहीं आ रहे हैं ? अरे, जो खामियाँ हैं उनको सुधारना चाहिए। मान्यवर, अगर हम अपराध की बात करें तो यह पेपर में कह सकते हैं, यह अपने दावों में कह सकते हैं, आप जरा साइबर क्राइम की स्थिति को देख लीजिएगा। हर दूसरा आदमी साइबर क्राइम से प्रभावित है। इतने फ्राड होते हैं, तरह-तरह के फ्राडिये घूमने का काम करते हैं और लोगों को ठगने का काम करते हैं। हमारे नेता आदरणीय मनोज पाण्डेय जी के साथ भी फ्राड हुआ। यह गम्भीर बात है। यह एक ऐसे सदन के सदस्य हैं, जिस सदन में प्रदेश की नीतियाँ बनाने का काम किया जाता है। माननीय अध्यक्ष जी, अगर हम भी इस सरकार के चलते सुरक्षित नहीं हैं तो कौन सुरक्षित होगा ? हम उस व्यक्ति की आवाज कैसे उठायेंगे जो हमें यहाँ चुनकर भेजता है ? मान्यवर, जनपद मुजफ्फरनगर में एम्स की तर्ज पर एक बड़ा अस्पताल खुलना चाहिए।

मान्यवर, हम आई0टी0आई0 का कोर्स चलाते हैं। आई0टी0आई0 लोग करते हैं, लेकिन एक बात समझ में नहीं आती, रोजगार मेले तो लगते हैं, आप सर्वे करा लीजिए, रोजगार मेले में जितने लोग जाते हैं, वह कितने दिन नौकरी कर पाते हैं, कोई रोजगार उन्हें मिल नहीं पाता है। मान्यवर, जब हम प्राइवेट स्कूल खोलते हैं, आई0टी0आई0 या किसी भी तकनीकी कोर्स के लिए, स्कूल प्राइवेट हो या सरकारी हो, स्कूल जितने खुलते हैं, उसी रेशियो में रोजगार दिलाने का काम भी किया जाना चाहिए, इसकी सरकार की जिम्मेदारी बनती है। मान्यवर, आज बेरोजगारी की स्थिति बहुत खराब है। लोग आते हैं, टीचर्स आते हैं, अपनी बात कहने का प्रयास करते हैं, तो महिलाओं को, पुरुषों को पीटा जाता है। आप बड़ी-बड़ी बात करते हैं, लेकिन सरकार का जो दायित्व है, उस पर खरा उतरना चाहिए। मान्यवर, बार-बार सरकारी कर्मचारियों के लिए हमने माँग की। हमारी माँग थी कि पुरानी पेंशन बहाल होनी चाहिए और सरकार को उस पर सोचना चाहिए। समाजवादी पार्टी और हम सब लोग पुरानी पेंशन का समर्थन करते हैं। मान्यवर, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपका आभारी हूँ, धन्यवाद।

***डॉ0 संग्राम यादव-**

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपका आभारी हूँ कि आपने मुझे श्री राज्यपाल महोदया के अभिभाषण पर अपनी बात रखने का अवसर दिया। मैं अपनी पार्टी के नेता माननीय लालजी वर्मा जी की बातों से अपने को सम्बद्ध करता हूँ। मान्यवर, मा0 राज्यपाल महोदया जब इस

*वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

मण्डप में अपना अभिभाषण प्रस्तुत कर रही थीं। उत्तर प्रदेश के जो पिछड़े हैं, दलित हैं और कमजोर तबके के लोग हैं, किसान हैं आदिवासी हैं उनकी नजर उत्तर प्रदेश की विधान सभा पर लगी हुई थी, उन्हें उम्मीद थी कि महामहिम राज्यपाल महोदया के अभिभाषण में उत्तर प्रदेश के अन्दर जातीय जनगणना करा करके जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी को लागू किया जाएगा, लेकिन मान्यवर बड़ी निराशा की बात हुई कि कहीं कोई जातीय जनगणना की चर्चा नहीं हुई और जब तक जातीय जनगणना नहीं होगी तब तक सामाजिक न्याय की परिकल्पना सिर्फ कोरी और बकवास रह जाएगी। मान्यवर, आज बड़े पैमाने पर पिछड़ी जातियों के ऊपर भेद-भाव हो रहा है जैसा कि मा0 लालजी वर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश के 34 विश्वविद्यालयों में एक भी कुलपति आज दलित समाज के नहीं हैं। मान्यवर, हम सबको उम्मीद थी कि उत्तर प्रदेश की सरकार पिछड़े और गरीब तबके के लिए योजनाएं बनाने का काम करेगी, लेकिन आज सरकार के अन्दर इतने कथावाचक हो गए हैं, लेकिन जो उत्साह है अपनी सीटों से वह हमें प्रभु श्रीराम की मर्यादा का, भगवान श्रीराम के बारे में जानकारी देने का काम करता है। मान्यवर, हमारे नेता डॉ0 लोहिया ने सबसे पहले चित्रकूट के अन्दर रामायण मेले का आयोजन किया था। डॉ0 लोहिया ने कहा था कि हे प्रभु अगर मुझे कुछ देना तो प्रभु श्रीराम की मर्यादा देना, कृष्ण का गर्व देना और शिव का मस्तिष्क देना। हमारी जो सनातन संस्कृति है, जो हम अपने घरों पर कथावाचन करते हैं और ब्राह्मण हमें सुनाते हैं कि सनातन धर्म की जय हो, प्राणियों में सद्भावना हो और विश्व का कल्याण हो।

मान्यवर, विश्व में विभिन्न प्रकार की जातियां रहती हैं, विभिन्न प्रकार के धर्म के लोग रहते हैं, हम सबके कल्याण की बात करते हैं, क्या हमारा धर्म इतना संकुचित हो गया है कि क्या आज हम सिर्फ अपने कल्याण की बात कर रहे हैं। हमारी सनातन संस्कृति विश्व के कल्याण की बात करती है, स्वामी विवेकानन्द से जब पूछा गया था कि धर्म क्या है तो स्वामी जी ने कहा था कि जो भूखे पेट है, इनके रोटी का इन्तजाम कर दो धर्म अपने आपमें व्यापक हो जाएगा। मुझे उम्मीद थी कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार अपने उस लोक कल्याण संकल्प- पत्र को दोहराएगी, जिसमें देश के प्रधानमंत्री ने कहा था कि हम उत्तर प्रदेश के अन्दर अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का विश्वविद्यालय बनाएंगे। हमारी आंखें आज ढूंढ रही हैं कि वह आखिर अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का विश्वविद्यालय कहां है। जब भारत का नौजवान और उत्तर प्रदेश का नौजवान पढ़ेगा नहीं तो दुनिया के सामने खड़े होने का काम कैसे कर पाएगा। हम उस संकल्प-पत्र को पढ़ रहे हैं कि आप कहे थे कि हम अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की चिकित्सा व्यवस्था को उत्तर प्रदेश के अन्दर लाने का काम करेंगे। आज आपके महामहिम के अभिभाषण में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की चिकित्सा व्यवस्था का जिक्र नहीं है।

मान्यवर, हद तो तब हो गई, अगर आज आ करके डॉ0 राम मनोहर लोहिया संस्थान में देखें, पी0जी0आई0 में देखें, मेडिकल कॉलेज के के0जी0एम0यू0 में देखें तो एक भी मेडिकल कॉलेज ऐसा नहीं है, आप जैसे सीट पर बैठे लोगों की सिफारिश के बावजूद, सरकार में बैठे हुए मंत्रियों की सिफारिश के बावजूद, इस सदन के मा0 सदस्यों के सिफारिश के बावजूद भी आज पी0जी0आई0 के सी0सी0यू0 जो हमारी यूनिट है वहां की क्या हालत होगी। आप कहते हैं कि वन डिस्ट्रिक्ट, वन मेडिकल कॉलेज अरे प्रभु श्रीराम की मर्यादा की कसम है आपकी सरकार के एक भी राजकीय स्तर का मेडिकल कॉलेज बताइये जहां पर कॉर्डियोलॉजी का डॉक्टर हो और जहां पर ऑपरेशन होता हो, एक भी मेडिकल कॉलेज बताइये जहां पर कैंसर का इलाज होता हो, जिस अस्पताल को आप बनाने का काम किए हैं, क्या जौनपुर का मेडिकल कॉलेज कैंसर का इलाज कर पा रहा है, क्या आजमगढ़ का मेडिकल कॉलेज कैंसर का इलाज कर पा रहा है, क्या कन्नौज का मेडिकल कॉलेज कैंसर का इलाज कर पा रहा है ? आपका एक भी मेडिकल कॉलेज नहीं है जहां असाध्य बीमारियों का इलाज होता हो और हद तो तब हो गई जब हमारे नेता मा0 अखिलेश यादव ने एक मॉडल के तौर पर सुपर स्पेशियलिटी कैंसर इन्स्टीट्यूट बनाया था जिसको आपने बाबू कल्याण सिंह के नाम पर कर दिया। क्या आप लोहिया संस्थान को स्थाई डॉयरेक्टर दे पाए, आज आप कितना प्रभु श्रीराम की दुहाई देंगे। आज कितना आप प्रभु श्रीराम की दुहाई देंगे। आज भगवान को अपनी ढाल के रूप में अपनी कमजोरियों को छुपाने के लिए आप प्रभु-प्रभु चिल्ला रहे हैं। प्रभु तो घट-घट व्यापी हैं। प्रभु तो हर जगह हैं कब तक प्रभु का नाम लेकर इस देश के, उत्तर प्रदेश के बेरोजगारों के लिए आपके पास कोई नीति नहीं है। आज उत्तर प्रदेश का बेरोजगार इजरायल जाने के लिए विवश है।

मान्यवर, आप तो अपनी पत्नी से एक दिन दूर नहीं रहना चाहते। आप तो अपने परिवार से एक दिन दूर नहीं रहना चाहते हो अरे वह भी तो किसी का बेटा है, किसी का पति है, जो पेट की रोटी के लिए आज लाइन लगाकर दूसरे देशों में जाने के लिए विवश है। आप की सरकार पर हमें लानत आती है और तो और आरक्षण का महाघोटाला करते हो। बाबा साहब ने जो संविधान में कहा था आज उसके आधार पर जब हमारा नौजवान 69000 शिक्षक भर्ती में जिसमें भारत का पिछड़ा वर्ग संवैधानिक था खुद मुख्य मंत्री जी ने माना, आज उन पर लाठियाँ चलाते हो, उनके हकों पर डाका डालने का काम करते हो और आप हम पर और हमारे नेता अखिलेश यादव पर छींटाकशी करते हो। दिखाने के लिए आपके पास है क्या ? वर्ल्ड लेविल का पुलिस हेडक्वार्टर बनाने का काम मा0 अखिलेश जी ने किया। जनेश्वर मिश्र के नाम पर एशिया का सबसे बड़ा पार्क बनाया। जय प्रकाश नारायण के नाम पर अन्तर्राष्ट्रीय केन्द्र बनाने का काम किया और आज जब आप यहाँ से निकलते हो चौधरी चरण साहब को

देखते हो तो इस लोक भवन को बनाने का काम मा0 अखिलेश यादव ने किया। आज आप कहाँ खड़े हैं। आपको प्रभु कितना बचाएंगे। कहाँ-कहाँ प्रभु आपको बचाएंगे ? अरे हम तो जिस वंश में पैदा हुए उन्होंने तो दुनिया को गीता का संदेश दिया 'यदा-यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारतः अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्' आपके कितने पापों से आपको भगवान बचाएंगे। अरे मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम तो कण-कण में व्याप्त हैं और अध्यक्ष जी के ऊपर जो तस्वीर लगी है जिन्होंने देश को आजाद कराया था, जिनके नेतृत्व में हम आजाद हुए थे वह अपने भजनों में कहते थे कि रघुपति राघव राजा राम, ईश्वर अल्लाह तेरे नाम और सबको सन्मति दे भगवान। सारे जहाँ से अच्छा हिन्दोस्ताँ हमारा, इन्कलाब जिन्दाबाद। हिन्दू और मुसलमान इस देश की आजादी के लिए हंसते-हंसते फाँसी के फन्दे चूम गये, क्यों बाँट रहे हो, क्यों दिलों को तोड़ने का काम कर रहे हो ? ईश्वर अल्लाह से कोई फर्क नहीं पड़ता है, सबका मालिक एक है। हम मालिक पर बहस नहीं करते इस विधान सभा में हम मालिक पर बहस करने नहीं आए हैं। हम इस विधान सभा में बहस करने आए हैं इस पर कि आजादी के इतने दिनों के बाद आखिर जो बाबा साहब ने संविधान दिया है। आखिर उस संविधान को आप कमजोर क्यों कर रहे हो, क्यों आज अडानी की सम्पत्ति बढ़ती जा रही है, अम्बानी की सम्पत्ति बढ़ती जा रही है और आज गरीब का बेटा दर-दर की ठोकरें खा रहा है। आप उनके लिए हर सूरत में इस मण्डप के नीचे आए हो तो आप हमें राम की कथा सुनाते हो, कृष्ण की कथा सुनाते हो। हम प्रयाग की धरती पर रहे हैं। वहाँ पर लिखा रहता था जब पंडित नारायण दत्त तिवारी जी मुख्य मंत्री थे कि 'को कहि सकई प्रयाग प्रभाऊँ। कलुष पुंज कुंजर मृगराऊँ' आज तो आपके अन्दर इतने सन्त हो गए।

शंकराचार्य को तो आपने बुलाया नहीं, अमिताभ बच्चन जी को बुला लिया, कैटरीना कैफ को बुला लिया हमें कोई आपत्ति नहीं है। हमें इस पर कोई आपत्ति नहीं है। आप बुलायें, लेकिन 4 साल से शिक्षक भर्ती नहीं हुई, सफाई कर्मी की भर्ती नहीं हुई और जब मैं पिछली बार बोल रहा था कि पुलिस की भर्ती नहीं हुई तो अध्यक्ष जी ने मुझे टोका था, लेकिन अध्यक्ष जी का धन्यवाद कि हम सब संज्ञान में लाये। आज जब पुलिस भर्ती का विज्ञापन निकाले हैं पन्ने पलटकर देख लें 50 लाख से ज्यादा आवेदन आए हैं। कौन सरकारी अधिकारी आपको आंकड़ा देता है कि उत्तर प्रदेश की बेरोजगारी कम हो गई है। उत्तर प्रदेश की बेरोजगारी वर्ष 2024 में आपको पता चल जाएगी। वर्ष 2024 में आपको पता चल जाएगा। मा0 अखिलेश यादव जी, उत्तर प्रदेश के अन्दर लगातार शिक्षा और रोजगार के सवाल पर और किसान के सवाल पर आज पूरी तौर पर एक शब्द कहते हुए मान्यवर, मैं सरकार से अपील करना चाहता हूँ कि बड़ा भारी भरकम बजट रखा गया है, लेकिन मैं लगातार 7 साल से कह रहा हूँ कि कप्तानगंज-अहरौला मार्ग हमारे क्षेत्र में बहुत जर्जर है, अभी मैंने हजारों लोगों के साथ पदयात्रा

की उसको आप बनवा दें, आपकी बड़ी कृपा हो जाएगी। मान्यवर, समय में रहते हुए मैं अपनी बात को समाप्त करता हूँ, मा0 अध्यक्ष जी, आपका बहुत-बहुत आभार, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री हरेन्द्र सिंह-

माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए मैं आपका धन्यवाद व आभार व्यक्त करता हूँ। मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपको अवगत कराना चाहता हूँ कि लगभग 5 सौ साल भगवान राम के टेण्ट में रहने के बाद उन्हें भव्य मंदिर में विराजमान कराने के लिए मैं अपने देश के यशस्वी प्रधानमंत्री मा0 नरेन्द्र मोदी जी व प्रदेश के मुखिया मा0 योगी आदित्यनाथ जी का धन्यवाद करता हूँ। मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपको बताना चाहता हूँ कि 22 जनवरी, 2024 का अपने घर वापसी का आयोजन अब तक का देश और दुनिया का सबसे भव्य आयोजन कराने के लिए मैं अपने देश के यशस्वी प्रधानमंत्री मा0 नरेन्द्र मोदी जी व प्रदेश के लोकप्रिय मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद व आभार व्यक्त करता हूँ। माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपको बताना चाहता हूँ कि केन्द्र व प्रदेश में डबल इंजन की सरकार बनने के बाद देश व प्रदेश में अभूतपूर्व बदलाव देखने को मिला है। जब देश में 2014 से पहले परिवारवाद, वंशवाद, भ्रष्टाचार व देश में एक भय का माहौल था। आपने उस समय देखा होगा कि एक ही परिवार में प्रधान से लेकर चीफ मिनिस्टर तक सब एक ही परिवार में रहते थे। एक काम भारतीय जनता पार्टी ने नहीं किया, शायद इसलिए मेरे विपक्ष वाले मेरे भाई परेशान रहते हैं कि उन्होंने परिवारवाद नहीं किया। जो कार्य करेगा, वह भारतीय जनता पार्टी में आगे बढ़ेगा। वर्ष 2014 के बाद मा0 मोदी जी के नेतृत्व में मात्र लगभग 10 साल में विकास व देशहित में वो काम हुए जैसे धारा-370, 35ए को हटाना। बार्डर पर भी हमारे ही बच्चे रहते हैं। हम किसान परिवार से ही आते हैं। आप सबने देखा होगा कि हमारे ही भाई फौजी को लात मारी, हेल्मेट गिर गया, लेकिन वह गोली नहीं चला सकता था। आज ऐसा नहीं हो सकता है, क्योंकि उसका इलाज करने के लिए मा0 नरेन्द्र मोदी जी, देश के यशस्वी प्रधानमंत्री जी ने फौजियों के लिए जो बार्डर पर किया है, वह कोई नहीं कर सकता। चन्द्रयान की सफल लैंडिंग, जी-20 की अध्यक्षता, नारी शक्ति वंदन अधिनियम व अनेकों अनेक कार्य किये गये। परमाणु सम्पन्न देश, देश की सीमायें सुरक्षित व आतंकवादियों को उनके घर में, उनकी भाषा में जवाब देना, यह केन्द्र सरकार की गरीब कल्याणकारी योजना, 80 करोड़ जनता को फ्री अनाज, आयुष्मान कार्ड से 5 लाख तक का फ्री इलाज, फसल बीमा, प्रधानमंत्री आवास, उज्ज्वला योजना व अनेकों योजनाएं लागू कीं।

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपको बताना चाहता हूँ कि 2017 से पहले प्रदेश में भय का माहौल था। जहाँ उत्तर प्रदेश को माफिया, भ्रष्टाचारी, दंगाइयों व बीमारू प्रदेश के नाम से

जानते थे, वहीं 2017 के बाद मा0 योगी जी की सरकार बनने के बाद प्रदेश को इन सब नामों से मुक्त कर दिया गया और प्रदेश में मा0 योगी जी के नेतृत्व में रामराज्य की स्थापना हुई।

(इस समय 06 बजकर 48 मिनट पर अधिष्ठाता श्री मनीष असीजा पीठासीन हुए।)

आज प्रदेश में मा0 मुख्य मंत्री योगी जी की सरकार अपराध व अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेन्स की नीति के कारण प्रदेश उत्तम से अति उत्तम बनने की ओर अग्रसर है। वहीं आज माननीय योगी जी के नेतृत्व में देश और दुनिया का हर उद्योगपति अपना आशियाना व उद्योग, उत्तर प्रदेश में लगाना चाहता है। पहले उत्तर प्रदेश केन्द्र की राजनीति की दशा व दिशा तय करता था, लेकिन आज माननीय योगी जी का उत्तर प्रदेश देश की अर्थव्यवस्थाओं की दशा व दिशा तय करता है। आज उत्तर प्रदेश को अर्थव्यवस्था में ग्रोथ इंजन के रूप में जाना जाता है। आज माननीय योगी जी का उत्तर प्रदेश विकास की नयी इबादत लिख रहा है। आज उत्तर प्रदेश केन्द्र की जनकल्याणकारी योजनाओं को लागू करने में पहले नम्बर पर है और अर्थव्यवस्था में दूसरे नम्बर पर है। हमारी सरकार में युवा, गरीब, किसान, महिलायें, वंचित, शोषित आदिवासियों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, स्वच्छता सभी क्षेत्रों में बिना भेद-भाव के सभी वर्गों को लाभ मिल रहा है। हमारी सरकार ने अप्रैल, 2022 से किसानों की ट्यूबवेल का सिंचाई का जो बिल जाता था वह माफ कर दिया है। एक बात मैं और बताना चाहूंगा कि पहले किसान खेत में रात में पानी लगाता था, अभी मेरे भाई कह रहे थे कि किसानों के लिए दिन में कर दें, लेकिन हमारे इधर तो पूरे क्षेत्र में है, पता नहीं उनके यहां कैसे ऐसा हो रहा है कि दिन में ही लाइट आती है और किसान दिन में ही खेत की सिंचाई करता है और 18 घण्टे घर की लाइट आती है और घर में आराम से रात को सोता है।

मैं बताना चाहूंगा कि मैं विधान सभा क्षेत्र गढ़मुक्तेश्वर से आता हूँ और गढ़मुक्तेश्वर में हिन्दुस्तान का सबसे बड़ा मेला लगता है, जिसमें 50 से 60 लाख श्रद्धालु आते हैं। मेरा आपसे निवेदन है कि वहां पर रास्ता थोड़ा छोटा है उसको फोर लेन का बना दिया जाय, जिससे कि श्रद्धालुओं को आने-जाने में कोई परेशानी न हो। दूसरा मैं बताना चाहूंगा कि गढ़मुक्तेश्वर धान की पश्चिमी उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी मण्डी है। उसमें जगह कम है उसे थोड़ा बड़ा कर दिया जाय, जिससे किसान और व्यापारियों को फायदा होगा। यही मेरा कहना है। एक बार जोर से बोलेंगे, जय जय श्रीराम। धन्यवाद।

श्री माधवेन्द्र प्रताप सिंह-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण पर माननीय नीरज बोरा द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद प्रस्ताव के समर्थन पर बोलने का अवसर दिया। मैं आपका बहुत-बहुत आभार व्यक्त करता हूं। जिस प्रकार सदन में माननीया जी के अभिभाषण पर शोर-शराबा किया गया, उनके लिए तमाम कटाक्ष किए गए यहां तक की पोस्टर लहराया

गया जो कि नियम के विपरीत था, हमारी गरिमा के विपरीत था। हम लोग नारी का वंदन करते हैं, आधी आबादी को पूजते हैं। जिस प्रकार हमारे माननीय प्रधानमंत्री जी, माननीय मुख्य मंत्री जी नारियों का सम्मान करने के लिए लोक सभा और विधान सभा में उनका आरक्षण ले करके आये हैं, नारी की प्रतिमूर्ति हमारी महामहिम राज्यपाल का जो अपमान किया गया, हमारे साथियों ने जो आचरण किया है, उसके लिए मै खेद व्यक्त करता हूं। उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए हमारे मुख्य मंत्री जी के प्रयासों से तमाम कार्य हुए हैं, जिससे उत्तर प्रदेश का विकास हो रहा है। आज उत्तर प्रदेश में नये निवेश आमंत्रित किये जा रहे हैं, जिस प्रदेश में उद्योगों का पलायन हो रहा था आज वहां उद्योगों की बाढ़ सी आयी हुई है। उद्योग स्थापित करने की होड़ लगी हुई है।

जैसे-जैसे आप देखेंगे हर जिले में, हर क्षेत्र में नये-नये उद्योग स्थापित हो रहे हैं और नये प्रयास किये जा रहे हैं। सरकार के प्रयासों से क्षेत्र के विकास के साथ-साथ बहुत अच्छी तरह से युवाओं को रोजगार दिया जा रहा है, युवाओं के लिए शिक्षा के नये संसाधन विकसित किये जा रहे हैं। अभी आपने देखा होगा कि उनको सरकार की तरफ से 25 लाख मोबाइल फोन और टैबलेट बाँटे गये हैं, यह बहुत महत्वाकाँक्षी योजना है। उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाया जा रहा है। अभी हमारे कुछ प्रतिपक्ष के साथी कह रहे थे कि कोई विकास नहीं हुआ है। मैं बताना चाहता हूँ, पता नहीं वह प्रदेश को कैसे देख रहे हैं, उन्हें न जाने अपनी सरकारों के सपने याद आ रहे हैं। आज उत्तर प्रदेश कितना आगे बढ़ चुका है, हर जिला मुख्यालय पर मेडिकल कॉलेज बना है, हर मण्डल मुख्यालय पर आज विश्वविद्यालय बना है। नये-नये विश्वविद्यालय बनाये जा रहे हैं। शिक्षा के नये-नये संसाधन विकसित किये जा रहे हैं। यहाँ तक आप देखिये कि खेलों का विश्वविद्यालय खोला गया है, आयुष का विश्वविद्यालय खोला गया है। मेडिकल का विश्वविद्यालय खोला गया है, इंजीनियरिंग का विश्वविद्यालय खोला गया है। बहुत सारे अन्य तकनीकी विश्वविद्यालय खोले जा रहे हैं और शिक्षा की गुणवत्ता का विकास हो, आज अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर हमारे संस्थानों की ग्रेडिंग हुई है। माननीय मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में हमारी कई यूनिवर्सिटीज ने ए प्लस ग्रेडिंग प्राप्त की हैं। जैसा उत्तर प्रदेश का विकास इस सरकार में हुआ है, मैं समझता हूँ कि उत्तर प्रदेश अब उत्तम प्रदेश बन गया है।

कानून व्यवस्था की जो स्थिति है, आज सही मायने में यह दर्शाता है कि उत्तर प्रदेश में रामराज्य आ गया है। आज भव्य भगवान राम का मंदिर बनाया गया है, भगवान राम 500 वर्षों के बाद अपने भव्य-धाम में विराजित हुए हैं। इसके लिए मैं माननीय मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद देता हूँ, माननीय प्रधानमंत्री जी को धन्यवाद देता हूँ। कुछ लोगों ने आपत्तियाँ उठाईं कि प्रधानमंत्री जी क्यों मंदिर में पहुँच गये तो मैं कहता हूँ कि प्रधानमंत्री जी 140 करोड़ लोगों के प्रतिनिधि हैं। अगर वह मंदिर के लोकार्पण में पहुँचे हैं, मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा में पहुँचे हैं

तो हम सबके लिए यह गौरव की बात है, जन-जन के लिए गौरव की बात है, पूरे देश के 140 करोड़ लोगों के लिए गौरव की बात है कि हमारे प्रतिनिधि के रूप में प्रधानमंत्री जी वहाँ पर पहुँचे और जिस प्रकार राम मंदिर ट्रस्ट ने देश के गरीब से गरीब तबके के और विभिन्न सम्प्रदाय के लोगों को वहाँ बुलाया, वहाँ पर 16 यजमान बनाये गये, जिन्होंने राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा कराई है, निश्चित रूप से यह बहुत शुभ संकेत है, वहाँ सभी समाज के लोगों को सम्मान दिया गया। राम मंदिर की स्थापना से, जो हमारी आस्था के प्रतीक थे, जो हमारे आराध्य थे, आज उनको भव्य स्थान मिला है। यह हमारी सैकड़ों वर्षों से चली आ रही लड़ाई थी, आज उसको विराम मिला है।

मान्यवर, एक प्रकार से कहा जाये तो हमारे समाजवादी पार्टी के साथियों ने इस बात पर बड़ा कटाक्ष भी किया और उनको बुलाया गया, वह स्वयं नहीं गये कि उनका जो अल्पसंख्यक वोट है, कहीं वह नाराज न हो जाये। कब तक अल्पसंख्यक को वोटों के लिए डराते रहेंगे, धमकाते रहेंगे और इस तरह की बाँटने की बात करते रहेंगे ? मान्यवर, मैं आपके माध्यम से पूरे सदन को बताना चाहता हूँ कि जब राम मंदिर निर्माण के लिए चन्दा लिया जा रहा था तो मेरी विधान सभा क्षेत्र के तमाम मुस्लिम साथियों ने लाखों रुपये इकट्ठा करके राम मंदिर निर्माण के लिए चन्दा दिया। मैं ऐसे मुस्लिम भाइयों को धन्यवाद देता हूँ। राम मंदिर के निर्माण में जो पत्थर आया है, मार्बल आया है, वह मुस्लिम भाइयों की खदानों से आया है और उन्होंने उचित मूल्य पर बिना कोई प्रॉफिट लिए मार्बल भेजा। राम मंदिर का जो झण्डा बना है, वह हमारे राँची के मुस्लिम समाज के दर्जियों ने बना करके भेजा। वहाँ पर ऐसे तमाम उपहार मुस्लिम समाज के लोगों ने भेजे हैं। इन लोगों को शर्म आनी चाहिए, यहाँ तक कि बाबरी मस्जिद के जो पक्षकार इकबाल अंसारी थे, वह स्वयं राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में पहुँचे हैं और अयोध्या के विकास, वहाँ के भव्य धाम के निर्माण को देखते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री जी और मुख्य मंत्री जी के ऊपर फूल बरसाये। अब आपकी चालें, अल्पसंख्यक समाज भी समझ गया है और वह आपके झांसे में आने वाला नहीं है। अगर आपको अपने पाप का प्रायश्चित करना है तो आप अयोध्या में जाइये और राम भक्तों पर जो गोली चलाई है, उनसे माँफी माँगिये। आज भी सदन में हमारे प्रतिपक्ष के मित्रों ने एक आवाज उठाई कि हाँ, मैंने गोली चलाई है और आगे भी वह अवसर आयेगा तो गोली चलायेंगे। अगर आप गोली चलाओगे तो अभी तो आप इतनी संख्या में आये हैं, अगली बार आपका सूपड़ा साफ होने वाला है। अब यह जनता बर्दाश्त करने वाली नहीं है। देश का पुरुषार्थ जाग गया है। इस देश का स्वाभिमान जाग गया है। बहुत दिनों तक आपने इस देश को गुलाम बनाया और हिन्दू-मुस्लिम की लड़ाई लड़ा करके देश को बाँटते रहे हैं। अब देश की जनता सम्प्रदायों की लड़ाई बर्दाश्त करने वाली नहीं है। देश देख रहा है कि एक समान विकास हो रहा है। सबका साथ और सबके विकास

के आधार पर जो प्रधानमंत्री जी का कार्य है, उसमें अल्पसंख्यकों को उसी प्रकार का सम्मान मिल रहा है, उनको योजनाओं को उसी प्रकार से लाभ मिल रहा है। दलितों को भी उसी प्रकार का उत्थान मिल रहा है। माननीय मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में पूरे प्रदेश का एक समान विकास हो रहा है।

मान्यवर, मैं आपके माध्यम से एक प्रस्ताव रख रहा हूँ। हम लोग 11 तारीख को अयोध्या दर्शन करने जा रहे हैं और उस दिन सरकार की तरफ से जो भगवान राम के वंशज हैं, जिन्होंने सैकड़ों वर्षों से अपनी पगड़ी और पादुकायें त्याग रखी थी, कम-से-कम वहाँ उनको बुला करके, उनको पगड़ी और पादुकायें पहनाई जायें तो हमारे पापों का कुछ प्रायश्चित हो जायेगा। इस प्रकार के कार्य सरकार के माध्यम से करा सकते हैं और हमारे प्रतिपक्ष के साथी भी उसमें शामिल रहे तो ज्यादा बेहतर होगा। इन्होंने जो गोलियाँ चलाई है उसके पापों का इन्हें प्रायश्चित मिल जायेगा। आज जिस प्रकार देश में सामाजिक सौहार्द और भाईचारा की गंगा बहती चली जा रही है, माननीय जी के नेतृत्व में गुजरात चुनाव में गया था। वहाँ पर जो अल्पसंख्यक बाहुल्य सीटे हैं, वहाँ पर भी भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी जीते हैं। मैं कश्मीर में कुछ दिन पहले गया था वहाँ पर स्थानीय नगर निकाय एवं नगर निकाय के चुनाव हुये थे। वहाँ पर मुस्लिम बाहुल्य जिलों में जिला पंचायत, नगर पालिका, नगर पंचायत की सीटों पर भारतीय जनता पार्टी ही जीती है। यह जो बँटवारा करते थे मुस्लिमों में आज वहाँ भी भारतीय जनता पार्टी की सीटें बढ़ गयी हैं। मा0 प्रधानमंत्री जी, मा0 मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में देश और प्रदेश का सर्वांगीण विकास हुआ है, उससे सीधा-सीधा लाभ उन लोगों को भी मिला है। अयोध्या में जो विकास हो रहा है वहाँ पर देश ही नहीं पूरे विश्व के मुस्लिम समाज के लोग अपने उद्योग लगाने जा रहे हैं। दुबई, सउदी अरब के लोग भी वहाँ पर पांच सितारा और सात सितारा होटल खोलने जा रहे हैं जो मुस्लिम समाज के लोग हैं। यह कहते हैं कि मुस्लिम समाज नाराज हो जायेगा। आज जिस प्रकार से योगी जी के नेतृत्व में पूरा प्रदेश, उत्तम प्रदेश बना है, कानून व्यवस्था की उत्तम स्थिति बनी है, मैं समझता हूँ कि सब लोग इससे सहमत हैं और सब लोग भारतीय जनता पार्टी के कार्यों से संतुष्ट हैं।

मान्यवर, मैं आपके माध्यम से अपने क्षेत्र की कुछ समस्याएं रखना चाहता हूँ। हमारे प्रदेश में बहुत सारे विश्वविद्यालय बनाये गये। हमारे श्रद्धेय प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेई जी पत्रकार थे। पत्रकारिता का कोई भी विश्वविद्यालय अपने प्रदेश में नहीं है, तो आपके माध्यम से सरकार से प्रस्ताव भेजना चाहूंगा कि उत्तर प्रदेश में अटल जी के नाम पत्रकारिता का विश्वविद्यालय खोला जाये, जिससे हमारे बच्चे पत्रकारिता की शिक्षा प्राप्त करके उसमें पहुंच सकें। अयोध्या एक ऐसा तीर्थस्थल बनने जा रहा है, जहाँ अनुमान है कि प्रतिवर्ष 10 से 12 करोड़ तीर्थ यात्रियों की जनसंख्या पहुंचेगी। ऐसे में स्थिति को नियंत्रित करने के लिए वहाँ

पर कम-से-कम चार-पाँच बड़े भवन बने, जिससे आकस्मिक रूप से यात्रियों की जब भारी संख्या पहुंचे तो वहाँ पर उनको रोका जा सके। उसमें से हमारे श्रद्धेय बाबू कल्याण सिंह जी के नाम पर एक भवन बनाया जाये और वहाँ पर उनकी प्रतिमा स्थापित की जाये, यही मैं निवेदन करता हूँ। मान्यवर, उत्तर प्रदेश एक्सप्रेस-वे का प्रदेश बनता चला जा रहा है, बहुत सारे एक्सप्रेस-वे बनाये जा रहे हैं। हमारी विधान सभा क्षेत्र से गंगा एक्सप्रेस-वे बन रहा है। मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूँ कि उसके साथ-साथ रैपिड ट्रेन भी निकाली जाये तो हमारा उत्तराखण्ड और बुन्देलखण्ड से ले करके कोलकाता तक एक आवागमन का साधन बनेगा। हमारे विधान सभा क्षेत्र से कुछ मांगे हैं जो मैं आपके माध्यम से सरकार को भेजना चाहता हूँ। हमारे क्षेत्र में उच्च शिक्षा का कोई केन्द्र नहीं है, एक डिग्री कॉलेज हमारे विधान सभा क्षेत्र में बनवाया जाये। हमारी विधान सभा क्षेत्र में एक पॉलीटेक्निक बनवा दिया जाये। हमारे यहाँ हरपालपुर को नगर पंचायत बनाने व सवायजपुर को नगर पंचायत एवं विकास खण्ड बनाने का प्रस्ताव शासन में लम्बित है, उसको स्वीकृत करा दिया जाये।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 सदस्य अब अपनी बात समाप्त करें।

श्री माधवेन्द्र प्रताप सिंह-

मान्यवर, एक मिनट में अपनी बात समाप्त कर रहा हूँ। भरखनी ब्लाक मुख्यालय है, उस पर बना हुआ सी0एस0सी0 भवन जर्जर हो गया है, वहाँ आज डाक्टर नहीं बैठ पा रहे हैं, उस भवन का पुनर्निर्माण करा दिया जाये। चियासर घाट पर गंगा जी पर पक्का पुल बना दिया जाये। मैकपुर, मुंडेर और दहिलिया में पी0एच0सी0 की स्थापना करा दिया जाये। यू0पी0 सीडा द्वारा मानमंगला में औद्योगिक क्षेत्र का विकास करा दिया जाये। खम्हरिया में 15 बेड का आयुष हास्पिटल बनवा दिया जाये। जो धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है उस पर बल देता हूँ, उसका समर्थन करता हूँ। बहुत-बहुत धन्यवाद।

***श्री चन्दन चौहान-**

माननीय अधिष्ठाता महोदय, मैं आपको धन्यवाद देता हूँ कि आपने मुझे महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण पर हो रही चर्चा में भाग लेने का मौका दिया। मैं शुरुआत करता हूँ बिलाल भाई की कुछ पंक्तियों से कि-

ये कीर्तन, भजन, ये अजाने कौन सुनेगा,
नफरत की इस लड़ाई में आखिर कौन बचेगा,
सुनिये विपक्ष की बात भी इस लोकतन्त्र के मन्दिर में,
हम भी रहे खामोश तो फिर सच कौन कहेगा।

---

*वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

आदरणीय अधिष्ठाता जी, महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण में उत्तर प्रदेश को ड्रीम डेस्टीनेशन का संज्ञान दिया, इसमें सच्चाई यह है कि किसानों के, नौजवानों के और आज के समय में उन सबके भविष्य के सपनों को तोड़ने का डेस्टीनेशन उत्तर प्रदेश बन गया है। मैं यह बात इसलिए कह रहा हूँ, क्योंकि इसी का उदाहरण आदरणीय गन्ना मंत्री जी नहीं हैं, लेकिन किसानों के साथ जो छलावा इस बार हुआ है वह पूर्व में कभी नहीं हुआ होगा। पहली बार पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अन्दर मिलों से अधिक मूल्य में गन्ना कोल्हू पर बिकने का काम हो रहा है। यह सच्चाई है कि 20 रुपए बढ़ाये गये हैं, लेकिन जो खर्च का अनुपात है अगर उसका मापदण्ड करेंगे तो कहीं न कहीं किसानों के साथ छल करने का काम बड़े-बड़े अधिकारियों ने और सरकार ने करने का काम किया है। इस बात को मैं सदन के माध्यम से कहना चाहता हूं, राज्यपाल जी हमारा भी संज्ञान लें, किसानों ने बहुत बड़े-बड़े मांगपत्र अधिकारियों के माध्यम से उन तक पहुंचाने का काम किया था। लेकिन ऐसी उम्मीद नहीं थी कि यह भी लाइनें उनके अभिभाषण में आयेंगी, इससे हम सबमें घोर निराशा देखने को मिली है। जहां हरियाणा ने इस वर्ष के साथ-साथ अगले वर्ष का भी रेट घोषित कर दिया है, वहां आज हम उसके अनुपात में कोसों दूर हैं।

मान्यवर, जब पॉल्यूशन फ्री प्रदेश बनाने की बात करते हैं और इलेक्ट्रिक व्हीकल फ्रेंडली एटमॉस्फेयर उत्तर प्रदेश के साथ-साथ पूरे देश में एक बड़ी मुहिम जन-भागीदारी के साथ सुनिश्चित करना चाहते हैं ऐसे में इन व्हीकल्स को कर्नाटक या अन्य राज्यों की तरह रोड फ्री करने का संज्ञान होता तो यह बहुत अच्छा होता। जल मार्ग को बेहतर बनाने के लिए प्राधिकरण अधिनियम, 2023 के अन्तर्गत जहां पूर्वी उत्तर प्रदेश में बहुत सी योजनाएं बनायी गयी हैं, हमें उससे कोई परहेज नहीं है, लेकिन जहां पानी की उपलब्धता है और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में दोआब गंगा-यमुना के बीच की धरती से हम आते हैं अगर वहां भी इस योजना को लाया जाता तो यह बेहतरी से जल मार्गों को सुधारने का काम होता। आदरणीय अधिष्ठाता महोदय, इस वित्तीय वर्ष के अभिभाषण में बताया गया है कि ग्रामीण क्षेत्र में 18 घण्टे 9 मिनट, तहसील क्षेत्र में लगभग 21 घण्टे और शहरी क्षेत्र में 24 घण्टे बिजली देने का काम सरकार कर रही है, लेकिन सच्चाई यह है कि ये लक्ष्य से आज भी कोसों दूर है। हम भी जनप्रतिनिधि हैं और दोनों पक्ष जनता से चुनकर आते हैं आप जानते हैं कि अगर सौ समस्याएं दिन भर में आती हैं तो उसमें से 60 समस्याएं ऊर्जा विभाग की हम लोगों को देखने को मिलती हैं। यदि इतना बेहतरीन काम हुआ होता तो शायद समस्याओं का अनुपात कम होता। मैं ज्यादा न कहते हुए समय-सीमा की बाध्यता को देखते हुए अपनी बात रखूंगा। एक ऑपरेशन कायाकल्प चलाया जाता है जिसमें लक्ष्य रखा गया था कि 1 लाख 32 हजार स्कूलों का कायाकल्प कर दिया जायेगा।

मैंने महामहिम राज्यपाल जी का पिछले वर्ष का भी अभिभाषण देखा, पिछले वर्ष 14 नम्बर पृष्ठ पर उन्होंने बताया था कि 92 परसेंट कार्य की भौतिक प्रगति हो गई है और इस वर्ष बताया कि 93 परसेंट हो गई है। अगर अनुपात को चेक कर लिया जाय तो 1320 स्कूल बैठते हैं, जबकि शेष अगर मैं बताऊं तो लगभग 10 हजार से अधिक विद्यालय ऐसे हैं जहां ऐसी ठण्ड में बच्चे बाहर बैठकर पढ़ने के लिए मजबूर हैं, इसको अगले वर्ष जब वह अभिभाषण में आएं तो 100 प्रतिशत अगर ऑपरेशन कायाकल्प पूरा हो जायेगा तो निश्चित रूप से जनता को और हमारे प्यारे बच्चों को आने वाले समय में एक बेहतर अनुपात में शिक्षा पर ध्यान दिया जाएगा। आपने विश्वविद्यालयों की संख्या निश्चित रूप से बढ़ाई और स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय का हमारे तीन जनपदों का अलग करके, माँ शाकुम्भरी देवी विश्वविद्यालय की स्थापना की गयी। जहां अभी बहुत से बच्चों ने हमारे जनपद मुजफ्फरनगर में भूख हड़ताल पर बैठने का काम किया क्योंकि आज भी इन्फ्रास्ट्रक्चर पूरा नहीं है। न्यू एजुकेशन पॉलिसीज में जो खामियाँ हैं इस सदन को व यहां सभी सदस्यों को केन्द्र सरकार को प्रस्ताव बनाकर भेजना चाहिए क्योंकि ईयर बैक के चक्र में फँसाकर युवाओं का मनोबल तोड़ने का काम कर रहे हैं, ऐसी योजनाओं में खुद इंटरवीन करके बच्चों को और युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करके उनको बेहतर करने का काम करना चाहिए। क्योंकि बहुत से ऐसे डिसीजन मान लिये गये हैं, हम ग्रामीण अंचल से आते हैं बहुत से कॉलेजों की मनमानी होने लगी, उन्होंने आदेश कर दिये और एग्जाम टाईमिंग्स जल्दी रख दीं, जो दूर ग्रामीण अंचल से बच्चा आता है वह सही समय पर न पहुंच पाए और उसका एग्जाम नहीं हो पाये तो उसके भविष्य से बड़ा खिलवाड़ होने का काम हो सकता है। ऐसी पॉलिसीज के खिलाफ सबको एक मत होकर आने वाले समय में केन्द्र सरकार को प्रस्ताव भेजकर इसमें बदलाव को सुनिश्चित करना चाहिए।

मान्यवर, इस अभिभाषण को पढ़ते हुए यह बताया गया कि 29 जनपदों में गौ-आश्रित खेती की जा रही है और मैं बहुत जिम्मेदारी के साथ कहना चाहता हूँ कि 75 के 75 जनपदों में छुट्टे पशुओं से खेती का सर्वनाश हो रहा है और एक बहुत बड़ा संदेश और खेती में नुकसान किसानों को झेलना पड़ रहा है। अभी ई-खसरा 27 हजार राजस्व की पड़ताल चल रही है, पर इसमें भी मैं सबमिशन करना चाहता हूं कि यह भी योजना रियल टाइम खतौनी जटिलताओं में न फसे। रियल टाइम खतौनी में जो कमियां हैं, वह ई-खसरा में न आएं इसको भी सुनिश्चित किया जाए। मान्यवर, 7.50 लाख टी0सी0डी0 से बढ़ाकर 8.50 टी0सी0डी0 गन्ने की इस बार पेराई पिछले वर्ष में हुई थी, सरकार ने अपनी पीठ थपथपाई और आज की तारीख में सच्चाई यह है कि 0.238 टन हमारा बीज खराब हो चुका उसके बाद खर्चा जिस अनुपात में आ चुका है, उससे गन्ने की पैदावार कम होगी। इसके लिए कैसे आप बीजों को

बेहतर बना सकते हैं, कैसे किसानों की मदद कर सकते हैं इस पर नजर रखते हुए, मेरे क्षेत्र में एक मोरना शुगर मिल के विस्तारीकरण की घोषणा नेता सदन द्वारा वर्ष 2021 में करी गयी थी, अगर इस बार भी उसका अभिभाषण में हिस्सा होता तो वहां के किसानों का बहुत सुधार करने का काम करता। लगभग 3 वर्ष हो चुके हैं उस घोषणा को इस लोकतंत्र के मंदिर में आपके माध्यम से सरकार के जिम्मेदार लोग सब बैठे हैं, अगर इस मिल का विस्तारीकरण हो जाएगा। तो वहां के किसानों का फायदा हो जायेगा। पिछले वर्ष 362 लाख मीट्रिक टन दूध का उत्पादन बताया और इस बार 391 लाख मीट्रिक टन दूध का उत्पादन किया, मैं इसमें यह कहना चाहूंगा कि यह बड़ी मिलावट है कि आप मशीनों से दूध उत्पादन नहीं बढ़ा सकते, आप नस्ल सुधार से, पशुओं की नस्ल सुधार कर उत्पादन बढ़ा सकते हैं। मैं यह कहना चाहूंगा कि पूरे सदन को एक मत होकर एक राय होकर यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आने वाले समय में स्वर्गीय चरण सिंह जी को भारत रत्न दिया जाए। मैं अंतिम चार लाइन पड़ते हुए बस यही कहना चाहता हूँ कि-

''राम मेरे मन में हैं, राम तेरे मन में हैं
मन से रावण जो निकाले, राम उसके मन में है।''

बहुत-बहुत धन्यवाद। जय हिन्द, जय किसान।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 श्री राममूर्ति वर्मा जी (अनुपस्थित), मा0 डा0 आर0 के0 वर्मा जी (अनुपस्थित), मा0 श्री विनोद चतुर्वेदी जी (अनुपस्थित), मा0 श्री अतुल प्रधान जी।

***श्री अतुल प्रधान-**

मा0 अधिष्ठाता महोदय, धन्यवाद। आपने मुझे महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण पर संशोधन प्रस्ताव रखने का मौका दिया, उसके लिए मैं आपका आभारी हूँ। भगवान राम पर चर्चा हुई और कई अन्य विषयों पर लोग अपने-अपने क्षेत्र की चर्चाएं करेंगे, लेकिन मैं सरकार को याद दिलाना चाहता हूँ कि हमने भी रामलीला देखी है। पुराने समय में टी0वी0 पर रामायण आया करता था। लोग लम्बी-लम्बी लाइनें लगाकर रामायण सीरियल को देखा करते थे। मैं भी जब उस समय को याद करता हूँ, तो कहीं न कहीं भाव उमड़ पड़ते हैं, लेकिन उसकी एक चौपाई है, जो मैं आपके सामने रखना चाहता हूँ और सरकार को आइना दिखाना चाहता हूँ कि-

रघुकुल रीति सदा चल आई, प्राण जाय पर वचन न जाई।।

---

*वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

मा0 अधिष्ठाता महोदय, इसके ठीक उल्टा यह सरकार कार्य कर रही है। जितने वचन जनता को देती है, उससे ठीक उल्टा काम ये सरकार करती है। किसी क्षेत्र को देखिए, हालांकि पक्ष और प्रतिपक्ष दोनों यहाँ पर मौजूद हैं और संख्या कम है, लेकिन इनको एक-एक चीज का हम लोग आइना दिखाना चाहते हैं और इनको ये भी ध्यान रखना चाहिए कि आइना कभी झूठ नहीं बोलता, चाहें उसको सोने के फ्रेम में जड़ दो। आप इस समय सोने के फ्रेम में जड़कर उस आइने को सोच रहे हैं कि वह आपके जैसा बोले। आप झूठ को सच बनाना चाहें, तो सच बन जाए और सच को अगर झूठ बनाना चाहें, तो वह झूठ बन जाए, लेकिन ये हो नहीं सकता।

मान्यवर, अभिभाषण में स्वास्थ्य सेवाओं की चर्चा हुई है, लेकिन स्वास्थ्य सेवाओं पर चर्चा तमाम लोग करते हैं, लेकिन जमीन की जो हकीकत है, उससे रूबरू होकर सामना करना जरूरी है। किसी सीएचसी/पीएचसी, जिला अस्पताल व मेडिकल कॉलेज पर पहुंचिए, तो वहाँ पैरामेडिकल स्टाफ नहीं है, डाक्टर्स की भारी कमी है, मशीनें धूल फांक रही हैं। स्वास्थ्य सेवाएं बद से बदतर हैं। मैं अगर अपने पश्चिम की बात करूँ, तो मुझे पिछले दिनों उन वंचित, शोषित, असहाय, पीड़ित और गरीब लोगों के लिए डेढ़ माह आंदोलन करने का मौका मिला। मैं जहाँ खड़ा हूँ, यह भी एक मंदिर है। मैं इस मंदिर में खड़े होकर एक-एक शब्द ईमानदारी से बोलूँगा। हमारे पश्चिम में सिर्फ वही व्यक्ति सरकारी अस्पतालों में जाता है, जिनके पास या तो पैसे हैं नहीं, या जिनके पैसे खत्म हो जाएं, वह सरकारी अस्पताल की तरफ रुख करता है। वरना सबके सब लोग प्राइवेट अस्पताल में जा रहे हैं।

मा0 अधिष्ठाता महोदय, इस सरकार का सबसे बड़ा फार्मूला है कि हर चीज को निजीकरण की तरफ ढकेल दीजिए, लेकिन आप बताइए, जो हमारे पूर्व के साथियों ने कही कि किसी अस्पताल के अन्दर पहुंचिए, तो क्या कैंसर का इलाज है ? हमारे मा0 उप मुख्य मंत्री जी मेरठ मेडिकल कॉलेज में पहुँचे, तो वहाँ के प्रिंसिपल ने उप मुख्य मंत्री जी को आइना दिखाया और कहा कि मेडिकल कॉलेज में 40 प्रतिशत डाक्टरों की कमी है। अगर मेडिकल कॉलेज में प्रोफेसर और डाक्टर्स की भर्ती नहीं हुई, तो मेडिकल कॉलेज की एफिलेशन खत्म हो जायेगी और यही हाल प्रत्येक जिले के मेडिकल कॉलेज का है, प्रत्येक कॉलेज के जिला अस्पताल का है कि वहाँ की स्थिति बद से बदतर है। जो व्यक्ति ओ0पी0डी0 में जाता है, उसको बाहर से दवाई लिख दी जाती है। कोई जाँच कराने की बात करता है, तो बाहर जाँच कराने के लिए पर्चा सौंप दिया जाता है।

माननीय अधिष्ठाता महोदय, यहां तक कि मेडिकल कॉलेजों में मरीजों की लूट हो रही है। मरीज अस्पताल जाता है, मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी में पहुंचता है और उस इमरजेंसी में जाने के बाद वहां पर प्राइवेट हॉस्पिटल की एम्बुलेंस खड़ी रहती हैं। मरीज को एम्बुलेंस को

सौंप दिया जाता है फिर उनके अनाप-शनाप बिल बनाये जाते हैं। आप किसी निजी अस्पताल को देख लीजिए। मैंने इस सदन में पहले भी चर्चा की थी और फिर बताना चाहता हूं। स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में इसलिए बोलना चाहता हूं, क्योंकि हर एक घर में परेशानी, दिक्कत है, इसकी चर्चा यहां पर जरूर होनी चाहिए। आप किसी भी प्राइवेट हॉस्पिटल में पहुंचिये वहां पर क्या हालत है ? बड़े-बड़े धन्नासेठ और कई ऐसे लोग जो सत्ता से जुड़े हुए हैं, उन लोगों ने अपने प्राइवेट हॉस्पिटल खोल लिये हैं। डॉक्टर के पास जाइये दो-ढाई हजार रुपये फीस है। अगर तीन बार देखेगा तो तीन बार फीस लेगा। मेरे क्षेत्र का एक व्यक्ति अपनी पत्नी को बच्चा जनने के लिए एक हॉस्पिटल लेकर गया, उस हॉस्पिटल में छः लाख रुपये का बिल बच्चा जनने में बना दिया गया, जब उसकी लुगाई ने पूछा कि यह किस चीज का बिल बनाया है तो कहा कि यह बिल ऐसे ही है, यह प्राइवेट हॉस्पिटल है। आप हर चीज प्राइवेट को सौंपना चाहते हैं। गरीब कहां जायेगा, बाहर किससे पूछेगा। वही हॉस्पिटल का मालिक, उसी के अन्दर मेडिकल स्टोर, दवाई लिखते हैं तो कोड में दवाई लिखते हैं, वह दवाई उस हॉस्पिटल के अलावा बाहर कहीं भी चले जाइये नहीं मिलेगी। जिस हॉस्पिटल में व्यक्ति पहुंचता है, उस डॉक्टर की लिखी हुई दवाई सिर्फ उसी के मेडिकल स्टोर पर मिलती है, बाहर 5 रुपये की दवाई और अन्दर वही दवाई 100 रुपये की है। यह कैसी व्यवस्था आप लोगों ने दे रखी है और तो और लैब उसके अन्दर है, बाहर से कोई मरीज जांच कराकर अन्दर आता है तो दोबारा उसकी जांच अन्दर करायी जाती है। ग्रामीण अंचल से आने वाला गरीब, निर्धन व्यक्ति, वह गरीब व्यक्ति जो आपके दरवाजे पर पहुंचता होगा, हमारे भी दरवाजे पर आता है, जब उसकी आंखों में आंसू देखते हैं और देखते हैं कि उस निर्धन के पास पैसे नहीं हैं, उसकी पीड़ा देखकर, उसका दर्द देखकर कलेजा फट जाता है और सरकार वाहवाही लूटने में मशगूल है। सरकार किस चीज की वाहवाही करना चाहती है ? लाखों-लाखों रुपये के बिल बन रहे हैं, लेकिन उस पर कोई बात नहीं करना चाहता है। आप शिक्षा की बात करते हैं, जितने आपके प्राइवेट स्कूल हैं, उसकी फीसें देखिये, उनके एडमीशन करने का तरीका देखिये। आज सारे विधायक और मा0 मंत्रीगण यहां पर बैठे हैं। आप किसी कान्वेन्ट स्कूल में फोन करिये तो आपको दो टूक जवाब देगा और यह कहेगा कि एडमीशन नहीं होगा। नर्सरी में दाखिले के लिए या तो मोटी डोनेशन देनी पड़ेगी या फिर मा0 मंत्री कलेक्टर को फोन करेंगे, विधायक कलेक्टर को फोन करेगा। एक-एक दाखिले के लिए वह लोग तरसा देते हैं। यह हालत आपकी सरकार के समय है। आप हाई स्कूलों और इण्टर कॉलेजों में जाकर देखिये। मैं एक स्कूल में अभी झण्डा फहराने गया, झण्डा फहराने जाता हूँ तो देखता हूँ कि उस स्कूल में साढ़े सात सौ बच्चियां हैं। हमारी और आपकी बच्चियां, किसानों की बच्चियां, गरीबों की बच्चियां, उस सरकारी संस्था में पढ़ने आती हैं। उस स्कूल का नाम जनता इण्टर कॉलेज लावर्ड है। वहां साढ़े सात सौ बच्चियों पर मात्र 2 टीचर हैं। गुणगान करते हुए, झूठ बोलते हुए आपको शर्म नहीं आती है ? भगवान राम के पीछे छिपने की बात

करते हो। भगवान राम ने कहा कि 'परहित सरिस धर्म नहीं भाई', इसका मतलब आप जानते हैं, भगवान कहते हैं कि किसी दूसरे का हित करने से बड़ा धर्म कोई नहीं है और 'परपीड़ा सम नहीं अधमाई।' अगर हम लोग किसी को पीड़ा देते हैं, किसी को कष्ट देते हैं, किसी के साथ अन्याय करते हैं, किसी के साथ बुरा करते हैं तो इससे बड़ा अधर्म कुछ नहीं है। यह सरकार इस समय अधर्म की बात कर रही है। भगवान राम की बात करते हैं। भगवान राम का मतलब आप जानते हैं ? भगवान राम का मतलब है तपस्या, भगवान राम का मतलब है सच्चाई, भगवान राम का मतलब है त्याग, भगवान राम का मतलब है करूणा, भगवान राम का मतलब है प्यार, भगवान राम का मतलब है संवेदना और क्या आपकी सरकार संवेदना वाली सरकार है ? आपकी सरकार में कानपुर में 26 बच्चे ट्राली में पलटकर मर जाते हैं, मा0 मुख्य मंत्री जी वहां जाते हैं और क्या 1 रुपये का भी ऐलान नहीं कर सकते हैं ? आप पूर्व की सरकार की बात करते हैं। आपने जिक्र किया कि स्वास्थ्य सेवाओं पर हमने 600 करोड़ रुपये खर्च कर दिये। 2016-17 का बजट उठाकर देख लेना, साढ़े चार सौ करोड़ रुपये गरीब लोगों को बांटने का काम मा0 अखिलेश यादव जी की सरकार ने किया है।

मान्यवर, मैं अपनी बात खत्म करूंगा और आपसे यही कहूंगा कि जितनी आप की चीजे हैं यह झूठ का ढकोसला है और यह ध्यान रखना यह जो आरक्षण आप खा रहे हों गरीबों का, शोषितों का, वंचितों का, इनकी आपको एक दिन हाय लगेगी। यह ध्यान रखना कि जो आप बात बोलते हो हमेशा इतना रोशन न करो अपनी तमन्ना का चिराग हमने पूछते हुए कहा उनको जिनको भड़कते देखा है हमने इसलिए आपसे कहूंगा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, इन चीजों पर ध्यान दीजिए और जो बात चल रही है किसानों के बारे में क्या हाल है गन्ना किसानों का, छुपकर पीछे भगवान राम की बात करने वालों हम किसान उस परिवार के है कि चप्पल उठाता है किसान तो ले राम का नाम अगर जमीन में मकान की नीव रखता है तो ले राम का नाम अगर बैल के ऊपर जुआ रखता है और चलने के लिए कहता है तो कहता है कि लो राम का नाम और कोई भी काम करने से पहले राम का नाम लेने को कहता है। मैं कहना चाहूंगा कि ईश्वर ने अगर जातियां बनाई है तो उनके साथ भेद-भाव करने का काम सरकार का नहीं होना चाहिए। अगर ईश्वर चाहते तो यह धर्म जातियां न होती यह ईश्वर ने ऐसे ही समाज बनाया है। जिसमें तमाम जातियां हैं, तमाम धर्म हैं, तमाम वर्ग के लोग हैं, और उनके साथ सामान्य व्यवहार करना हमारी और आपकी जिम्मेदारी है। अरे देखिए लोकतंत्र को लूटने वालों, मध्य प्रदेश की सरकार खा गयें, धर्म किसी के साथ भेदभाव नहीं सिखाता है।

श्री अधिष्ठाता-

श्री अतुल जी आप बैठ जाइए और प्रो0 श्याम बिहारी लाल जी आप बोलिए।

***प्रो0 श्याम बिहारी लाल-**

मान्यवर, आदरणीय राज्यपाल जी के अभिभाषण पर समर्थन पर बोलने के लिए अवसर प्रदान करने के लिए मैं आपका धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ आप श्री अतुल जी की मर्यादा यहीं से समझ लीजिए कि अभी यह भाषण दे रहे थे और समय का बिल्कुल ध्यान नहीं है। यह कितनी गलत बात है अभी दुनिया भर का प्रवचन दे रहे थे और बता रहे थे कि राम की मर्यादा का पालन करना है। यह कितनी राम की मर्यादा का पालन कर रहे हैं इनको आप लोग देख लीजिए और हम तो एक दलित परिवार में पैदा हुए, हम लोगों को बचपन से बताया गया कि राम की मर्यादा का पालन करना है। लेकिन यह राम की मर्यादा का क्या पालन करेंगे इनको तो बात करने का तरीका नहीं आता है। मेरा समय दोबारा से शुरू कराया जाये एक मिनट तीस सेकेंड का समय यह मा0 सदस्य ने खा लिया है। बचपन से हम लोगों को सिखाया गया जब दलित परिवार में जन्म लिया तो जब भी गलियों में निकलते थे तो राम राम कर के बताया जाता था और सही बात यही है कि जन-जन के मन में राम है और तन में राम हैं और जब भी इस देश में धर्मान्तरण की प्रक्रिया हुई जब भी इस देश में चाहे यूनानी आये हों, चाहे रोमन आये हों, चाहे पर्शियन आये हों, चाहे इस देश में मुस्लिम आये हों, चाहे क्रिस्चियन आये हों जब-जब धर्मान्तरण की प्रक्रिया शुरू हुई तो इसी राम शब्द ने नइया पार लगाई और आज अगर मैक्सिमम धर्मान्तरण नहीं हुआ तो आज राम की वजह से नहीं हुआ। 'राम कथा हरि कथा अनंता' और यह जो अभी राम की बात कर रहे थें मैं बताना चाहता हूँ कि दुनियां में जब भी कहीं पर जाइये और किसी से उनके आस्था पर बात करिये कितना भी बड़ा वैज्ञानिक हो और उससे एक सवाल पूछ लीजिए कि मरियम वर्जिन और ईसा मसीह हो गये तो मुँह फेर लेता था मुँह बंद कर लेता था यूरोप की सारी लैबोरेटरी में मैंने यह बात करने की कोशिश की लेकिन किसी ने जवाब नहीं दिया और यह तो राम का नाम खत्म करने पर तुले हुए हैं। यह तो चाहते है कि राम का नाम खत्म हो जाये। यह केवल उपदेश देना जानते हैं और मैं बताना चाहता हूँ कि इस देश में बहुत से मिशनरी भी आये जिन्होंने राम पर काम करना शुरू कर दिया।

एक फादर कामिल बुल्के आये, उन्होंने जब देखा कि यहाँ गाँव-गाँव में राम हैं, गाँव-गाँव में रामलीला है, गाँव-गाँव में रामनवमी का जुलूस निकलता है। यह कहीं बताने की जरूरत नहीं थी। चाहे कालिदास की रघुवंशम् हो, उसमें भी राम हैं तो उन्होंने भी रामकथा उत्पत्ति और विकास नामक एक ग्रंथ लिखकर राम के ऊपर एक बहुत बड़ा काम किया। 'मैं बताना चाहता हूँ कि राम हमारी आस्था' के प्रश्न हैं और खासकर इस देश के दलितों ने, इस

---

*वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

देश के पिछड़ों ने सदैव अपने नाम में राम का प्रयोग किया है और हमारी एक बहन जी विपक्ष से बोल रही थीं और दलितों के बारे में बता रही थीं, लेकिन सही बात यह है कि सपा ने दलितों के साथ जो किया वह इस देश की नेता मायावती से पूछ लिया जाये तो सारा पता लग जायेगा कि इनकी असलियत क्या है। मैं शिक्षा पर बात करना चाहता हूँ कि प्राइमरी स्कूल अब बहुत सुधर गये है। माध्यमिक शिक्षा में सुधार हुआ है। उच्च शिक्षा में सुधार हुआ है। यह जो सामने हमारे नेता बैठे हुये हैं इन्होंने बताया कि कोई कुलपति एस0सी0 का नहीं है तो मैं बताना चाहता हूँ कि राजा महेन्द्र सिंह विश्वविद्यालय, अलीगढ़ में प्रोफेसर चन्द्रशेखर जी एस0सी0 के कुलपति हैं तथा महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय में ओ0बी0सी0 वाइस चांसलर हैं। शुकन्तला मिश्रा विश्वविद्यालय, लखनऊ में ओ0बी0सी0 के वाइस चांसलर हैं। ऐसा नहीं है, लेकिन क्यों नहीं है अगर इनसे यह सवाल पूछ लिया जाये तो यह बगले झाँकने लगेंगे। इनकी सत्ता के समय में एस0सी0 के लिये जो 13 प्वाइंट का रोस्टर था, उसको गायब कर दिया गया। एक जी0ओ0 लाया गया जिसके माध्यम से विश्वविद्यालयों में दलितों का आरक्षण प्रभावित किया गया और उस बीच में कोई भी प्रोफेसर सेलेक्ट नहीं हुआ, क्योंकि बजाय यूनिवर्सिटी को पूरी यूनिट मानने के, केवल विभाग को यूनिट माना गया और उसमें एक भी प्रोफेसर अनुसूचित जाति का नहीं बन सका।

अब तो आ गया है, बाद में आ गया है। आपने जो किया उसको बाद में सुधारा गया और 2017 से 2023 के बीच में आज ढेर सारे दलित प्रोफेसर विश्वविद्यालयों में रिक्रूट हुये हैं। आपको लग रहा है कि आज वाइस चांसलर नहीं है। 70 साल की उम्र के बाद वाइस चांसलर अप्वाइंट नहीं होता है। जब 15 साल पहले एस0सी0 का कोई प्रोफेसर अप्वाइंट नहीं होगा तो कहाँ से वाइस चांसलर बन जायेगा। आपने जड़ से काटने का काम किया है और मैं बताना चाहता हूँ कि आज जिस तरीके से विश्वविद्यालयों में शिक्षा है वह आपके समय में नहीं थी। आपके समय में जो परिसर थे वह गुण्डागर्दी के अड्डे थे। छात्रावास गुण्डागर्दी के अड्डे थे। आज विश्वविद्यालयों में कम्पनी अधिनियम सिखाया जाता है, कम्पनी बनाना बताया जाता है और नये-नये उद्यम लगाने के लिये प्रोत्साहित किया जाता है। आज मेमोरेण्डम ऑफ अंडरस्टैण्डिंग साइन हो रहे हैं। डिफरेंट लैग्वेजेज के डिपार्टमेंट खोले गये हैं और बहुत ढेर सारा काम विश्वविद्यालयों में हुआ है। मा0 योगी आदित्यनाथ जी की सरकार में जो काम विश्वविद्यालय में हुआ उसका रिजल्ट भी आपके सामने है। ढेर सारे विश्वविद्यालय ए-प्लस प्लस कैटेगरी में आये हैं। इससे पहले कभी नहीं आये। इस प्रदेश का एक भी विश्वविद्यालय इससे पहले कभी भी ए-प्लस कैटेगरी में नहीं आया। अब कम से कम 5-6 विश्वविद्यालय ए-प्लस और ए-प्लस प्लस कैटेगरी में है। लखनऊ विश्वविद्यालय पूरे देश की प्रथम सूची में सूचीबद्ध किया गया है। यह काम भारतीय जनता पार्टी की सरकार में हुये हैं।

मान्यवर, विकास के मामले में मैं कहना चाहूँगा कि हर क्षेत्र में विकास हुआ है। अगर समाजवादी पार्टी की सरकार को रखकर तौला जाये तो इस सरकार में आपको गुणवत्ता बहुत अधिक दिखायी देगी। समय कम होने के कारण मैं कुछ बातें यहाँ पर रखना चाहता हूँ जिनमें से एक बात यह है कि जो सर्जिकल इक्विपमेंट हैं उनके रेट 100 रुपये हैं, लेकिन वास्तविक मूल्य 10 रुपये है। मैं चाहता हूँ कि उनका वास्तविक मूल्य प्रिंट कराने के लिये कोशिश की जाये और जब वास्तविक मूल्य प्रिंट होगा तो अस्पतालों की दुकान बंद हो जायेगी। दूसरा, मैं कहना चाहता हूँ कि बंजारा समाज बहुत ही पिछड़ी और दयनीय दशा में है।

मैं कहना चाहता हूँ कि बंजारा समाज बहुत ही पिछड़ा और बहुत ही दयनीय दशा में है। बंजारों को अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिया जाए और बंजारा डेवलपमेंट बोर्ड गठित किया जाए। महोदय, जितनी भी यूनिवर्सिटी हैं इनका ऑडिट जहां लोकल ऑडिट फण्ड से हो रहा है चाहे वह जो 4 यूनिवर्सिटियाँ रह गयी हैं या 5 रह गयी हैं उनका ऑडिट ऑडिटर जनरल से कराया जाए, न कि लोकल ऑडिट फण्ड्स से कराया जाए। मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ कि मेरी विधान सभा क्षेत्र की दो सड़कें जिनमें से एक फरीदपुर से लेकर खुदागंज तक है उसको तुरन्त बना दिया जाए और एक सड़क कायदापुर के पास पुल की एप्रोच है उसे बना दिया जाए, बहुत-बहुत धन्यवाद, जय हिन्द जय भारत।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय सदस्यों से निवेदन है कि सभी सदस्यों को बोलने का मौका देना है, इसलिए 7 मिनट की समय-सीमा के अन्दर अपनी बात समाप्त करने की कृपा करें, यह मेरा अनुरोध है।

श्री गौरी शंकर वर्मा (कोरी)-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने का अवसर दिया इसके लिए मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूँ। उत्तर प्रदेश राज्य विधान मण्डल में माननीय राज्यपाल महोदय ने जो अभिभाषण दिया, इस अभिभाषण में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश का विकास माननीय मुख्य मंत्री जी के साथ उत्तर प्रदेश के सभी मंत्रियों ने अपने-अपने विभागों में विकास कराया है। मैं निश्चित रूप से बताना चाहता हूँ कि मैं बुन्देलखण्ड के उरई, जालौन जनपद से आता हूँ। जब जालौन भारतीय जनता पार्टी की सरकार नहीं थी तो पूरे बुन्देलखण्ड में गुण्डाराज, माफियाओं का राज एवं नकल माफियाओं का राज था। क्योंकि उस समय इटावा से लेकर झांसी और जालौन, ललितपुर तक चौतरफा समाजवादी पार्टी के गुण्डे अपनी बड़ी-बड़ी गाड़ियों पर इटावा लिखकर घूमते थे, चाहे जितना बड़ा अपराधी हो, चाहे जितना बड़ा माफिया हो उनको पुलिस कभी रोकती नहीं थी। 2017 के

बाद जब आदरणीय योगी जी की सरकार जो गरीब आई तो उन गुण्डों माफियाओं को जेल के अन्दर भेज दिया गया, जो गरीब जनता पर अत्याचार करते थे।

(विपक्ष के किसी सदस्य के द्वारा बोलने का प्रयास किया गया)

इसीलिए इनको चिन्ता लगी हुई है कि 2017 के बाद आदरणीय योगी जी ने उन गुण्डों को जेल में भेजा है। यह 4-5 नाम सुनाते हैं कि हमने पुलिस मुख्यालय बनाया है, हमने जनेश्वर मिश्र पार्क बनाया है। लेकिन आपने गरीबों के लिए क्या किया है? वंचितों के लिए क्या किया है ? जरूरतमंदों के लिए क्या किया है ? क्या यह आपने कभी कुछ बताया है ? हमारी सरकार ने आदरणीय मुख्य मंत्री जी ने एवं आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने प्रधानमंत्री आवास दिया, शौचालय दिया, आयुष्मान कार्ड बनवाये, किसान सम्मान निधि दी और हर घर को नल से जल देने का काम किया, हर गांव तक रोशनी पहुँचाने का काम किया और हर गांव तक सड़क पहुँचाने का काम किया। हमारी सरकार ने हर प्राइमरी स्कूल में कायाकल्प के माध्यम से प्राइमरी के बच्चों को पढ़वाने का काम किया। गांव का बच्चा गांव में पढ़े इस कायाकल्प के माध्यम से हमारी सरकार ने प्राइमरी स्कूलों को और जूनियर स्कूलों का सौन्दर्यीकरण करने का कार्य किया है। आज उत्तर प्रदेश सरकार चौमुखी विकास की ओर बढ़ रही है। हमारी सरकार ने चाहे वह सुप्रीम कोर्ट के आदेश हों, हाई कोर्ट के आदेश हों, आज रामलला अयोध्या में विराजमान हो गये हैं। इनको चिन्ता है कि कहीं रामलला के कारण उत्तर प्रदेश में 80 की 80 सीटें भारतीय जनता पार्टी के खाते में न चली जाएं। आपको तो सिर्फ एक वर्ग से ही प्रेम होता था, उनके मकबरे बनाने से, कब्रिस्तान बनाने से, उनकी मस्जिदें बनाने से आपको फुरसत कहां थी, आपको जनता की आवाज की चिन्ता कहां थी ? आप तो गुण्डे, माफियाओं की रक्षा करते थे।

मैं बताना चाहता हूँ कि उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री आदरणीय योगी जी ने उत्तर प्रदेश के हर गरीब, नौजवान, किसान का विकास कराया है। आज गांव का बच्चा गांव में पढ़ रहा है, गांव का बच्चा गांव में पढ़कर विकास की ओर बढ़ रहा है। मैं उरई से आता हूँ, उरई में खनन था, बालू थी, गिट्टी थी आपके समाजवादी पार्टी के लोगों ने पूरा खनन लूटने का काम किया है। वन सम्पदा लूटी, जन सम्पदा लूटी और गरीब किसान के खेतों पर कब्जा करने का काम किया था। आज मेरी सरकार की राज में अपराध व भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति है, कानून व्यवस्था नियंत्रण में है, विद्युत आपूर्ति व लालफीताशाही पर नियंत्रण से वर्ष 2017 से पूर्व की स्थिति पर प्रभावी नियंत्रण पा लिया है, जिससे सभी जिलों में अच्छा प्रभाव सुनिश्चित हुआ है। वायु, जल, सड़क एवं रेल नेटवर्किंग की कनेक्टीविटी बढ़ने से मैन्यूफैक्चरिंग की इकाइयाँ स्थापित हो रही हैं, यह भारतीय जनता पार्टी की उत्तर प्रदेश के आदरणीय योगी

जी की सरकार है। आदरणीय योगी जी की सरकार में आज जब महिलायें घर से सुबह नौकरी के लिए या व्यापार करने के लिए निकलती हैं तो शाम को सुरक्षित अपने घर पहुँचती हैं। आपकी सरकार में यह भी गारण्टी नहीं थी कि महिला सुबह घर से निकलेगी तो सुरक्षित शाम को घर पहुँचेगी या नहीं, यह आपकी सरकार का काम था।

मैं बता देना चाहता हूँ कि उत्तर प्रदेश में मेरी विधान सभा क्षेत्र में 2017 के पहले जिला अस्पताल में न तो सी0टी0 स्कैन था न डायलिसिस की सुविधा थी। 2017 के पहले राजकीय मेडिकल कालेज सफेद हाथी बनकर खड़ा रहता था। 2017 के बाद मेडिकल में सुधार हुआ सी0टी0 स्कैन की स्थापना हुई, डायलिसिस की स्थापना हुई। 200 किमी0 सड़क बनकर तैयार हो गयीं है। चारो ओर विकास हो रहा है। हर किसान को सिंचाई के लिए पानी मिल रहा है। हर किसान को निजी ट्यूबवेल के कनेक्शन दिये जा रहे हैं। हमारी सरकार की प्राथमिकता है कि आश्रितों को, वंचितों को, जरूरत मन्द लोगों की मदद की जाये। सरकार मदद करने के लिए प्रयासरत है। मैं इन्हीं शब्दों के साथ अपनी विधान सभा क्षेत्र की कुछ बातें आपको बताना चाहता हूँ कि मेरी विधान सभा क्षेत्र में इनकी सरकार के पहले दो-तीन सड़कें बनाई थीं। इन्होंने खोद कर फेंक दी थी। उरई से लेकर करमेर रोड इटौरा तक वे सड़कें बनवाई जायें। एक सड़क ऐर से खरका ददरी मार्ग का चौड़ीकरण कराया जाये। वह सड़क इन्होंने खोद कर फेंक दी थी। वह सड़क बनवाने का काम किया जाये। मेरी सरकार में संस्कृति विभाग के अच्छे पर्यटक स्थल हैं। पूरे भारत से लोग वहां दर्शन करने आते हैं। कुछ पर्यटक स्थलों पर हमारी योगी जी की सरकार ने पैसा आवंटित कर दिया है। कुछ अभी बाकी हैं जिनको मैं आपके सामने पढ़ देता हूं। जैसे छठी माता का मन्दिर, पतंगेश्वर हनुमान मन्दिर, जागेश्वर धाम, सलाघाट, गौरा महारानी देवी, कोटरा नगर पंचायत में प्राचीन मन्दिर चन्देल कालीन तालाब का सौन्दर्यीकरण, बेतवा के किनारे वित्रेति देव का प्राचीन मन्दिर है जो शंकर जी का स्थान है। अभी बेतवा की जब खुदाई की थी तो वहां शंकर जी (देवालय) स्थान है। वह बहुत प्राचीन तीर्थ स्थल है। वहां सौन्दर्यीकरण कराने का काम किया जाये। बुन्देलखण्ड उरई के राजा महिल के बेटे वीर अभय जिन्होंने 16 वर्ष की आयु में पृथ्वी राज चौहान से युद्ध किया था। जो कीरत सागर के मैदान में कम आयु में युद्ध करते हुए वीरगति को प्राप्त हो गये थे। आज उनसे प्रेरणा लेकर बुन्देलखण्ड का नौजवान आगे बढ़ रहा है। मेरा निवेदन है कि उनका एक भव्य द्वार बनवाया जाये। मैंने कुछ बिन्दु इस पत्र में लिखे हैं। समय कम होने के कारण मैं आपके पटल पर इसको रखता हूं। जिससे मेरी विधान सभा क्षेत्र के कार्य पूर्ण हो सके। धन्यवाद।

माननीय अधिष्ठाता-

माननीय त्रिभुवन दत्त, आपसे अनुरोध है कि 7 मिनट में अपनी बात पूर्ण कर लें।

***श्री त्रिभुवन दत्त-**

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण के संशोधन प्रस्ताव पर बोलने का अवसर दिया। उसके लिए मैं आपका आभारी हूं। महामहिम राज्यपाल जी का जब अभिभाषण हो रहा था। निश्चित तौर से प्रदेश के करोड़ों-करोड़ों जनता की, गरीबों, दलितों, मजलूमों और खास तौर से दलितों, पिछड़ों को बड़ी आशा लगी थी। निश्चित तौर से इस अभिभाषण में हमको जीवन के हर पहलू में आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। लेकिन मान्यवर, 40 पेज के पन्ने में ऐसा कुछ नहीं मिला जिससे समाज के हित और जनकल्याणकारी योजनाओं के तहत समाज को आगे बढ़ने का अवसर मिले। मेरे सत्ता पक्ष के साथी, बड़े पैमाने पर महापुरूषों और देवताओं को स्थापित करने पर अपनी पीठ थपथपाने का काम कर रहे हैं। महापुरूषों के सम्मान में, उनके स्मारक व स्मृति बनाने के लिए जो कार्य किये जाते हैं यह पुनीत काम होता है। इतिहास का काम होता है। लेकिन दुख के साथ कहना पड़ता है कि जिस परम पूज्य बाबा साहेब डा0 भीमराव आम्बेडकर ने इस देश के दलितों, मजलूमों, पिछड़ों और यहां तक सर्व समाज के लोगों को जिन्दगी के हर पहलू में जीने के लिए भारतीय संविधान की संरचना करके समता, सुगमता और बन्धुता का आधार देकर जीने का अवसर प्रदान किया। ऐसे बाबा साहेब डा0 आम्बेडकर जिन्होंने देश का संविधान बनाकर ऐसी संस्थाओं और व्यवस्थाओं को चलाने का अवसर प्रदान किया जिससे हमें गर्व महसूस होता है। लेकिन दुख के साथ कहना पड़ता है कि उनके अनुयायियों द्वारा बाबा साहेब डा0 भीमराव आम्बेडकर जिन्हें करोड़ों लोग मानने वाले हैं। उनके सम्मान में प्रतिमायें और मूर्तियां लगाने का काम किया है। यह सरकार महापुरूषों के सम्मान में अपनी पीठ थपथपाने का काम करती है। लेकिन दुख के साथ कहना पड़ता है कि आज बाबा साहेब डा0 भीमराव आम्बेडकर की मूर्ति और प्रतिमाओं को जिस तरह से विखण्डित करने का काम किया जा रहा है।

मान्यवर, उनको क्षतिग्रस्त करने का काम किया जा रहा है। जब बाबा भीमराव अम्बेडकर की मूर्ति को क्षतिग्रस्त होने पर उनके अनुयायी सम्मान में आने का काम करते हैं तो सरकार द्वारा उनको न्याय न दे करके ऐसे दोषियों को सजा देने की बजाय परम पूज्य बावा साहब अम्बेडकर के अनुयायियों के ऊपर लाठी बरसाने का कार्य किया जाता है। 29 दिसम्बर की एक घटना है हमारे अम्बेडकर नगर जनपद के अन्तर्गत थाना इब्राहिमपुर के अन्तर्गत अम्बेडकर साहब की प्रतिमा स्थापित थी और किसी तरह वह खंडित हो जाती है और उसके सम्मान में जब उनके अनुयायी जुटते हैं तो उन दोषियों और असमाजिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय उन अनुयायियों के ऊपर ही लाठियां बरसायी जाती हैं। मेरी सरकार से मांग है कि ऐसे लोगों के खिलाफ ऐसे ठोस कदम उठाने का काम किया जाये जिससे ऐसी

*वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

घटनायें दोबारा न हों और इतना ही नहीं मान्यवर, भारतीय जनता पार्टी की सरकार बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ और कानून व्यवस्था की बड़े पैमाने पर दुहाई देने का काम करती है, लेकिन मान्यवर, दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि आज पूरे प्रदेश में बेटियों के साथ अत्याचार व जुर्म हो रहा है यह किसी से छिपा हुआ नहीं है।

मैं बताना चाहता हूँ हमारी आलापुर विधान सभा क्षेत्र के थाना राजे सुल्तानपुर के अन्तर्गत समड़ी एक गांव है, जहां पर एक 16 वर्ष की बेटी जो इण्टर की छात्रा थी। उसका 29 दिसम्बर, 2023 की रात्रि में अपरहण कर लिया जाता है और उसके पीड़ित पिता नामजद एफ0आई0आर0 कराने का काम करता है, लेकिन बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का नारा देने वाली सरकार में बैठे हुए लोगों ने कोई कार्य नहीं किया और एक महीने तक तत्कालीन एस0एच0ओ0 व वहां के अधिकारियों द्वारा केवल आश्वासन मिलता रहा और उसका नतीजा यह रहा कि मान्यवर, 30 जनवरी, 2024 को उस बेटी की लाश पड़ोसी जिले के एक तालाब में मिलती है तो यह बेटी बचाओ और बेटी पढ़ाओ का नारा देने वाली सरकार का नारा खोखला सिद्ध होता है और निश्चित तौर पर मैं चाहूंगा कि ऐसे लोगों के खिलाफ कठोर से कठोर कार्रवाई करके एक नजीर पेश करने का काम किया जाये। मेरी विधान सभा क्षेत्र आलापुर के अन्तर्गत ग्राम तिहाईदपुर में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बनकर तैयार हो गया है लेकिन आज तक उसको संचालित करने का कार्य नहीं किया गया है, मेरा सरकार से अनुरोध है कि उस सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र को तत्काल संचालित कराने का काम किया जाये, जिससे कि वहां की गरीब जनता को उसका लाभ मिल सके और मांझाकम्हरिया एक गांव है जहां पर बाढ़ के समय भंयकर बाढ़ आती है, जिससे पूरा जीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है, मेरी सरकार से मांग है कि वहां बोल्डर बनवा करके वहां के निवासियों को सुरक्षित करने का काम किया जाये। रामनगर बाजार में वहाँ पर तमाम शिक्षण संस्थाएं हैं तो वहां पर जाम की समस्या लगी रहती है, तो वहां पर आने-जाने वालों को बहुत समस्या होती है। मेरी सरकार से मांग है वहां पर तत्काल एक बाईपास बनवाने का काम किया जाये। मेरी विधान सभा क्षेत्र के अन्दर गोविंद साहब एक सिद्ध पीठ है जहां पर मान्यवर, लाखों लोग विदेश से आते हैं और अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हैं, महीनों मेला लगा रहता है। मेरी सरकार से मांग है उसको पर्यटन स्थल घोषित करके वहां एक भव्य पर्यटन स्थल बनाने का काम किया जाये ऐसी आपसे अपील करता हूँ और मेरी विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत भवौरा से भवनाथपुर सड़क है, जिसकी स्थिति काफी जर्जर हो चुकी है उसको अविलम्ब बनवाने का कष्ट करें। जय भीम, जय भारत।

श्री रामरतन कुशवाहा-

अधिष्ठाता महोदय, मैं आपका बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूँ कि आपने हमें महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के समर्थन पर बोलने का मौका दिया। मैं

सबसे पहले प्रभु श्रीराम के चरणों में लोकाभिरामं रणरंगधीरं राजीवनेत्रं रघुवंशनाथम्, कारूण्यरूपं करूणाकरतं श्रीरामचन्द्रं शरणं प्रपद्ये।

मान्यवर, जब हम पहली बार जीतकर आये थे तो प्रबोधन के समय हम लोगों को ज्ञान की बहुत सारी बातें सिखाई जाती थीं। अपोजीसन के लीडर्स हम लोगों को प्रबोधन कार्यक्रम में जो सिखाते थे, आज विधान सभा में उसके विपरीत उनका आचरण देखने को मिल रहा है। महामहिम राज्यपाल महोदया जब अपना अभिभाषण पढ़ रही थीं तो विपक्ष के लोगों ने जो कार्य किया वह काफी निन्दनीय है। निश्चित रूप से इस विधान सभा में उन लोगों को इस तरह का कार्य नहीं करना चाहिये था। राज्यपाल महोदया एक महिला होने के नाते भी सम्माननीय हैं। हमारे देश के प्रधानमंत्री श्री मोदी जी ने महिलाओं के लिए जो काम किया है वह कभी किसी सरकार ने नहीं सोचा होगा। आज नारी शक्ति वन्दन अधिनियम लाकर उनको विधान सभाओं और लोक सभाओं में आरक्षण देने का जो काम किया है उसके लिए मैं माननीय मोदी जी को धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ।

हमारी सरकार विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत का सपना लेकर कार्य करती है और उसी आधार पर हमारी कार्य योजनायें तैयार हुई हैं। निश्चित रूप से जब मोदी जी की सरकार वर्ष 2014 में बनी थी तो उस समय मोदी जी ने सदन में प्रवेश करने से पहले सदन की दहलीज पर मस्तक नवाते हुए प्रवेश किया था। उन्होंने पहली बैठक में तय किया था कि हम स्वच्छ भारत का अभियान चलाकर प्रत्येक घर में शौचालय बनवायेंगे और उन्होंने यह किया। उनकी कैबिनेट का दूसरा निर्णय था कि जिनके खपरैल के कच्चे मकान हैं अथवा जो मकान नहीं बना सकते उनको प्रधानमंत्री आवास से आच्छादित करके उनकी चिंता को दूर करने का काम किया। हमारी सरकार उज्ज्वला गैस का कनेक्शन दे रही है और आवास के साथ-साथ शौचालय और बिजली का मुफ्त कनेक्शन देने का भी काम कर रही है। हमारे किसानों के लिए सरकार निरन्तर चिंतित है और उनकी आय को बढ़ाने के लिए निरन्तर काम कर रही है। मैं यह कह सकता हूँ कि सरकार ने किसानों के लिए जो काम किया है वह बहुत ही सम्माननीय है। किसान सम्मान निधि, किसान दुर्घटना बीमा, किसान फसल बीमा, वृद्धावस्था पेंशन, निराश्रित महिला पेंशन, दिव्यांग पेंशन इत्यादि सारी सुविधाएँ सरकार की ओर से दी जा रही हैं। माननीय अधिष्ठाता महोदय, मैं आपके माध्यम से अपने विधान सभा क्षेत्र के कुछ कामों को आपके बीच में रखना चाहता हूँ। हमारे यहां एक नदी शहजाद नदी है जो शहरी क्षेत्र के बीच से निकली है उस नदी पर ब्रिटिश टाइम के बने हुये तीन पुलों का नव निर्माण कराने के लिए मैं आपसे मांग करता हूँ। साथ ही शहरी क्षेत्र में एक साढ़े तीन किमी0 की सड़क है, जिसे बार-बार गडढ़ा मुक्त किया जाता है, लेकिन वह फिर खराब हो जाती है इसलिये इसका पुनर्निर्माण कराया जाये, साथ ही तालबेहट विकास खण्ड के पूराकला में एक इण्टर कालेज की

आवश्यकता है, वहां पर हर हाल में एक इण्टर कालेज दे दिया जाये, जिससे वहां के 40 हजार लोगों को लाभ मिलेगा।

हमारे विधान सभा क्षेत्र में ग्राम हर्षपुर है, खांदी है, कडेसरा कला है, बिजरौठा के मजरे ढाई सौ से पांच सौ की आबादी के हैं इनको मुख्य मार्गों से जोड़ दिया जाये। निश्चित रूप से रामायण में एक चौपाई है 'जब-जब होई धरम की हानी, बाढ़हि असुर अधम अभिमानी, तब-तब धरि प्रभु विविध शरीरा; हरहि दयानिधि सज्जन पीरा' यानि जो आतताई और गुण्डा किस्म के लोग थे उनको ठीक करने के लिए हमारी योगी सरकार ने अपराध और अपराधियों के प्रति जो अभियान चलाया है और जो जीरो टॉलरेन्स की नीति है उससे निश्चित रूप से प्रदेश की अच्छी स्थिति बनी है। मैं कह सकता हूँ कि आज हमारी मातायें और बहनें पूर्णतः सुरक्षित हैं। आज अगर हमारी बेटी दस किलोमीटर दूर साइकिल से पढ़ने जाती है, तो हमें उसकी कोई चिन्ता नहीं रहती क्योंकि आज वह सुरक्षित है। पहले हमारी बेटी जब स्कूल जाती थी और अगर वह चार बजे तक नहीं लौटती थी तो अनहोनी की चिंता होने लगती थी। मैं अपनी ओर से धन्यवाद प्रस्ताव पर धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ और निश्चित रूप से सरकार के सभी कार्यों की प्रशंसा करते हुए अपनी बात को समाप्त करता हूँ। जय हिन्द, जय भारत, जय श्रीराम।

***श्री रत्नाकर मिश्र-**

माननीय अधिष्ठाता जी, मैं माता विन्ध्यवासिनी को नमन करते हुए आपको धन्यवाद देता हूँ कि आपने मुझे राज्यपाल जी के अभिभाषण पर बोलने का मौका दिया। सभी लोग मेरे साथ एक बार बोलें सियापति राम चन्द्र जी की जय।

मान्यवर, आप सभी लोग जानते हैं कि माननीय मोदी जी और योगी जी की सरकार सबका साथ, सबका विकास करते हुए प्रभु राम के आदर्शों पर चलते हुए काम कर रही है। अभी यहां पर एक लोग शिक्षा के विषय पर बोल रहे थे पहले वह यह सोच लें कि उनके समय में शिक्षा क्या थी ? नकल के नाम पर चुनाव लड़ने का काम किया जा रहा था। नकल कराने के नाम पर मुझे जिताने का काम किया जा रहा था। जैसा कि आप सभी लोग जानते हैं कि अभी अपने साथी अतुल प्रधान जी बोल रहे थे कि 'रघुकुल रीति सदा चलि आई, प्राण जाए पर वचन न जाई' यह जान लीजिए कि भारतीय जनता पार्टी के लोग जो कहते हैं वह करते हैं। उन्होंने जो वायदा किया था कि रामलला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे और उन्होंने वहां पर करके दिखा दिया है। आप सभी लोग जानते हैं कि उसमें एक नारा और हम लोग देते थे कि यह तो अभी झांकी है काशी-मथुरा अभी बाकी है। ज्ञानव्यापी का ध्येय खुल गया है।

---

*वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

अभी मथुरा भी आएंगे और वहां जो लोग कहते हैं कि हम लोग कृष्ण भक्त हैं तो देखते हैं कि आप लोग कृष्ण भक्त हैं कि कंस भक्त हैं। आप कृष्ण का साथ देंगे कि कंस का साथ देंगे। जब आप लोगों की तरफ से कहा जाता था कि डेट बताइए फिर कहा जाता था कि डेट नहीं बताएंगे आने वाले वक्त में बता देंगे और जब 22 जनवरी की डेट बताई गयी तो आप लोगों की छाती फटने लगी। उस दिन पूरा ब्रह्मांड खुशियाली मना रहा था। पाताल से लेकर हर जगह पर लोग खुश थे, लेकिन तथाकथित लोग उसमें जरा सा भी खुश नहीं थे। वह जब घर जाते थे तो उनकी पत्नियां कहती थीं कि ऐसी राजनीति से क्या फायदा कि हमारे जो प्रभु राम हैं उन्हें भी आप लोग नहीं लेना चाहते हैं, जबकि आप जानते हैं कि हम लोगों के आराध्य देव जन-जन के नायक, जन-जन के हृदय में वास करने वाले जन-जन के श्रद्धा के केन्द्र ऐसे प्रभु राम की स्थापना हो रही थी। आप लोग उसका विरोध कर रहे थे, लेकिन आपकी पत्नियां दिया जलाने का काम कर रही थीं। आपकी पत्नी आपका साथ छोड़कर प्रभु राम का गुणगान कर रही थीं। पूरा ब्रह्मांड खुशियां मना रहा था, लेकिन आप लोग मातम मना रहे थे। आप लोगों ने कहा कि हम लोग नहीं जाएंगे। आप सभी लोग जानते हैं कि प्रभु राम जिस प्रकार से आदिवासी, गिरिवासी सबका साथ, सबका विकास करते थे। उसी हिसाब से हमारे नरेन्द्र भाई मोदी जी और योगी जी सबका साथ, सबका विकास करते हुए आदिवासी, गिरिवासी सबका ख्याल रखते हैं, कोई यह नहीं कह सकता है कि जात बिरादरी पंथ सम्प्रदाय के साथ कोई भी योजना आती है तो हमारी सरकार आदिवासी, गिरिवासी चाहे जिस भी बिरादरी का हो सबका विकास करते हुए भारत देश को पुनः विश्व गुरू बनाएंगे। हमारा देश सोने की चिड़िया माना जाता था। हमारे नरेन्द्र भाई मोदी भारत देश को सोने की चिड़िया नहीं बनने देंगे बनाएंगे तो सोने का बाग बनाएंगे। आप जैसे लोग विदेशियों का अगर साथ देना चाहें तो दीजिए। किसी की कोई हिम्मत नहीं होगी कि भारत की तरफ कोई आंख उठाकर देख ले।

मान्यवर, अब पूर्ण रूप से रामराज्य आ गया है। राम का साथ देने वाले का ही विकास होगा, जो उनका विरोध करेगा प्रभु राम उनको आने वाले वक्त में बंगाल की खाड़ी में फेंक देंगे, उसका इस धरती से नामोनिशान मिट जायेगा। यह प्रभु राम की कृपा है कि देखिये आप लोग किस दशा में पहुंच गये हैं। हमारे मा0 नरेन्द्र भाई मोदी जी सभी योजनाओं का लाभ सबको देने का काम करते हैं और हम आपसे यही कहेंगे कि अब भी समय है आप प्रभु राम का नाम लें। जब कोई भी चार कंधों पर लदकर जायेगा तो राम नाम सत्य होकर जायेगा और भारत देश में जो भी व्यक्ति रहने वाले हैं उनके 15 पीढ़ी पहले उनके माता-पिता प्रभु राम ही थे। धर्म बदला जा सकता है, माता-पिता कभी भी नहीं बदले जा सकते हैं। सभी के पूर्वज प्रभु राम हैं, राम थे और राम रहेंगे। अब मैं अपने क्षेत्र के बारे में दो शब्द कहना चाहूंगा। हमारे क्षेत्र में रामपुर और गोपीगंज में एक पुल बन जायेगा तो आने वाले यात्रियों को बहुत सुविधा होगी और जो घण्टों जाम रहता है वह जाम खत्म हो जायेगा।

श्री गुलाम मौहम्मद-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, आपका बहुत-बहुत शुक्रिया कि आपने मुझे राज्यपाल महोदया के अभिभाषण पर बोलने का मौका दिया। मैं सबसे पहले अपने क्षेत्र के कुछ काम कराये जाने की मांग करना चाहूंगा ताकि वह आपके माध्यम से सरकार तक पहुंच जाये और इस पर कार्रवाई हो जाये। मान्यवर, रोहटा और रसूलपुर धौलड़ी मेरे क्षेत्र के बड़े गाँव हैं मैं चाहता हूँ कि इनको नगर पंचायत का दर्जा दिया जाये। मान्यवर, किनौनी में एक राजकीय इण्टर कालेज और एक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र की स्थापना की जाये। हमारा एक ब्लाक सरूरपुर है उसके बीच में बहुत बड़ी आबादी रहती है उनके बीच में कोई स्टेडियम नहीं है तो मैं चाहता हूँ कि वहाँ पर पशुचर की जमीन पर स्टेडियम बनवाने की कृपा करें। अगर उस क्षेत्र में एक आई0टी0आई0 हो जाये तो उस क्षेत्र के छात्रों को इसका लाभ होगा और इसी तरह हर्रा से नई नगर पंचायत बनी है उसमें स्वास्थ्य की व्यवस्था के लिए प्राइमरी हेल्थ सेन्टर की स्थापना की जाये इससे वहाँ के लोगों को राहत मिलेगी। विकास खण्ड जानी में नहर के पुल से सिवालखास तक बहुत ही चलने वाली महत्वपूर्ण सड़क है उसका चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण भी होना बहुत आवश्यक है। इसी तरह से हमारे सिवालखास में एक एम0एस0डी0पी0 योजना के तहत महिला डिग्री कालेज बन रहा है, जो अभी अधूरा पड़ा हुआ है मेरा आपके माध्यम से निवेदन है कि इसको भी पूर्ण कराया जाये। नारंगपुर से खिवाई एक बहुत ही खराब रास्ता है और बड़ी आबादी को जोड़ने वाला है उसको बनवाने का काम करें।

मान्यवर, इसी तरह से मेरी एक दरख्वाश्त यह है कि मेरठ एक ऐसी जगह है जिससे मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, बागपत एवं बिजनौर जिले जुड़ते हैं। दिल्ली में एम्स एवं हमारे दूसरे बड़े अस्पतालों पर बहुत ज्यादा भार है। अगर मेरठ में एक एम्स बना दिया जाए तो उससे पश्चिम के लोगों को बहुत राहत मिलेगी। इसी के साथ मैं अब बजट पर आता हूँ। अब जैसे छुट्टा पशुओं का मामला है। शुरू में देखा गया था कि सिपाही, दारोगा एवं एस0डी0एम0 दौड़ रहे हैं कि पकड़ो-पकड़ो, भगाओ-भगाओ। लेकिन आज कोई नाम नहीं ले रहा है, जगह-जगह एक्सीडेंट हो रहे हैं, किसानों की फसलों को जानवर चर जा रहे हैं। कितने किसानों की मौत हो गयी है। उस पर कोई कारगर कार्यवाही होनी चाहिए। इस तरह का कोई इन्तजाम होना चाहिए।

अधिकारियों की रिपोर्ट होती है, लेकिन जमीन पर क्या हो रहा है, हकीकत क्या है, इसको हम लोगों को देखना चाहिए। जानवरों के लिए आज तक कोई अच्छा इन्तजाम नहीं हो पाया है, न तो गौशालाओं में और न ही बाहर। मेरी दरख्वाश्त है कि जानवरों के लिए कोई खास तरह का इन्तजाम होना चाहिए। इसी तरह से किसान मेहनत करके फसल उगाता है लेकिन किसान को फसल के रेट बहुत कम मिलते हैं। अभी हाल ही में गन्ने का भाव

20 रुपया बढ़ाया गया है, छः साल में सिर्फ 20 रुपये ही बढ़ाये गये हैं। आप औसत निकाल लीजिए क्या आयेगा। हर आदमी अपने प्रोडक्ट की कीमत तय करता है, लेकिन किसान अपनी फसल की कीमत भी तय नहीं कर सकता है। ऐसा लगता है कि जैसे भीख में कुछ दे दिया हो। किसान की अहमियत को समझिए। 70 प्रतिशत रोजी किसान से आती है, किसान अन्नदाता है, लेकिन उसकी अनदेखी न की जाए। एक बहुत मशहूर शेर है कि 'मन्दिर, मस्जिद, गुरूद्वारा, गिरिजाघर सबके नाम ले लीजिए, तो है बहुत दूर चलो यूँ कर लें, किसी रोते हुए बच्चे को हंसाया जाए।' मैं मर्यादा पुरुषोत्तम राम, सबके लिए मर्यादा वाले हैं, पुरुषोत्तम है, सब उनका एहतराम करते हैं, सब अदब करते हैं, हम भी अदब करते हैं, लेकिन उसको वोट बटोरने का जरिया बना दें, यह मेरे ख्याल में मुनासिब नहीं है। धर्म का काम है धर्माचार्य देखें, हम उसको जरिया बनायें यह मेरे हिसाब से सही नहीं है। मुझे लगता है कि डॉक्टर मशवरा दे देते हैं, एक गम्भीर मरीज न उम्मीद हो जाता है और फिर डॉक्टर यह कह देते हैं कि अब आप भगवान से दुआ करो, अल्लाह से इनके लिए दुआ करो कि यह ठीक हो जाएं, क्योंकि मेरे हाथ में कुछ नहीं है। शायद जनता रूपी डॉक्टर ने जवाब दे दिया है जिससे शरण में जा रहे हैं, शायद अब ला-इलाज हो गया है, कोई काम ऐसा नहीं हुआ है। जो बात वर्ष 2014 में कही थी, वह वर्ष 2017 में नहीं हुई, जो बात वर्ष 2017 में कही वह वर्ष 2019 में नहीं हुई और जो बात वर्ष 2019 में कही वह वर्ष 2024 में भी नहीं होगी, किसी एक वायदे को तो पूरा करते, इस वायदा खिलाफी को थोड़ा ध्यान में रखें। जनता ने तो फैसला ले लिया है। इसके अलावा मैं प्राइमरी शिक्षा के बारे में सुझाव देना चाहता हूँ कि एक्ट में दिया गया है कि 2 कि0मी0 के सर्किल एवं 2000 की आबादी में एक प्राइमरी स्कूल होगा। उसमें यह संशोधन होना चाहिए कि जो बड़ी-बड़ी आबादियां हैं या कई-कई हजार आबादी पर एक-एक स्कूल हैं, वहां पर किस तरह से शिक्षा का इन्तजाम किया जाए, किस तरह से उनकी तालीम का इन्तजाम हो। मेरा कहना है कि आबादी के हिसाब से प्राइमरी स्कूलों का निर्माण कराया जाए। मा0 अधिष्ठाता महोदय जी आपने मुझे महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने का अवसर दिया, उसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री गणेश चन्द्र-

'जय-जय श्रीराम' विश्व के महान सन्त हम सबके बीच में सामाजिक समरसता एवं हिन्दू मुस्लिम सबको एक सूत्र में पिरोने वाले कबीर जी की धरती से हैं, आज आपके बीच में प्रभु श्रीराम और विश्व के सूफी सन्त कबीर के अनुयायी, इसी प्रदेश के नेतृत्वकर्ता, इस प्रदेश के मुखिया पूज्य योगी आदित्यनाथ जी और देश के नेतृत्वकर्ता श्रद्धेय नरेन्द्र मोदी जी हैं। संत कबीर जी ने जिस सन्देश को दिया, प्रभु श्रीराम जी ने शबरी के झूठे बेर खाकर जिस सन्देश को दिया, आज उसके सच्चे अनुयायी यदि कोई हैं तो योगी आदित्यनाथ और नरेन्द्र मोदी जी

हैं। इन दोनो ने 'सबका साथ-सबका विकास' को चरितार्थ करते हुए जो एक सन्देश दिया है, कहीं से भी जातिवाद, पंथवाद, सम्प्रदायवाद सब पर चोट करते हुए, गरीबी जो एक मानक था उसे लेकर लोग हंसा करते थे, जिसे लेकर लोग हंसी का पात्र बनाया करते थे, आज उस गरीबी को मिटाकर करोड़ों-करोड़ लोगों को आवास प्रदान करके, शौचालय मुहैया कराकर मा0 नरेन्द्र मोदी और योगी आदित्यनाथ जी की डबल इंजन की जो सरकार है उसने सूफी सन्त कबीर साहब, प्रभु श्रीराम और बाबा भीमराव आम्बेडकर के सच्चे अनुयायी हैं उन सबको सच्चे श्रद्धासुमन अर्पित करने का काम किया है।

आत्मीय बन्धुओं मैं सदन के साथियों को बताना चाहता हूं कि अभी आप लोग चर्चा कर रहे थे, कभी इस प्रदेश में राजनीति हुआ करती थी जातिवाद की, आज विकासवाद की राजनीति सब पर चोट करते हुए प्रदेश और देश में लगातार मुहर लगाकर इस देश के नेतृत्व पर विश्वास कायम करने का काम किया है। वर्ष 2014, 2017, 2019 और 2022 में जिस प्रकार से इस देश और प्रदेश की जनता ने जो विश्वास कायम किया है हम सबके पथ-प्रदर्शक वह सन्त कबीर साहब और बाबा साहब भीमराव आम्बेडकर और प्रभु श्रीराम जी जिनका अभी 22 जनवरी को हम सबने देखा है कि किस प्रकार से पूरे देश में हर घर में, हर परिवार में, हर जन में खुशी का वातावरण था। नूतन विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा के उस समय को कोई भूल नहीं सकता है क्यों, क्योंकि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम जी ने एक मानव को जीवन दर्शन और जीवन पद्धति देने का काम किया है। जिस व्यक्ति के जीवन से राम के आदर्श, राम के विचार को निकाल दिया जाए, वह व्यक्ति मानव नहीं, दानव हो जायेगा। आत्मीय बंधुओं, इसी के साथ अपने प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ जी और मा0 राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर अपने आपको सम्बद्ध करते हुए आज जो गरीब, महिला, किसान, युवा एवं बेटियां इन सब पर जो सरकार काम कर रही है उन सब विषयों पर कोई कहने की बात नहीं है, 63 हजार करोड़ रुपये वर्ष 2023 तक किसानों को भुगतान करके इस प्रदेश ने यह साबित किया है कि किसान हितैषी यदि कोई है तो पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज हैं। बेटियों को सुरक्षा प्रदान करके इस प्रदेश ने साबित किया है कि जिस प्रदेश में बेटियां अभिशाप हुआ करती थीं उन्हें मुख्य मंत्री सुमंगला योजना के माध्यम से मुख्य मंत्री विवाह योजना तक उनकी पढ़ाई, जन्म से लेकर विवाह तक सारी व्यवस्था की चिन्ता करते हुए कबीर साहब, बाबा साहब इन सबके विचारों पर श्रद्धासुमन अर्पित करने का काम किया है।

आत्मीय बंधुओं इन सबके साथ-साथ मैं अपने क्षेत्र के कुछ विषयों को ध्यान में रखते हुए हम युवाओं के लिये विधान सभा धनघटा में इस सदन के माध्यम से स्टेडियम के लिए आग्रह करता हूं।

महिलाओं के लिये समूह गठन करके उनको तकनीकी सहयोग का अवसर प्रदान किया जाय। मुखलिशपुर से कहसहरा कन्तारा मार्ग का चौड़ीकरण कर उसको सीधा गोरखपुर से जोड़ने का काम किया जाय। अगर उस मार्ग का चौड़ीकरण हो जायेगा तो धनघटा विधान सभा क्षेत्र सीधे गोरखपुर से जुड़ जायेगा। चौरा कलाँ में पीपा पुल का निर्माण किया जाय। जोकि ऐसा नियम है कि 12 कि0मी0 के अन्दर अगर बड़ा पुल है तो छोटा पुल नहीं बन सकता। लेकिन वहाँ से 07 कि0मी0 तक लोगों को जाना पड़ता है। मान्यवर, सरयू में कुआनो-मलधावा पुल नाला चालू करके कुआनो के अस्तित्व को बचाने का काम किया जाय। कबीर विज्ञान केन्द्र पचरा, जहाँ लोग बताते हैं, आयुर्वेद से, विज्ञान से लोगों को ठीक किया जाता था। जिसका जीर्णोद्धार अवश्य और महोदय काशी को कबीर से जोड़ने का काम सन्तकबीरनगर कताई मिल जहाँ की पहचान हुआ करती थी, मुंडेरवा मिल चालू करके जो इतिहास रचने का काम किया गया है, मान्यवर, सन्तकबीरनगर में कतई मिल चालू करने का काम किया जाय। कंठी-औराडॉल के बगल में 100 बेड का अस्पताल देकर मुख्यालय से 100 कि0मी0 की दूरी कम करने का काम किया जाय। धनघटा हैसरनगर पंचायत देकर इस सरकार ने बड़े मन का परिचय दिया है। नाथ नगर, मोहली नगर पंचायत बनाकर वहाँ के व्यवसाइयों को, वहाँ की गतिविधि को बढ़ाने का काम किया गया है।

मित्रों, इसी के साथ मैं सदन के माध्यम से बताना चाहता हूँ। वैसे सफाई कर्मचारियों के किसी मृतक आश्रित को नौकरी देने का प्रकरण हमारे सन्तकबीरनगर में नहीं है, लेकिन सफाई कर्मचारी संवर्ग के लोग फोन करते हैं, उससे जानकारी होती है कि कई जनपदों में सफाई कर्मचारियों के मृतक आश्रितों की नौकरी को रोक कर रखा गया है। मान्यवर, मैं इस सदन के माध्यम से आग्रह करता हूँ, यहाँ से निर्देशित किया जाय कि सफाई कर्मचारियों के उन मृतक आश्रितों को तत्काल नौकरी दी जाय। उनकी सेवा नियमावली भी नहीं बनी है, माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने जिनका पाँव पखार कर उनका सम्मान बढ़ाने का काम किया था, जो समाज के अन्तिम व्यक्ति को साथ लेकर चलने का संकल्प लेकर चलते हैं, उन सफाई कर्मचारियों को सेवा नियमावली प्रदान करने का काम किया जाय। इन्हीं शब्दों के साथ माननीय अधिष्ठाता महोदय आपको धन्यवाद ज्ञापित करते हुए और इस सम्मानित सदन को प्रणाम करते हुए अपनी बात को समाप्त करता हूँ, धन्यवाद।

श्री अजय सिंह-

आज लोकतंत्र के इस मन्दिर में दूसरी बार मुझे बोलने का अवसर मिला, इसके लिए माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपको हृदय से बहुत-बहुत धन्यवाद। मान्यवर, आदरणीय श्री राज्यपाल महोदया के अभिभाषण पर डॉ0 नीरज बोरा जी द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद प्रस्ताव के समर्थन में मुझे बोलना है और मैं उससे अपने आपको सम्बद्ध करता हूँ। सबसे पहले मैं

अयोध्या में भव्य, दिव्य और नव्य जो राम मन्दिर बना है, उसके लिए अपने प्रधानमंत्री जी को और आदरणीय मुख्य मंत्री जी को कोटि-कोटि धन्यवाद दे रहा हूँ, अपनी विधान सभा क्षेत्र के वासियों की तरफ से, अपने जनपदवासियों की तरफ से, अपने प्रदेशवासियों की तरफ से कि ऐसा अवसर 500 वर्षों के बाद आपके कारण हमको देखने को मिला है। आज हमारे भाई बहुत सी ऐसी बातें राम के बारे में कर रहे थे, लेकिन उनको यह नहीं पता है कि 'जा पर कृपा राम की होई, ता पर कृपा करै सब कोई', उनके ऊपर राम की भी कृपा नहीं हो पायी, क्योंकि उन्होंने राम भक्तों पर गोलियाँ चलायी थी, राम भक्तों के खून से सरयू का रंग लाल किया था। आज वह राम पर बोल रहे हैं, लेकिन अच्छा लग रहा है। आप भी आज राम ही राम किए हैं, यह बहुत शानदार रहा है। सब राम-मय हो गया, पूरा सदन राम-मय हो गया। इसके लिए मैं अपने विपक्षी साथियों को भी बहुत धन्यवाद देना चाहता हूँ। आप भी राम-मय रहिए। श्रीराम के चरण छुयेंगे तो आपका भी कल्याण होगा। अभी हमारे भाई स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में बात कर रहे थे। जन औषधि केन्द्र का नाम उन्होंने सुना होगा, जेनरिक दवा जिसमें मिलती है। जो कैंसर की दवा 30 हजार रुपये की मिलती थी, आज 300 रुपये में उपलब्ध है, यह शायद उनको जानकारी नहीं है। यह हमारी सरकार ने, हमारे प्रधानमंत्री आदरणीय मोदी जी ने, आदरणीय योगी जी ने किया है।

आज 75 जिलों में लगातार मेडिकल कॉलेज वन डिस्ट्रिक्ट, वन मेडिकल कॉलेज बन रहा है। हमारे मुख्य मंत्री फण्ड से विवेकाधीन कोष से हर विधान सभा में लगातार बड़ी बीमारियों के लिए मेडिकल से संबंधित पैसे, आपको केवल एक पत्र लिखकर दे दीजिए उसी के माध्यम से आपको पैसा मिल जाएगा। पहले सेठ, साहूकारों से पैसे ब्याज में लेकर और बैंक से लोन लेकर दवा कराते थे आज उनको सीधे हमारे मुख्य मंत्री फण्ड से पैसा मिल रहा है, यह है आज के उत्तर प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं। तमाम ऐसे कार्य स्कूलों के कायाकल्प, आयुष्मान योजना, ओ0डी0ओ0पी0, पी0एम0 आवास, महिला सशक्तिकरण राज्यपाल के अभिभाषण पर महिला सशक्तिकरण याद आ गया। जिस तरह से हमारे विपक्ष के साथी हाहाकार मचा रहे थे हमारी आदरणीय राज्यपाल महोदया जो इस देश की नारी सशक्तिकरण की मिसाल हैं उनका सम्मान गिराने का काम कर रहे थे। हमारी सरकार महिला सशक्तिकरण के लिए 33 परसेण्ट आरक्षण भी लाई है, उसके लिए भी मैं धन्यवाद दे रहा हूं।

हमारी माँ और बहनों का सम्मान करने के लिए हमारे यहां जीरो टॉलरेंस की जो नीति चल रही है, इसके माध्यम से हमारी बहनों की तरफ कोई आंख उठा के नहीं देखता है ऐसी है यह हमारी सरकार। आप महिलाओं की बात कर रहे हैं और हमारी बहनों की बात कर रहे हैं जो आज अपने को सुरक्षित महसूस कर रही हैं। जाके पांव न जात बेवाई, वह क्या जाने पीर पराई। आपको नहीं पता है कि गरीबी क्या होती है। हमें याद है इसी विधान सभा

चुनाव में अपने बगल के गांव में एक मुस्लिम महिला अपनी चाची थी नूर बानो हमने उनको उनके घर पर फोन किया चाची ने फोन पकड़ लिया हमने कहा कि इलेक्शन आ गया है चाची जी जिताना है, उन्होंने कहा कि बेटा मैं आपको जीताऊंगी ही, क्योंकि हमारे मोहल्ले में कच्चे आवास थे, लेकिन मोदी जी ने हमारे इस मोहल्ले में पक्के आवास देने का काम किया है, मैं एक-एक वोट गिनकर भारतीय जनता पार्टी को देने का काम करूंगी, यह है हमारे मा0 प्रधानमंत्री जी का काम और हमारे मा0 मुख्य मंत्री योगी जी का काम। आयुष्मान कार्ड 5 लाख के एटीएम की तरह यूज हो रहा है, यह काम हमने स्वास्थ्य सेवाओं के लिए किया है। हमने विधान सभा में चर्चा की थी। चचरी से भौरीगंज मार्ग की, वह अब बनना शुरू हो गया है इसके लिए आदरणीय मुख्य मंत्री जी को और आदरणीय पी0डब्ल्यू0डी0 मंत्री जी को मैं बहुत धन्यवाद देना चाहता हूँ और हमारे यहां फायर स्टेशन बनना शुरू हो गया है उसके लिए भी मैं आदरणीय मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद देना चाहता हूं। नगर विकास की तमाम योजनाएं आदरणीय नगर विकास मंत्री जी को और मुख्य मंत्री जी को हमने दिया था अब वह भी काम शुरू हो गया है। अब हमारा कुछ काम बचा है जिसके बारे में मैं बताना चाहता हूं। पसका से बालपुर रोड जो हमारे विधान सभा क्षेत्र की जीवनदायिनी है यह अगर बन जाएगी तो अच्छा रहेगा। पसका मेला को भी राजकीय मेला घोषित करने का कष्ट करें। त्रिमुहानी फाटक बनवाना बहुत आवश्यक है जो पसका मेला से जुड़ा हुआ है, वह बन जाता तो बहुत अच्छा होता। इसी के साथ मैं अपने सदन के साथियों को बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं।

श्री जाहीद-

माननीय अधिष्ठाता जी, आपने मुझे बोलने का मौका दिया राज्यपाल के अभिभाषण की चर्चा चल रही है, मैं उनके विरोध में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूँ। महिला राज्यपाल हैं महिलाओं के बारे में आज जिस जीरो टॉलरेन्स की बात योगी सरकार करती है उस पर आइना दिखाना चाहता हूँ आज आपने कम्प्यूटरीकृत कर दिया है, जो सत्ता पक्ष के लोग बैठे हैं, जो मैं बोल रहा हूँ वह एन0सी0आर0बी0 की रिपोर्ट है बाबा को आप बोल देंगे तो आपकी रिपोर्ट सामने आ जाएगी। दलित महिलाओं के साथ योगी सरकार में सबसे ज्यादा घटनाएँ घटीं हैं हिन्दुस्तान के अन्दर और वह भी उत्तर प्रदेश के अन्दर। वर्ष 2018 में 11924, वर्ष 2019 में 18829, वर्ष 2020 में 12712 तथा वर्ष 2021 में 13146 और 2022 में 15368 और वर्ष 2023 में 16109 सिर्फ दलित महिलाओं के साथ हत्या, रेप, बलात्कार हुआ है योगी सरकार में। बहुत बड़ी बातें करते हैं ये लोग। मैं जानता हूँ कि समय-सीमा के अन्दर ही मुझे बोलना है।

(इस समय 08 बजकर 26 मिनट पर श्री अध्यक्ष पुनः पीठासीन हुए)

आज पूरे देश में उत्तर प्रदेश अपराध के मामले में नम्बर एक है। उत्तर प्रदेश में वर्ष 2022-23 में 3491 हत्यायें हुई हैं, बिहार में 2930 हत्यायें हुई है, महाराष्ट्र 2295, मध्य प्रदेश में 1946, राजस्थान में 1834 यह अपराध के आंकड़े हैं, उसमें यह नम्बर एक पर हैं। योगीराज में और तो सब छोड़ो महिला जज भी सुरक्षित नहीं है। योगीराज में बाँदा में एक महिला जज के साथ बलात्कार किया जाता है। अभी-अभी बदायूँ में एक महिला जज के साथ दुर्व्यवहार किया जाता है। यह योगीराज की आइना है यह जो लोग अपराध शून्य राज्य की बात करते हैं। आज बहुत तेजी से प्रचार किया जा रहा है 'वन डिस्ट्रिक, वन प्रोडक्ट' मैं उत्तर प्रदेश की बात नहीं करना चाहता हूँ सिर्फ अपने जिले भदोही की बात करना चाहता हूँ। हमारे भदोही जनपद में तीन बार मा0 योगी जी आए थे।

श्री अध्यक्ष-

अभी तो देश भर की बात कर रहे थे और अब कह रहे हो कि उत्तर प्रदेश की बात भी नहीं कर रहा हूँ।

श्री जाहीद-

मा0 अध्यक्ष जी, मैं आंकड़ा दिखा रहा हूँ, क्योंकि यह झूठ का पुलिन्दा है, महिला के हाथ इसको पढ़ाया गया है, इसीलिए हम उसका विरोध कर रहे थे यह आप जान लीजिए। हमारे भदोही जिले में मा0 मुख्य मंत्री जी ने तीन बार यात्रा की है एक जिला एक उद्योग की बात करते हैं और बहुत तेजी से प्रचार किया जा रहा है आप तीन बार भदोही में जा चुके हैं। पहली बार तब गये थे जब भारतीय जनता पार्टी की काशी प्रान्त का सम्मेलन बनारस के अन्दर था और बारिश हो रही थी। पूर्वांचल में कहीं इनको सिर छुपाने के लिये जगह नहीं मिली और जो जगह मिली उसे मा0 अखिलेश यादव जी ने कारपेट एक्सपो मार्ट 200 करोड़ की लागत से बनवाया था। उसमें सरकार को शरण लेनी पड़ी काशी प्रान्त सम्मेलन में बहुत से विधायक गये भी थे दूसरी बार भदोही के अन्दर गये थे तो उन्होंने औराई में चीनी मिल के बारे में घोषणा की थी, लेकिन अभी तक औराई चीनी मिल के लिए कहीं एक पैसे का बजट नहीं है। अभी भदोही में कारपेट एक्सपो मार्ट में कार्पेट मेला लगा था उसमें हिन्दुस्तान के ही नहीं 56 देशों के लोगों ने हिस्सा लिया और वहाँ पर हमारे एक उद्योग मंत्री भी गये थे वह अभी यहाँ पर उपस्थित नहीं हैं।

उन्होंने कहा था कि 10 करोड़ रुपया अलग से कारपेट एक्सपो मार्ट को चलाने के लिए, कारपेट उद्योग को बढ़ाने के लिए दिया जायेगा, परन्तु आज तक एक भी पैसा नहीं आया। 3 महीने बीत गये हैं, यह योगी सरकार की देन है। हमारे अधिष्ठाता जी बोल रहे थे, आज चूड़ी व्यापार चौपट होता जा रहा है, कालीन उद्योग चौपट होता जा रहा है, कालीन उद्योग की हालत खराब है। मिर्जापुर के अभी हमारे भाई बोल रहे थे, मैं भी उसी मण्डल का रहने

वाला हूँ। वहां का उद्योग समाप्त होता जा रहा है। आज बड़ी-बड़ी बातें बोलते हैं। जिनके बल पर आए हैं।

श्री अध्यक्ष-

श्री जाहीद साहब, बहुत अच्छा बोल रहे हैं, धन्यवाद।

श्री जाहीद-

माननीय अध्यक्ष जी, आपने 10 मिनट बोलने के लिए कहा था। व्यवस्था का सवाल है। आज जिन पिछड़ी जातियों की बात करते हैं, मैं आपके माध्यम से पूछना चाहता हूँ कि आपकी भारतीय जनता पार्टी की सरकार उत्तर प्रदेश में...

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, आप लिख कर दे देना।

श्री जाहीद-

आज जब भी पीछे देखता हूँ तो आरक्षण मिलने का काम हुआ ? 1989 में जब जनता दल की सरकार थी तो मा0 नेता जी यहां पर मुख्य मंत्री थे। पिछड़ी जातियों को आरक्षण देने का काम किसने किया ? समाजवादी पार्टी ने किया और तब आपने उस वक्त समर्थन वापस ले लिया था। आप जिन पिछड़ी जातियों की बात करते हैं, दलित की बात करते हैं, उसमें मैं कहना चाहूंगा कि नेता जी ने पिछड़ों-दलितों को पंचायती राज व्यवस्था आज दिया। जिनको बराबर बैठने का हक नहीं था, जिनको आप बगल में बैठने नहीं देते थे, उनको ऊँची कुर्सी पर बैठने का काम नेता जी ने किया। यह हमारी देन है। आप तो सिर्फ पिछड़ी जातियों के मंत्रियों को मंत्री बना सकते हो, उनको नौकरी नहीं दे सकते। मैं अपने जिले पर आता हूँ। हमारे जिले में आप देख लीजिएगा, कारपेट एक्सपो मार्ट में एक भी पैसा नहीं दिया। आज आप हॉस्पिटल की बात करते हैं। एक भी स्पेशल हॉस्पिटल भदोही में नहीं है। बड़ी-बड़ी बातें करते हैं। हमारी सरकार में 100 शैय्या का महिला हॉस्पिटल बना था। आप रिकार्ड देख लीजिएगा, वह अभी तक चालू नहीं हुआ। आपकी 9 साल की सरकार हो गयी है। कौन बैठेगा, कौन जायेगा, यह वक्त बतायेगा।

श्री अध्यक्ष-

अब कल पहले नम्बर पर आशु मलिक को बुलायेंगे और फिर सोहेल अंसारी, जो लिस्ट मिली है, उसकी कल से शुरुआत करेंगे। मेरा ख्याल है कि कल यह लोग बोलना ज्यादा पसन्द करेंगे, क्योंकि कल उस समय हाउस फुल होगा। इसी सीरियल से कल आपकी शुरुआत कर देंगे। दैट विल भी बेटर फॉर यू, आई थिंक।

(विपक्ष के कई सदस्यों का अपने-अपने स्थान से बोलने का प्रयास करने पर व्यवधान)

श्री अध्यक्ष-

आप सब लोग एक साथ नहीं बोलें, मैं समझ नहीं पाऊँगा न।

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

मा0 अध्यक्ष जी, यह कार्य-मंत्रणा में भी और दलीय बैठक में भी निर्धारित हुआ था, यह निवेदन हुआ था कि जब तक सदस्य बैठेंगे, सदन को चलाया जायेगा। 4-5 सदस्य बैठे हैं और 6-6, 7-7 मिनट बोलना है। इसलिए मेरा आग्रह है कि नेता सदन ने भी यही बात कही थी, मा0 संसदीय कार्य मंत्री ने भी यही बात कही थी। तो 5 मिनट बुलवा दीजिए, लेकिन यह सदस्य हैं, इनको बुलवा दीजिए, यह लोग सुबह से इन्तजार कर रहे हैं।

(विपक्ष के एक सदस्य के टोका-टाकी करने पर)

श्री अध्यक्ष-

इसीलिए तो मैं आपको कह रहा हूँ, आराम करो, दवाई ले कर। अब मैं सीरियल से बोल रहा हूँ, जो आपने नाम दिये हैं।

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

मा0 अध्यक्ष जी, 5 लोगों को बुलवा लें।

श्री अध्यक्ष-

आपने जो सीरियल से दिया है, उसी से 3 लोगों को 5-5 मिनट दिया है।

श्री आशु मलिक-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपको धन्यवाद देता हूँ और आभार व्यक्त करता हूँ कि आपने मुझे महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण पर बोलने का अवसर दिया। मैं लालजी वर्मा द्वारा प्रस्तुत संशोधन के प्रस्ताव पर बल देते हुए और अपने को उनसे सम्बद्ध करते हुए अपनी बात शुरू करता हूं। मान्यवर, आज देश बहुत बुरे दौर से गुजर रहा है, महंगाई अपने चरम पर है, जहां महंगाई अपने चरम पर है वहीं नफरत ने भी देश में अपने पैर पसार रखे हैं। गरीब आदमी महंगाई और नफरत दोनों से लड़ रहा है, आज गरीब, मजदूर, किसान, नौजवान और व्यापारी हर तबका परेशान है। मान्यवर, जहां मनरेगा की बात की गयी कि 75,24,000 गरीब, मजदूर श्रमिकों को रोजगार से जोड़ा गया। अगर मैं अपने जिले की बात करूं तो 15 महीने से मजदूरों को वेतन नहीं मिला है। ये बड़े ही शर्म की बात है। जहां गरीब आदमी को पेट भरने के लिए दो वक्त का खाना जुटाने के लिए, उसकी जिन्दगी दूभर है वहीं आप सोचिये कि 15 महीने से उसको वेतन नहीं मिला है। मान्यवर, मैं सहारनपुर जिले से चुन करके आता हूं। वहां पर लकड़ी का सबसे बड़ा वुडकार्विंग का काम है जो विश्व प्रसिद्ध है। दुनिया में सहारनपुर की पहचान लकड़ी के कारीगरी से है। वहां खाताखेरी जिसको वुडन सिटी

कहा जाता है। अगर आप उसकी हालत देखेंगे तो वहां पर पानी की निकासी और सड़क की भी कोई व्यवस्था नहीं है और मजदूर के साथ वहां पर जो अत्याचार हो रहा है। यह वन डिस्ट्रिक, वन प्रोडक्ट की बात करते हैं। वहां पर जो श्रमिक काम अपने घरों में करते हैं वह तीन तरह से पीड़ित किये जा रहे हैं। शाम के वक्त रोज जी0एस0टी0 के छापे उनके यहां लगते हैं, उनसे अवैध वसूली की जाती है, वहीं जो लोग अपने छोटे-छोटे घरों में, एक कमरे में लकड़ी की कारीगरी का काम कर रहे हैं, वहां नगर निगम द्वारा उनसे कामर्शियल टैक्स वसूल किया जा रहा है। सुविधा के नाम पर न तो वहां पर सड़क है और न ही नाली है। वहीं बिजली विभाग द्वारा भी उनसे कामर्शियल बिल वसूला जा रहा है। जो घरों के अन्दर रह करके काम कर रहे हैं, वह भी घर का कामर्शियल बिल दे रहे हैं। आप गरीबों की बात करते हैं। गरीबों के साथ उदय प्रताप जी की यह चन्द पंक्तियां हैं कि-

''बी0जे0पी0 के किसी एजेण्डे में मजदूर किसान नहीं, अग्निवीर के ढोंग में कोई सैनिक का सम्मान नहीं। यद्यपि सब चुने हुए हैं कोई सुल्तान नहीं, लेकिन जनता की पीड़ा सुनने को इनके पास कान नहीं।''

यह किसानों की बात करते हैं। मान्यवर, मैं पश्चिमी उत्तर प्रदेश से आता हूँ जहां सबसे ज्यादा गन्ना पैदा होता है। जबसे मैंने अपना होश संभाला है, हमेशा जब चरखी चलती है तो उसमें 50 रुपये कम गन्ने का भाव रहा है। आज वहां कोल्हू में उससे ज्यादा कीमत पर गन्ना खरीदा जा रहा है। सरकार ने 20 रुपये बढ़ा करके किसान के साथ छल और कपट करने का काम किया है। वहीं मान्यवर, मेरे क्षेत्र में जो हिण्डन नदी बहती है उसके किनारे जितने भी गांव हैं वहां पर पानी इतना दूषित है कि उन तमाम दर्जनों गांवों में लोग कैंसर और हेपेटाइटिस-सी जैसी बीमारियों से पीड़ित हैं। मान्यवर, वक्त कम है इसलिए मैं अपने क्षेत्र की बात कर लेता हूं। हमारे विधान सभा क्षेत्र में एक भी केन्द्रीय विद्यालय नहीं है। मैं सरकार से मांग करता हूँ कि हमारी विधान सभा क्षेत्र में एक भी स्टेडियम नहीं है। मेरे विधान सभा क्षेत्र में 32 गांव नगर निगम में शामिल किये गये थे, उन 32 गांवों की स्थिति इतनी खराब है कि वहां पर जर्जर तार हैं, पीने के लिए पानी नहीं है, चलने के लिए सड़क नहीं है, पानी की निकासी नहीं है, मैं आपके माध्यम से सरकार द्वारा वहां के लिए स्पेशल पैकेज देने की मांग करता हूं। इसी के साथ मान्यवर, मैं आपको धन्यवाद देता हूं।

***श्री सुहेब उर्फ मन्नु अंसारी-**

माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण पर बोलने का मौका दिया, इसके लिए आपको धन्यवाद। मुहम्मदाबाद की सम्मानित जनता ने मुझे यहाँ जिता

---

*वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

कर भेजा है। समाजवादी पार्टी की सरकार में मेरे पिता जी, हाजी सिबगतुल्लाह अंसारी साहब के अनुरोध पर तत्कालीन मुख्य मंत्री जी ने मेरी विधान सभा क्षेत्र में एक ट्रामा सेन्टर दिया था और जबसे मैं विधायक बना हूँ, मैंने समय-समय पर उसको शुरू कराने की माँग आपके माध्यम से किया है और माननीय मंत्री जी के माध्यम से किया है। वहाँ सारे इक्यूपमेंट आ गये हैं, नर्सिंग स्टाफ आ गया है और जो भी चीजें होती हैं, वह आ गयी हैं, लेकिन डॉक्टर की कमी की वजह से वह आज तक शुरू नहीं हो पाया है। इस सरकार में कहा जा रहा है कि हेल्थ सेक्टर में बहुत काम हुआ है। मेरा नेबरिंग स्टेट बिहार है, इस वजह से बिहार से भी काफी लोग आते हैं और उन्हें इलाज न मिलने की वजह से सबको बनारस जाना पड़ता है। मैं आपके माध्यम से अनुरोध करूँगा कि मेरे गाजीपुर जिले में आज तक कोई यूनिवर्सिटी नहीं है, जिससे जो हमारे छात्र हैं, उनको पढ़ने के लिए इलाहाबाद, लखनऊ और जौनपुर जाना पड़ता है। मैं आपके माध्यम से यह भी गुजारिश करूँगा कि वहाँ पर एक यूनिवर्सिटी खोली जाये। जो भी यूनिवर्सिटीज ओपेन करने के लिए क्राइटेरिया होती है, उससे ज्यादा वहाँ पर कॉलेज ऑलरेडी हो चुके हैं। अगर लड़के वहाँ पर पढ़ पायेंगे तो उनको आसानी से जॉब मिलेगी। हमारे तत्कालीन मुख्य मंत्री, राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव जी ने पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे दिया था, वह बनकर तैयार है और हम लोग आ-जा रहे हैं। उसके बाद अब हाई-वे बन रहा है। एक्सप्रेस-वे और हाई-वे तो बन रहे हैं लेकिन जो लिंक रोड्स हैं, वह सब खराब होती जा रही हैं, क्योंकि बड़े-बड़े डम्पर और ट्रक उन पर जा रहे हैं और उनकी रिपेयरिंग नहीं हो पा रही है। चाहे वह पी0डब्ल्यू0डी0 की रोड हो, चाहे वह जिला पंचायत की रोड हो। उसकी वजह से जो आम किसान हैं, जिनको साइकिल से चलना है, उनको काफी दिक्कत आ रही है।

मैं अनुरोध करूँगा कि उन रोड्स को जल्द से जल्द सही कराया जाय, क्योंकि फिर बरसात आ जायेगी तो बहुत दिक्कत होगी। वहाँ कई जगह पर अण्डरपास की समस्या है। वहाँ किसान धरने पर बैठे हुए हैं। जो लिंक रोड है, उसको बन्द करके तीन कि0मी0 दूर से दिया जा रहा है, उससे काफी लोगों को दिक्कत आ रही है। अभी गर्मियों के दिन शुरू होने वाले हैं, फिर से बिजली की समस्या आने लगेगी, क्योंकि जब ट्रान्सफार्मर जलने लगते हैं और ट्रान्सफार्मर जलने के बाद फिर ट्रान्सफार्मर को दोबारा ले आना बड़ा मुश्किल है। ट्रान्सफारमर्स की क्षमता वृद्धि नहीं हो रही है। सब 8-10 साल पुराने ट्रान्सफारमर्स हैं, लोड ज्यादा बढ़ गया है, कनेक्शन बढ़ गये हैं। मैं आपके माध्यम से अनुरोध करूँगा कि वहाँ ट्रान्सफार्मस की भी क्षमतावृद्धि कराई जाये। अपनी विधान सभा के लिए मैंने हर बार माँग की है कि वहाँ एक स्टेडियम की बहुत आवश्यकता है। मैंने आज बजट में भी पढ़ा है कि हर ब्लाक में स्टेडियम दिया जा रहा है। अगर वहाँ स्टेडियम हो जायेगा तो हमारे जो नौजवान हैं, जो उस क्षेत्र में रहने वाले हैं, जो मेहनती हैं तो उनका थोड़ा और हुनर निखर कर आयेगा। मेरे यहाँ एशिया

की एक सबसे फेमस मण्डी है, जिसे पातालगंगा मण्डी कहा जाता है। वहाँ से बहुत ज्यादा सब्जियाँ एक्सपोर्ट होती है, इस समय भी हो रही हैं। अभी वहाँ ऑर्गनाइज्ड मण्डी नहीं है। मैं चाहता हूँ कि सरकार के द्वारा पातालगंगा में एक अच्छी मण्डी बने, जिससे किसानों को फायदा हो। मेरे वहाँ मेरी विधान सभा क्षेत्र के कई ऐसे गाँव हैं, जो उठाकर 40 कि0मी0 दूर एक कासिमाबाद तहसील है, वहाँ उन्हें जोड़ दिया गया है। मुहम्मदाबाद तहसील के 5 कि0मी0 दूर के जो विलेज हैं, वहाँ के ग्रामीणों को 30-40 कि0मी0 दूर जाना पड़ता है। कनेक्टिविटी नहीं है, बेचारे लोग साइकिल से, मोटरसाइकिल से किसी तरह से जाते हैं। मैं आपके माध्यम से रिक्वेस्ट करूँगा कि उन गाँवों को वापस मुहम्मदाबाद तहसील में भेज दिया जाया, जिससे वहाँ के लोगों को दूर जाने की समस्या न हो। उनका ब्लाक भी मुहम्मदाबाद है, उनका हॉस्पिटल भी मुहम्मदाबाद है, उनका थाना भी मुहम्मदाबाद है, लेकिन तहसील कासिमाबाद कर दी गई है। उसकी वजह से उन्हें बहुत दिक्कतें हो रही है। मेरे यहाँ नगवानौपूरा एक गाँव है, माननीय अध्यक्ष जी, उस क्षेत्र के सैकड़ों किसान इस ठण्ड में धरने पर बैठे हुए हैं। वहाँ एक गाँव है और एक नदी है, उस नदी पर एक पुल बनना था, लेकिन वह पुल रुक गया है, उसमें फण्ड एलाटेड है। उस पुल को चालू कराने के लिए वहाँ के किसान धरने पर बैठे हुए हैं। उसमें कुछ टेक्निकल इश्यू दिखा दिया गया। मैं आपके माध्यम से रिक्वेस्ट करूँगा कि वह पुल चालू कराया जाये, क्योंकि इस पार से उस पार किसानों को जाने के लिए 20 कि0मी0 घूम कर जाना पड़ता है। पुल का काम भी शुरू हो गया था, लेकिन उसको किस वजह से रोक दिया गया। मैं रिक्वेस्ट करूँगा और आप से बहुत उम्मीद है और जब मैं अभी आ रहा था तो जो भी वहाँ हमारे सम्मानित नागरिक बैठे थे, उनसे रिक्वेस्ट किया था कि मैं जाकर अपने अध्यक्ष जी से जरूर रिक्वेस्ट करूँगा कि आपका धरना खत्म हो और जो पुल है, अगर पक्का पुल नहीं बन पा रहा है तो झरकही बन जाये, जिससे वहाँ के किसानों को आने-जाने में आसानी हो। आपने मुझे बोलने का मौका दिया, मैं आपका बहुत-बहुत शुक्रगुजार हूँ, थैंक यू सो मच।

श्री उमर अली खान-

मान्यवर, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण पर बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपका आभारी हूँ। मान्यवर, मैं पश्चिमी उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले से आता हूँ। मैंने पिछली बार विधान सभा में मांग की थी, सरकार से फिर से मांग करता हूँ कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश को एक हाई कोर्ट बेंच दी जानी चाहिए। हम लोगों के लिए इतनी दिक्कत है कि गरीब आदमी सोचता है कि एक हजार किलोमीटर दूर इलाहाबाद हाई कोर्ट जाऊं, उससे अच्छा है कि ढेड़ किलोमीटर पास जेल चला जाऊं। उसके पास पैसा नहीं होता है कि वह हाई कोर्ट जा करके अपना खर्चा उठा सके, जितना वह रास्ते में खर्च करेगा, उससे ज्यादा उसको वहाँ जा करके वकीलों को देना पड़ेगा। मान्यवर, मेरी आपसे अपील है कि सहारनपुर नहीं तो

मुजफ्फरनगर, मेरठ, नोएडा, गाजियाबाद, आगरा या मुरादाबाद में हाई कोर्ट बेंच दे दी जाये। अगर इन जगहों पर नहीं दी जा सकती है, तो लखनऊ में ही दे दी जाये। लखनऊ में एक हाई कोर्ट बेंच है, लेकिन उसमें हम लोगों के लिए कोई सुविधा नहीं उपलब्ध की जाती है। हमारे जिले के मंत्री जी बैठे हुये हैं वह भी इस बात से सहमत होंगे, जो मैं कह रहा हूँ वह गलत नहीं कह रहा हूँ। मान्यवर, मेरी एक अपील है कि हमे एक हाई कोर्ट की बहुत आवश्यकता है। अभी एयरपोर्ट का जिक्र हो रहा था। सहारनपुर का एयर पोर्ट गिनाया गया है। हमारे सहारनपुर एयरपोर्ट के बारे में वर्ष 2021 जुलाई से सुनने में आ रहा है कि उसका उद्घाटन हो रहा है, लेकिन अब वर्ष 2024 चल रहा है। हमारे जिले में एयरपोर्ट की बहुत सक्त आवश्यकता है। देहरादून उत्तरांचल में आता है और सहारनपुर जाने में तकरीबन ढाई घण्टे लगते हैं। दिल्ली जाने में तकरीबन चार घण्टे लगते हैं। यह जो एयरपोर्ट बन रहा है वह शीघ्र से शीघ्र बनना चाहिए या जो हमारी बेहट विधान सभा क्षेत्र है वहाँ पर एयरपोर्ट बनना चाहिए हिमाचल, उत्तराखण्ड, हरियाणा और उत्तर प्रदेश बार्डर है, उसके बनने से चार प्रदेशों को उससे फायदा होगा, वहाँ पर सरकार की जमीन भी है। मान्यवर, वन गुर्जरों के बारे में पहले भी मांग उठाई थी। वन गुर्जरों को विस्थापित किया जाना चाहिए। मान्यवर, अभी एक कमेटी वहाँ पर गयी थी। एस0सी0एस0टी0 के सभापति गये थे वह वन गुर्जरों की दशा देख करके आये हैं कि कितनी दयनीय स्थिति में वह लोग रह रहे हैं। अभी एक महीना नहीं हुआ खोल के अन्दर पूरी की पूरी मिलिट्री को, पूरी की पूरी पहाड़ी दे दी गयी। आर्मी के साथ में 30 साल का एग्रीमेंट कर लिया गया। वहाँ पर आर्मी को प्रैक्टिस करने के लिए ठेका दे दिया गया। यह हमारे लिए बहुत फक्र की बात है कि हमारे जिले में आर्मी प्रैक्टिस कर रही है, हमारा देश मजबूत होगा, हमारी आर्मी मजबूत होगी। मान्यवर, मेरी आपसे अपील है कि उस जंगल के अन्दर जो गरीब लोग रहते हैं, जो आदिमानव वहाँ रहते हैं, उनको मुख्यधारा से जोड़ने का काम किया जाना चाहिए, उनको विस्थापित करना चाहिए जैसा कि उत्तराखण्ड, हिमाचल में हुआ है। वहाँ पर आर्मी की प्रैक्टिस हो रही थी, जो तोप का गोला है वह दिशा से हट गया उसकी वजह से 13 साल के बच्चे की और एक जवान आदमी की मौत हो गयी।

मान्यवर, अभी पर्यटन के बारे में बहुत लम्बी-लम्बी बातें सुन रहा था। हमारी कमेटी सहारनपुर में गयी थी। वहाँ की मीटिंग में पर्यटन विभाग के अधिकारी को बुलाया, लेकिन वहाँ एक भी अधिकारी नहीं आया था। हमारे सहारनपुर जिले के अन्दर डिपार्टमेंट का कोई अधिकारी वहाँ पर नहीं बैठता है, मेरठ में बैठते हैं। हम चाहते हैं कि सहारनपुर में सरकार का रेवन्यू बढ़े। वहाँ पर हथनीकुंड है, जो सहारनपुर और हरियाणा का बार्डर है। वहाँ पर हरियाणा सरकार ने जेट भी डाली है, मोटर बोट भी डाली हैं, उन लोगों ने वहाँ पर पर्यटन को बढ़ावा

दिया है। वहाँ हर रोज कम-से-कम सरकार 30 से 40 लाख रुपये कमा रही है, तो वह पैसा हम क्यों नहीं कमा सकते, हमारा पश्चिमी उत्तर प्रदेश क्यों नहीं कमा सकता है। मान्यवर, मेरी आपसे अपील है कि पर्यटन विभाग को टाइट किया जाना चाहिए। हमारे यहाँ माँ शाकुम्भरी विश्वविद्यालय बन रहा है, उसको बेहट और देहरादून रोड से कनेक्टिविटी मिलनी चाहिए, उसके पास जाने का कोई बाईपास नहीं है। बहुत पतले रास्ते से जनता को रोड से हो करके निकलना पड़ता है। जो बेहट रोड है वहाँ पर बहुत दुर्घटनायें होती हैं। उस रोड पर दो जवान लोगों की मृत्यु हुयी है। उस रोड को फोर लेन करना चाहिए वह बहुत तंग रोड है, क्योंकि हरियाणा, हिमाचल, उत्तराखण्ड सभी का ट्रैफिक उधर से निकलता है। मान्यवर, हमारा एरिया डार्क जोन के अन्तर्गत आता है, अभी मैं सुन रहा था कि उसे डार्क जोन से हटा दिया गया है, लेकिन मान्यवर, अभी तक उसे डार्क जोन से बाहर निकालने का कोई आदेश धरातल पर नहीं किया गया है। मान्यवर, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, बहुत-बहुत शुक्रिया, धन्यवाद।

श्री अमिताभ बाजपेई-

माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे श्री राज्यपाल के अभिभाषण पर रखे गये संशोधन प्रस्ताव पर बल देने के लिए अवसर दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। मैं बात शुरू करूं तो मैं माननीय राज्यपाल महोदया को धन्यवाद देना चाहता हूँ कि इस बार उन्होंने कागज कम खर्च किया, क्योंकि पहले 60 से 70 पन्ने का अभिभाषण हुआ करता था, जो कि अब घटकर 40 पन्ने पर आ गया है, इसके लिए मैं उन्हें धन्यवाद देना चाहता हूं। जब मैं भाषण सुन रहा था, तो वह ऐसा लग रहा था कि भाषण सुना-सुना लागे रे, भाषण का असर सूना-सूना लागे रे।

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

मान्यवर, कोई अधिकारी उपस्थित नहीं है।

श्री अध्यक्ष-

सामान्य चर्चा पर सारे सरकार के अधिकारी नहीं बैठ सकते हैं। सवेरे आप प्वाइन्ट आउट करेंगे और विभाग से सम्बन्धित अधिकारी नहीं होंगे तो उसका संज्ञान लिया जायेगा, इस पर मैं सख्त हूं। सामान्य चर्चा पर तो कोई किसी भी विषय पर बोल सकता है, इसलिए सारे अधिकारी बैठ नहीं सकते हैं, मा0 मंत्री जी उपस्थित हैं।

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

किसी एक अधिकारी को तो रहना चाहिए।

श्री अमिताभ बाजपेई-

मान्यवर, अभिभाषण का कोई असर जनता पर दिखायी नहीं देता है। मैं कहता हूँ कि-

वादों का हिसाब रख रहा हूं, सीनों में अजाब रख रहा हूं।
तुम कुछ कहे जाओ, क्या कहूं, मैं बस दिल में जवाब रख रहा हूं।

यह लोक कल्याण की विरासत जिनको सौंपी गई थी वह उम्मीदों को बेचने वाले सौदागर निकले। हम लोगों के सामने ऐसी नाउम्मीदी का समय कभी नहीं रहा, समाज हमेशा शून्य से शिखर की यात्रा पर विश्वास करता है, लेकिन सरकार शिखर से शून्य की ओर जा रही है। मैं आपका ध्यान इन्वेस्टर्स समिट की ओर आकर्षित करना चाहता हूं, बड़े-बड़े दावे हर साल किये जाते हैं, 40 लाख करोड़ के प्रस्ताव आये, पेज नम्बर-4 पर लिखा है कि 1 करोड़ 10 लाख रोजगार विकसित होंगे। लेकिन पिछली जो इन्वेस्टर्स समिट हुई थी उनके दावे क्या हुए, वह जमीन पर कहां आये, उनसे कितने रोजगार विकसित हुए, इसकी कोई सूचना किसी वेबसाइट पर नहीं मिलती है, पिछले सारे वायदे खोखले निकल गये। जीएसटी में बड़ी-बड़ी बातें की जाती हैं, आप अपना पिछला कलेक्शन देख लीजिये, आपका कलेक्शन जीएसटी पोर्टल के हिसाब से केवल 87 परसेंट है। आपके दावे बड़बोले जरूर हैं, लेकिन जमीन पर वसूली नहीं हो पा रही है। आपने ओडीओपी की बात की, हमारा जनपद कानपुर चर्म उत्पाद के लिए चुना गया है, लेकिन जो दुर्दशा आपकी सरकार में टेनरीज की है, उतनी इससे पहले कभी नहीं हुई थी। आज ट्रेनरीज वाला विलेन के रूप में देखा जाता है, उसको कोई सुविधा नहीं दी जा रही है, एसटीपी नहीं बनायी जा रही है, जलशोधन संयंत्र नहीं लगाये जा रहे हैं, बल्कि टेनरी वालों को विलेन के रूप में देखा जा रहा है। स्वास्थ्य के सम्बन्ध में बड़ी-बड़ी बातें की जा रही हैं, मैं दावा करता हूँ कोई भी विधायक हो अगर कोई आदमी कहता है कि चिट्ठी लिख दीजिये मुझे पी0जी0आई0 जाना है, तो हम लोग शर्मसार होकर बगलें झांकते हैं और बहाने ढूंढते हैं, पी0जी0आई0 को चिट्ठी लिखने की हिम्मत नहीं पड़ती, क्योंकि हमें पता है कि हमारी चिठ्ठी का पी0जी0आई0 में माखौल बनाया जायेगा।

हमारे शहर कानपुर में हम लोग गये थे, माननीय अध्यक्ष जी भी गये थे, कैंसर हॉस्पिटल की हालत हम लोगों ने देखी है। कैंसर की जांच पेट-सीटी स्कैन सबसे बड़ी जांच है, 25 हजार रुपए की जांच है और सरकारी महकमे में केवल राम मनोहर लोहिया में पेट-सीटी स्कैन अवेलेबिल है, इसके अतिरिक्त पूरे उत्तर प्रदेश में कहीं भी उपलब्ध नहीं है। हमारे कानुपर में कैंसर हॉस्पिटल है, स्पेशिलाइज हॉस्पिटल है, लेकिन इस जांच की सुविधा नहीं है। कमाल यह है कि कैंसर हॉस्पिटल में बायोप्सी नहीं होती, कमाल यह भी है कि कैंसर हॉस्पिटल में सर्जन है, ओटी है, लेकिन एक भी सर्जरी एक साल के अन्दर नहीं हुई है। पैथोलॉजी है

लेकिन पैथोलॉजिस्ट नहीं है, बायोप्सी नहीं होती, पेट-सीटी नहीं होती। पहले जो मुख्य मंत्री सहायता कोष से पैसा देते थे वह पहले एक साल में 5 लाख देते थे उसे अब ढाई लाख कर दिया। विधायक निधि में 25 लाख का कवर था वह 25 लाख ही है, इसलिए मेरा अनुरोध है कि मुख्य मंत्री सहायता कोष से मिलने वाली धनराशि को कम न कीजिये अन्यथा जो हमारे सरकारी इन्स्टीट्यूट हैं इनको मजबूत कर दीजिये, तो शायद इस कोष की सहायता की आवश्यकता ही न पड़े। लेकिन अगर ऐसा नहीं कर रहे हैं, तो हमारी विधायक निधि का जो कुशन है इलाज का, उसे बढ़ा दीजिये, ताकि हम लोग अपने क्षेत्र के लोगों की मदद कर पायें, ढाई लाख में किसी के कैंसर और किडनी का इलाज नहीं होता है। बिजली व्यवस्था के बारे में मैं कहना चाहता हूँ कि बिजली व्यवस्था में जो स्मार्ट मीटर है वह लोगों का खून पीने का काम कर रहा है, आपकी रेड टीम की कोई अपील नहीं है, रेड टीम ने अगर झूठी रिपोर्ट भी लिख दी तो उसकी कोई क्रास चेकिंग नहीं है, रेड टीम का लिखा हुआ सीधे मौत का फरमान है, इसलिए कम से कम क्रास चेकिंग की व्यवस्था करा दें, ताकि यदि कोई पीड़ित है, तो वह ट्रिब्यूनल में जाकर अपनी बात तो कह सके। कोई ट्रिब्यूनल नहीं है जहां कोई व्यक्ति रेड टीम के अत्याचार के बारे में अपनी बात कह सके। स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट की दोबारा जांच करा लीजिये, यह प्रोजेक्ट केवल रुपए की बन्दरबांट और भ्रष्टाचार का अड्डा बन गया है। कोई भी परियोजना किसी जनप्रतिनिधि से पूछी नहीं जाती, अधिकारी अपनी मर्जी से वह प्रोजेक्ट लाते हैं, जो जन उपयोगी होने के बजाय पैसे की बन्दरबांट में सहायक होने का काम करते हैं।

कानून व्यवस्था की बात की जाती है, एन0सी0आर0बी0 का डेटा कुछ कहता है और ए0बी0पी0 लाइव कहता है और यू0पी0 सरकार के दावों की पोल खोल रहा है। एन0सी0आर0बी0 का डेटा है कि बड़े अपराध के ग्राफ में बिहार भी पीछे है, यह न्यूज आपका ही चैनल दिखाता है और मैं यह कहना चाहता हूं-

''यही जज्बा रहा तो मुश्किलों का हल भी निकलेगा,
जमीं बंजर हुई तो क्या हुआ, वहीं से जल भी निकलेगा,
मायूस न घबरा अंधेरों से इन्हीं रातों के दामन से
सुनहरा कल भी निकलेगा।''

मैं अपने क्षेत्र के डफरिन अस्पताल में डाक्टर अप्वाइन्ट किये जाने, धन कुट्टी अस्पताल में और वाल्मीकि धर्मशाला में पुनः निर्माण के लिए एन0ओ0सी0 दिये जाने, महोत्सव पण्डाल का निर्माण कराये जाने की मांग करता हूं और मार्ग प्रकाश की व्यवस्था मेरे जिले में बहुत खराब हो गई है, जब से ई0एस0एल0 कम्पनी आई है, मार्ग प्रकाश की लाइटें हम विधायकों को बिल्कुल नहीं मिल रही हैं। ठेला, पटरी, रेहड़ी वालों का जबरदस्त शोषण इस सरकार में हो रहा है। आप लोन देने की बात करते हैं, लेकिन उनको इज्जत से रोजी-रोटी

कमाने का मौका आपकी सरकार नहीं दे रही है। एक सिपाही या एक दरोगा जा करके उनकी इज्जत को लूटने का काम करता है। ठेला, पटरी, रेहड़ी अवस्थापना का काम, जे0एन0एन0यू0आर0एम0 की पेयजल परियोजना को पूरा करने का काम और सफाई कर्मियों की नियमित भर्ती करने का काम आपकी सरकार से किये जाने की मैं अपील करता हूं। इसी के साथ मैं अपनी बात को समाप्त करता हूं, अध्यक्ष जी आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

[08:50] याचिकाओं का उपस्थापन

श्री अध्यक्ष-

आज मैं याचिकाओं को इसलिए लेना चाहता हूं, क्योंकि बहुत सारे मा0 सदस्य यहां पर बैठे हैं, जिन्होंने नियम-51 में नोटिस नहीं दी होगी, लेकिन फिर भी वह यहां पर देर तक बैठने के लिए तैयार हैं और जो लोग बैठे हैं, मैं उनको बहुत-बहुत साधुवाद देता हूं। मैं भी यहां पर बैठा हूँ और मा0 संसदीय कार्य मंत्री जी भी बैठे हुए हैं और सभी लोग बैठे हुए हैं, अगर किसी को कोई नोटिस देनी है, क्योंकि आप सभी को पता है कि विधान सभा कितने दिन चलती है, अगर आप उतने दिन भी उसका उपयोग उपस्थित रहकर नहीं कर सकते तो मुझे लगता है कि फिर यह कहने का भी अधिकार नहीं है कि हमें बोलने का अवसर नहीं मिलता। मुझे यह सुझाव दिया गया कि सारी याचिकाएं ले लीजिए, लेकिन मैं इसलिए उपस्थिति लूंगा कि सबको उपस्थित रहना चाहिए। मैं क्षमा सहित यह बात कहना चाहता हूं, लेकिन जो फैक्ट है उसे कहने में मुझे किसी प्रकार का संकोच नहीं होता जो भी मैं काम करता हूँ वह नियम के अनुसार करता हूँ, इसलिए मैं उपस्थिति जरूर लूंगा, जो लोग उपस्थित हैं उनकी याचिकाएं स्वीकार होंगी और जो नहीं हैं उनकी याचिकाएं स्वीकार नहीं होंगी, अगर किसी परिस्थितियों के अन्तर्गत एक-दो मा0 विधायक जिनका स्वास्थ्य ठीक है, वह मुझे लिखकर देंगे उनकी जरूर स्वीकार करूंगा, बाकी की नहीं करूंगा।

श्री अध्यक्ष-

मैं क्षमा चाहता हूँ, लेकिन मुझे लगता है कि सब लोगों को उपस्थित रहना चाहिए। सबके पास काम है, लेकिन विधान सभा में उपस्थित होने का कार्य सबसे जरूरी है।

श्री मनोज कुमार पाण्डेय, सदस्य, विधान सभा की जनपद रायबरेली से सम्बन्धित याचिका[†]

श्री मनोज कुमार पाण्डेय, सदस्य, विधान सभा की जनपद रायबरेली के विकास खण्ड ऊंचाहार के अन्तर्गत ग्राम कमोली में किशुनदासपुर पक्की सड़क से बेनऊ का पुरवा तक मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सुनील दुबे, निवासी जनपद रायबरेली की याचिका उपस्थित की हुई मानी गयी।

[†] छापी नहीं गयी।

श्री शलभ मणि त्रिपाठी, सदस्य, विधान सभा की जनपद देवरिया से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)†

श्री शलभ मणि त्रिपाठी, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में जनपद देवरिया की विधान सभा क्षेत्र देवरिया सदर क्षेत्रान्तर्गत देवरिया-पकड़ी मार्ग से बैदा स्थित अम्बेडकर पार्क से होते हुए पैकौली-सिसवा मुख्य मार्ग तक सड़क (लगभग 2.5 किमी0) का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अरजेश यादव व अन्य निवासीगण जनपद देवरिया की याचिका व्यपगत हुई।

श्री ब्रजभूषण राजपूत, सदस्य, विधान सभा की जनपद महोबा से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)†

श्री ब्रजभूषण राजपूत, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में जनपद महोबा के विधान सभा क्षेत्र चरखारी के अन्तर्गत चरनोई चारागाह, चरखारी महाराज नगर गाटा संख्या-1186 की भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराये जाने के सम्बन्ध में श्री हरिहर मिश्रा व अन्य निवासीगण जनपद महोबा की याचिका व्यपगत हुई।

श्री सुरेश कुमार, सदस्य, विधान सभा की जनपद अमेठी से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)†

श्री सुरेश कुमार, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में जनपद अमेठी के विकास खण्ड जगदीशपुर के अन्तर्गत ग्राम मडवा से सत्थिन सम्पर्क मार्ग वाया हुसैनाशाह का नव निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री भूखन सिंह व अन्य निवासीगण जनपद अमेठी की याचिका व्यपगत हुई।

श्री सचिन यादव, सदस्य, विधान सभा की जनपद फिरोजाबाद से सम्बन्धित याचिका†

श्री सचिन यादव, सदस्य, विधान सभा की जनपद फिरोजाबाद की तहसील जसराना के अन्तर्गत ग्राम मलिकपुर स्थित उ0प्रा0वि0 के भवन का सुदृढ़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री नरेश मास्टर व अन्य निवासीगण जनपद फिरोजाबाद की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री मौहम्मद फहीम इरफान, सदस्य, विधान सभा की जनपद मुरादाबाद से सम्बन्धित याचिका†

श्री मौहम्मद फहीम इरफान, सदस्य, विधान सभा की जनपद मुरादाबाद के विधान सभा क्षेत्र बिलारी के अन्तर्गत ग्राम तिसांवा को मतदेय स्थल चांदपुर गणेश में स्थानान्तरित कराये जाने के सम्बन्ध में श्री आशिक हुसैन, निवासी जनपद मुरादाबाद की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

---

† छापी नहीं गयी।

श्रीमती अनुपमा जायसवाल, सदस्य, विधान सभा की जनपद बहराइच से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)†

श्रीमती अनुपमा जायसवाल, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में जनपद बहराइच के विधान सभा क्षेत्र सदर के अन्तर्गत आजाद इण्टर कालेज से छडेशाह तकिया में राजमल यादव के मकान होते हुए मौनी बाबा आश्रम तक खड़न्जा निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राजमल यादव व अन्य निवासीगण जनपद बहराइच की याचिका व्यपगत हुई।

श्री सीताराम वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद सुल्तानपुर से सम्बन्धित याचिका†

श्री सीताराम वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद सुल्तानपुर के अन्तर्गत अग्नि केन्द्र लम्भुआ, सुल्तानपुर का निर्माण कार्य पूर्ण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री के0पी0 सिंह व अन्य निवासीगण जनपद सुल्तानपुर की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री प्रदीप कुमार चौधरी, सदस्य, विधान सभा की जनपद बुलन्दशहर से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)†

श्री प्रदीप कुमार चौधरी, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में जनपद बुलन्दशहर के विधान सभा क्षेत्र सदर के अन्तर्गत ग्राम मिर्जापुर में सरकारी अस्पताल से चन्द्रपाल सिंह के घर तक लगभग 100 मी0 मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री योगेन्द्र व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका व्यपगत हुई।

श्री बम्बा लाल, सदस्य, विधान सभा की जनपद उन्नाव से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)†

श्री बम्बा लाल, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में जनपद उन्नाव के विधान सभा क्षेत्र सफीपुर के अन्तर्गत छूही के मजरा उधम पुरवा व अन्य कतिपय स्थानों में विद्युतीकरण का कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सन्तोष विश्वकर्मा व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका व्यपगत हुई।

श्रीमती गीता शास्त्री (पासी), सदस्य, विधान सभा की जनपद प्रयागराज से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)†

श्रीमती गीता शास्त्री (पासी), सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में जनपद प्रयागराज के विधान सभा क्षेत्र सोरांव के अन्तर्गत करनाईपुर से चकिया नहर तक मार्ग का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मान सिंह धमौर व अन्य निवासीगण जनपद प्रयागराज की याचिका व्यपगत हुई।

---

† छापी नहीं गयी।

श्री अभय सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद लखनऊ से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)†

श्री अभय सिंह, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में जनपद लखनऊ के विधान सभा क्षेत्र मलिहाबाद के अन्तर्गत ग्राम करझन में हर घर जल योजना के अन्तर्गत बिछायी गयी पाइप लाइन के पश्चात् क्षतिग्रस्त मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सुखदेव यादव व अन्य निवासीगण जनपद लखनऊ की याचिका व्यपगत हुई।

श्री विकास गुप्ता, सदस्य, विधान सभा की जनपद फतेहपुर से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)†

श्री विकास गुप्ता, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में जनपद फतेहपुर की तहसील फतेहपुर के अन्तर्गत ग्राम सभा गाजीपुर में खेल स्टेडियम का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सुरेश सिंह परमार व अन्य निवासीगण जनपद फतेहपुर की याचिका व्यपगत हुई।

डॉ0 वीरेन्द्र यादव, सदस्य, विधान सभा की जनपद गाजीपुर से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)†

डॉ0 वीरेन्द्र यादव, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में जनपद गाजीपुर के विधान सभा क्षेत्र जंगीपुर के विकास खण्ड विसो के अन्तर्गत एन0 एच0-29 फोर लेन से जंगीपुर पावर हाउस होते हुए सोहवविया गांव तक 2 किमी0 मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री शिवलाल व अन्य निवासीगण जनपद गाजीपुर की याचिका व्यपगत हुई।

श्रीमती पूजा, सदस्य, विधान सभा की जनपद आजमगढ़ से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)†

श्रीमती पूजा, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में जनपद आजमगढ़ के विधान सभा क्षेत्र मेहनगर के अन्तर्गत ग्राम सभा करता से रसड़ा तक मुख्य मार्ग की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सतीश विश्वकर्मा व अन्य निवासीगण जनपद आजमगढ़ की याचिका व्यपगत हुई।

श्री रमेश चन्द्र मिश्र, सदस्य, विधान सभा की जनपद जौनपुर से सम्बन्धित याचिका†

श्री रमेश चन्द्र मिश्र, सदस्य, विधान सभा की उत्तर प्रदेश के ग्राम चौकीदारों को राज्य कर्मचारी का दर्जा व अन्य सुविधाएं दिये जाने के सम्बन्ध में श्री छोटेलाल गौतम व अन्य निवासीगण जनपद जौनपुर की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

मेजर सुनील दत्त द्विवेदी, सदस्य, विधान सभा की जनपद फर्रुखाबाद से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)†

मेजर सुनील दत्त द्विवेदी, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में जनपद फर्रुखाबाद के विकास खण्ड बढ़पुर के अन्तर्गत ग्राम रामपुर डफरपुर में नाला निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री निरोत्तम राजपूत व अन्य निवासीगण जनपद फर्रुखाबाद की याचिका व्यपगत हुई।

---

† छापी नहीं गयी।

श्री रविदास मेहरोत्रा, सदस्य, विधान सभा की जनपद लखनऊ से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)†

श्री रविदास मेहरोत्रा, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में जनपद लखनऊ के विधान सभा क्षेत्र लखनऊ मध्य के अन्तर्गत टुरियागंज स्थित बिल्लोचपुरा से वाटर वर्क्स तक क्षतिग्रस्त मार्ग का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मो0 सोउद व अन्य निवासीगण जनपद लखनऊ की याचिका व्यपगत हुई।

श्री पूरन प्रकाश, सदस्य, विधान सभा की जनपद मथुरा से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)†

श्री पूरन प्रकाश, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में जनपद मथुरा में विश्व प्रसिद्ध बलदाऊ मन्दिर बलदेव हेतु नोएडा-आगरा एक्सप्रेस-वे पर सब-वे कट बनाए जाने के सम्बन्ध में श्री कमल पाण्डेय व अन्य निवासीगण जनपद मथुरा की याचिका व्यपगत हुई।

श्री बाबूलाल, सदस्य, विधान सभा की जनपद आगरा से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)†

श्री बाबूलाल, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में जनपद आगरा के ब्लाक अछनेरा के अन्तर्गत बिचपुरी-अछनेरा मार्ग रसूलपुर ग्राम से वाया सकतपुर से आगरा-फतेहपुर सीकरी मार्ग तक सड़क का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राजू प्रधान व अन्य निवासीगण जनपद आगरा की याचिका व्यपगत हुई।

श्री अतुल प्रधान, सदस्य, विधान सभा की जनपद मेरठ से सम्बन्धित याचिका†

श्री अतुल प्रधान, सदस्य, विधान सभा की जनपद मेरठ के विधान सभा क्षेत्र सरधना के अन्तर्गत ग्राम अकबरपुर सादात माइनर हेड से झुनझुनी बाईपास तक सड़क का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री दीपक, निवासी जनपद मेरठ की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री अनिल सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद लखनऊ से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)†

श्री अनिल सिंह, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में लखनऊ विकास प्राधिकरण के ग्राम उजरिया गाँव के गायत्रीपुरम के निर्मित आवासों को डिमॉलिश होने से बचाए जाने के सम्बन्ध में श्री राकेश सिंह व अन्य निवासीगण जनपद लखनऊ की याचिका व्यपगत हुई।

श्री जय प्रकाश अंचल, सदस्य, विधान सभा की जनपद बलिया से सम्बन्धित याचिका†

श्री जय प्रकाश अंचल, सदस्य, विधान सभा की जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र बैरिया के शोभाछपरा संसार टोला होते हुए लोकनायक जयप्रकाश जी के पैतृक गाँव जयप्रकाश नगर का पी0एम0जे0एस0वाई0 मार्ग (लगभग 4 किमी0) का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री शशि भूषण व अन्य निवासीगण जनपद बलिया की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

---

† छापी नहीं गयी।

श्री लोकेन्द्र प्रताप सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद खीरी से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)†

श्री लोकेन्द्र प्रताप सिंह, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में जनपद खीरी के विधान सभा क्षेत्र मोहम्मदी के अन्तर्गत ग्राम दिलावरपुर में अग्निशमन केन्द्र का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री दिनेश कुमार गुप्ता व अन्य निवासीगण जनपद खीरी की याचिका व्यपगत हुई।

श्री जै किशन साहू, सदस्य, विधान सभा की जनपद गाजीपुर से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)†

श्री जै किशन साहू, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में जनपद गाजीपुर के विधान सभा क्षेत्र सदर के अन्तर्गत ग्राम पंचायत मकसूपाह के ग्राम महाबलपुर में खरदूषण बिंद के मकान से जूनियर हाई स्कूल, ग्राम महाबलपुर तक सी0सी0 मार्ग (300 मी0) का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री बालकरन बिंद व अन्य निवासीगण जनपद गाजीपुर की याचिका व्यपगत हुई।

श्री मूल चन्द्र सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद जालौन से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)†

श्री मूल चन्द्र सिंह, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में जनपद जालौन की तहसील माधौगढ़ के अन्तर्गत ग्राम जायघा में राजकीय हाई स्कूल का नव निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री चंद्रपाल व अन्य निवासीगण जनपद जालौन की याचिका व्यपगत हुई।

श्री राजेन्द्र कुमार मौर्य, सदस्य, विधान सभा की जनपद प्रतापगढ़ से सम्बन्धित याचिका†

श्री राजेन्द्र कुमार मौर्य, सदस्य, विधान सभा की जनपद प्रतापगढ़ के विकास खण्ड सण्डवा चण्डिका के अन्तर्गत बांसी से मंगापुर तक 2 किमी0 सड़क मार्ग का मरम्मत कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रमेश वर्मा व अन्य निवासीगण जनपद प्रतापगढ़ की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री लक्ष्मी राज सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद बुलन्दशहर से सम्बन्धित याचिका†

श्री लक्ष्मी राज सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद बुलन्दशहर की सिकन्दराबाद विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम सूबरा से नहर पुल होते हुए झाझर लिंक मार्ग तक काली सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री शैलेन्द्र सिंह व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री जवाहर लाल राजपूत, सदस्य, विधान सभा की जनपद झांसी से सम्बन्धित याचिका†

श्री जवाहर लाल राजपूत, सदस्य, विधान सभा की जनपद झांसी के बेतवा नदी पर ग्राम डिकौली में लिफ्ट कैनाल का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अमित चौरसिया व अन्य निवासीगण जनपद झांसी की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

---

† छापी नहीं गयी।

श्री राजपाल सिंह बालियान, सदस्य, विधान सभा की जनपद मुजफ्फरनगर से सम्बन्धित याचिका†

श्री राजपाल सिंह बालियान, सदस्य, विधान सभा की जनपद मुजफ्फरनगर के विधान सभा क्षेत्र बुढ़ाना के अन्तर्गत ग्राम गढ़ीनौआबाद में ओमकार के चक से शिकारपुर तक जर्जर मार्ग (2.00 किमी0) का नव निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री बब्लू शर्मा व अन्य निवासीगण जनपद मुजफ्फरनगर की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

डॉ0 मुकेश चन्द्र वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद फिरोजाबाद से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)†

डॉ0 मुकेश चन्द्र वर्मा, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में जनपद फिरोजाबाद की विधान सभा क्षेत्र शिकोहाबाद के अन्तर्गत ग्राम चूरा में रामप्रकाश के घर से नाथूराम के घर तक सड़क मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रामबाबू, निवासी जनपद फिरोजाबाद की याचिका व्यपगत हुई।

श्री सुरेन्द्र मैथानी, सदस्य, विधान सभा की जनपद कानपुर से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)†

श्री सुरेन्द्र मैथानी, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में जनपद कानपुर की गोविन्द नगर विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत वार्ड संख्या-53 में दूषित भू-गर्भ जल स्रोत की समस्या के निस्तारण हेतु नई वाटर लाइन डलवाये जाने के सम्बन्ध में श्री ललित उपाध्याय व अन्य निवासीगण जनपद कानपुर की याचिका व्यपगत हुई।

डॉ0 पल्लवी पटेल, सदस्य, विधान सभा की जनपद कौशाम्बी से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)†

डॉ0 पल्लवी पटेल, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में जनपद कौशाम्बी के विकास खण्ड सिराथू के अन्तर्गत संदीपन घाट पर इलेक्ट्रानिक शवदाह गृह का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री छितानी लाल दिवाकर व अन्य निवासीगण जनपद कौशाम्बी की याचिका व्यपगत हुई।

श्री राजेन्द्र सिंह पटेल, सदस्य, विधान सभा की जनपद फतेहपुर से सम्बन्धित याचिका†

श्री राजेन्द्र सिंह पटेल, सदस्य, विधान सभा की जनपद फतेहपुर के अन्तर्गत ग्राम बसंतखेड़ा मार्ग से सुल्तानगढ़ तक सम्पर्क मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री आशीष पटेल व अन्य निवासीगण जनपद फतेहपुर की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

---

† छापी नहीं गयी।

श्री प्रदीप कुमार सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद हाथरस से सम्बन्धित याचिका†

श्री प्रदीप कुमार सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद हाथरस के विधान सभा क्षेत्र-79, सादाबाद के अन्तर्गत कुरसंडा राजवाहे की पटरी पर ग्राम पंचायत बरामई से ग्राम पंचायत सुसाइन (ऊंचागाँव) तक डामरीकरण का कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मुख्तियार सिंह व अन्य निवासीगण जनपद हाथरस की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री अनिल कुमार, सदस्य, विधान सभा की जनपद मुजफ्फरनगर से सम्बन्धित याचिका†

श्री अनिल कुमार, सदस्य, विधान सभा की जनपद मुजफ्फरनगर के विधान सभा क्षेत्र पुरकाजी के अन्तर्गत ग्राम चरथावल रोहन रोड से कसियारा तक क्षतिग्रस्त मार्ग (1.5 किमी0) का नव निर्माण/मरम्मत का कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री जसवीर सिंह व अन्य निवासीगण जनपद मुजफ्फरनगर की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री चन्दन चौहान, सदस्य, विधान सभा की जनपद मुजफ्फरनगर से सम्बन्धित याचिका†

श्री चन्दन चौहान, सदस्य, विधान सभा की जनपद मुजफ्फरनगर के विधान सभा क्षेत्र मीरापुर के अन्तर्गत ग्राम बहेड़ा शादात से वी0आई0टी0 मार्ग (लगभग 12 किमी0) का चौड़ीकरण एवं मरम्मत का कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अरुण व अन्य निवासीगण जनपद मुजफ्फरनगर की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री गौरी शंकर वर्मा (कोरी), सदस्य, विधान सभा की जनपद जालौन से सम्बन्धित याचिका†

श्री गौरी शंकर वर्मा (कोरी), सदस्य, विधान सभा की जनपद जालौन की विधान सभा क्षेत्र उरई के अन्तर्गत जालौन नगर में मलंगा नाला पर रपटा का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राम चन्द्र गुप्ता व अन्य निवासीगण जनपद जालौन की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री प्रसन्न कुमार, सदस्य, विधान सभा की जनपद शामली से सम्बन्धित याचिका†

श्री प्रसन्न कुमार, सदस्य, विधान सभा की जनपद शामली के विकास खण्ड शामली के अन्तर्गत ग्राम कुरमाली में वैदिक इण्टर कालेज को डिग्री कालेज बनाये जाने के सम्बन्ध में श्री वीरेन्द्र प्रधान व अन्य निवासीगण जनपद शामली की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

---

† छापी नहीं गयी।

श्री अजय सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद गोण्डा से सम्बन्धित याचिका†

श्री अजय सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद गोण्डा, विकास खण्ड परसपुर के बालपुर मार्ग के बेलई पुल से धर्म नगर तक मार्ग का चौड़ीकरण व उच्चीकरण का कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री विनोद कुमार सिंह व अन्य निवासीगण जनपद गोण्डा की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री राम रतन कुशवाहा, सदस्य, विधान सभा की जनपद ललितपुर से सम्बन्धित याचिका†

श्री राम रतन कुशवाहा, सदस्य, विधान सभा की जनपद ललितपुर की विधान सभा क्षेत्र-226, ललितपुर के अन्तर्गत वार्ड संख्या-2 खिरकापुरा मोहल्ला में बूढ़े बाबा मन्दिर के पास नाले पर पुलिया का पुनर्निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री करन कुशवाहा व अन्य निवासीगण जनपद ललितपुर की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्रीमती मीनाक्षी सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद बुलन्दशहर से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)†

श्रीमती मीनाक्षी सिंह, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में जनपद बुलन्दशहर की तहसील खुर्जा के ब्लॉक अरनिया के ग्राम नगलिया टक्कर में रजवाहा कोल की पटरी से बाबू लाल के घर तक के रास्ते का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री नरेश सिंह व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका व्यपगत हुई।

श्री त्रिभुवन दत्त, सदस्य, विधान सभा की जनपद अम्बेडकरनगर से सम्बन्धित याचिका†

श्री त्रिभुवन दत्त, सदस्य, विधान सभा की जनपद अम्बेडकरनगर के विधान सभा क्षेत्र आलापुर के ग्राम सभा इमामुदीनपुर में अमृत सरोवर से राजपति गौतम के घर होते हुए हरीराम ड्राइवर के घर तक सी0सी0 मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रामहृदय व अन्य निवासीगण जनपद अम्बेडकरनगर की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री शफीक अहमद अंसारी, सदस्य, विधान सभा की जनपद रामपुर से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)†

श्री शफीक अहमद अंसारी, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में जनपद रामपुर के विधान सभा क्षेत्र स्वार के अन्तर्गत नगर पंचायत दढ़ियाल एवं नगर पालिका परिषद् टांडा में अन्त्येष्टि स्थल का नव निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रोहतास व अन्य निवासीगण जनपद रामपुर की याचिका व्यपगत हुई।

---

† छापी नहीं गयी।

श्री जीत लाल पटेल, सदस्य, विधान सभा की जनपद प्रतापगढ़ से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)†

श्री जीत लाल पटेल, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में जनपद प्रतापगढ़ के विधान सभा क्षेत्र विश्वनाथगंज के मान्धाता ब्लाक के अन्तर्गत भयहरण नाथ धाम पर बकुलाही नदी में फाल/बैराज का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री महादेव पटेल व अन्य निवासीगण जनपद प्रतापगढ़ की याचिका व्यपगत हुई।

श्री गौरव कुमार, सदस्य, विधान सभा की जनपद बाराबंकी से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)†

श्री गौरव कुमार, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में जनपद बाराबंकी के विधान सभा क्षेत्र जैदपुर में बांदा-बहराइच मार्ग से ताहीपुर सम्पर्क मार्ग का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सर्वजीत यादव व अन्य निवासीगण जनपद बाराबंकी की याचिका व्यपगत हुई।

श्री अनिल प्रधान, सदस्य, विधान सभा की जनपद चित्रकूट से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)†

श्री अनिल प्रधान, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में जनपद चित्रकूट के ग्राम पंचायत घुरेटनपुर में सहकारी समिति की नवीन (भवन) का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अनिल कुमार व अन्य निवासीगण जनपद चित्रकूट की याचिका व्यपगत हुई।

श्री स्वामी ओउ्मवेश, सदस्य, विधान सभा की जनपद बिजनौर से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)†

श्री स्वामी ओउ्मवेश, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में जनपद बिजनौर के विधान सभा क्षेत्र चांदपुर के अन्तर्गत विकास खण्ड जलीलपुर के ग्राम केलनपुर से ग्राम हुसैनपुर तक डामर सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री देवेन्द्र सिंह व अन्य निवासीगण जनपद बिजनौर की याचिका व्यपगत हुई।

श्रीमती नीलिमा कटियार, सदस्य, विधान सभा की जनपद कानपुर से सम्बन्धित याचिका†

श्रीमती नीलिमा कटियार, सदस्य, विधान सभा की जनपद कानपुर के विधान सभा क्षेत्र कल्याणपुर के वार्ड संख्या-44 ख्योरा व वार्ड संख्या-17 नारामऊ में सीवर लाइन का एस0टी0पी0 प्रारम्भ किये जाने के सम्बन्ध में श्री शुभम दीक्षित व अन्य निवासीगण जनपद कानपुर की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री अशरफ अली खान, सदस्य, विधान सभा की जनपद शामली से सम्बन्धित याचिका†

श्री अशरफ अली खान, सदस्य, विधान सभा की जनपद शामली की विधान सभा क्षेत्र थानाभवन के ग्राम महरमपुर में खाद गोदाम से हाई-वे की ओर कच्चे मार्ग पर खड़न्जा का

† छापी नहीं गयी।

निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री प्रदीप कुमार व अन्य निवासीगण जनपद शामली की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री पंकज कुमार मलिक, सदस्य, विधान सभा की जनपद नोएडा से सम्बन्धित याचिका†

श्री पंकज कुमार मलिक, सदस्य, विधान सभा की जनपद नोएडा में ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण द्वारा भू-खण्डों पर बायलॉज में संचालन हेतु मानचित्र दिये जाने के सम्बन्ध में श्री देवेन्द्र नागर व अन्य निवासीगण जनपद नोएडा की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री विनोद चतुर्वेदी, सदस्य, विधान सभा की जनपद जालौन से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)†

श्री विनोद चतुर्वेदी, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में जनपद जालौन के विधान सभा क्षेत्र कालपी के अन्तर्गत ग्राम निपनियां से सिम्हारा इण्टर कालेज के बगल तक सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री महादेव यादव व अन्य निवासीगण जनपद जालौन की याचिका व्यपगत हुई।

श्री राम अचल राजभर, सदस्य, विधान सभा की जनपद अम्बेडकरनगर से सम्बन्धित याचिका†

श्री राम अचल राजभर, सदस्य, विधान सभा की जनपद अम्बेडकरनगर के विकास खण्ड अकबरपुर के ग्राम घाघूपुर में शिव प्रसाद प्रजापति के घर से रग्धूपुर बजरंगी यादव के घर तक सम्पर्क मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रामजीत राजभर व अन्य निवासीगण जनपद अम्बेडकरनगर की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री राम अवतार सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद बिजनौर से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)†

श्री राम अवतार सिंह, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में जनपद बिजनौर के विधान सभा क्षेत्र नूरपुर के ग्राम नामदारपुर चान्दन उर्फ गल्लाखेड़ी में कब्रिस्तान से पी0डब्लू0डी0 रोड तक सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री फैजान व अन्य निवासीगण जनपद बिजनौर की याचिका व्यपगत हुई।

श्री मनोज कुमार पारस, सदस्य, विधान सभा की जनपद बिजनौर से सम्बन्धित याचिका†

श्री मनोज कुमार पारस, सदस्य, विधान सभा की जनपद बिजनौर के विधान सभा क्षेत्र नगीना के ग्राम गुनियापुर से दूधली होते हुए भनेडा मार्ग के बीच छोईया नदी पर पुल का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में डॉ0 शाहिद जौनी व अन्य निवासीगण जनपद बिजनौर की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

---

† छापी नहीं गयी।

डॉ0 एम0 पी0 आर्य, सदस्य, विधान सभा की जनपद बरेली से सम्बन्धित याचिका†

डॉ0 एम0 पी0 आर्य, सदस्य, विधान सभा की जनपद बरेली की तहसील नवाबगंज के ग्राम रिछोलाकिफायतुल्ला नहर से बीजामऊ लिंक मार्ग तक सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री हरीश गंगवार व अन्य निवासीगण जनपद बरेली की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री राम चन्द्र यादव, सदस्य, विधान सभा की जनपद लखनऊ से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)†

श्री राम चन्द्र यादव, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में जनपद लखनऊ के चिनहट क्षेत्र के मटियारी-फैजाबाद रोड से सीता मिष्ठान व भारत भवन होते हुए डूडा कालोनी को जाने वाले सम्पर्क मार्ग (2.00 किमी0) को अतिक्रमण मुक्त कराकर 9 मीटर चौड़ा कराये जाने के सम्बन्ध में श्री लवकुश व अन्य निवासीगण जनपद लखनऊ की याचिका व्यपगत हुई।

श्री उमर अली खान, सदस्य, विधान सभा की जनपद सहारनपुर से सम्बन्धित याचिका†

श्री उमर अली खान, सदस्य, विधान सभा की जनपद सहारनपुर की बेहट विधान सभा क्षेत्र के ग्राम मगनपुर व अन्य ग्रामों में लगे विद्युत ट्रान्सफार्मरों की क्षमता वृद्धि किये जाने के सम्बन्ध में श्री फैजान व अन्य निवासीगण जनपद सहारनपुर की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री आशीष कुमार सिंह 'आशू', सदस्य, विधान सभा की जनपद हरदोई से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)†

श्री आशीष कुमार सिंह 'आशू', सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में जनपद हरदोई के विधान सभा क्षेत्र बिलग्राम-मल्लावां के निर्मलनगर से मांझगाँव तक सड़क मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अरविन्द कुमार वर्मा व अन्य निवासीगण जनपद हरदोई की याचिका व्यपगत हुई।

श्री राम निवास वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद बहराइच से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)†

श्री राम निवास वर्मा, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में जनपद बहराइच के विधान सभा क्षेत्र नानपारा के शिवपुर ब्लाक के कुण्डासर महसी नानपारा एम0डी0आर0-186 ई के किमी0-58 एवं चौक साहार सम्पर्क मार्ग के किमी0-2 के मध्य लघु सेतु का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री बृज मोहन वर्मा व अन्य निवासीगण जनपद बहराइच की याचिका व्यपगत हुई।

---

† छापी नहीं गयी।

श्रीमती सलोना कुशवाहा, सदस्य, विधान सभा की जनपद शाहजहाँपुर से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)†

श्रीमती सलोना कुशवाहा, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में जनपद शाहजहाँपुर के ब्लाक तिलहर के ग्राम वीरमपुर कब्रिस्तान से सैहजना गाँव की ओर इण्टरलॉकिंग व नाली निर्माण का कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री धर्मवीर गंगवार, निवासी जनपद शाहजहाँपुर की याचिका व्यपगत हुई।

श्रीमती सरिता भदौरिया, सदस्य, विधान सभा की जनपद इटावा से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)†

श्रीमती सरिता भदौरिया, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में जनपद इटावा के विधान सभा क्षेत्र इटावा सदर के ग्राम पोखरा से प्राचीन वनखंडेश्वर महादेव मंदिर तक कच्चे मार्ग का नव निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री दिनेश भदौरिया, निवासी जनपद इटावा की याचिका व्यपगत हुई।

श्री कमलाकान्त राजभर उर्फ पप्पू, सदस्य, विधान सभा की जनपद आजमगढ़ से सम्बन्धित याचिका†

श्री कमलाकान्त राजभर उर्फ पप्पू, सदस्य, विधान सभा की जनपद आजमगढ़ के विकास खण्ड फूलपुर में ग्राम गद्दोपुर-बुढ़ापुर सम्पर्क मार्ग के बीच भगवती यादव के ट्यूबवेल से बहादुर के आवास तक सड़क निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राजू राव व अन्य निवासीगण जनपद आजमगढ़ की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

[09:01] नियम-51 के अन्तर्गत सूचनाएं

श्री अध्यक्ष-

आज नियम-51 के अन्तर्गत कुल 64 सूचनाएं प्राप्त हुई हैं, जिसमें से 10 मा0 सदस्यों की सूचनाएं स्वीकार की गयी हैं और शेष अस्वीकृत हुईं।

पहली सूचना श्री आशीष कुमार सिंह 'आशू' की जनपद हरदोई के विधान सभा क्षेत्र-159, बिलग्राम-मल्लावां के अन्तर्गत गनीपुर के निकट लोक निर्माण विभाग के मार्ग पर टूटे पुल के सम्बन्ध में है, दूसरी सूचना श्री सचिन यादव की जनपद फिरोजाबाद की तहसील जसराना के ग्राम झपारा में अधिग्रहीत भूमि पर अग्निशमन केन्द्र का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में है, तीसरी सूचना श्री मनोज कुमार पाण्डेय की जनपद रायबरेली के ग्राम परवनपुर, थाना महराजगंज, रायबरेली में महिला चिकित्सालय की डॉ0 रेनू चौधरी द्वारा प्रसूता

† छापी नहीं गयी।

की डिलीवरी के ऑपरेशन में लापरवाही बरते जाने की जांच कराये जाने के सम्बन्ध में है, चौथी सूचना श्री मनीष असीजा की जनपद फिरोजाबाद में स्थित स्वशासी राजकीय महाविद्यालय को पूर्ण क्षमता से संचालित कराये जाने के सम्बन्ध में है, पांचवीं सूचना डॉ0 रागिनी की प्रदेश के राजकीय मेडिकल कॉलेजों/राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान/ के0जी0एम0यू0 के विभिन्न भर्तियों में आरक्षण नियमों की अवहेलना से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में है, छठवीं सूचना श्री दुर्गा प्रसाद यादव की विधान सभा क्षेत्र सदर जनपद आजमगढ़ के अन्तर्गत विद्युत विभाग द्वारा मूलभूत संरचनात्मक कार्य के साथ घरेलू उपभोक्ताओं के बिजली बिल के समस्याओं के समाधान के सम्बन्ध में है तथा सातवीं सूचना श्री पंकज कुमार मलिक की बघरा के तिरपड़ी बुडीना खुर्द मार्ग के मरम्मत के सम्बन्ध में है, वक्तव्य हेतु स्वीकृत हुई।

पहली सूचना श्री अशोक कुमार की जनपद रायबरेली की विधान सभा क्षेत्र सलोन में ब्लॉक सलोन के अन्तर्गत धरई-कमालपुर सम्पर्क मार्ग से ग्राम सभा कुटीला तक मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में है तथा दूसरी सूचना श्री रमेश चन्द्र मिश्र की जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र बदलापुर के अन्तर्गत जिला पंचायत द्वारा कतिपय सड़कों का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है, केवल वक्तव्य हेतु स्वीकृत हुईं।

पहली सूचना श्री प्रभु नारायण सिंह यादव की जनपद चन्दौली के विधान सभा क्षेत्र सकलडीहा में जल जीवन मिशन के अन्तर्गत सड़कों को क्षतिग्रस्त कर छोड़ दिये जाने से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में है तथा दूसरी सूचना श्री जियाउद्दीन रिजवी की जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र सिकन्दरपुर में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सिकन्दरपुर के डॉक्टर का स्थानान्तरण निरस्त कराये जाने के सम्बन्ध में है, ध्यानाकर्षण हेतु स्वीकृत हुईं।

निम्नलिखित मा0 सदस्यों की सूचनाएं अस्वीकृत की गईं :-

डॉ0 नीरज बोरा, श्री विनोद चतुर्वेदी, प्रो0 श्याम बिहारी लाल, श्री मौ0 फहीम इरफान, श्री अनिल प्रधान, श्री विवेकानन्द पाण्डेय, श्री वीर विक्रम सिंह, श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह, श्री स्वामी ओउ्मवेश, श्री अशरफ अली खान, श्री प्रसन्न कुमार, श्री कमलाकान्त राजभर, श्री देवेन्द्र निम, श्री राजेन्द्र सिंह पटेल, श्री महेन्द्र सिंह खड़गवंशी, श्री प्रदीप कुमार चौधरी, श्री ब्रजभूषण राजपूत, श्री सुरेन्द्र मैथानी, श्री अखिलेश, श्री राकेश प्रताप सिंह, श्री राजीव तरारा, श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना', श्री राजेश्वर सिंह, श्री जय प्रकाश अंचल, श्रीमती सैय्यदा खातून, श्री त्रिभुवन दत्त, श्रीमती इन्द्राणी वर्मा, श्रीमती गीता शास्त्री (पासी), श्री राजेन्द्र प्रसाद चौधरी, इंजी0 बृजेश कठेरिया, मो0 ताहिर खां, श्री अरमान खान, श्री रविदास मेहरोत्रा, श्री जवाहर लाल राजपूत, श्री प्रदीप कुमार सिंह, श्री मनोज कुमार पारस, श्री अनिल सिंह, श्री अजय सिंह, श्री राजेन्द्र कुमार मौर्य, श्री पल्टूराम, श्री बम्बा लाल, श्री रमेश चन्द्र जायसवाल, श्री अभय सिंह, श्री आनन्द कुमार यादव, श्री बेचई सरोज,

श्री कविन्द्र चौधरी, श्री नाहिद हसन, श्री मो0 हसन 'रूमी', श्री लोकेन्द्र प्रताप सिंह, ईं0 सरवन निषाद, श्री विपुल दुबे, डॉ0 विनोद बिन्द तथा डॉ0 असीम कुमार।

श्री अध्यक्ष-

अब हम कल पूर्वाह्न 11:00 बजे तक के लिए उठते हैं।

(इसके बाद सदन का उपवेशन 09 बजकर 02 मिनट पर अगले दिन के 11:00 बजे तक के लिये स्थगित हो गया।)

लखनऊ :
दिनांक 05 फरवरी, 2024 ई0

प्रदीप कुमार दुबे,
प्रमुख सचिव,
विधान सभा, उत्तर प्रदेश।

पी0एस0यू0पी0-एल0 29 विधान सभा (36)-03-06-2024-25 प्रतियां (कम्प्यूटर/आफसेट)।